पी डी आई एल
PDIL

प्रोजेक्ट्स एण्ड डेवलमेंट इण्डिया लिमिटेड

(भारत सरकार का उपक्रम, उर्वरक विभाग)

एक मिनी रत्न-1 कंपनी

Projects & Development India Limited

(A Govt. of India Undertaking, Dept. of Fertilizers)

A Mini Ratna-1 Company

CIN: U74140UP1978GOI028629

ISO 9001:2015, ISO 45001: 2018 & ISO/IEC 17020: 2012 Accredited Company

Annual Report

वार्षिक रिपोर्ट

2024-25

PDIL's Presence in Greenfield / Expansion of Ammonia-Urea Projects in India

KFL	Shahjahanpur
NFL	Nangal
IFFCO	• Aonla • Aonla Expansion
Yara	Babrala
IFFCO	Phulpur Expansion
CFCL	Gadepan
KRIBHCO	Hazira Hazira AE
RCF	Trombay-V Trombay-I AR
RCF	• Thal • Thal AE
NFL	•Vijaipur •Vijaipur Expansion
FACT	Cochin

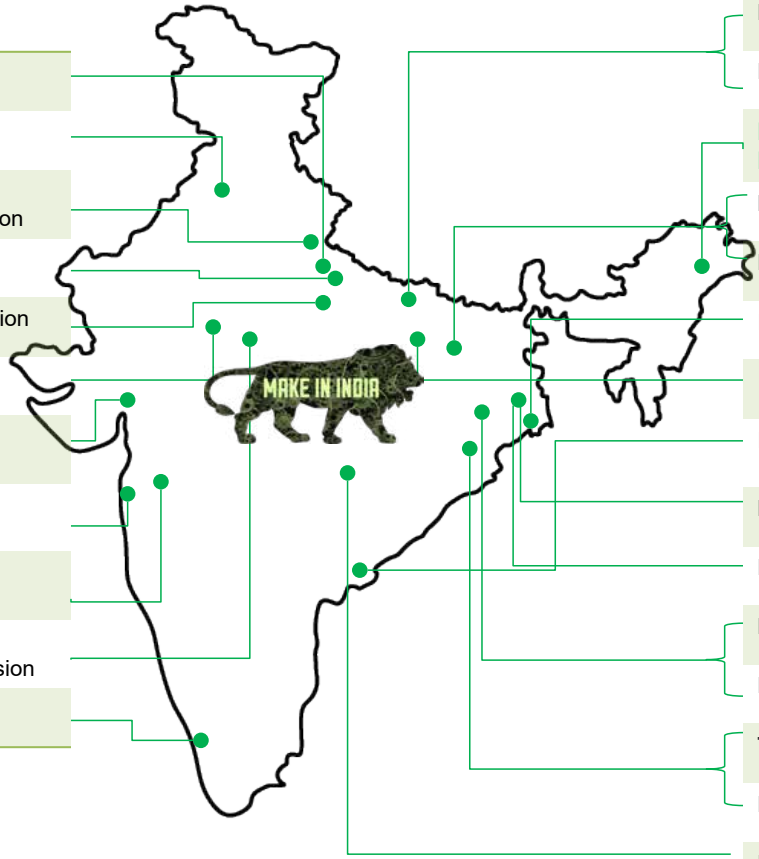

HURL	**Gorakhpur**
FCI	Gorakhpur
HFC/ BVFCL	**Namrup-II & III**
HURL	**Barauni**
HFC	Barauni
HFC	Haldia
IGF	Jagdishpur
NFCL	•Kakinada •Kakinada Expansion
Matix	Durgapur
HFC	Durgapur
HURL	**Sindri**
FCI	Sindri
TFL	**Talcher**
FCI	Talcher
FCI	Ramagundam

पी डी आई एल
PDIL

STEERING COAL GASIFICATION IN INDIA

- Working for the National Coal Gasification Mission
- Harnessing Coal as Energy Source of India
- Services for Pilot as well as Commercial Projects
- Ammonium Nitrate, SNG, Methanol, Ammonia, Urea
- Serving Major Gasification Projects in India

कोल इण्डिया Coal India

Talcher Fertilizers

COAL GAS INDIA LIMITED

NEW ERA

ESSAR POWER

BCGCL

कंपनी का दृष्टिकोण, लक्ष्य एवं उद्देश्य

1. दृष्टिकोण

- एक अग्रणी इंजीयिरी एवं परियोजना प्रबंधन परामर्शी संस्थान ।

2 लक्ष्य

- सभी ग्राहकों को सर्वथा उपयुक्त लागत, गुणवत्ता एवं समयबद्ध समन्वित तकनीकी- आर्थिक समाधान प्रदान करना।
- इंजीनियरिंग परामर्श तथा परियोजना प्रबंधन में सर्वोत्तम विधाओं का समावेश करते हुए विश्वस्तीय सेवाएं प्रदान करने हेतु अनवरत प्रयास करना।

3 उद्देश्य

- **लाभकता** - कंपनी के मानव संसाधन, तकनीकी और भौतिक सम्पति को महत्व देते हुए तथा इन्हें अधिक दक्ष एवं प्रभावी बनाते हुए पर्याप्त सुरक्षा एवं तरलता के साथ निवेशों पर अधिकतम लाभ प्राप्त करना।
- **विकास** – उर्वरक, तेल एवं प्राकृतिक गैस और अन्य क्षेत्रों में स्वदेश एवं विदेशों में समुचित, उत्तरोत्तर एवं समग्रतापूर्वक वृद्धि करना।
- **संस्थागत दक्षता का विकास** – संस्थान में ज्ञान वृद्धि, मानव एवं भौतिक संसाधनों के विकास एवं अनुरक्षण हेतु वातावरण और स्थितियां तैयार करना जिससे कि कंपनी "ज्ञानवर्धनशील संस्थान" के रूप में पहचान पा सके।
- **गुणवत्ता -** ग्राहकों की आवश्यकता के अनुरूप अपनी सेवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करना।
- **सभी हितधारकों का महत्व** –अपने व्यवहार एवं आचरण में समाज के विभिन्न वर्गो यथा शेयर होल्डर, कार्मिक, ग्राहक, व्यवसायिक साझेदार एवं समाज के महत्व को समझते हुए एक आदर्श कारपोरेट नागरिक के रूप में प्रस्तुत करना।

Vision, Mission and Objectives of the Company

1. Vision

- To be a leading engineering and project management consultancy organization.

2. Mission

- To create and deliver integrated techno-commercial solution optimum in cost, quality and time to all customers.
- To pursue relentlessly world class quality in engineering consultancy and project management by imbibing best practices.

3. Objectives

- **Profitability:** To leverage the human resources, technology and physical assets of the company, in most effective and efficient manner, to generate an optimum return on investment, with adequate safety and liquidity.
- **Growth**: To achieve reasonable, consistent and diversified growth across fertilizer, oil & gas and other sectors in India and abroad.
- **Developing organizational capabilities**: To create environment and conditions in the organization conducive for developing and maintaining its knowledge, human and physical resources and make the company a 'Learning Organization'.
- **Quality**: To ensure that quality of our services fully meets the requirement of customers.
- **Value for all stakeholders:** To be guided in all its actions by the consideration of creating value for all its stakeholders, viz., shareholders, employees, clients, business partners and society to become a responsible Corporate Citizen.

गुणवत्ता नीति

प्रोजेक्ट्स एंड डेवलपमेंट इंडिया लिमिटेड (पीडीआईएल) एक अग्रणी अभियंत्रणा एवं परियोजना प्रबंध परामर्शी संस्थान है। पीडीआईएल निरीक्षण एवं गुणवत्ता आश्वासन सेवाएं भी प्रदान करता है और इसकी अन्य विशिष्ट सेवाओं में हैजॉप अध्ययन, ऊर्जा अंकेक्षण, रिवैंप / रिट्रोफिटिंग/ डीबोटलीकरण अध्ययन, पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन अध्ययन तथा तकनीकी आर्थिक व्यवहार्यता प्रतिवेदन / विस्तृत व्यवहार्यता प्रतिवेदन / विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन सम्मिलित है।

हमारा उद्देश्य अपने उत्पादों एवं सेवाओं से ग्राहकों को पूर्णत: संतुष्ट करना है -

- आवश्यकताओं का अनुपालन (कार्यात्मकता, सुरक्षा, ग्राहक एवं विधि आवश्यकताओं);
- नवीन राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप गुणवत्ता प्रबंध पद्धति का कार्यान्वयन और
- कार्मिकों एवं आपूर्तिकर्ताओं को प्रशिक्षण एवं अभिप्रेरण।

पीडीआईएल अभिनव एवं उन्नत प्रक्रिया पद्धति अपनाने और प्रबंधकीय पद्धति में सतत सुधार कर और प्रभावी बनाने हेतु भी संकल्पबद्ध है।

पीडीआईएल अपनी गतिविधियों को निष्पक्ष रूप से करने के महत्व को समझती है, हितों के संघर्ष के मामलें को चिन्हित कर समाधान करती है और अपनी निरीक्षण गतिविधियों के उद्देश्य को आश्वस्त करती है।

ह/-

(डॉ. यू. सरवणन)

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

QUALITY POLICY

Projects and Development India Limited (PDIL) is a premier Engineering and Project Management Consultancy organization. PDIL also provides Inspection & Quality Assurance Services & other specialized services include HAZOP study, Energy Audits, Revamp/Retrofitting/Debottlenecking studies, EIA studies and preparation of TEFR /DFR / DPRs.

We aim to provide Products & Services that best satisfies the customers by

- Compliance to requirements (Functional, Safety, Customer and Legal requirements);
- Implementing Quality Management Systems in accordance with latest National & International standards; and
- Training and Motivation of employees & suppliers.

PDIL is further committed to adopt innovative & improved process methodologies and continually improve the effectiveness of the management system.

PDIL understands the importance of impartiality in carrying out its activities, shall identify & resolve all conflict of interest situations and shall ensure the objectivity of its inspection activities.

Sd/-

(Dr. U Saravanan)

Chairman & Managing Director

विषय सूची
Content

		पृष्ठा संख्या
1	निदेशक मंडल Board of Directors	1
2	वरिष्ठ अधिकारी Senior Executives	2
3	अध्यक्ष भाषण Chairman's Speech	4
4	निदेशक की रिपोर्ट शेयरधारकों के नाम Director's Report to Shareholders	9
5	भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की टिप्पणियाँ Comments of Comptroller & Auditor General of India	60
6	स्वतंत्र लेखापरीक्षक की रिपोर्ट Independent Auditor's Report	61
7	कार्यनिष्पादन एक दृष्टि में Performance at a Glance	79
8	31 मार्च, 2025 की बैलेंस शीट Balance Sheet as at 31st March, 2025	80
9	वर्ष 2024-25 के लिए लाभ और हानि विवरण Statement of Profit & Loss for the year 2024-25	81
10	नकदी प्रवाह विवरण Cash Flow Statement	82
11	वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणियाँ Notes to Financial Statement	83

Board of Directors/ निदेशक मंडल

Dr. U. Saravanan
Chairman & Managing Director
(w.e.f. 01.11.2023)

Shri Hira Nand
Director (Finance)
(w.e.f. 09.02.2024)

Shri Padamsing Pradipsing Patil
Director (Govt. Nominee)
(till 12.07.2024)

Smt. Laboni Das Dutta
Director (Govt. Nominee)
(w.e.f. 14.09.2024)

Shri Ujjwal Kumar
Director (Govt. Nominee)
(till 18.02.2025)

Shri Mukesh Meghwal
Director (Govt. Nominee)
(w.e.f. 19.08.2025)

Lt General Vishwambhar Singh
Independent (Non-Official) Director
(till 22.12.2024)

Dr. Anil M Patel
Independent (Non-Official) Director
(w.e.f. 20.06.2023)

Shri Milind S Patil
Independent (Non-Official) Director
(w.e.f. 28.06.2023)

Senior Executives
वरिष्ठ अधिकारी

Corporate Office
निगमित कार्यालय

	Shri Mohan Lal Meena w.e.f 22.09.2025 श्री मोहन लाल मीणा 22.09.2025 से	Chief Vigilance Officer मुख्य सतर्कता अधिकारी
	Shri Anil Phulwari upto 15.09.2025 श्री अनिल फुलवारी, 15.09.2025 तक	
	Shri Anurag Rohatgi w.e.f. 01.01.2024 to 06.05.2024 श्री अनुराग रोहतगी, 01.01.2024 से 06.05.2024 तक	
	Shri M. Ramalingeswar श्री एम.रामलिंगेश्वर	Dy. GM & HOD (Corporate Human Resource) उप-महाप्रबंधक एवं विभागाध्यक्ष (निगमित मानव संसाधन)
	Smt. Ritu Gangwal सुश्री रितू गंगवाल	Chief Manager & HOD (Corporate Finance) मुख्य प्रबंधक एवं विभागाध्यक्ष (निगमित वित्त)
	Smt Arpita Basu Roy सुश्री अर्पिता बसु राय,	Company Secretary & Legal Officer, HOD (Rajbhasha) कंपनी सचिव एवं कानूनी अधिकारी, विभागाध्यक्ष (राजभाषा)

Noida Unit
नोएडा इकाई

1	Shri Praveen Kumar Yadav श्री प्रवीण कुमार यादव	Addl. GM & Unit Head (Noida) and HOD (Mech. Engg.-Piping & MH) अपर महाप्रबंधक एवं इकाई प्रमुख (नोएडा) एवं विभागाध्यक्ष (यांत्रिक इंजीनियरिंग - पाइपिंग एवं एमएच)
2	Smt. Shalini Katiyar सुश्री शालिनी कटियार	Addl. GM & HOD (Personnel & Administration), CSR अपर महाप्रबंधक एवं विभागाध्यक्ष (कार्मिक एवं प्रशासन), सीएसआर
3	Shri Prakash Ranjan Sahu श्री प्रकाश रंजन साहू	Addl. GM & HOD (Inspection) अपर महाप्रबंधक एवं विभागाध्यक्ष (निरीक्षण)
4	Shri Amarendra Kumar श्री अमरेन्द्र कुमार	Addl. GM & HOD (PM, MS and SSP & QC Audit) अपर महाप्रबंधक एवं विभागाध्यक्ष (पीएम, एमएस और एसएसपी एवं क्यूसी ऑडिट)
5	Smt. Manisha Narang सुश्री मनीषा नारंग	Addl. GM & HOD (Planning, Process, MR and Environment) अपर महाप्रबंधक एवं विभागाध्यक्ष (योजना, प्रक्रम, विपणन अनुसंधान एवं पर्यावरण)
6	Smt. Anjali Thakur सुश्री अंजलि ठाकुर	Dy. GM & HOD (Materials Management) उप-महाप्रबंधक एवं विभागाध्यक्ष (सामग्री प्रबंधन)
7	Shri Rajeev Kumar Ranjan श्री राजीव कुमार रंजन	Dy. GM & HOD (Instrumentation) उप-महाप्रबंधक एवं विभागाध्यक्ष (उपकरण)
8	Shri Rajeev Ranjan Kumar श्री राजीव रंजन कुमार	Dy. GM & HOD (Mech-PV,M/C & Construction) उप-महाप्रबंधक एवं विभागाध्यक्ष (यांत्रिक – पीवी, एम/ सी एवं निर्माण)
9	Mohammad Nadeem Qureshi मौहम्मद नदीम कुरैशी	Dy. GM & HOD (BD & MR) उप-महाप्रबंधक एवं विभागाध्यक्ष (व्यापार विकास एवं प्रबन्धन प्रतिनिधि)
10	Shri Rawindra Nath Satyarthy श्री रविंद्र नाथ सत्यार्थी	Dy. GM & HOD (Civil) उप-महाप्रबंधक एवं विभागाध्यक्ष (असैनिक)
11	Shri Amit Kumar श्री अमित कुमार	CE & HOD (Computer) अपर मुख्य अभियंता एवं विभागाध्यक्ष (संगणक)
12	Smt. Amita Rawat सुश्री अमिता रावत	Dy Manager & HOD (Finance) उप प्रबंधक एवं विभागाध्यक्ष (वित्त)

	Vadodara Unit **वदोदरा इकाई**	
1	Shri D.K. Karamata श्री डी. के. करामाता	AGM & Unit Head (Vadodara) अपर महाप्रबंधक एवं इकाई प्रमुख (वड़ोदरा)
2	Shri S.K Srivastava श्री एस के श्रीवास्तव	Addl. GM & HOD (MS) अपर महाप्रबंधक एवं विभागाध्यक्ष (प्रबंधन सेवाएं)
3	Shri R. I. Upadhyay श्री आर. आई. उपाध्याय	Addl. GM. & HOD (Civil) अपर महाप्रबंधक एवं विभागाध्यक्ष (असैनिक)
4	Smt. T. Premlata सुश्री टी. प्रेमलता	Dy. GM & HOD (Mechanical) उप-महाप्रबंधक एवं विभागाध्यक्ष (यांत्रिक)
5	Smt. Vandana Prashar सुश्री वंदना पराशर	Addl. CE & HOD (Elect.) अपर मुख्य अभियंता एवं विभागाध्यक्ष(विद्युत)
6	Shri Satyendra Kumar Verma श्री सत्येंद्र कुमार वर्मा	Addl. CE & HOD (Computer) अपर मुख्य अभियंता एवं विभागाध्यक्ष(संगणक)
Inspection Offices of PDIL **पीडीआईएल के निरीक्षण कार्यालय**		
	Noida **नोएडा**	
1	Shri Prakash Ranjan Sahu श्री प्रकाश रंजन साहू	Addl. GM & HOD (Inspection) अपर महाप्रबंधक एवं विभागाध्यक्ष (निरीक्षण)
	Vadodara **वदोदरा**	
2	Shri D.K. Karamata श्री डी. के. करामाता	AGM & Unit Head (Vadodara) अपर महाप्रबंधक एवं इकाई प्रमुख (वड़ोदरा)
	Mumbai **मुंबई**	
3	Shri T. Venkanna श्री टी वेंकन्ना	DY. GM. (Insp.) उप महाप्रबंधक (निरीक्षण)
	Kolkata **कोलकाता**	
4	Shri C. Prasad श्री सी प्रसाद	DY. GM. (Insp.) उप महाप्रबंधक (निरीक्षण)
	Chennai **चैन्नई**	
5	Shri Makesh G श्री मकेश जी	DY. GM (Insp.) उप महाप्रबंधक (निरीक्षण)
	Hyderabad **हैदराबाद**	
6	Shri P. Syamkumar श्री पी.श्यामकुमार	DY. GM (Insp.) उप महाप्रबंधक (निरीक्षण)
	Auditors **अंकेक्षक**	
	SPSA & Co. Chartered Accountants, 802, Antriksh Bhawn, 22 K.G Marg, Connaught Place, Delhi - 110001	एसपीएसए एंड कंपनी चार्टेड एकाउंटेंटस, 802, अंतरिक्ष भवन, 22 के.जी मार्ग, कनॉट प्लेस, दिल्ली - 110001

Dr. U. Saravanan
Chairman & Managing Director

CHAIRMAN'S MESSAGE

प्रिय शेयरधारकों, देवियो और सज्जनो,

मुझे वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए प्रोजेक्ट्स एंड डेवलपमेंट इंडिया लिमिटेड (पीडीआईएल) की 47वीं वार्षिक रिपोर्ट आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है।

सबसे पहले, मैं कंपनी पर आपके विश्वास और समर्थन के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ। आपका अटूट विश्वास और निरंतर प्रोत्साहन ही हमें अपने प्रदर्शन को बनाए रखने और बेहतर बनाने के लिए प्रेरित करता है।

वर्ष 1978 में एक स्वतंत्र इकाई के रूप में स्थापना के 47 वर्ष पीडीआईएल ने इस साल पूरे कर लिये हैं। मेरा दृढ़ विश्वास है कि हमारा उद्देश्य हमारी दृष्टि को व्यापक बनाता है, हमें और अधिक उपलब्धियाँ हासिल करने के लिए प्रेरित करता है और एक मज़बूत भविष्य की नींव रखता है। यही उद्देश्य हमें अधिक महत्वाकांक्षी प्रतिबद्धताओं को अपनाने तथा राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप महत्वपूर्ण पहल करने के लिए सशक्त बनाता है।

मैंने 1 नवंबर, 2023 को कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के रूप में अतिरिक्त कार्यभार ग्रहण किया है और आपकी कंपनी के प्रदर्शन की मुख्य विशेषताएं, उपलब्धियां और भविष्य के दृष्टिकोण को प्रस्तुत करना मेरे लिए वास्तव में सौभाग्य और सम्मान की बात है। 31 मार्च, 2025 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए निदेशकों की रिपोर्ट और लेखापरीक्षित लेखे पहले ही परिचालित किए जा चुके हैं, और आपकी सहमति से, मैं उन्हें पढ़कर स्वीकार करूँगा। अध्यक्ष के रूप में, मुझे वर्ष के दौरान प्राप्त महत्वपूर्ण उपलब्धियों को आपके साथ साझा करने और साथ ही आगे आने वाले अवसरों और चुनौतियों की रूपरेखा प्रस्तुत करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है।

Dear Shareholders, Ladies and Gentlemen,

It gives me immense pleasure to present to you the 47th Annual Report of Projects and Development India Limited (PDIL) for the financial year 2024-25.

At the outset, I express my sincere thanks for the confidence and support you have extended to the Company. It is your unwavering trust and continued encouragement that inspire us to sustain and improve our performance.

This year marks the completion of 47 years since PDIL's establishment as an independent entity in 1978. I firmly believe that our purpose broadens our vision, motivates us to achieve greater milestones, and lays the foundation for a stronger future. It is this purpose that empowers us to embrace more ambitious commitments and undertake significant initiatives in alignment with national priorities.

I assumed additional charge as Chairman & Managing Director of the Company on 1st November, 2023 and it is indeed a privilege and honour for me to present the performance highlights, achievements and future outlook of your Company. The Directors' Report and the Audited Accounts for the financial year ended 31st March, 2025 have already been circulated, and with your kind consent, I shall take them as read. As Chairman, I feel privileged to share with you the significant milestones achieved during the year, while also outlining the opportunities and challenges ahead.

वित्तीय प्रदर्शन:

वर्ष की प्रमुख वित्तीय उपलब्धि:

वर्ष के दौरान कंपनी का कुल राजस्व ₹ 10,081.71 लाख था, जिसमें से इंजीनियरिंग सेवाओं से राजस्व ₹ 7286.75 लाख था।

वर्ष के दौरान कर-पूर्व लाभ (पीबीटी) और कर-पश्चात लाभ (पीएटी) क्रमशः ₹728.55 लाख और ₹458.85 लाख रहे।

31 मार्च, 2025 तक, कंपनी की कुल संपत्ति ₹17,618.29 लाख है, जबकि पिछले वर्ष यह ₹17,477.94 लाख थी।

लाभांश:

आपकी कंपनी लगातार वर्ष दर वर्ष लाभांश का भुगतान कर रही है और आपके निदेशकों ने निवल मूल्य के 4% की दर से अंतिम लाभांश की सिफारिश की है, अर्थात ₹1,000 अंकित मूल्य वाले 172985 इक्विटी शेयरों के लिए ₹7.05 करोड़।

यदि सदस्यों द्वारा लाभांश को मंजूरी दे दी जाती है, तो इसमें ₹7.05 करोड़ का नकद बहिर्वाह शामिल होगा.

वर्ष के दौरान निष्पादन की समीक्षा:

वर्ष के दौरान, आपकी कंपनी ने उर्वरक क्षेत्र में प्रमुख ऑर्डर प्राप्त किए, जिनमें मुख्य रूप से आरसीएफ से थल में प्रस्तावित अमोनिया डीएपी/एनपीके परियोजना के लिए पोस्ट अवार्ड पीएमसी सेवा प्रदान करने के लिए ऑर्डर प्राप्त हुए; तथा; ओमिफ्को से फ्रेश कूलिंग वाटर (एफसीडब्ल्यू) नेटवर्क और नई यूरिया बैगिंग एवं हैंडलिंग सुविधा से संबंधित दो इंजीनियरिंग परामर्श कार्य प्राप्त हुए।

इसके अलावा, रामागुंडम संयंत्र में शून्य द्रव निर्वहन (जेडएलडी) के कार्यान्वयन के लिए परामर्श सेवाएं प्रदान की गई हैं; एनएफएल, नांगल के लिए 2500 घन मीटर क्षमता वाले हॉर्टन स्फीयर की स्थापना के कार्य के लिए पीएमसी (एलएसटीके प्राप्ति से पूर्व और बाद में) सेवाएं; गुजरात नर्मदा वैली फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड, भरूच के लिए अमोनिया मेक अप गैस लूप परियोजना के निष्पादन के दौरान पीएमसी सेवाएं और थल और ट्रॉम्बे में मेसर्स आरसीएफ के अमोनिया भंडारण टैंकों के लिए एलएसटीके प्राप्ति के बाद पीएमसी सेवाएं।

आपकी कंपनी वर्तमान में तालचेर परियोजना के लिए एलएसटीके क्षेत्र हेतु पीएमसी सेवाएँ और ऑफसाइट एवं उपयोगिताओं हेतु ईपीसीएम सेवाएँ प्रदान कर रही है - जो आपकी कंपनी को प्राप्त अब तक का सबसे अधिक मूल्य का परामर्श कार्य आदेश है। तालचेर परियोजना भारत में एकमात्र कोयला गैसीकरण आधारित अमोनिया-यूरिया संयंत्र है।

उर्वरक क्षेत्र की परियोजनाओं के अलावा, आपकी कंपनी की विशेषज्ञता और अनुभव ने हमें मेसर्स कोल गैस इंडिया लिमिटेड (गेल और कोल इंडिया का संयुक्त उद्यम) से कोयला गैसीकरण आधारित सिंथेटिक प्राकृतिक गैस (एसएनजी) परियोजना के लिए प्री-अवार्ड पीएमसी सेवाएं प्रदान करने का एक और बड़ा ऑर्डर हासिल करने में मदद की। इसके अतिरिक्त, मेसर्स न्यू एरा क्लीनटेक ने हमें सिंथेटिक गैस (कोयला गैसीकरण के माध्यम से) से इथेनॉल

Financial Performance:

The key financial highlight of the year:

The total revenue of the company during the year was ₹ 10,081.71 Lakhs, of which revenue from Engineering services stood at ₹ 7286.75 Lakhs.

Profit Before Tax (PBT) and Profit After Tax (PAT) during the year stood at ₹728.55 lakhs and ₹ 458.85 lakhs respectively.

As of March 31, 2025, the company's net worth stands at ₹ 17,618.29 Lakhs, compared to ₹ 17,477.94 Lakhs in the previous year.

Dividend:

Your Company has been consistently paying dividend year on year and your Directors have recommended a final dividend @4% of the networth i.e. ₹ 7.05 crore for 172985 equity share of face value of ₹ 1,000 each.

The dividend, if approved by the members, would involve a cash outflow of ₹ 7.05 crores.

Review of Performance during the Year:

During the year, your company secured major orders in the Fertilizer Sector mainly from RCF for providing Post Award PMC Service for proposed Ammonia DAP/NPK Project at Thal and; two engineering consultancy assignments from OMIFCO related to Fresh Cooling Water (FCW) Network and New Urea Bagging & Handling Facility.

In addition, Consultancy Services have been rendered for implementation of Zero Liquid Discharge (ZLD) at Ramagundam Plant; PMC (Pre & Post LSTK Award) services for job of installation of a new 2500 cubic meter capacity Horton Sphere for NFL, Nangal; PMC services during execution for Ammonia Make up gas Loop project for Gujarat Narmada Valley Fertilizers & Chemicals Limited, Bharuch and Post-LSTK Award PMC Services for Ammonia Storage Tanks of M/s RCF at Thal & Trombay.

Your Company is presently rendering PMC Services for LSTK scope and EPCM Services for Offsites & Utilities for the Talcher Project - the highest ever value consultancy work order received by your Company. Talcher Project is the only coal gasification based Ammonia-Urea Plant in India.

Apart from projects in Fertilizer Sector, the expertise & experience of your Company helped us bag another major order from M/s Coal Gas India Limited (JV of GAIL and Coal India) for providing Pre-Award PMC Services for a Coal Gasification based Synthetic Natural Gas (SNG) Project. Additionally, M/s New Era Cleantech awarded us an assignment for a feasibility study for a Technology Demonstration Plant of Syngas (through coal gasification) to Ethanol. During the

तक के प्रौद्योगिकी प्रदर्शन संयंत्र के लिए व्यवहार्यता अध्ययन का कार्य सौंपा। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, आपकी कंपनी मेसर्स भारत कोल गैसीकरण एंड केमिकल्स लिमिटेड (मेसर्स भेल की स्वदेशी रूप से विकसित कोयला गैसीकरण तकनीक पर आधारित) द्वारा पिछले वर्ष प्रदान की गई कोयला गैसीकरण आधारित अमोनियम नाइट्रेट परियोजना के लिए प्री-एलएसटीके अवार्ड पीएमसी सेवाओं के निष्पादन में सफलतापूर्वक आगे बढ़ रही है।

आपकी कंपनी ने उत्प्रेरक स्केल-अप इकाई के लिए फीड की तैयारी हेतु एचपीसीएल से रिफाइनरी क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास आधारित इंजीनियरिंग परामर्श कार्य प्राप्त करके अन्य विविध क्षेत्रों में सफल सफलताओं को जारी रखा है। यह परियोजना एचपीसीएल अनुसंधान एवं विकास प्रभाग द्वारा विकसित आंतरिक प्रक्रिया पर आधारित है। जयगढ़ में एलपीजी आयात टर्मिनल के लिए पीएमसी सेवाओं हेतु मेसर्स जेएसडब्लू से एक और प्रमुख कार्य आदेश प्राप्त हुआ। इसके अतिरिक्त, अम्ल एवं लवण के क्षेत्र में हमारा प्रयास मेसर्स गुजरात स्टेट फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड की सिक्का इकाई में फॉस्फोरिक एसिड, सल्फ्यूरिक एसिड और ऑफसाइट्स के लिए एलएसटीके प्राप्ति पूर्व पीएमसी सेवाएं और मेसर्स गुजरात नर्मदा वैली फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड द्वारा उनके कमजोर नाइट्रिक एसिड-III परियोजना के लिए एलएसटीके प्राप्ति के पश्चात पीएमसी सेवाएं जारी है।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, निरीक्षण सेवाओं से आय ₹17.42 करोड़ रही। निरीक्षण और एनडीटी के क्षेत्र में, पीडीआईएल ने तृतीय पक्ष निरीक्षण (टीपीआई) और गैर-विनाशकारी परीक्षण (एनडीटी) सेवाओं के लिए अपनी साख स्थापित की है। एलपीजी/अमोनिया हॉर्टन स्फीयर्स, माउंडेड एलपीजी बुलेट्स का वैधानिक निरीक्षण, परीक्षण और प्रमाणन, अमोनिया भंडारण टैंकों का निरीक्षण और पुनः चालू करना और स्वचालित अल्ट्रासोनिक स्कैनिंग द्वारा रिफॉर्मर ट्यूबों का स्वास्थ्य मूल्यांकन पीडीआईएल की विशिष्ट गतिविधियाँ बनी रहीं। इसके अलावा, कुछ ग्राहकों ने अगले दो (2) वर्षों के लिए निर्माणाधीन परियोजनाओं के निरीक्षण और पर्यवेक्षण हेतु तृतीय पक्ष निरीक्षण एजेंसी (टीपीआईए) सेवाएँ शुरू करने के लिए पीडीआईएल को सूचीबद्ध किया है।

कॉर्पोरेट प्रशासन का अनुपालन:

आपकी कंपनी ने नैतिक और ज़िम्मेदार प्रबंधन के प्रति निरंतर दृढ़ प्रतिबद्धता प्रदर्शित की है। कंपनी डीपीई कॉर्पोरेट गवर्नेंस दिशानिर्देशों और सभी प्रासंगिक कानूनों का पालन करती है, जिससे सभी व्यावसायिक कार्यों में पारदर्शिता और नैतिक आचरण सुनिश्चित होता है। मेसर्स जे.के. दास एंड एसोसिएट्स, प्रैक्टिसिंग कंपनी सेक्रेटरीज, ने 31 मार्च, 2025 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए बिना किसी प्रतिकूल टिप्पणी के कॉर्पोरेट गवर्नेंस अनुपालन प्रमाणपत्र जारी किया है।.

कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व:

कंपनी अपनी मुख्य व्यावसायिक प्रथाओं में स्थिरता और सामाजिक उत्तरदायित्व को एकीकृत करती है, जिसका उद्देश्य हाशिए पर पड़े समुदायों को मज़बूत बनाना है। वर्ष के दौरान की गई पहलों में समुदायों की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप वित्त वर्ष 2024-25 के लिए सीपीएसई द्वारा सीएसआर गतिविधियों के लिए स्वास्थ्य सेवा और पोषण को सामान्य विषय के रूप में शामिल किया गया। वर्ष 2024-25 के लिए, कंपनी ने सीएसआर परियोजनाओं के लिए

Year under review, your company is advancing successfully into the execution of the Pre-LSTK Award PMC Services for Coal Gasification based Ammonium Nitrate Project awarded last year by M/s Bharat Coal Gasification and Chemicals Limited (based on indigenously developed Coal Gasification Technology of M/s BHEL).

Your Company continued the successful breakthroughs in other Diversified Sectors by securing the R&D Based Engineering Consultancy Assignment in Refinery Sector from HPCL for preparation of FEED for a Catalyst Scale-up Unit. This Project is based on in-house process developed by HPCL R&D Division. Another Major Work Order was received from M/s JSW for PMC Services for LPG Import Terminal at Jaigarh. In addition, our foray into the Acids & Salts continues with award of Pre-LSTK Award PMC Services for Phosphoric Acid, Sulphuric Acid & Offsites at Sikka Unit of M/s Gujarat State Fertilizers & Chemicals Limited and Post-LSTK Award PMC Services by M/s Gujarat Narmada Valley Fertilizers and Chemicals Limited for their Weak Nitric Acid-III Project.

During the year under review, the income from Inspection Services was ₹17.42 crores. In the area of Inspection & NDT, PDIL has established its credentials for Third Party Inspection (TPI) and Non-Destructive Testing (NDT) Services. Statutory inspection, testing and certification of LPG / Ammonia Horton Spheres, Mounded LPG Bullets, Inspection & Re-commissioning of Ammonia Storage Tanks and Health Assessment of Reformer Tubes by Automatic Ultrasonic Scanning continued to be the specialized activities of PDIL. Further, few clients have empanelled PDIL for undertaking Third Party Inspection Agency (TPIA) services for inspection and supervision service for projects under execution for next two (2) years.

Compliance of Corporate Governance:

Your company has consistently demonstrated a strong commitment to ethical and responsible management. The company adheres to the DPE Corporate Governance Guidelines and all relevant laws, ensuring transparency and ethical conduct in all business operations. M/s J.K. Das & Associates, Practicing Company Secretaries, has issued a Corporate Governance Compliance Certificate for the financial year ended March 31, 2025, without any adverse remarks.

Corporate Social Responsibility:

The company integrates sustainability and social responsibility into its core business practices, with a focus on strengthening marginalized communities. Initiatives during the year included healthcare and nutrition as the common theme for CSR activities by the CPSEs for the FY 2024-25 to the specific needs of the communities. For the year 2024-25, the company allocated ₹22.55 Lakhs towards CSR

₹22.55 लाख आवंटित किए, जो समाज के समग्र विकास और सशक्तिकरण में योगदान देने की उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

भावी दृष्टिकोण :

भारत में आगामी अमोनिया-यूरिया परियोजनाओं और कोयला गैसीकरण क्षेत्र की परियोजनाओं के मद्देनजर पीडीआईएल का भविष्य बहुत आशाजनक प्रतीत होता है। नामरूप में एक नए अमोनिया-यूरिया संयंत्र की स्थापना के लिए सीपीएसई का एक नया संयुक्त उद्यम स्थापित किया गया है। पीडीआईएल को इस परियोजना के लिए प्री-एलएसटीके पीएमसी प्रदान किया गया है और निकट भविष्य में परियोजना के लिए पोस्ट-एलएसटीके पीएमसी की उम्मीद है।

स्वदेशी कोयला संसाधनों के उपयोग पर सरकार के ज़ोर ने भारत में कोयला/पेटकोक/लिग्नाइट आधारित रासायनिक संयंत्रों का मार्ग प्रशस्त किया है। पीडीआईएल, कोल इंडिया लिमिटेड और उसकी सहायक कंपनियों, तालचेर फर्टिलाइजर्स लिमिटेड, एनएलसी इंडिया लिमिटेड, आईओसीएल, आदि की विभिन्न आगामी कोयला गैसीकरण आधारित परियोजनाओं के लिए एक सलाहकार के रूप में सक्रिय रूप से जुड़ा हुआ है, जिसमें अमोनिया, मेथनॉल, अमोनियम नाइट्रेट, डीएमई, इथेनॉल, सिंथेटिक प्राकृतिक गैस आदि का उत्पादन शामिल है, जिनका वर्तमान में भारत द्वारा बड़ी मात्रा में आयात किया जा रहा है। कोयला मंत्रालय द्वारा वीजीएफ नीति की शुरुआत के साथ, कई और कोयला गैसीकरण परियोजनाओं के मूर्त रूप लेने की उम्मीद है।

अमोनिया-यूरिया परियोजनाओं में हमारा बेजोड़ ट्रैक रिकॉर्ड और कोयला गैसीकरण परामर्श में विशेषज्ञता, पीडीआईएल को अन्य इंजीनियरिंग और परियोजना प्रबंधन सलाहकारों की तुलना में महत्वपूर्ण प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त प्रदान करती है। एवीएफसीसीएल (असम सरकार, एनएफएल, एचयूआरएल, ऑयल इंडिया और बीवीएफसीएल का एक संयुक्त उद्यम), मैट्रिक्स फर्टिलाइजर्स, कृभको फर्टिलाइजर्स और मद्रास फर्टिलाइजर्स जैसी परियोजनाएं हमारे लिए पर्याप्त अवसर प्रस्तुत करती हैं। बीसीजीसीएल (कोल इंडिया और बीएचईएल का एक संयुक्त उद्यम) की कोयला गैसीकरण-आधारित अमोनियम नाइट्रेट परियोजना के लिए एलएसटीके प्राप्ति -पूर्व पीएमसी सेवाएं लगभग पूरी हो रही हैं और इन परियोजनाओं के लिए एलएसटीके-पश्चात पीएमसी सेवाएं निकट भविष्य में मिलने की उम्मीद है।

इन कार्यों के अलावा, पीडीआईएल आरसीएफ, एनएफएल, इफको आदि जैसे ग्राहकों के लिए ऊर्जा बचत परियोजनाओं/पुनर्निर्माण से संबंधित परामर्श कार्य कर रहा है। पीडीआईएल ओमिफ्को, जिफको आदि जैसे ग्राहकों से विदेशी कार्य प्राप्त करने की आशा कर रहा है।

पीडीआईएल सफलतापूर्वक तेल और गैस क्षेत्र में विस्तार कर रहा है, जिसमें पीओएल/एलपीजी टर्मिनल, एलपीजी बॉटलिंग प्लांट, पीओएल डिपो, माउंडेड बुलेट, टैंकेज आदि जैसी विभिन्न सुविधाएं शामिल हैं। आईओसीएल और एचपीसीएल द्वारा विकसित स्वदेशी प्रौद्योगिकी के आधार पर तेल और गैस/रिफाइनरी परियोजनाओं के लिए इंजीनियरिंग परामर्श सेवाएं प्रदान करने में हाल के अनुभव के साथ, पीडीआईएल को अब अन्य तेल और गैस/रिफाइनरी प्रमुखों द्वारा परियोजनाओं के लिए सक्रिय रूप से विचार किया जा रहा है।

उपरोक्त के अतिरिक्त, हाल के दिनों में एसिड और लवण (नाइट्रिक एसिड, फॉस्फोरिक एसिड, अमोनियम नाइट्रेट) और डीएपी/एनपीके परियोजनाओं में

projects, reflecting its commitment to contributing to the holistic development and empowerment of society.

Looking Ahead:

PDIL's future outlook appears to be very promising in wake of the upcoming Ammonia-Urea Projects and projects in the Coal Gasification sector in India. A new joint venture of CPSEs has been set up for setting up of a new ammonia-urea plant at Namrup. PDIL has been awarded Pre-LSTK PMC for the project and post-LSTK PMC for the project is expected in near future.

The Government's emphasis on utilizing indigenous coal resources has paved the way for Coal / Petcoke /Lignite based Chemical Plants in India. PDIL has been actively associated as a consultant for various upcoming coal gasification based projects of Coal India Ltd. & its subsidiaries, Talcher Fertilizers Ltd., NLC India Ltd., IOCL, and others, covering the production of ammonia, methanol, ammonium nitrate, DME, ethanol, synthetic natural gas, etc., that are currently being imported in large quantities by India. With the introduction of the VGF policy by the Ministry of Coal, many more coal gasification projects are expected to materialize.

Our unmatched track record in Ammonia–Urea projects and expertise in coal gasification consultancy provide PDIL with a significant competitive edge over other engineering and project management consultants. Projects such as those of AVFCCL (a joint venture of Govt. of Assam, NFL, HURL, Oil India, and BVFCL), Matrix Fertilizers, KRIBHCO Fertilizers, and Madras Fertilizers present substantial opportunities for us. Pre-LSTK Award PMC services for the coal gasification-based Ammonium Nitrate project of BCGCL (a JV of Coal India and BHEL) are nearing completion and Post-LSTK PMC services of these projects are expected in the near future.

Apart from these jobs, PDIL is undertaking Consultancy Assignments pertaining to Energy Saving Projects / Revamps for Clients such as RCF, NFL, IFFCO etc. PDIL is looking forward to receiving foreign assignments from clients like OMIFCO, JIFCO, etc.

PDIL has been successfully expanding into the Oil & Gas Sector with Projects covering varied facilities like POL / LPG Terminals, LPG Bottling Plants, POL Depots, Mounded Bullets, Tankages, etc. With recent experience in providing engineering consultancy services for Oil & Gas / Refinery Projects based on indigenous technology developed by IOCL and HPCL, PDIL is now being actively considered by other Oil & Gas / Refinery Majors for Projects.

In addition to the above, our re-venture into Acids & Salts (Nitric Acid, Phosphoric Acid, Ammonium Nitrate) and DAP/NPK

हमारे पुनः उद्यम ने इस क्षेत्र में हमारी विश्वसनीयता को मजबूत किया है, जिससे आने वाले वर्षों में हम और अधिक परियोजनाएं हासिल करने की स्थिति में हैं।

अभिस्वीकृति :

मैं इस अवसर पर आपके और उर्वरक विभाग के प्रति उनके पूर्ण और निरंतर सहयोग के लिए अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त करना चाहता हूँ। मैं केंद्र और राज्य सरकारों के विभिन्न मंत्रालयों और कार्यालयों के प्रति भी उनके अमूल्य सहयोग के लिए समान रूप से आभारी हूँ।

पीडीआईएल की ओर से, मैं सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्रों, सहकारी समितियों, केंद्र एवं राज्य सरकारों, और हमारे सम्मानित विदेशी ग्राहकों के अटूट विश्वास, समर्थन और संरक्षण के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ। हम भविष्य में भी उनके निरंतर सहयोग की आशा करते हैं और बेहतर गुणवत्तापूर्ण सेवाएँ प्रदान करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं, जैसा कि हमने अतीत में भी निरंतर प्रयास किया है।

मैं वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान सेवा देने वाले बोर्ड के अपने सभी सहयोगियों और लेखा परीक्षकों को उनके मार्गदर्शन और समर्थन के लिए हार्दिक धन्यवाद देता हूँ।

अंत में, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात, मैं अपने कर्मचारियों के जुनून, प्रतिबद्धता और अथक प्रयासों की सराहना करना चाहता हूँ। पीडीआईएल को एक ऐसे संगठन के रूप में पहचाने जाने पर गर्व है जो कर्मचारी-प्रथम संस्कृति को बढ़ावा देता है—एक ऐसी संस्कृति जो उत्कृष्टता, दक्षता और जुड़ाव को प्रोत्साहित करती है। हम समय पर करियर में उन्नति के अवसरों को बढ़ावा देकर और इन प्रक्रियाओं को और भी अधिक सुव्यवस्थित और पारदर्शी बनाने के लिए प्रणालियाँ विकसित करके इस संस्कृति को मज़बूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

अंत में, मैं एक बार फिर कंपनी और उसके प्रबंधन में आपके अटूट समर्थन और विश्वास के लिए आभार व्यक्त करता हूँ। हम सब मिलकर आगे की यात्रा में और भी बड़ी उपलब्धियाँ हासिल करने और नए मुकाम हासिल करने के लिए प्रयास करते रहेंगे।

एक बार फिर आप सभी का धन्यवाद.

ह/-
(डॉ. यू. सरवणन)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
डीआईएन: 07274628

स्थान: नोएडा
दिनांक: 25.09.2025

Projects in recent past has strengthened our credentials in this area, positioning us well to secure more projects in the coming years..

Acknowledgement:

I would like to take this opportunity to express my deep sense of gratitude to you and to the Department of Fertilisers for their wholehearted and continuous support. I am equally thankful to the various Ministries and Offices of the Central and State Governments for their invaluable cooperation.

On behalf of PDIL, I extend my sincere appreciation to all our Clients across the Public and Private Sectors, Co-operatives, Central & State Governments, and our esteemed Overseas Clients for their unwavering trust, support, and patronage. We look forward to their continued association in the future and reaffirm our commitment to providing enhanced quality services, as we have consistently endeavored to do in the past.

My sincere thanks are due to all my colleagues on the Board and the Auditors who served during the Financial Year 2024–25 for their guidance and support.

Last but not least, I wish to recognize the passion, commitment, and tireless efforts of our employees. PDIL is proud to be regarded as an organization that fosters an employee-first culture—one that encourages excellence, efficiency, and engagement. We remain committed to strengthening this culture by promoting timely career advancement opportunities and developing systems to make these processes even more streamlined and transparent.

As I conclude, I once again express my gratitude for your steadfast support and faith in the Company and its management. Together, we will continue to strive for greater achievements and reach new milestones on our journey ahead.

Thanking you all once again.

Sd/-
(Dr. U. Saravanan)
Chairman & Managing Director
DIN: 07274628

Place: Noida
Date: 25.09.2025

शेयरधारकों को निदेशकों की रिपोर्ट

देवियो और सज्जनों,

आपके निदेशकों को 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी की 47वीं वार्षिक रिपोर्ट और लेखापरीक्षित लेखे प्रस्तुत करते हुए खुशी हो रही है।

वित्तीय सारांश/मुख्य बिंदु, परिचालन, स्थिति:

[₹in lakh]

विवरण	2024-25	2023-24
संचालन से राजस्व	9029.07	9,766.34
अन्य आय	1052.64	893.00
कुल आय	10,081.71	10,659.34
ब्याज, मूल्यह्रास और असाधारण मदों से पहले का लाभ	1073.87	1,642.97
मूल्यह्रास और परिशोधन व्यय	159.63	204.56
असाधारण वस्तुएँ	(185.69)	-
कर से पहले का लाभ	728.55	1,438.41
कर के बाद लाभ	458.85	1,061.56
आगे लाया गया लाभ का शेष	14,834.79	14,131.23
विनियोग के लिए उपलब्ध शेष राशि	14,975.14	14,834.79
इक्विटी शेयरों पर प्रस्तावित लाभांश	705	318.50
प्रस्तावित लाभांश पर कर	शून्य	शून्य
जनरल रिजर्व में स्थानांतरण	शून्य	शून्य
बैलेंस शीट में शामिल अधिशेष	14,975.14	14,834.79

समीक्षाधीन अवधि के दौरान, आपकी कंपनी ने पिछले वर्ष के ₹10,659.34 लाख के मुकाबले ₹10,081.71 लाख का कुल कारोबार हासिल किया है, जो ₹577.63 लाख की शुद्ध कमी दर्शाता है। कंपनी ने पिछले वर्ष के ₹9,766.34 लाख के मुकाबले ₹9029.07 लाख का परिचालन राजस्व हासिल किया। पिछले वर्ष की तुलना में परिचालन राजस्व में 7.55% की कमी आई है। कंपनी ने वर्ष 2024-25 के दौरान ₹728.55 लाख का कर-पूर्व लाभ (PBT) अर्जित किया है, जबकि पिछले वर्ष यह ₹1438.41 लाख था और पिछले वर्ष की तुलना में कर पूर्व लाभ में 7.09% की कमी आई है। कंपनी ने वर्ष 2024-25 के दौरान ₹458.85 लाख का कर पश्चात लाभ (पीएटी) अर्जित किया है, जबकि पिछले वर्ष यह ₹1,061.56 लाख था और पिछले वर्ष की तुलना में पीएटी में 6.03% की कमी आई है।

इंजीनियरिंग सर्विसेज़ ने परिचालन आय में ₹549.83 लाख की वृद्धि दर्ज की। हालाँकि, नोएडा इकाई की बिक्री में कोई उल्लेखनीय परिवर्तन नहीं देखा गया। जबकि, वडोदरा इकाई ने लगभग ₹3.90 करोड़ की राजस्व वृद्धि दर्ज की।

निरीक्षण सेवाओं से आय में पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में ₹1287.10 लाख की उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई, जिसका मुख्य कारण बीबीएनएल, एनसीसी और आईओसीएल सहित ग्राहकों से व्यापार में कमी थी।

Directors' Report to the Shareholders

Ladies and Gentlemen,

Your Directors have pleasure in presenting the 47th Annual Report of the Company together with Audited Accounts for the year ended March 31, 2025.

FINANCIAL SUMMARY/HIGHLIGHTS, OPERATIONS, STATE OF AFFAIRS:

[₹in lakh]

Particulars	2024-25	2023-24
Revenue from Operation	9029.07	9,766.34
Other Income	1052.64	893.00
Total Income	10,081.71	10,659.34
Profit Before Interest, Depreciation and exceptional items	1073.87	1,642.97
Depreciation and Amortization Expense	159.63	204.56
Exceptional items	(185.69)	-
Profit Before Tax	728.55	1,438.41
Profit After Tax	458.85	1,061.56
Balance of Profit brought forward	14,834.79	14,131.23
Balance available for appropriation	14,975.14	14,834.79
Proposed Dividend on Equity Shares	705	318.50
Tax on proposed Dividend	Nil	Nil
Transfer to General Reserve	Nil	Nil
Surplus carried to Balance sheet	14,975.14	14,834.79

During the period under review, your Company has achieved total turnover of ₹10,081.71 Lakhs as against ₹10,659.34 Lakhs in the previous year, a net decrease of ₹577.63 Lakhs. The Company achieved Revenue from Operations of ₹9029.07 Lakhs as against previous year of ₹9,766.34 Lakhs. There is 7.55% decrease in Revenue from Operations over previous year. The Company has earned Profit before Tax (PBT) of ₹728.55 Lakhs during the year 2024-25 as against ₹1438.41 Lakhs in the previous year and there is 7.09% decrease of PBT over previous year. The Company has earned Profit after Tax (PAT) of ₹458.85 Lakhs during the year 2024-25 as against ₹1,061.56 Lakhs in the previous year and there is 6.03% decrease of PAT over previous year.

Engineering Services recorded an increase in operational income of ₹549.83 lakhs. However, no significant change was observed in sales from the Noida unit. While, Vadodara unit reported a revenue increase of approximately ₹3.90 crore.

The income from Inspection Services recorded a significant decline of ₹1287.10 Lakh mainly attributable to a reduction in business from clients including BBNL, NCC, and IOCL, as compared to the previous financial year.

अन्य आय में ₹159.64 लाख की वृद्धि हुई, जिसका मुख्य कारण एफडीआर पर ब्याज से आय में वृद्धि थी।

लाभांश:

निवेश और सार्वजनिक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग (डीआईपीएएम) द्वारा "सीपीएसई के पूंजी पुनर्गठन पर दिशानिर्देश" के तहत जारी दिनांक 27 मई, 2016 के कार्यालय ज्ञापन एफ.सं.5/2/2016-नीति के अनुसार, "प्रत्येक सीपीएसई पीएटी का न्यूनतम 30% या नेटवर्थ का 4%, जो भी किसी मौजूदा कानूनी प्रावधान के तहत सीमा, यदि कोई हो, के अधीन अधिक हो, का भुगतान करेगा।"

आपके निदेशकों ने वर्ष 2024-25 के लिए ₹ 705 लाख के अंतिम लाभांश की सिफारिश की है, अर्थात ₹1000/- प्रत्येक के इक्विटी शेयरों पर ₹ 407.55 की दर से लाभांश, जो कि चुकता शेयर पूंजी का 40.75% है, आगामी वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों के अनुमोदन के अधीन है।

आपकी कंपनी के पास अपने सदस्यों को लाभांश के भुगतान का लगातार ट्रैक रिकॉर्ड है।

शेयर पूंजी

कंपनी की चुकता शेयर पूंजी में कोई बदलाव नहीं हुआ है। 31 मार्च, 2025 तक कंपनी की चुकता इक्विटी शेयर पूंजी ₹1729.85 लाख है।

कंपनी ने 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए किसी भी विशिष्ट आरक्षित निधि में कोई राशि हस्तांतरित नहीं की है।

The other Income increased by ₹159.64 Lakhs mainly due to increase in income from Interest on FDRs.

DIVIDEND:

As per Office Memorandum F.No.5/2/2016-Policy dated May 27, 2016 issued by Department of Investment and Public Asset Management (DIPAM) under "Guidelines on Capital Restructuring of CPSEs, "every CPSE would pay minimum annual dividend of 30% of PAT or 4% of the networth, whichever is higher subject to the limit, if any, under any extant legal provision".

Your Directors have recommended final dividend of ₹ 705 Lakhs for the year 2024-25 i.e dividend @ 407.55 per equity shares of ₹1000/- each, being @40.75% of the paid-up share capital, subject to the approval of shareholders at the ensuing Annual General Meeting.

Your Company has a consistent track record of payment of dividend to its members.

SHARE CAPITAL

There is no change in the paid - up share capital of the Company. The paid-up Equity Share Capital of the Company as on March 31, 2025 is ₹1729.85 Lakhs.

The Company has not transferred any amount to any specific reserves for the year ended 31st March, 2025

Revenue Generation
2024-25 (₹ 100.82 Crore)

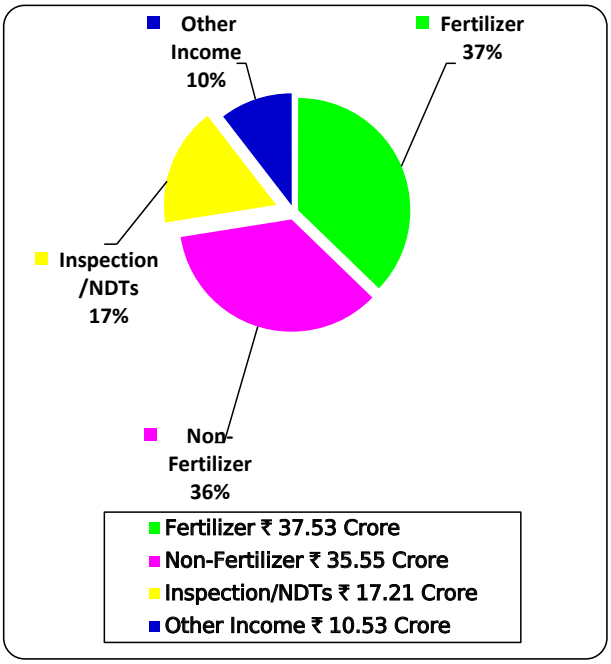

Revenue Generation
2023-24 (₹ 106.59 Crore)

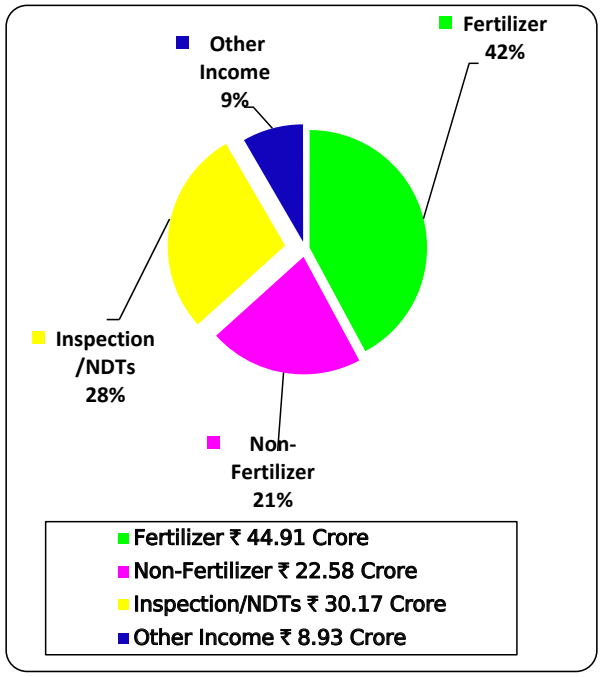

Revenue Utilization
2024-25 (₹ 100.82 Crore)

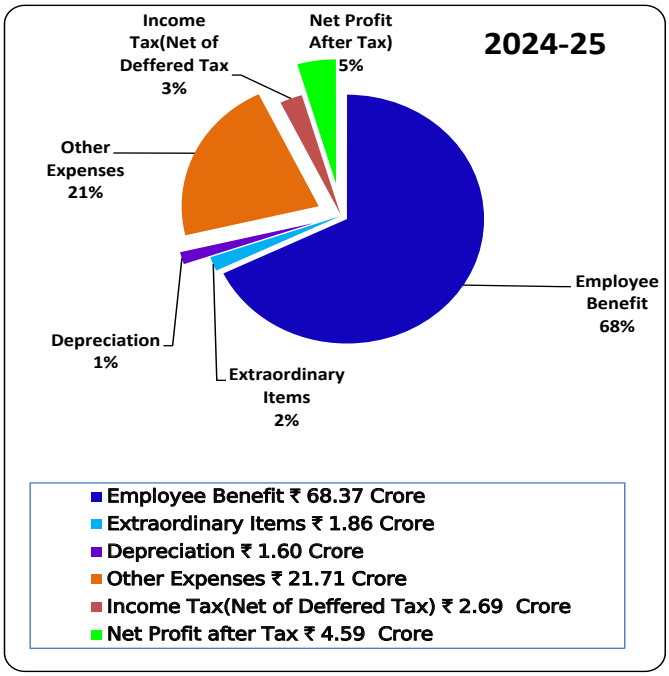

Revenue Utilization
2023-24 (₹ 106.59 Crore)

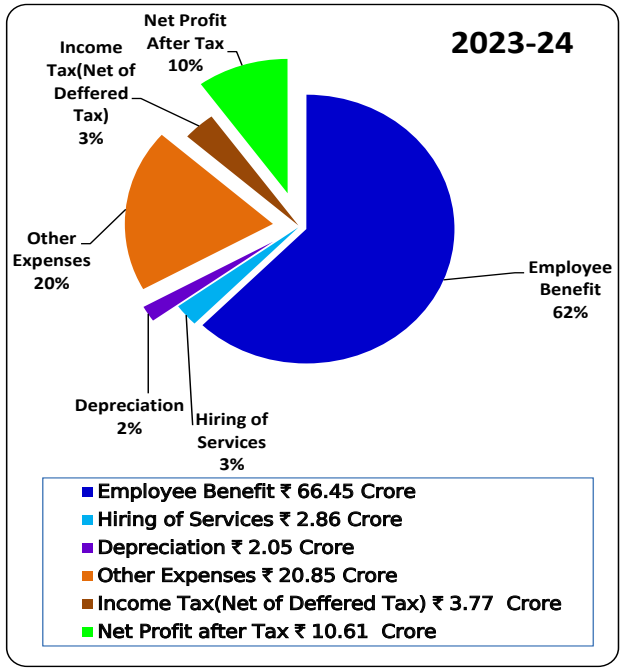

कंपनी के परिचालन का क्षेत्रवार विवरण:

1. इंजीनियरिंग और कंसल्टेंसी प्रभाग:

ए. उर्वरक क्षेत्र

➤ **वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान प्राप्त प्रमुख ऑर्डर:**

i) राष्ट्रीय केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (आरसीएफ) के लिए थल में डीएपी/एनपीके परियोजना के कार्यान्वयन के लिए परियोजना प्रबंधन परामर्श (पीएमसी) सेवाएं;

ii) चंबल फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड (सीएफसीएल) के लिए ओ एंड यू प्लांट में 2000 टीआर वीएएम, जीटी-2 कूलिंग कॉइल और सभी इंटरकनेक्टिंग पाइपलाइनों की स्थापना के लिए विस्तृत इंजीनियरिंग सेवाएं।

SECTOR WISE DETAILS OF COMPANY'S OPERATIONS:

1. ENGINEERING AND CONSULTANCY:

A. FERTILIZER SECTOR

➤ **Major orders secured during the financial year 2024-25:**

i) Project Management Consultancy (PMC) services for implementation of DAP/NPK project at Thal for Rashtriya Chemicals and Fertilizers Limited (RCF);

ii) Detailed Engineering services for installation of 2000 TR VAM, GT-2 cooling coil and all interconnecting pipelines in O & U plant for Chambal Fertilizers & Chemicals Limited (CFCL).

PMC service for implementation of DAP/NPK project at RCF, Thal

➤ चालू परियोजनाएं/निष्पादनाधीन

वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान, पीडीआईएल की चल रही प्रमुख परियोजनाएं नीचे सूचीबद्ध हैं:

i) तालचेर फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (टीएफएल) के लिए कोयला गैसीकरण आधारित अमोनिया-यूरिया उर्वरक परियोजना के लिए पीएमसी सेवाएं।

ii) रामागुंडम फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड में जीरो लिक्विड डिस्चार्ज (जेडएलडी) इकाई के कार्यान्वयन के लिए पीएमसी सेवाएं।

iii) गुजरात नर्मदा वैली फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड (जीएनएफसी), भरूच के लिए अमोनिया मेक अप गैस लूप परियोजना के निष्पादन के दौरान पीएमसी सेवाएं।

iv) नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (एनएफएल), नांगल के लिए 2500 घन मीटर क्षमता वाले हॉर्टन स्फीयर की स्थापना के लिए पीएमसी सेवाएं।

➤ Ongoing Projects/ Under Execution

During FY 2024-25, ongoing major projects of PDIL are listed below:

i) PMC Services for Coal Gasification based Ammonia-Urea fertilizer project for Talcher Fertilizers Limited (TFL).

ii) PMC Services for implementation of Zero Liquid Discharge (ZLD) unit at Ramagundum Fertilizers & Chemicals Limited.

iii) PMC services during execution of Ammonia Make up gas loop project for Gujarat Narmada Valley Fertilizers & Chemicals Limited (GNFC), Bharuch.

iv) PMC services for installation of 2500 Cubic meter capacity Horton Sphere for National fertilizers Limited (NFL), Nangal.

PMC Services for coal gasification based Ammonia -Urea Plant at Talcher, Odisha for Talcher Fertilzers Ltd.

➤ वर्ष के दौरान पूरी की गई परियोजना

i) आरसीएफ, ट्रॉम्बे में नए अमोनियम नाइट्रेट मेल्ट प्लांट के लिए पीएमसी सेवाएं।

ii) आरसीएफ, ट्रॉम्बे में अमोनिया भंडारण टैंक के लिए प्राप्ति पश्चात पीएमसी सेवाएं।

➤ Project completed during the year

i) PMC services for new Ammonium Nitrate melt plant at RCF, Trombay.

ii) Post Award PMC services for Ammonia storage tank at RCF, Trombay.

➤ उर्वरक क्षेत्र में तकनीकी-आर्थिक व्यवहार्यता / विस्तृत परियोजना रिपोर्ट

पीडीआईएल की प्रमुख गतिविधियों में से एक पूर्व-व्यवहार्यता रिपोर्ट (पीएफआर) / तकनीकी-आर्थिक व्यवहार्यता रिपोर्ट (टीईएफआर) / विस्तृत व्यवहार्यता रिपोर्ट (डीएफआर) / विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) / बैंक योग्य व्यवहार्यता रिपोर्ट (बीएफआर) तैयार करना जारी है।

पीडीआईएल को इस वित्तीय वर्ष के दौरान व्यवहार्यता रिपोर्ट तैयार करने से संबंधित निम्नलिखित कार्य प्राप्त हुए हैं:

- ईटीजी पावर लिमिटेड, दुबई के लिए तंजानिया में अमोनिया,

➤ TECHNO-ECONOMIC FEASIBILITY /DETAILED PROJECT REPORT IN FERTILIZER SECTOR

One of the major activities of PDIL continued to be preparation of Pre-Feasibility Report (PFR)/ Techno-Economic Feasibility Report (TEFR)/ Detailed Feasibility Report (DFR)/ Detailed Project Report (DPR)/Bankable Feasibility Report (BFR).

PDIL has bagged the following assignments pertaining to preparation of Feasibility Reports during this financial year:

- Updation of PFR for setting up Ammonia, Urea &

यूरिया और मेथनॉल संयंत्र स्थापित करने के लिए पीएफआर का अद्यतनीकरण;

- एनएफएल के लिए नांगल में स्थापित किए जा रहे नैनो यूरिया संयंत्र के लिए डीएफआर की तैयारी;
- आरसीएफ के लिए थल में 300 एमटीपीडी फॉस्फोरिक एसिड संयंत्र स्थापित करने के लिए टीईएफआर का अद्यतनीकरण

बी. गैर उर्वरक क्षेत्र

1. रिफाइनरी और तेल एवं गैस

वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान, पीडीआईएल ने कई ऑर्डरों को सफलतापूर्वक निष्पादित करके गैर-उर्वरक क्षेत्र में भी अपनी मजबूत उपस्थिति प्रदर्शित की है।.

➤ **वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान प्राप्त प्रमुख ऑर्डर:**

- तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम लिमिटेड (ओएनजीसी), दिल्ली के लिए मेहसाणा एसेट की सतही सुविधाओं के उन्नयन के लिए डिजाइन इंजीनियरिंग कंसल्टेंसी (डीईसी);
- ओएनजीसी, दिल्ली के लिए असम के जोरहाट में खोराघाट जीजीएस I जीवन विस्तार परियोजना के लिए डीईसी सेवाएं; और
- जोटाना जीजीएस पुनरुद्धार परियोजना के लिए डीईसी सेवाएं और ओएनजीसी के लिए मेहसाणा एसेट में सतही प्रतिष्ठानों पर रासायनिक डोसिंग प्रणाली का पुनरुद्धार।

➤ **वित्तीय वर्ष के दौरान चल रही/पूरी हुई परियोजनाएं:**

- मेसर्स ओएनजीसी, त्रिपुरा के लिए त्रिपुरा परिसंपत्ति "कुबल; जीसीएस के निर्माण" के लिए एलएसटीके परियोजना के लिए डीईसी,
- मेसर्स ओएनजीसी, गेलेकी के लिए असम परिसंपत्ति पर गेलेकी पुनर्विकास परियोजना के लिए डीईसी;
- डब्ल्यूडब्ल्यूटीपी के संवर्धन और गेल के लिए पाटा में जेडएलडी संयंत्र की स्थापना के लिए पीएमसी सेवाएं;
- हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल), विशाखापत्तनम के लिए उच्च गंभीरता - एफसीसी (एचएस-एफसीसी) इकाई की स्थापना के लिए ईपीसीएम सेवाएं;
- हजीरा में ओएनजीसी की एलपीजी माउंडेड बुलेट्स के लिए पीएमसी सेवाएं;
- आईओसीएल, नई दिल्ली के लिए पानीपत रिफाइनरी में उत्प्रेरक संयंत्र की स्थापना हेतु ईपीसीएम सेवाएं (चरण-II);
- आईओसीएल के लिए पारादीप में एलपीजी आयात सुविधाओं के लिए ईपीसीएम सेवाएं;
- ओएनजीसी की अंकलेश्वर परिसंपत्ति की स्थापनाओं पर विस्तृत इंजीनियरिंग परामर्श सेवाएं;

Methanol Plant in Tanzania for ETG Power Ltd., Dubai;

- Preparation of DFR for Nano Urea plant being set up at Nangal for NFL;
- Updation of TEFR for setting up 300 MTPD Phosphoric Acid plant at Thal for RCF

B. NON FERTILIZER SECTORS

1. REFINERY AND OIL & GAS

During FY 2024-25, PDIL has exhibited its strong presence in the non-fertilizer sector as well by successfully executing several orders.

➤ **Major orders secured during the financial year 2024-25:**

- Design Engineering Consultancy (DEC) for surface facilities upgradation of Mehsana Asset for Oil and Natural Gas Corporation Limited (ONGC), Delhi;
- DEC services for Khoraghat GGS I life extension project at Jorhat, Assam for ONGC, Delhi; and
- DEC services for Jotana GGS revamp project and revamping of chemical dosing system at surface installations at Mehsana Asset for ONGC.

➤ **Projects ongoing / Completed during the financial year :**

- DEC for LSTK project for "creation of Kubal; GCS" Tripura Asset for M/s ONGC, Tripura;
- DEC for Geleki redevelopment project at Assam asset for M/s ONGC, Geleki;
- PMC services for augmentation of WWTP and setting up ZLD plant at Pata for GAIL;
- EPCM Services for setting-up High Severity – FCC (HS-FCC) Unit for Hindustan Petroleum corporation Limited (HPCL), Visakhapatnam;
- PMC Services for LPG Mounded Bullets of ONGC at Hazira;
- EPCM Services (Phase-II) for setting up of a catalyst plant at Panipat Refinery for IOCL, New Delhi;
- EPCM Services for LPG Import Facilities at Paradip for IOCL;
- Detailed Engineering Consultancy Services at installations of Ankleshwar Asset of ONGC;

- आईओसीएल के कांडला, गुजरात में एलपीजी आयात टर्मिनल की क्षमता वृद्धि के लिए पीएमसी सेवाएं;
- आईओसीएल के विशाखापत्तनम (विजाग) टर्मिनल पर सुविधाओं के पुनरुद्धार के लिए ईपीसीएम और संबद्ध सेवाएं;
- आईओसीएल के विजयवाड़ा टर्मिनल पर अतिरिक्त टैंकेज और संबद्ध सुविधाओं के निर्माण के लिए ईपीसीएम और संबद्ध सेवाएं; और
- एजिस, मुंबई के लिए पिपावाव और मैंगलोर में रेफ्रीजरेटिड टैंकों के लिए डिज़ाइन और इंजीनियरिंग सेवाएँ

➤ **वर्ष के दौरान पूरी की गई परियोजना**

- ओएनजीसी उरण की एलपीजी माउंडेड बुलेट्स के लिए पीएमसी सेवाएं;
- आईओसीएल, मुंबई के लिए बैतालपुर (उत्तर प्रदेश) में पटना बैतालपुर पाइपलाइन पर बैतालपुर डिपो को टीओपी (पेट्रोलियम भंडारण टर्मिनल) में परिवर्तित करने के लिए ईपीसीएम सेवाएं; और
- एचपीसीएल, मुंबई के लिए औरंगाबाद और कोंडापल्ली में एलपीजी संवर्धन परियोजनाओं के लिए परामर्श।

2. आधारभूत संरचना

पीडीआईएल ने अवसंरचना क्षेत्र में भी अपनी साख स्थापित की है तथा रक्षा मंत्रालय की आवास परियोजनाओं के लिए पीएमसी सेवाएं/समीक्षा परामर्श सेवाएं प्रदान की हैं।

➤ **गैर-उर्वरक क्षेत्र में तकनीकी-आर्थिक व्यवहार्यता / विस्तृत परियोजना रिपोर्ट**

पीडीआईएल ने निम्नलिखित परियोजनाओं को अपनी सेवाएं प्रदान की हैं/प्रदान कर रहा है:

- ◆ डब्ल्यूसीएल, नागपुर और नागपुर में एलएसटीके मोड पर डब्ल्यूसीएल में कोयला-से-एसएनजी संयंत्र की स्थापना के लिए पीएफआर की तैयारी
- ◆ जेएसडब्ल्यू इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के लिए जेएन पोर्ट पर डीपीआर और बेसिक एवं डिटेल इंजीनियरिंग सेवाएं लिक्विड कार्गो बर्थ एलबी-3 और एलबी-4।

सी. ऑफसाइट और उपयोगिताएँ

पीडीआईएल ने कई ग्राहकों के लिए टर्नकी/ईपीसीएम आधार पर कई ऑफसाइट और यूटिलिटी पैकेज निष्पादित किए हैं। इन पैकेजों में डीएम जल संयंत्र, अपशिष्ट उपचार संयंत्र, कैप्टिव पावर प्लांट, सामग्री प्रबंधन संयंत्र, वायुमंडलीय अमोनिया भंडारण और प्रबंधन सुविधाएँ शामिल हैं। कुछ वर्ष पहले, पीडीआईएल ने इंडोरामा एलीम पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड, नाइजीरिया के लिए पोर्ट हरकोर्ट, नाइजीरिया में एक विस्तार परियोजना के ऑफसाइट/यूटिलिटीज़ के लिए विस्तृत इंजीनियरिंग सेवाएँ प्रदान की थीं। वर्तमान में, पीडीआईएल गैर-एलएसटीके पैकेजों के लिए पीएमसी

- PMC Services for capacity augmentation of LPG Import Terminal at Kandla, Gujarat of IOCL;
- EPCM & Allied Services for Revamping of Facilities at Visakhapatnam (Vizag) Terminal of IOCL;
- EPCM & Allied Services for the construction of additional tankages and allied facilities at Vijayawada Terminal of IOCL; and
- Design & Engineering services for refrigerated tanks at Pipavav and Mangalore for Aegis, Mumbai.

➤ **Project completed during the year**

- PMC Services for LPG Mounded Bullets of ONGC at Uran;
- EPCM Services for Conversion of Baitalpur Depot to ToP (Petroleum Storage Terminal) at Patna Baitalpur Pipeline at Baitalpur (U.P.) for IOCL, Mumbai; and
- Consultancy for LPG Augmentation Projects at Aurangabad and Kondapalli for HPCL, Mumbai.

2. INFRASTRUCTURE

PDIL has established credentials in the Infrastructure Sector also and has provided PMC Services/ Review Consultancy Services for Housing projects of the Ministry of Defense.

➤ **TECHNO-ECONOMIC FEASIBILITY /DETAILED PROJECT REPORT IN NON FERTILIZER SECTOR**

PDIL has rendered / is rendering its services to the following projects:

- ◆ Preparation of PFR for setting up of Coal-to-SNG Plant in WCL on LSTK mode of implementation at WCL, Nagpur and
- ◆ DPR and Basic & Detail Engineering Services Liquid Cargo Berths LB-3 & LB-4 at JN Port for JSW Infrastructure Ltd.

C. OFFSITE & UTILITIES

PDIL has executed many offsites and Utilities packages on Turnkey / EPCM basis for a number of clients. These packages include DM Water Plants, Effluent Treatment Plants, Captive Power Plants, Material handling Plants, Atmospheric Ammonia Storage and Handling facilities. A few years back, PDIL rendered Detailed Engineering services for offsites / utilities of an Expansion Project at Port Harcourt, Nigeria for Indorama Eleme Petrochemicals Ltd, Nigeria. Presently, PDIL is rendering PMC Services for Non-LSTK Packages and EPCM

सेवाएँ और टीएफएल की तालचेर परियोजना के लिए ऑफसाइट और यूटिलिटीज़ के गैर-पैकेजों के लिए ईपीसीएम सेवाएँ प्रदान कर रहा है।

II. अन्य गतिविधियों

ए. एसएसपी और क्यूसी ऑडिट

i. तकनीकी सेवाएँ

रॉक फॉस्फेट और सिंगल सुपर फॉस्फेट (एसएसपी) की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए, उर्वरक विभाग (डीओएफ) रसायन और उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार ने 2001 में पीडीआईएल के तत्वावधान में तकनीकी लेखा परीक्षा और निरीक्षण सेल (टीएसी) का गठन किया है।

जैसा कि उर्वरक विभाग द्वारा सौंपा गया है, पीडीआईएल की निम्नलिखित भूमिकाएँ हैं:–

- नई एसएसपी इकाइयों का प्रथम तकनीकी निरीक्षण / क्षमता उन्नयन
- एसएसपी / बेनेफिशिएटेड रॉक फॉस्फेट (बीआरपी) इकाइयों का तकनीकी-वाणिज्यिक ऑडिट
- रॉक फॉस्फेट का यादृच्छिक नमूनाकरण और परीक्षण
- एसएसपी/बीआरपी के उत्पादन की व्यवहार्यता का पता लगाने के लिए नए रॉक मूल्यांकन/रॉक फॉस्फेट का सम्मिश्रण।

ii) रासायनिक प्रयोगशाला सेवाएँ:

- पीडीआईएल नोएडा की रासायनिक प्रयोगशाला को रॉक फॉस्फेट और एसएसपी के परीक्षण के लिए मानक आईएसओ/आईईसी 17025:2017 के तहत एनएबीएल द्वारा विधिवत मान्यता प्राप्त है।
- स्कोप में परिभाषित परीक्षण विधि रॉक फॉस्फेट के लिए IS 11224:1985 और SSP के लिए FCO: 1985 है।

निम्नलिखित मापदंडों के लिए परीक्षण सुविधा उपलब्ध है:

क) रॉक फॉस्फेट के रूप में फॉस्फेटिक उर्वरक कच्चा माल:

नमी की मात्रा % वजन के अनुसार, ओवन ड्राई विधि और कुल फॉस्फेट (P2O5 के रूप में) % वजन के अनुसार।

ख) सीधे फॉस्फेटिक उर्वरक:

- **सिंगल सुपर फॉस्फेट (पाउडर):**

  नमी सामग्री, मुक्त फॉस्फोरिक एसिड, जल में घुलनशील फॉस्फेट (P2O5 के रूप में), तटस्थ अमोनियम साइट्रेट घुलनशील फॉस्फेट / उपलब्ध फॉस्फोरस (P2O5 के रूप में), सल्फर (S के रूप में) (इकाइयाँ: वजन के अनुसार %)।

- **सिंगल सुपर फॉस्फेट (दानेदार):**

  नमी सामग्री, मुक्त फॉस्फोरिक एसिड, पानी में घुलनशील फॉस्फेट (P2O5 के रूप में), तटस्थ अमोनियम साइट्रेट घुलनशील फॉस्फेट / उपलब्ध फॉस्फोरस (P2O5 के रूप में), सल्फर (S

Services for Non-Packages of Offsites & Utilities for Talcher Project of TFL.

II. OTHER ACTIVITIES

A. SSP & QC Audit

i. Technical Services

To maintain the quality of Rock Phosphate & Single Super Phosphate (SSP), Department of Fertilizers (DoF) Ministry of Chemicals & Fertilizers, Government of India has formed the Technical Audit and Inspection Cell (TAC) under the aegis of PDIL in 2001.

As entrusted by DoF, PDIL has following roles:–

- 1st Technical Inspection of new SSP units / Capacity up gradation
- Techno-Commercial Audit of SSP / Beneficiated Rock Phosphate (BRP) units
- Random sampling and Testing of Rock phosphates
- New Rock Evaluation / blending of rock phosphates to find out feasibility of production of SSP/BRP.

ii. Chemical Laboratory Services:

- Chemical Laboratory of PDIL Noida is duly accredited by NABL under the standard ISO/IEC 17025:2017 for testing of Rock Phosphate and SSP.
- Testing method as defined in the Scope is IS 11224:1985 for Rock Phosphate & FCO: 1985 for SSP.

Testing Facility is available for the following parameters:

a) Phosphatic Fertilizer Raw Material as Rock Phosphate:

Moisture content % by weight, Oven Dry method & Total phosphates (as P2O5) % by weight.

b) Straight Phosphatic Fertilizer:

- **Single Super Phosphate (Powdered):**

  Moisture content, Free Phosphoric acid, Water Soluble phosphate (as P_2O_5), Neutral Ammonium Citrate Soluble Phosphate/available phosphorus (as P_2O_5), Sulphur (as S) (*Units: % by weight*).

- **Single Super Phosphate (Granulated):**

  Moisture content, Free Phosphoric acid, Water Soluble phosphate (as P_2O_5), Neutral Ammonium Citrate Soluble Phosphate/available phosphorus

के रूप में) (इकाइयाँ: वजन द्वारा %) और 4 मिमी और 1 मिमी आईएस छलनी के माध्यम से कण आकार।

बी) निरीक्षण और एनडीटी सेवाएं

पीडीआईएल ने तृतीय पक्ष निरीक्षण (टीपीआई) और गैर-विनाशकारी परीक्षण (एनडीटी) सेवाओं के लिए अपनी साख स्थापित की है। एलपीजी/अमोनिया हॉर्टन स्फीयर्स, माउंडेड एलपीजी बुलेट्स का वैधानिक निरीक्षण, परीक्षण और प्रमाणन, अमोनिया भंडारण टैंकों का निरीक्षण और पुनः चालू करना, और स्वचालित अल्ट्रासोनिक स्कैनिंग (एयूएस) द्वारा रिफॉर्मर ट्यूबों का स्वास्थ्य मूल्यांकन, पीडीआईएल की विशिष्ट गतिविधियाँ बनी रहीं।

विभिन्न तेल एवं गैस कम्पनियां जैसे आईओसीएल, बीपीसीएल, एचपीसीएल, गेल आदि ने पीडीआईएल को तृतीय पक्ष निरीक्षण और एनडीटी कार्य प्रदान करके पीडीआईएल पर अपना भरोसा और विश्वास बनाए रखा।

- ❖ वर्ष के दौरान निम्नलिखित ग्राहकों ने अगले दो (2) वर्षों के लिए निष्पादन के तहत परियोजना के निरीक्षण और पर्यवेक्षण सेवा के लिए तीसरे पक्ष के निरीक्षण एजेंसी (टीपीआईए) सेवाओं को शुरू करने के लिए पीडीआईएल को सूचीबद्ध किया है।
  - ◆ आईओसीएल, रफिाइनरी डविीजन को पानीपत, मथुरा, गुजरात, पारादीप और डगिबोई रफिाइनरी के लिए वभिन्नि खरीद वस्तुओं जैसे सविलि, मैकेनकिल (रोटरी), इलेक्ट्रकिल, इंस्ट्रूमेंटेशन और स्टेटकि और नरीक्षण में संबंधति कार्यों के लिए टीपीआई सेवा शुरू करने के लिए;
  - ◆ उत्तर प्रदेश, हरियाणा, जम्मू और कश्मीर, पंजाब, उत्तराखंड, असम, त्रिपुरा, मध्य प्रदेश, राजस्थान, तेलंगाना, ओडिशा, हिमाचल प्रदेश जैसी राज्य सरकारों के पीएचई विभाग;
  - ◆ राज्य सरकारों के विभिन्न डिस्कॉम जैसे उत्तर प्रदेश (केस्को, एमवीवीएनएल, पीयूवीवीएनएल), बिहार (एसबीपीडीसीएल, एनबीपीडीसीएल), तेलंगाना (टीएसएसपीडीसीएल, टीएसएनपीडीसीएल), राजस्थान (एवीवीएनएल, जेडीवीवीएनएल, जेवीवीएनएल), आदि;
  - ◆ भारत ब्रॉडबैंड नेटवर्क लिमिटेड को भारत नेट चरण-I के दोषपूर्ण ओएफसी के सर्वेक्षण, आपूर्ति और प्रतिस्थापन के लिए स्वीकृति और परीक्षण हेतु टीपीए के लिए।,
- ❖ उपरोक्त के अलावा, आईओसीएल द्वारा प्रदान की गई अन्य कार्य इस प्रकार हैं:
  - ◆ आईओसीएल और एचपीसीएल के विभिन्न एलपीजी बॉटलिंग संयंत्रों, तेल टर्मिनलों और डिपो में संरचनाओं के लिए बिजली संरक्षण का अंतराल विश्लेषण;

(as P_2O_5), Sulphur (as S) (*Units: % by weight*) and Particle Size through 4 mm & 1 mm IS sieve.

B. INSPECTION & NDT SERVICES

PDIL has established its credentials for Third Party Inspection (TPI) and Non-Destructive Testing (NDT) Services. Statutory inspection, testing and certification of LPG / Ammonia Horton Spheres, Mounded LPG Bullets, Inspection & Re-commissioning of Ammonia Storage Tanks and Health Assessment of Reformer Tubes by Automatic Ultrasonic Scanning (AUS) continued to be the specialized activities of PDIL.

Various Oil & Gas companies such as IOCL, BPCL, HPCL, GAIL etc. continued to repose their trust and confidence in PDIL by awarding Third Party Inspection and NDT jobs to PDIL.

- ❖ During the year following clients have empanelled PDIL for undertaking Third Party Inspection Agency (TPIA) services for inspection and supervision service for project under execution for next two (2) years.
  - ◆ IOCL, Refinery Division for undertaking TPI service for various procurement items such as Civil, Mechanical (Rotary), Electrical, Instrumentation and Static and related functions in inspection for Panipat, Mathura, Gujarat, Paradeep & Digboi Refinery;
  - ◆ PHE Departments of State Governments like of Uttar Pradesh, Haryana, Jammu & Kashmir, Punjab, Uttarakhand, Assam, Tripura, Madhya Pradesh, Rajasthan, Telangana, Odisha, Himachal Pradesh;
  - ◆ Various DISCOM of State Governments like Uttar Pradesh (KESCO, MVVNL, PuVVNL), Bihar (SBPDCL, NBPDCL), Telangana (TSSPDCL, TSNPDCL), Rajasthan (AVVNL, JdVVNL, JVVNL), etc.;
  - ◆ Bharat Broadband Network Limited for TPA for Acceptance and Testing for Survey, Supply & Replacement of Faulty OFC of Bharat Net Phase-I.
- ❖ Apart from above, other jobs awarded by IOCL include:
  - ◆ Gap Analysis of Lightning Protection for structures at various LPG Bottling Plants, Oil Terminals and Depots of IOCL & HPCL;

- आईओसीएल के विभिन्न तेल स्थापना और एलपीजी बॉटलिंग संयंत्र में स्थापित विद्युत उपकरणों का अवशिष्ट जीवन मूल्यांकन;
- आईओसीएल के विभिन्न एलपीजी बॉटलिंग संयंत्रों और तेल प्रतिष्ठानों में सुरक्षा ऑडिट।

पीडीआईएल पिछले 30 से अधिक वर्षों से आईओसीएल, एचपीसीएल और बीपीसीएल जैसे तेल क्षेत्रों को विद्युत सुरक्षा ऑडिट सेवाएँ प्रदान कर रहा है। तेल टर्मिनलों, तेल डिपो, एलपीजी बॉटलिंग संयंत्रों और कार्यालय/आवासीय भवनों जैसे तेल प्रतिष्ठानों का विद्युत सुरक्षा ऑडिट एक सुरक्षा अवधारणा है।

आईओसीएल ने विक्रेता के गोदाम/कार्यशाला में सर्वरों के तृतीय पक्ष निरीक्षण का कार्य सौंपा। पीडीआईएल ने आईपी आधारित एकीकृत वीडियो निगरानी प्रणाली के लिए भी निरीक्षण किया।

विद्युत क्षेत्र में विश्वसनीयता और संतोषजनक प्रदर्शन के आधार पर, पीडीआईएल को विभिन्न विद्युत डिस्कॉम अर्थात तेलंगाना राज्य दक्षिणी विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड, हैदराबाद, तेलंगाना राज्य उत्तरी विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड, वारंगल, दक्षिण बिहार विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड, पटना; उत्तर बिहार विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड, पटना द्वारा तृतीय पक्ष निरीक्षण कार्य प्रदान किया गया है।

पीडीआईएल ने विभिन्न जल निकायों जैसे उत्तर प्रदेश जल विद्युत निगम लिमिटेड, लखनऊ; जल जीवन मिशन (जेजेएम), असम; उत्तराखंड जल संस्थान, देहरादून; हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन जल आपूर्ति और सीवरेज बोर्ड, हैदराबाद; सीवरेज और ड्रेनेज डिवीजन, जम्मू और एसडब्ल्यूएसएम (जेजेएम) लखनऊ से निरीक्षण कार्य भी प्राप्त किया।

पीडीआईएल ने कर्नाटक राज्य के अंतर्गत आईओसीएल बैंगलोर टर्मिनल पर स्वचालन कार्यों के लिए डिजाइन, इंजीनियरिंग और साइट विजिट के लिए परामर्श कार्य किया।

रिफॉर्मर ट्यूबों की स्वचालित अल्ट्रासोनिक स्कैनिंग के विशेष क्षेत्र में, पीडीआईएल को इफको आंवला और कलोल इकाइयों, नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड, आईओसीएल-पानीपत रिफाइनरी, गुजरात रिफाइनरी और लिंडे इंडिया लिमिटेड द्वारा एयूएस कार्य प्रदान किया गया।

सी) कोयला गैसीकरण

पीडीआईएल भारत सरकार की कोयला गैसीकरण पहल में भी सक्रिय रूप से शामिल है, जिसका उद्देश्य कोयले को सिंथेटिक प्राकृतिक गैस (एसएनजी) और सिंथेटिक गैस जैसे उपयोगी ईंधन में परिवर्तित करना है, जिससे आयातित ईंधन पर निर्भरता कम होगी और स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन को बढ़ावा मिलेगा। पीडीआईएल ने हाल ही में निम्नलिखित परियोजनाओं में अपनी सेवाएँ प्रदान की हैं/प्रदान कर रहा है:

- एलएसटीके प्राप्ति से पूर्व पीएमसी सेवाएं और ईस्टर्न कोलफील्ड लिमिटेड (ईसीएल), बर्धमान, पश्चिम बंगाल में एसएनजी संयंत्र के उत्पादन के लिए डीएफआर की तैयारी;

- Residual Life Assessment of electrical equipment installed at IOCL's various Oil Installation and LPG Bottling plant;
- Safety Audit at IOCL's various LPG Bottling Plants and oil installations.

PDIL is offering services in Electrical Safety Audit to Oil sectors like IOCL, HPCL, and BPCL since more than last 30 years. Electrical Safety audit of oil installations like Oil Terminals, Oil Depots, LPG bottling Plants and office / Residential buildings is a safety concept.

IOCL awarded the job for Third Party Inspection of Servers at vendor's Warehouse/Works. PDIL also carried out inspection for IP based integrated Video Surveillance System.

On the basis of credential and satisfactory performance in the Power Sector, PDIL has been awarded Third Party Inspection Jobs by various Power DISCOMs i.e. Telangana State Southern Power Distribution Company Limited, Hyderabad, Telangana State Northern Power Distribution Company Limited, Warangal, South Bihar Power Distribution Company Limited, Patna; North Bihar Power Distribution Company Limited, Patna.

PDIL also secured inspection jobs from various Water Bodies like Uttar Pradesh Jal Vidyut Nigam Limited, Lucknow; Jal Jeevan Mission (JJM), Assam; Uttarakhand Jal Sansthan, Dehradun; Hyderabad Metropolitan Water supply & Sewerage Board, Hyderabad; Sewerage & Drainage Division, Jammu & SWSM (JJM) Lucknow.

PDIL carried out consultancy for design, engineering & site visit for Automation works at IOCL Bangalore Terminal under Karnataka State.

In the specialized field of Automated Ultrasonic Scanning of Reformer Tubes, PDIL was awarded the AUS jobs by IFFCO Aonla & Kalol Units, Numaligarh Refinery Limited, IOCL- Panipat Refinery, Gujarat Refinery and Linde India Ltd.

C. COAL GASIFICATION

PDIL is also actively involved in the Indian Government's coal gasification initiative that aims to convert coal into usable fuels like synthetic natural gas (SNG) and syngas, reducing reliance on imported fuels and promoting a cleaner energy transition. PDIL has recently rendered / is rendering its services to the following projects:

- Pre LSTK Award PMC services and preparation of DFR for production of SNG plant at Eastern Coalfield Ltd. (ECL), Bardhaman, West Bengal;

- एलएसटीके प्राप्ति से पूर्व पीएमसी सेवाएं और कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) के लिए स्वदेशी रूप से विकसित कोयला गैसीकरण प्रौद्योगिकी पर महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) में उच्च राख वाले कोयले से अमोनियम नाइट्रेट के लिए डीएफआर की तैयारी;
- सीआईएल के लिए बीएचईएल की स्वदेशी रूप से विकसित कोयला गैसीकरण प्रौद्योगिकी पर आधारित एमसीएल कोलफील्ड में उच्च राख वाले कोयले से अमोनियम नाइट्रेट बनाने के लिए पीएफआर की तैयारी ;
- जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड, गुड़गांव के लिए डाउनस्ट्रीम मूल्य वर्धित उत्पादों से भी सिन गैस हेतु टीईएफआर;
- सीआईएल के लिए एलएसटीके आधार पर एसईसीएल में डीएमई संयंत्र से कोयला के लिए पीएफआर तैयार करना;
- सीआईएल के लिए एलएसटीके आधार पर ईसीएल में एसएनजी संयंत्र के लिए कोयला हेतु पीएफआर की तैयारी।
- एस्सार पावर लिमिटेड, मुंबई के लिए ओडिशा में डाउनस्ट्रीम उत्पादों के साथ कोयला वाशरी और कोयला गैसीकरण परियोजना के लिए व्यवहार्यता अध्ययन रिपोर्ट

डी. रासायनिक क्षेत्र

पीडीआईएल ने रासायनिक क्षेत्र में मेथनॉल, हाइड्रोजन, मिथाइल एमाइन, सल्फ्यूरिक एसिड, फॉस्फोरिक एसिड, नाइट्रिक एसिड, सोडियम नाइट्राइट/नाइट्रेट, अमोनियम नाइट्रेट और अमोनियम बाइकार्बोनेट जैसी कई परियोजनाएँ शुरू की हैं। पीडीआईएल ने एनएफएल, पानीपत में सल्फर बेंटोनाइट संयंत्र की स्थापना के लिए परियोजना प्रबंधन सेवाएँ प्रदान की हैं और आरसीएफ, थल में 1300 मीट्रिक टन प्रतिदिन सल्फ्यूरिक एसिड संयंत्र और 300 मीट्रिक टन प्रतिदिन फॉस्फोरिक एसिड संयंत्र के लिए टीईएफआर तैयार किया है। वर्तमान में, पीडीआईएल निम्नलिखित परियोजनाओं के लिए अपनी सेवाएँ प्रदान कर रहा है:

- जीएसएफसी, वडोदरा के लिए फॉस्फोरिक एसिड संयंत्र, सल्फ्यूरिक एसिड संयंत्र और ऑफसाइट सुविधा के लिए चरण I (प्री ईपीसी अवार्ड) के लिए पीएमसी सेवाएं; और
- जीएनएफसी के लिए भरूच में कमजोर नाइट्रिक एसिड और अमोनियम नाइट्रेट प्लेट के लिए पीएमसी सेवाएं।

ई. फार्मा सेक्टर

वर्तमान में, पीडीआईएल फार्मा क्षेत्र के लिए क्लस्टर विकास कार्यक्रम के लिए भारत सरकार के फार्मास्यूटिकल्स विभाग को पीएमसी सेवाएं प्रदान कर रहा है।

एफ. दूरसंचार क्षेत्र

पीडीआईएल को भारत ब्रॉडबैंड नेटवर्क लिमिटेड के भारतनेट चरण-I के क्षतिग्रस्त और दोषपूर्ण ऑप्टिकल फाइबर केबल के सर्वेक्षण, आपूर्ति और प्रतिस्थापन के लिए स्वीकृति और परीक्षण हेतु तृतीय पक्ष आश्वासन (टीपीए) का कार्य सौंपा गया है।

- Pre LSTK Award PMC services and preparation of DFR for High Ash Coal to Ammonium Nitrate in Mahanadi Coalfields Limited (MCL) on indigenously developed Coal Gasification Technology for Coal India Limited (CIL);
- Preparation of PFR for setting up of High Ash Coal to Ammonium Nitrate in MCL Coalfield Board on indigenously developed Coal Gasification Technology of BHEL for CIL;
- TEFR for Syn Gas to downstream value added products for Jindal Steel & Power Ltd., Gurgaon;
- Preparation of PFR for Coal to DME plant in SECL on LSTK basis for CIL;
- Preparation of PFR for Coal to SNG plant in ECL on LSTK basis for CIL.
- Feasibility study report for coal washery and coal gasification project with downstream products at Odisha for Essar Power Limited, Mumbai

D. CHEMICAL SECTOR

PDIL has undertaken many projects in Chemical Sector such as Methanol, Hydrogen, Methyl Amines, Sulphuric Acid, Phosphoric Acid, Nitric Acid, Sodium Nitrite/Nitrate, Ammonium Nitrate and Ammonium Bi-Carbonate. PDIL has rendered Project Management Services for setting up a Sulphur Bentonite Plant at NFL, Panipat and prepared TEFR for 1300 MTPD Sulphuric Acid Plant & 300 MTPD Phosphoric Acid plant at RCF, Thal. Presently, PDIL is rendering its services to the following projects:

- PMC services for Phase I (Pre EPC Award) for Phosphoric Acid plant, Sulphuric Acid plant and Offsite Facility for GSFC, Vadodara; and
- PMC Services for Weak Nitric Acid and Ammonium Nitrate plat at Bharuch for GNFC.

E. PHARMA SECTOR

Presently, PDIL is rendering PMC Services to Deptt. of Pharmaceuticals, Govt. of India for Cluster Development Programme for Pharma Sector.

F. TELECOMMUNICATION SECTOR

PDIL has been awarded the assignment for Third Party Assurance (TPA) for Acceptance and Testing for Survey, Supply & Replacement of lossy and faulty Optical Fibre Cable of BharatNet Phase-I of Bharat Broadband Network Limited for

- पैकेज 1 – बिहार और झारखंड
- पैकेज 2 – मध्य प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र
- पैकेज 3 – हरियाणा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश (पश्चिम) और उत्तर प्रदेश (पूर्व)
- अंडमान और निकोबार में टीपीए

जी. अन्य

पीडीआईएल को भारतीय बैंक संघ द्वारा ऋणदाताओं के स्वतंत्र अभियंता (एलआईई)/तकनीकी आर्थिक व्यवहार्यता सलाहकार के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। पीडीआईएल को भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) द्वारा निम्नलिखित परियोजनाओं के लिए एलआईई (ऋणदाता का स्वतंत्र अभियंता) नियुक्त किया गया है:

- छारा बंदरगाह पर 5 एमएमटीपीए ग्रीनफील्ड भूमि आधारित आरएलएनजी टर्मिनल परियोजना, और
- कामराजार बंदरगाह, एन्नोर में आरएलएनजी टर्मिनल परियोजना।

एलआईई के रूप में, पीडीआईएल निम्नलिखित सेवाएं प्रदान करके ऋणदाता (एसबीआई) को व्यावसायिक इंजीनियरिंग और परामर्श सेवाएं प्रदान कर रहा है:परियोजना समीक्षा एवं मूल्यांकन

- निर्माण निगरानी एवं निष्पादन परीक्षण
- परियोजना वाणिज्यिक संचालन तिथि (सीओडी) की उपलब्धि का प्रमाणन और संचालन निगरानी।

विविधीकरण

पीडीआईएल निम्नलिखित परियोजनाओं के लिए परामर्श सेवाएं प्रदान कर रहा है जो पीडीआईएल के सेवा क्षेत्र में नई हैं:

❖ **तेल एवं गैस क्षेत्र:**

पीडीआईएल ने हाल ही में आईओसीएल और एचपीसीएल की अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं के लिए अपनी सेवाएँ प्रदान की हैं/कर रही हैं। उनमें से कुछ नीचे सूचीबद्ध हैं:

- एचपीसीएल अनुसंधान एवं विकास केंद्र में उत्प्रेरक पैमाने के लिए फीड (कार्यान्वयन के तहत);
- आईओसीएल द्वारा विकसित प्रौद्योगिकी के आधार पर आईओसीएल, पानीपत रिफाइनरी के लिए 'कैटेलिस्ट' प्लांट के लिए ईपीसीएम सेवाएं (कार्यान्वयन के अधीन);
- कोयली-सांगानेर पाइपलाइन (केएसपीएल) के टर्मिनल पॉइंट पर आईओसीएल मोहनपुरा, जयपुर में 'ट्रांसमिक्स' परियोजना के लिए परामर्श सेवाएँ। आईओसीएल द्वारा ट्रांसमिशन के दौरान मिश्रित विभिन्न पेट्रोलियम उत्पादों को अलग करने के लिए यह तकनीक विकसित की गई है (परियोजना सफलतापूर्वक पूरी हो चुकी है); और
- आईओसीएल-मथुरा रिफाइनरी में "ऑक्टामैक्स: आइसो-ब्यूटीन से आइसो-ऑक्टीन का विखंडन" के निष्पादन के लिए परामर्श सेवाएं (परियोजना सफलतापूर्वक पूरी हुई)।

- Package 1 –Bihar and Jharkhand
- Package 2 – Madhya Pradesh, Gujarat and Maharashtra
- Package 3 – Haryana, Uttarakhand, UP (West) and UP (East)
- TPA in Andaman & Nicobar

G. OTHER(S)

PDIL is empanelled with Indian Bank's Association as Lenders' Independent Engineer (LIE) / Techno Economic Viability Consultant. PDIL has been appointed as LIE (Lender's Independent Engineer) by State Bank of India (SBI) for following projects:

- 5 MMTPA Greenfield land based RLNG terminal project at Chhara Port, and
- RLNG Terminal project at Kamarajar Port, Ennore.

As LIE, PDIL is rendering Professional Engineering & Consultancy services to Lender (SBI) by way of providing following services:

- Project Review & Assessment
- Construction Monitoring & performance testing
- Certification of Achievement of Project Commercial Operation Date (COD) and Operations monitoring.

DIVERSIFICATION

PDIL is rendering Consultancy Services for the following projects which are new to PDIL's area of services in:

❖ **Oil & Gas Sector:**

PDIL has recently rendered / rendering its services for R&D projects of IOCL & HPCL. Few of them are listed below:

- FEED for catalyst scale up at HPCL R&D centre (Under execution);
- EPCM Services for 'Catalyst' Plant for IOCL, Panipat Refinery based on the technology developed by IOCL (Under execution);
- Consultancy Services for 'Transmix' Project at IOCL Mohanpura, Jaipur at terminal point of Koyali-Sanganer Pipeline (KSPL). The technology has been developed by IOCL for separation of various petroleum products mixed during transmission (Project successfully completed); and
- Consultancy Services for execution of "Octamax: Demizeration of Iso-Butene to Iso-Octene" at IOCL-Mathura Refinery (Project successfully completed).

❖ **कोयला गैसीकरण मार्ग के माध्यम से मेथनॉल / अमोनिया / डाउनस्ट्रीम उत्पादों का उत्पादन**

- वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड, साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड और महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड के लिए कोयले से संश्लेषण गैस और डाउनस्ट्रीम उत्पादों के लिए पूर्व-व्यवहार्यता अध्ययन;
- एसईसीएल, बिलासपुर में कोयला गैसीकरण मार्ग के माध्यम से कोयला से अमोनिया परियोजना की स्थापना के लिए विभिन्न परियोजना गतिविधियों को संचालित करना और पूर्व-प्राप्ति परामर्श सेवाएं प्रदान करना; और
- एनएलसी इंडिया लिमिटेड, नेवेली के लिए नेवेली में 1 एमटीपीए लिग्नाइट क्षमता संयंत्र के फीड स्टॉक के साथ लिग्नाइट से मेथनॉल के उत्पादन के लिए पूर्व-व्यवहार्यता अध्ययन, मृदा अध्ययन के लिए परामर्श सेवाएं, प्रौद्योगिकी आपूर्तिकर्ताओं की शॉर्टलिस्टिंग और बीओओ ठेकेदार को सूचीबद्ध करना।

विदेशी कार्यभार

पीडीआईएल वर्तमान में निम्नलिखित विदेशी कार्यों के लिए अपनी सेवाएं प्रदान कर रहा है/हाल ही में प्रदान की है:

- मालकि की इंजीनयिर सेवाएं और अमुफर्ट एस.ए., अंगोला के लिए अंगोला में उर्वरक संयंत्र की स्थापना के लिए पीएफआर की तैयारी; और
- ओमिफ्को, ओमान के लिए अमोनिया संयंत्रों में आरटीआरपी भूमिगत एफसीडब्ल्यू नेटवर्क को धातु एफसीडब्ल्यू नेटवर्क में परिवर्तित करने के लिए परामर्श सेवाएं

सूचना प्रौद्योगिकी पहल

पीडीआईएल ने अपनी आईटी-सक्षम सेवाओं को बेहतर बनाने में उल्लेखनीय प्रगति की है, और बेहतर आईटी समाधानों को लागू करके और उन्हें प्रदान करके अपनी मुख्य गतिविधियों के साथ तालमेल बिठाया है। विभाग का मुख्य ध्यान डिजिटलीकरण, स्थिरता और आईटी अवसंरचना की सुरक्षित उपलब्धता सुनिश्चित करने पर केंद्रित है।

प्रमुख आईटी कार्यान्वयन और डिजिटलीकरण प्रयास

- SAP-ERP एकीकरण: PDIL के सभी स्थान SAP-ERP अनुप्रयोग रिपोजिटरी का उपयोग करते हैं, जो डेटा और अनुप्रयोगों तक निर्बाध पहुंच के लिए एक सुरक्षित VPN के माध्यम से जुड़ा हुआ है।
- इंजीनियरिंग सॉफ्टवेयर उपयोग: पीडीआईएल के इंजीनियरिंग विभाग एस्पेन प्लस, सिनर्जी, पीएचए-प्रो, प्रिमावेरा, ऑटोकैड, स्टैड-प्रो, सीज़र, पीवी-एलीट, ईटीएपी, एएफटी फैथोम, एसपी3डी आदि जैसे उन्नत सॉफ्टवेयर का उपयोग करते हैं।
- बायोमेट्रिक प्रणाली: कर्मचारियों की स्पर्श-रहित उपस्थिति दर्ज करने की सुविधा के लिए नोएडा कार्यालय में बायोमेट्रिक फेस रीडर प्रणाली लागू की गई है। पेरोल प्रोसेसिंग और कर्मचारियों की उपस्थिति की जानकारी प्राप्त करने के लिए बायोमेट्रिक उपस्थिति डेटा को SAP में एकीकृत किया गया है।

❖ **Production of Methanol / Ammonia / Downstream Products through Coal Gasification route**

- Pre-Feasibility Studies for Coal to Synthesis Gas & downstream products for Western Coalfields Ltd., Eastern Coalfields Ltd., Central Coalfields Ltd., South Eastern Coalfields Ltd., and Mahanadi Coalfields Ltd;
- Carrying out various project activities and providing Pre-Award consultancy services for setting up of a Coal to Ammonia project through Coal gasification route at SECL, Bilaspur; and
- Pre-Feasibility Study, Consultancy Services for Soil Studies, Shortlisting of Technology Suppliers and listing of BOO Contractor for production of Methanol from lignite with feed stock of 1 MTPA lignite capacity plant at Neyveli for NLC India Limited, Neyveli.

FOREIGN ASSIGNMENT

PDIL is presently rendering/ recently rendered its services for following foreign assignments:

- Owner's Engineer Services and Preparation of PFR for Setting-up of Fertilizer Plant in Angola for Amufert S.A., Angola; and
- Consultancy Services for converting RTRP underground FCW network to Metallic FCW Network in Ammonia Plants for OMIFCO, Oman

INFORMATION TECHNOLOGY INITIATIVES

PDIL has made significant progress in enhancing its IT-enabled services, aligning with its core activities by implementing and delivering superior IT solutions. The department's primary focus remains on digitalization, sustainability, and ensuring the safe and secure availability of IT infrastructure.

Key IT Implementations and Digitalization Efforts

- SAP-ERP Integration: All PDIL locations utilize the SAP-ERP application repository, connected through a secure VPN to access data and applications seamlessly.
- Engineering Software Utilization: PDIL's engineering departments utilizes advanced software such as Aspen Plus, Synergee, PHA-Pro, Primavera, AutoCAD, Staad-Pro, Caesar, PV-Elite, ETAP, AFT Fathom, SP3D, etc.
- Biometric System: Biometric face reader system implemented in the Noida office to facilitate touchless attendance recording for employees. Biometric attendance data is integrated into SAP for payroll processing and to obtain attendance information of employees.

- सहयोग सेवाएँ: ईमेल सेवाएँ, ऑनलाइन संग्रहण और ई-मीटिंग समाधान प्रदान करने के लिए साइट पर तैनात कर्मचारियों के लिए कार्यान्वित माइक्रसोफ्ट 365 सेवाएँ।
- क्लाउड-आधारित बैकअप और रिकवरी: कर्मचारियों के डेटा की सुरक्षा के लिए पूर्ण स्वचालन के साथ क्लाउड-आधारित समाधान लागू किया गया है।
- एसएपी-जनरेटेड इनवॉयस: सभी परियोजना इनवॉयस एसएपी में तैयार किए जाते हैं, जिसमें सरकारी जीएसटी पोर्टल से जुड़ा एक अद्वितीय इनवॉयस संदर्भ संख्या (आईआरएन) होती है।
- तृतीय-पक्ष निरीक्षण प्रमाणपत्र: निरीक्षण विभाग द्वारा प्रत्येक प्रमाणपत्र के लिए अद्वितीय संदर्भ संख्या के साथ SAP में निरीक्षण प्रमाणपत्र तैयार किए जाते हैं।
- कोटेशन और बिक्री आदेश: SAP में कोटेशन बनाए जाते हैं, कार्य सौंपे जाने के बाद बिक्री आदेश/अनुबंध बनाए जाते हैं, तत्पश्चात बिक्री आदेश के विरुद्ध चालान तैयार किया जाता है।
- व्यापक SAP-ERP उपयोग: वेतन, कर, छुट्टी के आवेदन और अनुमोदन, छुट्टी कोटा प्रबंधन, मानव संसाधन गतिविधियों, एसीआर भरने और अनुमोदन, खरीद मांग, खरीद आदेश / अनुबंध, विक्रेता चालान प्रसंस्करण, और ग्राहक और विक्रेता विवरण बनाए रखने के लिए नियोजित।एंड प्वाइंट सुरक्षा :अधिक सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग कार्यान्वित किया गया है ।
- अंतिम-बिंदु सुरक्षा: मजबूत सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का उपयोग करके कार्यान्वित किया गया।
- हनीपोट और फ़ायरवॉल डिवाइस: इंटरनेट ट्रैफ़िक की निगरानी और ट्रैक करने, सुरक्षा उपायों को बढ़ाने के लिए तैनात।

आईटी पहलों में पीडीआईएल की निरंतर प्रगति रणनीतिक कार्यान्वयन और निरंतर सुधार के माध्यम से उन्नत परिचालन दक्षता, मजबूत सुरक्षा और सतत्ता कार्यो के लिए नवीनतम प्रौद्योगिकी का उपयोग करने के प्रति इसके समर्पण को दर्शाती है।

गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली / आईएसओ प्रमाणन स्थिति

क. पीडीआईएल की गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली को आईएसओ 9001:2015 की आवश्यकताओं के अनुसार वेक्सिल बिजनेस प्रोसेस सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा अनुमोदित किया गया है और आईएसओ 9001:2015 के अनुपालन का प्रमाणपत्र 25 सितंबर, 2027 तक वैध है। प्रमाणन का दायरा इस प्रकार है:

- परियोजना प्रबंधन और इंजीनियरिंग परामर्श (परियोजना व्यवहार्यता अध्ययन और बाजार अनुसंधान, डिजाइन, इंजीनियरिंग, खरीद, निर्माण और कमीशनिंग, तीसरे पक्ष के डिजाइन की समीक्षा, निरीक्षण, गैर-विनाशकारी परीक्षण, संयंत्रों की जीवन प्रत्याशा मूल्यांकन सहित) और अन्य संबद्ध सेवाएं;
- पर्यावरण इंजीनियरिंग, प्रयोगशाला कार्य (अनुसंधान एवं विकास कार्य, पर्यावरण मापदंडों का परीक्षण और रॉक फॉस्फेट एवं उत्पाद एसएसपी के नमूनों का विश्लेषण करने के लिए)।

- Collaboration Services: Microsoft 365 services implemented for site-posted employees for providing email services, online storage, and e-meeting solutions.
- Cloud-Based Backup and Recovery: A cloud-based solution has been implemented to safeguard data for employees with complete automation.
- SAP-Generated Invoices: All project invoices are generated in SAP, featuring a unique Invoice Reference Number (IRN) linked to the government GST portal.
- Third-Party Inspection Certificates: Inspection certificates are generated in SAP with unique reference numbers for each certificate by the inspection department.
- Quotations and Sales Orders: Quotations are maintained in SAP, with sales orders/contracts created post-award of job, followed by invoice generation against the sales order.
- Comprehensive SAP-ERP Usage: Employed for processing salaries, taxes, leave applications and approvals, leave quota management, HR activities, ACR filling and approvals, purchase requisitions, purchase orders/contracts, vendor invoice processing, and maintaining customer and vendor details.
- End-Point Security: Implemented using state-of-the-art technology to ensure robust security.
- Honeypot & Firewall Devices: Deployed to monitor and track internet traffic, enhancing security measures.

PDIL's continuous advancement in IT initiatives highlights its dedication to use the latest technology for enhanced operational efficiency, robust security, and sustainable practices through strategic implementation and continuous improvement.

QUALITY MANAGEMENT SYSTEM/ISO CERTIFICATION STATUS

a. The Quality Management System of PDIL is approved by Vexil Business Process Services Private Limited in accordance with the requirements of ISO 9001:2015 and the certificate of compliance to ISO 9001:2015 is valid upto September 25, 2027.The scope of certification is as follows:

- Project Management and Engineering Consultancy (including Project Feasibility Studies & Market Research, Design, Engineering, Procurement, Construction and Commissioning, Third Party Design Review, Inspection, Non-Destructive Testing, Life Expectancy Assessment of Plants) and other allied services;
- Environmental Engineering, Laboratory Works (for carrying out R&D Works, Testing of Environmental Parameters and Analysis of Samples of Rock Phosphate & Products SSP).

ख. वेक्सिल बिजनेस प्रोसेस सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा जारी आईएसओ 45001:2018 प्रमाणपत्र 3 दिसंबर, 2025 तक वैध है। यह प्रमाणपत्र पर्यावरण प्रयोगशाला, पर्यावरण इंजीनियरिंग विभाग, पीडीआईएल को जारी किया जाता है, जिन्होंने एक व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली लागू की है जो आईएसओ 45001:2018 में निर्धारित आवश्यकताओं को पूरा करती है, निम्नलिखित दायरे के साथ:

- पर्यावरण परीक्षण प्रयोगशाला सेवाएँ

ग. पीडीआईएल निरीक्षण निकायों के लिए एनएबीसीबी प्रत्यायन मानदंडों का अनुपालन करता है और प्रमाणपत्र की अनुसूची I में वर्णित स्वीकृत प्रत्यायन दायरे और अनुसूची II में वर्णित अपने कार्यालय(कार्यालयों) के अनुसार निरीक्षण सेवाएँ प्रदान करने हेतु अंतर्राष्ट्रीय मानक आईएसओ/आईईसी 17020:2012 के अनुसार टाइप 'सी' निरीक्षण निकाय के रूप में प्रत्यायित है। प्रत्यायन की वैधता का नवीनीकरण हो चुका है और यह 2 जून, 2027 तक वैध है।

मानव संसाधन प्रबंधन

पीडीआईएल का मानना है कि मानव संसाधन किसी भी कंपनी, खासकर किसी भी परामर्शदात्री संगठन के लिए, मुख्य संपत्ति होते हैं, जहाँ कर्मचारी विकास के लिए "ज्ञान" और "सीखना" प्रमुख साधन होते हैं। अपने अस्तित्व के पिछले कई वर्षों में व्यक्तियों और कंपनी द्वारा अर्जित ज्ञान को संरक्षित रखने के उद्देश्य से, पीडीआईएल अनुभवी जनशक्ति और युवा समूहों के बीच ज्ञान के आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करता है। लगातार बढ़ते चुनौतीपूर्ण परिदृश्य में, मानवीय स्पर्श के साथ गुणवत्तापूर्ण सेवाओं को समय समय पर प्रदान करना ही एकमात्र प्रमुख अंतर होगा।

एससी/एसटी/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस कर्मचारियों के लिए सुविधाएं:

समय-समय पर जारी सरकारी दिशा-निर्देशों के अनुसार, भर्ती के समय लागू आयु, अंकों के प्रतिशत और आवेदन शुल्क में छूट के संबंध में सुविधाएं प्रदान की जाती हैं। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के उम्मीदवारों को भी छूट दी जाती है।

जनशक्ति

31.03.2025 तक कर्मचारियों का श्रेणीवार विवरण निम्नानुसार है:-

31.03.2025 तक कर्मचारी संख्या
(नियमित, प्रबंधन प्रशिक्षुओं सहित)

वर्ग	कुल एमआईपी	एससी	एसटी	ओबीसी
ए	259	41	15	67
बी	12	4	1	1
सी	3	0	0	0
डी	0	0	0	0
कुल	**274**	**45**	**16**	**68**

b. The ISO 45001:2018 certificate issued by Vexil Business Process Services Private Limited is valid up to December 3, 2025. The Certificate is issued to Environmental Laboratory, Environmental Engineering Department, PDIL, who have implemented an Occupational Health & Safety management system which meets the requirements laid down in ISO 45001:2018, with the following scope**:**

- Environmental Testing Laboratory Services

c. PDIL complies with NABCB Accreditation Criteria for Inspection Bodies and is accredited in accordance with International Standard ISO/IEC 17020:2012 as Type 'C' Inspection Body to provide Inspection Services as per Approved Scope of Accreditation described in Schedule I and from its Office(s) described in Schedule II of the Certificate. The renewal of validity of Accreditation is done and is valid till June 2, 2027.

HUMAN RESOURCE MANAGEMENT

PDIL believes that Human Resources are the main assets for any company especially for a consultancy organization which has "knowledge" and "learning" as the major levers for employee development. With a view to preserve the knowledge acquired by individuals and the company over the last many years of its existence, PDIL encourages sharing of knowledge between experienced manpower and younger groups. In the ever increasing challenging scenario, timely delivery of quality services with human touch will be the only key differentiator.

FACILITIES TO SC/ST/OBC/ EWS EMPLOYEES:

Facilities are provided as applicable w.r.t. relaxation in age, percentage of marks and application fee are being extended to SC/ST/OBC/EWS candidates, as applicable at the time of recruitment, in line with Govt. Guidelines issued from time to time.

MANPOWER

The category wise details of employees as on 31.03.2025 is as follows:-

EMPLOYEE STRENGTH AS ON 31.03.2025
(REGULAR INCLUDING MANAGEMENT TRAINEES)

Category	Total MIP	SC	ST	OBC
A	259	41	15	67
B	12	4	1	1
C	3	0	0	0
D	0	0	0	0
Total	**274**	**45**	**16**	**68**

एमओयू छूट

आपकी कंपनी प्रत्येक वित्तीय वर्ष में लक्ष्य निर्धारित करने और संगठन के प्रदर्शन का आकलन करने के लिए भारत सरकार के रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करती है। हालाँकि, चल रही विनिवेश प्रक्रिया के कारण आपकी कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिएअपने प्रशासनिक मंत्रालय के माध्यम से लोक उद्यम विभाग (डीपीई) से समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने से छूट का अनुरोध किया है। अंतर-मंत्रालयी समिति (आईएमसी) ने चल रही विनिवेश प्रक्रिया से उत्पन्न चुनौतियों को स्वीकार करते हुए, पीडीआईएल को वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए समझौता ज्ञापन प्रक्रिया से छूट देने की सिफारिश की है।

सतर्कता

कंपनी सतर्कता को प्रबंधन कार्य का एक अभिन्न अंग मानती है। सतर्कता गतिविधियाँ संगठन में प्रबंधकीय दक्षता और प्रभावशीलता के स्तर को बढ़ाती हैं। मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) कंपनी के सतर्कता प्रयासों को दिशा, मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण प्रदान करता है। वर्तमान में, सीवीओ अतिरिक्त प्रभार में हैं।

सतर्कता विभाग का एक प्राथमिक कार्य सतर्कता मुद्दों के संदर्भ में जागरूकता फैलाना तथा किसी भी कदाचार/भ्रष्टाचार के संबंध में सूचना/शिकायत प्राप्त करना है।

सभी कार्यालयों में अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, मुख्य सतर्कता अधिकारी, केन्द्रीय सतर्कता आयोग तथा पुलिस अधीक्षक, सीबीआई, स्थानीय शाखा का नाम, पता और संपर्क नंबर प्रदर्शित करने वाले नोटिस बोर्ड लगाए गए हैं, जिनसे भ्रष्टाचार की शिकायतों के लिए संपर्क किया जा सकता है।

कंपनी में सतर्कता का मुख्य उद्देश्य विभिन्न विभागों के कामकाज में अधिक पारदर्शिता, ईमानदारी और दक्षता लाना है। इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए, नियमित निरीक्षण, संपत्ति विवरणियों की जाँच और अन्य उपयुक्त उपायों के माध्यम से विभिन्न गतिविधियों पर कड़ी नज़र रखी जाती है। सतर्कता विभाग व्यवस्था में सुधार पर ध्यान केंद्रित करता है और जहाँ भी आवश्यक हो, उचित सुधारात्मक कार्रवाई की जाती है।

सीवीसी/उर्वरक विभाग/कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग द्वारा समय-समय पर जारी दिशानिर्देशों को अनुपालन हेतु प्रबंधन के ध्यान में लाया जाता है। यह सुनिश्चित किया जाता है कि कार्य आदेशों और अपनाई गई निविदा प्रक्रिया का विवरण वेबसाइट पर उपलब्ध हो और निविदाएँ एनआईसी के जेम पोर्टल और सीपीपी पोर्टल पर भी उपलब्ध हों। जुलाई 2012 से शुरू की गई ई-खरीद, अक्टूबर 2012 से भारत सरकार के एनआईसी के जेम पोर्टल और सीपीपी पोर्टल के माध्यम से कार्यान्वित की जा रही है। सतर्कता मंजूरी की प्रक्रिया एसएपी के माध्यम से कार्यान्वित की जा रही है। यह भी सुनिश्चित किया जाता है कि सभी कर्मचारियों ने पीडीआईएल सीडीए नियमों और सीवीसी दिशानिर्देशों के अनुसार, निर्धारित प्रारूप में समय पर संपत्ति विवरणी भरी हो।

वर्ष 2024-25 के दौरान, कंपनी ने 28.10.2024 से 03.11.2024 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया। इस वर्ष का विषय था "सत्य निष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की समृद्धि" "Culture of Integrity for Nation's prospertity"।

MOU EXEMPTION

Your Company signs Memorandum of Understanding (MoU) with Government of India, Ministry of Chemicals and Fertilizer in each financial year for setting targets and measuring the organization's performance. However, due to the ongoing disinvestment process, your company has requested an exemption from signing MoU with the Department of Public Enterprises (DPE) for the fiscal year 2024-25, through its Administrative Ministry. The Inter-Ministerial Committee (IMC) has recommended that PDIL be exempted from the MoU process for FY 2024-25, acknowledging the challenges posed by the ongoing disinvestment process.

VIGILANCE

The company considers vigilance to be an integral part of the management function. Vigilance activities enhance the level of managerial efficiency and effectiveness in the organisation. Chief Vigilance Officer (CVO) provides direction, guidance and supervision over the vigilance efforts of the company. Presently, CVO is in additional charge.

One of the primary functions of the vigilance is to spread awareness with reference to vigilance issues and solicit information / complaints regarding any malpractice / corruption.

Notice Boards have been installed in all offices displaying the name, address and contact number of Chairman & Managing Director, Chief Vigilance Officer, Central Vigilance Commission and SP, CBI, Local branch who can be contacted for complaints of corruption.

The thrust of vigilance in the company is to bring about greater transparency, integrity and efficiency in the functioning of various departments. To achieve this objective, careful watch is kept on various activities through regular inspections, scrutiny of property returns and other suitable measures. Vigilance department focuses on system improvement and appropriate corrective actions are taken wherever necessary.

Guidelines issued, from time to time, by CVC / DoF / DoPT are brought to the notice of the Management for compliance. It is ensured that details of work orders and tendering process adopted are posted on the website and also tenders are posted on GeM portal and CPP portal of NIC. E-procurement initiated since July 2012 is being implemented through GeM portal and CPP Portal of NIC, GOI from October 2012 onwards. Processing of Vigilance clearance are being implemented through SAP. It is also ensured that all the employees have filled the Property Return in prescribed format in time , as per PDIL CDA Rules and CVC Guidelines .

During the year 2024-25, the company observed Vigilance Awareness Week from 28.10.2024 to 03.11.2024. The theme of this year was **"सत्यनिष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की समृद्धि" "Culture of Integrity**

इस दौरान पीडीआईएल की विभिन्न इकाइयों में निबंध प्रतियोगिता, नारा लेखन और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने भाग लिया।

for Nation's Prosperity". During this period Essay Competition, Slogan writing and Quiz Competition were organised in different units of PDIL. Employees in large numbers had participated in these programmes.

Observance Vigilance awarness week at Noida

जनसंपर्क

आपकी कंपनी मज़बूत जनसंपर्क बनाए रखने के महत्व को समझती है। पीडीआईएल ने भारतीय उर्वरक संघ (एफएआई) द्वारा आयोजित संगोष्ठियों में सक्रिय रूप से भाग लिया है। इसके अतिरिक्त, आपकी कंपनी गणतंत्र दिवस, योग दिवस, स्वतंत्रता दिवस, राजभाषा पखवाड़ा, संविधान दिवस, सतर्कता जागरूकता सप्ताह और उत्पादकता सप्ताह जैसे प्रमुख आयोजनों के लिए मीडिया और सोशल मीडिया पर घोषणाएँ जारी करती है। पीडीआईएल वेबसाइट को नियमित रूप से अपडेट किया जाता है, जो संभावित ग्राहकों और आम जनता के लिए एक महत्वपूर्ण इंटरफ़ेस का काम करती है।

वेबसाइट पीडीआईएल के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत जानकारी प्रदान करती है, जिसमें प्रदान की जाने वाली सेवाएँ, चल रही और पूरी हो चुकी परियोजनाएँ, निदेशक मंडल, प्रमुख अधिकारी, रिक्तियाँ, निविदा सूचनाएँ, विक्रेता पंजीकरण, आरटीआई, आदि शामिल हैं। सोशल मीडिया के बढ़ते उपयोग के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए, पीडीआईएल का अपना ट्विटर हैंडल और फेसबुक पेज है, जहाँ वह नवीनतम अपडेट, उपलब्धियों और समारोहों को साझा करता है।

PUBLIC RELATIONS

Your company recognizes the significance of maintaining strong public relations. PDIL actively participated in seminars organized by the Fertilizer Association of India (FAI). Additionally, your company issues media and social media announcements for key events such as Republic Day, Yoga Day, Independence Day, Rajbhasha Pakhwara, Constitution Day, Vigilance Awareness Week, and Productivity Week, among others. The PDIL website is frequently updated, serving as a key interface for prospective clients and the general public.

The website offers comprehensive information on various aspects of PDIL, including services offered, ongoing and completed projects, board of directors, key executives, job vacancies, tender notices, vendor registration, RTI, and more. To keep pace with the growing use of social media, PDIL has its Twitter handle and Facebook page, where it shares the latest updates, achievements, and celebrations.

Republic Day Celebration, 2025

Independence Day Celebration, 2024

राजभाषा का कार्यान्वयन

आपकी कंपनी ने भारत सरकार की राजभाषा नीति के अनुरूप राजभाषा के प्रगतिशील प्रयोग हेतु अपने गहन प्रयास जारी रखे हैं। कंपनी हिंदी के प्रगतिशील प्रयोग के संबंध में सरकार द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रमों, अनुदेशों और अन्य सभी निर्देशों का निरंतर पालन करती है। सभी विभागों में हिंदी के प्रयोग को प्रोत्साहित करने के लिए, सभी डेस्कटॉप और लैपटॉप पर हिंदी टाइपिंग सॉफ्टवेयर स्थापित किया गया है।

Hindi Pakhwara, Noida

कर्मचारियों को अपना नियमित कार्य हिंदी में करने में सुविधा प्रदान करने के लिए, 300 से अधिक अंग्रेजी और हिंदी टिप्पण का संकलन इंट्रानेट और सभी कर्मचारियों के डेस्कटॉप पर वर्ड फॉर्मेट में उपलब्ध कराया गया है। कर्मचारियों में रुचि पैदा करने के लिए, दैनिक हिंदी कहावत (सुविचार) और दिन-प्रतिदिन के काम में आमतौर पर इस्तेमाल होने वाले अंग्रेजी शब्दों के अनुवाद सभी कर्मचारियों के ईमेल के माध्यम से साझा किए जाते हैं। कर्मचारियों को अपने आधिकारिक कार्यों में अधिक बार हिंदी का उपयोग करने के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित करने के लिए, हर साल हिंदी पखवाड़ा मनाया जाता है। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, आपकी कंपनी ने 14 से 30 सितंबर, 2024 के दौरान 'हिंदी पखवाड़ा' का आयोजन किया और "पखवाड़ा" के दौरान विभिन्न हिंदी

IMPLEMENTATION OF OFFICIAL LANGUAGE

Your Company has continued its intensive efforts for progressive use of official language in line with the Official Language Policy of the Government of India. The Company consistently adheres with annual programs, instructions and all other directives issued by the Government regarding progressive use of Hindi. To encourage the use of Hindi across all departments, Hindi typing software has been installed on all desktops and laptops.

Hindi pakhwara, Vadodara

To facilitate employees to do their routine work in Hindi, a compilation of over than 300 English & Hindi noting has been made available on Intranet and on the desktop of all employee in word format. To generate interest among employees, a daily Hindi proverb (Suvichar) and translations of commonly used English terms in day-to-day work are shared with all employees via email. To inspire and motivate employees to use Hindi more frequently in their official work, Hindi Pakhwara has been celebrated every year. During the year under review, your company organized 'Hindi Pakhwara' during 14th - 30th September, 2024 and various Hindi programmes/ Competition such as Essay writing, Poster making,

कार्यक्रम / प्रतियोगिता जैसे निबंध लेखन, पोस्टर बनाना, हिंदी टिप्पण प्रारूपण प्रतियोगिता और कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रगति की समीक्षा और निगरानी के लिए, प्रत्येक इकाई प्रमुख की अध्यक्षता में त्रैमासिक समीक्षा बैठकें आयोजित की गईं। इसके अतिरिक्त, 21 अगस्त, 2024 को रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के उर्वरक विभाग के अधिकारियों ने पीडीआईएल में हिंदी की प्रगति का आकलन करने के लिए नोएडा कार्यालय का दौरा किया और कर्मचारियों द्वारा हिंदी भाषा को अपनाने में दिखाए गए उत्साह की सराहना की।

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा के अनुरूप, कंपनी ने अधिनियम के अंतर्गत आवश्यक तंत्र का निर्माण किया है। केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी (CPIO)/अपीलीय प्राधिकारी/सहायक लोक सूचना अधिकारी (APIO) का नाम कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट पर प्रदर्शित है। लोक सूचना अधिकारी और अपीलीय प्राधिकारी समयबद्ध तरीके से आरटीआई आवेदनों और अपीलों का कुशलतापूर्वक निपटारा कर रहे हैं। आरटीआई अधिनियम की धारा 4(1)(बी) के अनुसार, पीडीआईएल की वेबसाइट पर प्रासंगिक जानकारी उपलब्ध करा दी गई है। वर्ष 2024-25 के दौरान, कुल 35 आरटीआई आवेदन और 3 प्रथम अपीलें प्राप्त हुईं, और अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार उत्तर प्रदान किए गए। इसके अतिरिक्त, कंपनी केंद्रीय सूचना आयोग के पोर्टल पर नियमित रूप से ऑनलाइन तिमाही रिटर्न दाखिल करती रहती है।

भविष्य का दृष्टिकोण

पीडीआईएल के लिए भविष्य का दृष्टिकोण काफी आशाजनक है। भारत सरकार (जीओआई) ब्रह्मपुत्र वैली फर्टिलाइजर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीवीएफसीएल) के वित्तीय पुनर्गठन प्रस्ताव पर सक्रिय रूप से विचार कर रही है, जिसका उद्देश्य सीपीएसई वाली एक संयुक्त उद्यम कंपनी के माध्यम से नामरूप में एक नया अमोनिया-यूरिया संयंत्र स्थापित करना है। इसके अतिरिक्त, मैटिक्स फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड और मद्रास फर्टिलाइजर्स लिमिटेड दोनों अपने परिचालन के विस्तार की योजना बना रहे हैं। अमोनिया-यूरिया परियोजनाओं में बेजोड़ ट्रैक रिकॉर्ड और व्यापक अनुभव के साथ पीडीआईएल इन अमोनिया-यूरिया परियोजनाओं के लिए अन्य इंजीनियरिंग और परियोजना प्रबंधन सलाहकारों पर एक महत्वपूर्ण बढ़त रखता है। 93 अमोनिया और 84 यूरिया परियोजनाओं को क्रियान्वित करने की विरासत के आधार पर, पीडीआईएल वर्तमान में व्यवहार्यता और अध्ययन रिपोर्ट तैयार करने के साथ-साथ विभिन्न आगामी अमोनिया-यूरिया परियोजनाओं के लिए व्यापक इंजीनियरिंग और परियोजना प्रबंधन परामर्श (ईपीएमसी) सेवाएं प्रदान करने वाले कई कार्यों के लिए चर्चा के उन्नत चरणों में है।

टीएफएल की तालचेर इकाई का पुनरुद्धार कार्य प्रगति पर है। तालचेर संयंत्र में कोयला गैसीकरण संयंत्र, एक अमोनिया और यूरिया संयंत्र, तथा ऑफसाइट और उपयोगिताएँ शामिल हैं।

इसके अतिरिक्त, पीडीआईएल आरसीएफ, जीएनएफसी, इफको आदि जैसे प्रतिष्ठित ग्राहकों के लिए ऊर्जा-बचत परियोजनाओं / पुनरुद्धार से संबंधित विभिन्न परामर्श कार्यों में सक्रिय रूप से संलग्न है। इसके अलावा, पीडीआईएल ओमिफ्को, जिफको आदि जैसे ग्राहकों से अंतर्राष्ट्रीय परामर्श परियोजनाएं प्राप्त करने के प्रति आशावादी है।

Hindi Noting drafting competition & Workshop were organized during the "Pakhwara". To review and monitor the progress, quarterly review meetings were conducted under the Chairmanship of each unit head. Additionally, on August 21st, 2024, officials from the Department of Fertilizers, Ministry of Chemicals & Fertilizers, visited the Noida office to assess the progress of Hindi in PDIL and expressed appreciation for the enthusiasm shown by employees in adopting the Hindi language.

THE RIGHT TO INFORMATION ACT, 2005

In consonance with the spirit of Right to Information Act, 2005 the Company has created necessary mechanism as required under the Act. The name of Central Public Information Officer (CPIO)/ Appellate Authority/Assistant Public Information Officer (APIOs) is displayed on the Company's official website. The Public Information Officers and Appellate Authorities are are efficiently addressing RTI applications and appeals in a timely manner. As mandated under Section 4(1)(b) of the RTI Act, relevant information has been made available on PDIL's website. During the year 2024-25, a total of 35 RTI applications and 3 first appeals were received, and responses were provided in accordance with the provisions of the Act. Additionally, the Company continues to file online quarterly returns regularly on the Central Information Commission's portal.

FUTURE OUTLOOK

The Future Outlook for PDIL is quite promising. The Government of India (GOI) is actively considering Financial Restructuring proposal of Brahmaputra Valley Fertilizer Corporation Limited (BVFCL), aimed at establishing a new Ammonia-Urea plant at Namrup through a Joint Venture Company comprising CPSEs. Additionally, both Matix Fertilisers and Chemicals Limited and Madras Fertilizers Limited are planning expansion to their operations. PDIL, with an unmatched track record and extensive experience in Ammonia-Urea Projects, holds a significant edge over other Engineering & Project Management Consultants for these Ammonia-Urea Projects. Backed by a legacy of executing 93 Ammonia and 84 Urea projects, PDIL is currently in advanced stages of discussion for multiple assignments involving the preparation of feasibility and study reports, as well as providing comprehensive Engineering and Project Management Consultancy (EPMC) services for various upcoming Ammonia-Urea projects.

The revival of Talcher unit of TFL is under progress. Talcher plant comprises of **Coal gasification plant**, an Ammonia & Urea plant along with offsite & utilities.

In addition to this, PDIL is actively engaged in various consultancy assignments related to energy-saving Projects / Revamps for esteemed clients such as RCF, GNFC, IFFCO etc. Furthermore, PDIL is optimistic about securing international consultancy projects from clients like OMIFCO, JIFCO, etc.

पीडीआईएल तेल एवं गैस क्षेत्र में विभिन्न सुविधाओं जैसे पीओएल/एलपीजी टर्मिनल, एलपीजी बॉटलिंग प्लांट, पीओएल डिपो, माउंडेड बुलेट्स, टैंकेज आदि की परियोजनाओं के साथ सफलतापूर्वक प्रवेश कर रहा है। आईओसीएल और एचपीसीएल द्वारा विकसित स्वदेशी प्रौद्योगिकी पर आधारित तेल एवं गैस/रिफाइनरी परियोजनाओं के लिए इंजीनियरिंग परामर्श सेवाएं प्रदान करने के हालिया अनुभव के साथ, पीडीआईएल को अब अन्य तेल एवं गैस/रिफाइनरी प्रमुखों द्वारा परियोजनाओं के लिए सक्रिय रूप से विचार किया जा रहा है।

इसके अलावा, स्वदेशी कोयला संसाधनों के उपयोग पर भारत सरकार के प्रोत्साहन ने भारत में कोयला/पेटकोक/लिग्नाइट आधारित रासायनिक संयंत्रों का मार्ग प्रशस्त किया है। पीडीआईएल, सीआईएल और उसकी सहायक कंपनियों, टीएफएल, एनएलसी इंडिया लिमिटेड, आईओसीएल आदि की विभिन्न आगामी कोयला गैसीकरण आधारित परियोजनाओं के लिए सलाहकार के रूप में काम कर रहा है/कर चुका है। इन परियोजनाओं में अमोनिया, मेथनॉल, अमोनियम नाइट्रेट डीएमई, इथेनॉल, सिंथेटिक प्राकृतिक गैस आदि का उत्पादन शामिल है, जिनमें से अधिकांश का भारत द्वारा भारी मात्रा में आयात किया जा रहा है। कोयला मंत्रालय (एमओसी) द्वारा कोयला गैसीकरण परियोजनाओं के लिए वीजीएफ नीति के मद्देनजर, कोयला गैसीकरण के लिए कई और परियोजनाओं की उम्मीद है। पीडीआईएल ऐसी परियोजनाओं के लिए कार्यों की प्रतीक्षा कर रहा है।

PDIL is successfully making inroads in the Oil & Gas Sector with Projects covering varied facilities like POL / LPG Terminals, LPG Bottling Plants, POL Depots, Mounded Bullets, Tankages, etc. With recent experience in providing engineering consultancy services for Oil & Gas / Refinery Projects based on indigenous technology developed by IOCL and HPCL, PDIL is now being actively considered by other Oil & Gas / Refinery Majors for Projects.

Further, the impetus of GOI on utilization of indigenous coal resources has paved the way for Coal / Petcoke /Lignite based Chemical Plants in India. PDIL is working / has worked as a Consultant for various upcoming coal gasification based projects of CIL & its subsidiaries, TFL, NLC India Ltd., IOCL etc., for production of Ammonia, Methanol, Ammonium Nitrate DME, Ethanol, Synthetic Natural Gas etc. most of which are being imported in huge quantities by India. In view of VGF policy for coal gasification projects by Ministry of Coal (MOC), many more projects for coal gasification are expected. PDIL is looking forward for services for such projects.

Joint Showcase of AVFCCL Project at Advantage Assam 2.0 by PDIL and BVFCL

भौतिक परिवर्तन और प्रतिबद्धताएँ

वित्तीय वर्ष 31 मार्च, 2025 के अंत और इस रिपोर्ट की तारीख के बीच कंपनी की वित्तीय स्थिति को प्रभावित करने वाले कोई भी भौतिक परिवर्तन और प्रतिबद्धताएं नहीं थीं।

विनिवेश की स्थिति:

उर्वरक विभाग (डीओएफ) ने 27 दिसंबर, 2016 के पत्र संख्या 19021/05/2016-एफसीए के माध्यम से, जिसके साथ वित्त मंत्रालय के दीपम का 11 नवंबर, 2016 का कार्यालय ज्ञापन संख्या 3/21/2016-दीपम-बी संलग्न है, भारत सरकार द्वारा पीडीआईएल के रणनीतिक विनिवेश को "सैद्धांतिक" स्वीकृति प्रदान की है। इसके बाद, पीडीआईएल के रणनीतिक विनिवेश के लिए दीपम/डीओएफ, भारत सरकार द्वारा लेनदेन सलाहकार

MATERIAL CHANGES AND COMMITMENTS

There were no material changes and commitments affecting the financial position of the Company between the end of financial year March 31, 2025 and the date of this report.

STATUS OF DISINVESTMENT:

Department of Fertilizers (DoF) vide letter no. 19021/05/2016-FCA dated December 27, 2016 enclosing therewith O.M. F. No. 3/21/2016-DIPAM-B dated November 11, 2016 of DIPAM , Ministry of Finance informed “in-principle” approval of Strategic Disinvestment of PDIL by Government of India. Subsequently, Transaction Advisor (TA), Legal Advisor (LA) and Asset Valuer

(टीए), कानूनी सलाहकार (एलए) और परिसंपत्ति मूल्यांकनकर्ता (एवी) नियुक्त किए गए।

वित्त मंत्रालय ने 8 मार्च, 2019 के पत्र संख्या 19024/01/2019-पीएसयू के माध्यम से, जिसके साथ वित्त मंत्रालय का कार्यालय ज्ञापन संख्या 3/22/2016-दीपम-II-बी खंड V दिनांक 27 फ़रवरी, 2019 संलग्न है, सूचित किया कि पूर्व में प्रस्तुत वित्तीय बोली को अस्वीकार कर दिया गया है और वित्त मंत्रालय को दो चरणों वाली नीलामी प्रक्रिया के माध्यम से पहचाने गए रणनीतिक खरीदार को पीडीआईएल में भारत सरकार की 100% हिस्सेदारी के विनिवेश की प्रक्रिया शुरू करने के लिए अधिकृत किया गया है। रणनीतिक विनिवेश की प्रक्रिया के लिए पीआईएम 14 दिसंबर, 2021 को जारी किया गया था। ईओआई जमा करने की अंतिम तिथि 31 जनवरी, 2022 थी जिसे बाद में 28 फ़रवरी, 2022 तक बढ़ा दिया गया था। यह प्रक्रियाधीन है।

सार्वजनिक जमा

समीक्षाधीन अवधि के दौरान, आपकी कंपनी ने कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 73 के साथ पठित कंपनी (जमा की स्वीकृति) नियम, 2014 के अंतर्गत न तो कोई जमा राशि आमंत्रित की है और न ही स्वीकार की है।

कर्मचारियों का विवरण

कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय की अधिसूचना संख्या 463(ई) दिनांक 5 जून, 2015 के अनुसार, सरकारी कंपनियों को कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 197 और उसके तहत बनाए गए नियमों के प्रावधानों का पालन करने से छूट दी गई है।

पीडीआईएल एक सरकारी कंपनी होने के नाते, निदेशक की रिपोर्ट के एक भाग के रूप में, कंपनी (प्रबंधकीय कार्मिक की नियुक्ति और पारिश्रमिक) के नियम 5(2) के तहत निर्धारित मानदंडों के अंतर्गत आने वाले कर्मचारियों के पारिश्रमिक पर जानकारी का खुलासा करने के लिए आवश्यक नहीं है।

बोर्ड बैठकें:

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, निदेशक मंडल की पाँच (5) बैठकें आयोजित की गई। निदेशक मंडल की बैठकों का विवरण कॉर्पोरेट प्रशासन पर रिपोर्ट में दिया गया है, जो इस रिपोर्ट का हिस्सा है।

समिति:

(i) लेखा परीक्षा समिति (ii) नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति और (iii) निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व समिति की संरचना से संबंधित विवरण कॉर्पोरेट प्रशासन रिपोर्ट में शामिल हैं, जो इस रिपोर्ट का एक हिस्सा है।

निदेशक और प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक

निदेशक मंडल

31 मार्च, 2025 तक, पीडीआईएल के बोर्ड में पांच निदेशक शामिल हैं, अर्थात दो कार्यात्मक निदेशक - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) और निदेशक (वित्त); प्रशासनिक मंत्रालय अर्थात रसायन और उर्वरक मंत्रालय, उर्वरक

(AV) were appointed by DIPAM/DoF, Government of India for Strategic Disinvestment of PDIL.

DoF vide letter, F. No. 19024/01/2019-PSU dated March 8, 2019, enclosing therewith Ministry of Finance Office Memorandum F. No. 3/22/2016-DIPAM –II-B Vol. V dated February 27, 2019, informed the financial bid submitted earlier has been rejected and authorized DoF to initiate the process for disinvestment of 100% shareholding of Government of India in PDIL to strategic buyer identified through a two stage auction process. PIM for the process of strategic disinvestment was issued on December 14, 2021. The last date for submitting EoI was January 31, 2022 which was later extended till February 28, 2022. The same is under process.

PUBLIC DEPOSITS

During the period under review, your Company has neither invited nor accepted any deposits within the meaning of Section 73 of the Companies Act, 2013 read with the Companies (Acceptance of Deposits) Rules, 2014.

PARTICULARS OF EMPLOYEES

In accordance with Ministry of Corporate Affairs Notification No. 463(E) dated June 5, 2015, Government Companies are exempted from complying with the provisions of Section 197 of the Companies Act, 2013 and rules made thereof.

PDIL being a Government Company is not required to disclose information on the remuneration of employees falling under the criteria prescribed under rule 5(2) of the Companies (Appointment and Remuneration of Managerial Personnel), as a part of the Director's Report.

BOARD MEETINGS:

During the year under review, five (5) meetings of the Board of Directors were held. The details of the meetings of the Board of Directors are given in the report on Corporate Governance, which is part of this report.

COMMITTEE:

The details pertaining to the composition of (i) Audit Committee (ii) Nomination and Remuneration Committee and (iii) Corporate Social Responsibility Committee are included in the Corporate Governance Report, which is a part of this report.

DIRECTORS AND KEY MANAGERIAL PERSONNEL

BOARD OF DIRECTORS

As on March 31, 2025, the Board of PDIL comprises of five Directors i.e two functional Directors - Chairman & Managing Director (CMD) and Director (Finance); one Govt. Nominees of the Administrative Ministry i.e. Ministry of Chemical and Fertilizers

विभाग, भारत सरकार का एक सरकारी नामित निदेशक और दो अंशकालिक गैर-सरकारी (स्वतंत्र) निदेशक।

वर्तमान में, पूर्णकालिक अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) और निदेशक (वित्त) का पद रिक्त है। सीएमडी और निदेशक (वित्त) दोनों अतिरिक्त प्रभार में हैं।

वर्ष के दौरान निदेशकों और प्रमुख प्रबंधकीय कर्मियों की संरचना में परिवर्तन

वर्ष के दौरान आपकी कंपनी के निदेशक मंडल एवं प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिकों की संरचना में निम्नलिखित परिवर्तन हुए हैं:

1. पीडीआईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के पद का अतिरिक्त प्रभार पहले ही डॉ. यू. सरवणन, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (डीआईएन: 07274628), एनएफएल को डीओएफ आदेश संख्या 80/01/2014-एचआर-I दिनांक 13 अक्टूबर, 2023 के अनुसार सौंपा जा चुका है, जिसे 1 नवंबर, 2024 से एक वर्ष की अवधि के लिए आगे बढ़ा दिया गया है।
2. पीडीआईएल के निदेशक (वित्त) के पद का अतिरिक्त प्रभार पहले ही उर्वरक विभाग के आदेश संख्या 80/03/2014-एचआर-पीएसयू(ई-28125) दिनांक 13.02.2024 के अनुसार एनएफएल के निदेशक (वित्त) श्री हीरा नंद को सौंपा जा चुका है, जिसे 9 अगस्त, 2024 से एक वर्ष की अवधि के लिए आगे बढ़ा दिया गया है।
3. डॉ. लाबोनी दास दत्ता, निदेशक, उर्वरक विभाग, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय को 12 जुलाई, 2024 के उर्वरक विभाग के आदेश संख्या 95/1/2019-एचआर-पीएसयू भाग-2 (ई-31042) के अनुसार श्री पदमसिंह प्रदीपसिंह पाटिल के स्थान पर सरकारी नामित निदेशक नियुक्त किया गया। उन्हें 14.09.2024 से पीडीआईएल के बोर्ड में अंशकालिक सरकारी नामित निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया।
4. लेफ्टिनेंट जनरल विश्वम्भर सिंह, (डीआईएन: 09461326) उर्वरक विभाग के आदेश संख्या 78/2/2006-एचआर-पीएसयू (भाग) दिनांक 23 दिसंबर, 2021 के अनुसार अपनी नियुक्ति अवधि पूरी होने के बाद 22 दिसंबर, 2024 से पीडीआईएल के अंशकालिक गैर-आधिकारिक (स्वतंत्र) निदेशक के रूप में सेवानिवृत्त हुए।
5. श्री उज्ज्वल कुमार, (डीआईएन: 09340001) उर्वरक विभाग के आदेश संख्या 95/1/2019-एचआर-पीएसयू (भाग-2) (ई-31042) के अनुसार 18 फरवरी, 2025 से पीडीआईएल के सरकारी नामित निदेशक के पद से सेवानिवृत्त हुए।

प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 203 के साथ कंपनी (प्रबंधकीय कार्मिकों की नियुक्ति और पारिश्रमिक) नियम, 2014 के अनुसार, निम्नलिखित कर्मियों को वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान प्रमुख प्रबंधकीय कर्मियों के रूप में नामित किया गया है:

Department of Fertilizers, Government of India and Two Part-time Non-Official (Independent) Director.

Presently, the post of full-time Chairman & Managing Director (CMD) and Director (Finance) are vacant. Both CMD and Director (Finance) are in additional charges.

CHANGES IN COMPOSITION OF DIRECTORS & KEY MANAGERIAL PERSONNEL DURING THE YEAR

The following changes have taken place in the composition of the Board of Directors & Key managerial Personnel of your Company during the year:

1. The additional charge of the post of Chairman & Managing Director of PDIL has already assigned to Dr. U. Saravanan, Chairman & Managing Director (DIN: 07274628), NFL in terms of DoF Order No. 80/01/2014-HR-I dated October 13, 2023, which has further extended for a period of one year with effect from November 1, 2024.
2. The additional charge of the post of Director (Finance) of PDIL has already assigned to Shri Hira Nand, Director (Finance), NFL in term of DoF Order No. 80/03/2014-HR- PSU(e-28125) dt. 13.02.2024, which has further extended for a period of one year with effect from August 9, 2024.
3. Dr. Laboni Das Dutta, Director, DoF, Ministry of Chemicals & Fertilizers appointed as Govt. Nominee Director vice Shri Padamsing Pradipsing Patil, in terms of DoF order no.95/1/2019-HR-PSU Part-2 (e-31042) dated July 12, 2024. She was appointed as part-time Government Nominee Director on the Board of PDIL w.e.f. 14.09.2024.
4. Lt Gen. Vishwambhar Singh, (DIN: 09461326) retired as part-time Non-official (Independent) Director of PDIL w.e.f. December 22, 2024, following the completion of his appointment period in terms of DoF Order no. 78/2/2006-HR-PSU (part.) dated December 23, 2021.
5. Shri Ujjwal Kumar, (DIN: 09340001) retired as Govt Nominee Director of PDIL w.e.f. February 18, 2025 in terms of DoF Order no.95/1/2019-HR-PSU (Part-2) (e-31042).

KEY MANAGERIAL PERSONNEL

As per Section 203 of the Companies Act, 2013 read with the Companies (Appointment and Remuneration of Managerial Personnel) Rules, 2014, following personnel are designated as Key Managerial personnel during FY 2024-25:

1. डॉ. यू. सरवणन, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एनएफएल तथा अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पीडीआईएल का अतिरिक्त प्रभार 01.11.2023 से।
2. श्री हीरा नंद, निदेशक (वित्त), एनएफएल तथा निदेशक (वित्त), पीडीआईएल का अतिरिक्त प्रभार 09.02.2024 से।
3. श्रीमती अर्पिता बसु रॉय, कंपनी सचिव, 06.10.2022 से।

स्वतंत्र निदेशक

कंपनी के स्वतंत्र निदेशकों ने अपनी नियुक्ति के समय और कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 149(6) के तहत निर्धारित स्वतंत्रता के मानदंडों को पूरा करने के संबंध में वार्षिक घोषणा प्रस्तुत की है। ये घोषणाएँ बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत की गईं। आपकी कंपनी एक सरकारी कंपनी होने के नाते, स्वतंत्र निदेशक की नियुक्ति और कार्यकाल भारत सरकार द्वारा तय किया जाता है।

स्वतंत्र निदेशक की अलग बैठक

27 मार्च, 2025 को स्वतंत्र निदेशकों की एक अलग बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में सभी स्वतंत्र निदेशकों ने भाग लिया। इस बैठक में, स्वतंत्र निदेशकों ने विस्तार से विचार-विमर्श किया और इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि कंपनी प्रबंधन और बोर्ड के बीच सूचना के प्रवाह की गुणवत्ता, मात्रा और समय-सीमा, बोर्ड द्वारा अपने कर्तव्यों का प्रभावी और उचित ढंग से निर्वहन करने के लिए पर्याप्त थी।

पारिश्रमिक नीति और बोर्ड के प्रदर्शन का मूल्यांकन

कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय की दिनांक 5 जून, 2015 की अधिसूचना संख्या जीएसआर 463(ई) के अनुसार, सरकारी कंपनियों को कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 178(3) के अंतर्गत निदेशकों की नियुक्ति और पारिश्रमिक पर नीति बनाने की आवश्यकता नहीं है। आपकी कंपनी उर्वरक विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण में एक सरकारी कंपनी होने के नाते, कंपनी के निदेशकों की नियुक्ति, कार्यकाल और पारिश्रमिक भारत सरकार द्वारा तय किए जाते हैं। अंशकालिक गैर-सरकारी (स्वतंत्र) निदेशकों को निदेशक मंडल और उसकी समितियों की बैठकों में भाग लेने के लिए बैठक शुल्क का भुगतान किया जाता है।

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134(3)(पी) के अनुसार, कंपनी को यह बताना आवश्यक है कि बोर्ड द्वारा उसके, उसकी समितियों और व्यक्तिगत निदेशकों के कार्यनिष्पादन का औपचारिक वार्षिक मूल्यांकन किस प्रकार किया गया है। कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय द्वारा 5 जून, 2015 को जारी अधिसूचना के अनुसार, सरकारी कंपनियों को कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134(3)(पी) के प्रावधानों का पालन करना आवश्यक नहीं है। आपकी कंपनी एक सरकारी कंपनी होने के नाते, भारत सरकार के प्रशासनिक मंत्रालय (रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय) द्वारा अपनी स्वयं की मूल्यांकन पद्धति के अनुसार कार्यनिष्पादन मूल्यांकन किया जाता है।

1. Dr. U. Saravanan, Chairman & Managing Director, NFL and Additional Charge of Chairman & Managing Director, PDIL w.e.f. 01.11.2023.
2. Shri Hira Nand, Director (Finance), NFL and Additional Charge of Director (Finance), PDIL w.e.f. 09.02.2024.
3. Smt. Arpita Basu Roy, Company Secretary w.e.f. 06.10.2022.

INDEPENDENT DIRECTOR

The Independent Directors of the Company have furnished a declaration at the time of their appointment and also annually as regards fulfillment of criteria of independence as laid down under section 149(6) of the Companies Act, 2013. The declarations were placed before the Board. Your Company being a Government Company, the appointment and tenure of the Independent Director are decided by the Government of India.

SEPARATE MEETING OF THE INDEPENDENT DIRECTOR

A separate meeting of the Independent Director was held on 27th March, 2025. The meeting was attended by all Independent Directors. In this meeting, the Independent Directors deliberated in detail and came to the conclusion that the quality, quantity and timeline of the flow of the information between the Company management and the Board was adequate for the Board to effectively and reasonably perform their duties.

REMUNERATION POLICY AND EVALUATION OF BOARD'S PERFORMANCE

In terms of Ministry of Corporate Affairs Notification No. GSR 463(E) dated June 5, 2015, Government Companies are not required to frame a Policy on Director's appointment and remuneration under Section 178(3) of the Companies Act, 2013. Your Company being a Government Company under administrative control of the Department of Fertilizers, the appointment, tenure and remuneration of Directors of the Company are decided by the Government of India. Part-time Non-Official (Independent) Directors are paid sitting fees for attending meetings of the Board of Directors and Committees thereof.

Section 134(3)(p) of the Companies Act, 2013 requires the Company to disclose the manner in which formal annual evaluation has been made by the Board of its own performance and that of its committees and individual Directors. As per notification dated June 5, 2015 issued by the Ministry of Corporate Affairs, Government Companies are not required to comply with the provision of section 134(3)(p) of the Companies Act, 2013. Your Company being a Government Company, the performance evaluation is carried out by the Administrative Ministry (Ministry of Chemicals & Fertilizers), Government of India, as per its own evaluation methodology.

निदेशक का उत्तरदायित्व विवरण:

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134(5) के अनुसरण में, निदेशक मंडल एतद्द्वारा पुष्टि करता है कि:

(क) 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए वार्षिक वित्तीय विवरण की तैयारी में, लागू लेखांकन मानकों का पालन किया गया है, साथ ही भौतिक विचलन से संबंधित उचित स्पष्टीकरण भी दिया गया है;

(ख) निदेशकों ने ऐसी लेखांकन नीतियों का चयन किया है और उन्हें सुसंगत रूप से लागू किया है तथा ऐसे निर्णय और अनुमान लगाए हैं जो उचित और विवेकपूर्ण हैं ताकि वित्तीय वर्ष के अंत में कंपनी के मामलों की स्थिति और उस अवधि के लिए कंपनी के लाभ और हानि का सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण दिया जा सके;

(ग) निदेशकों ने कंपनी की परिसंपत्तियों की सुरक्षा के लिए तथा धोखाधड़ी और अन्य अनियमितताओं को रोकने और उनका पता लगाने के लिए इस अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार पर्याप्त लेखा अभिलेखों के रखरखाव के लिए उचित और पर्याप्त सावधानी बरती है;

(घ) निदेशकों ने वार्षिक लेखे चालू व्यवसाय के आधार पर तैयार किए हैं; और

(ङ) निदेशकों ने सभी लागू प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए उचित तैयारी की है और प्रभावी ढंग से कार्य कर रहे हैं।

वार्षिक रिटर्न का उद्धरण:

आवश्यकतानुसार, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 92(3) और कंपनी (प्रबंधन और प्रशासन) नियम, 2014 के नियम 12(1) के अनुसार, 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी का वार्षिक रिटर्न कंपनी की वेबसाइट https://www.pdilin.com/ पर रखा गया है।

प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण रिपोर्ट

केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (सीपीएसई) के लिए कॉर्पोरेट प्रशासन पर डीपीई दिशानिर्देशों के तहत आवश्यक प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण रिपोर्ट, इस रिपोर्ट के साथ **अनुलग्नक-1** के रूप में संलग्न है।

ऊर्जा संरक्षण, प्रौद्योगिकी अवशोषण, विदेशी मुद्रा आय और व्यय

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134(3)(एम) के साथ कंपनी (लेखा) नियम, 2014 के नियम 8(3) के तहत निर्धारित विवरण नीचे दिए गए हैं:

क. ऊर्जा संरक्षण

आपकी कंपनी किसी भी विनिर्माण गतिविधि में संलग्न नहीं है, इसलिए कंपनी पर विवरण प्रस्तुत करना लागू नहीं है।

DIRECTOR'S RESPONSIBILITY STATEMENT:

In pursuance of Section 134(5) of the Companies Act, 2013, the Board of Directors hereby confirms that:

(a) In the preparation of the annual financial statement for the year ended March 31, 2025, the applicable Accounting Standards have been followed along with proper explanation relating to material departures;

(b) The Directors have selected such accounting policies and applied them consistently and made judgments and estimates that are reasonable and prudent so as to give a true and fair view of the state of affairs of the Company at the end of the financial year and of the profit and loss of the Company for that period;

(c) The Directors have taken proper and sufficient care for the maintenance of adequate accounting records in accordance with the provisions of this Act for safeguarding the assets of the Company and for preventing and detecting fraud and other irregularities;

(d) The Directors have prepared the Annual Accounts on a going Concern basis; and

(e) The Directors have devised proper systems to ensure compliance with the provisions of all applicable laws and that such systems were adequate and operating effectively.

EXTRACT OF ANNUAL RETURN:

As required, pursuant to section 92(3) of the Companies Act, 2013 and rule 12(1) of the Companies (Management and Administration) Rules, 2014, the Annual Return of the Company for the year ended March 31, 2025 is placed on the Company's website at https://www.pdilin.com/.

MANAGEMENT DISCUSSION AND ANALYSIS REPORT

Management Discussion and Analysis Report required under DPE Guidelines on Corporate Governance for Central Public Sector Enterprises (CPSEs), is attached to this Report as **Annexure-1**.

CONSERVATION OF ENERGY, TECHNOLOGY ABSORPTION, FOREIGN EXCHANGE EARNINGS AND OUTGO

The particulars as prescribed under Section 134(3)(m) of the Companies Act, 2013 read with Rule 8(3) of the Companies (Accounts) Rules, 2014 are set out hereunder:

A. Conservation of energy

Your Company is not engaged in any manufacturing activity and hence furnishing of particulars is not applicable to the Company.

ख. प्रौद्योगिकी अवशोषण

आपकी कंपनी किसी भी विनिर्माण गतिविधि में संलग्न नहीं है, इसलिए कंपनी पर विवरण प्रस्तुत करना लागू नहीं होता है।

ग. विदेशी मुद्रा आय और व्यय

पिछले वर्ष की तुलना में वर्ष के दौरान वास्तविक अंतर्वाह के रूप में अर्जित विदेशी मुद्रा तथा वास्तविक बहिर्वाह के रूप में वर्ष के दौरान विदेशी मुद्रा व्यय का विवरण नीचे दिया गया है:

राशि (लाखों में)

विवरण	2024-25	2023-24
विदेशी मुद्रा अर्जन	525.24	392.47
विदेशी मुद्रा बर्हिगमन	140.41	118.22
विदेश यात्रा व्यय	-	-

वे कंपनियाँ जो सहायक, सहयोगी और संयुक्त उद्यम बन गई हैं या रह गई हैं

वर्ष 2024-25 के दौरान, कंपनी ने किसी सहायक कंपनी, सहयोगी कंपनी या संयुक्त उद्यम का अधिग्रहण या स्थापना नहीं की। इसी प्रकार, वर्ष के दौरान किसी भी सहायक कंपनी, सहयोगी कंपनी या संयुक्त उद्यम का समापन नहीं हुआ।

ऋण, गारंटी या निवेश का विवरण

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 186 के प्रावधान के अंतर्गत शामिल ऋण, गारंटी और निवेश का विवरण वित्तीय विवरण के नोट्स में दिया गया है।

जोखिम प्रबंधन नीति

पीडीआईएल पूरे संगठन में जोखिमों के प्रभावी प्रबंधन के लिए प्रतिबद्ध है। पीडीआईएल ने सभी जोखिमों की पहचान, आकलन, शमन, निगरानी, मूल्यांकन और रिपोर्टिंग के लिए एक जोखिम प्रबंधन नीति तैयार की है। कॉर्पोरेट और इकाई स्तर पर जोखिम प्रबंधन समितियाँ गठित की जाती हैं। पीडीआईएल के पास सभी संभावित जोखिमों से निपटने के लिए सक्षम एवं पर्याप्त जोखिम प्रबंधन अवसंरचना मौजूद है।

उक्त नीति के कार्यान्वयन के लिए कंपनी द्वारा सभी संभव कदम उठाए जा रहे हैं।

आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की पर्याप्तता का विवरण

कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के अनुपालन में वित्तीय रिपोर्टिंग के संदर्भ में कंपनी के पास पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण मौजूद हैं और वित्तीय रिपोर्टिंग पर ऐसे आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रभावी रूप से कार्य कर रहे हैं।

B. Technology absorption

Your Company is not engaged in any manufacturing activity and hence the furnishing of particulars is not applicable to the Company.

C. Foreign Exchange earnings and outgo

The Foreign Exchange earned in terms of actual inflows during the year and the Foreign Exchange outgo during the year, in terms of actual outflows, compared to previous year is mentioned below:

[₹in lakh]

Particulars	2024-25	2023-24
Foreign Exchange Earning	525.24	392.47
Foreign Exchange Outgo	140.41	118.22
Foreign Travelling Expenses	-	-

COMPANIES WHICH HAVE BECOME OR CEASED TO BE SUBSIDIARIES, ASSOCIATES AND JOINT VENTURES

During the year 2024-25 , the Company did not acquire or form any subsidiary, associate or joint venture. Similarly, there were no cessation of subsidiary, associate or joint ventures during the year.

PARTICULARS OF LOANS, GUARANTEES OR INVESTMENTS

Details of Loans, Guarantees and Investments covered under the provision of Section 186 of the Companies Act, 2013 are given in the notes to the Financial Statement.

RISK MANAGEMENT POLICY

PDIL is committed to effective management of risks across the organization. PDIL has formulated a risk management policy for identifying, assessing, mitigating, monitoring, evaluating and reporting all risks. Risk management committees are formed at the Corporate and Unit level. PDIL has adequate risk management infrastructure in place capable of addressing all potential risks.

All possible steps are being taken up by the Company for implementing the said policy.

DETAILS OF ADEQUACY OF INTERNAL FINANCIAL CONTROLS

The Company has adequate internal financial controls in place with reference to financial reporting in compliance with the provisions of the Companies Act, 2013 and such internal financial controls over financial reporting were operating effectively.

कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व नीति

यह सुनिश्चित किया जाता है कि कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) गतिविधियाँ कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 135 के अंतर्गत उल्लिखित अनुसूची-VII और (कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व) नियम, 2014 के अनुसार संचालित की जाएँ, जिसे कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय और लोक उद्यम विभाग (डीपीई) द्वारा जारी दिशानिर्देशों और उनके संशोधनों के साथ पढ़ा जाए। डीपीई के परिपत्र संख्या एफ.सं.8/2/2018-निदेशक (सीएसआर) दिनांक 15 मार्च, 2024 और उसके बाद के संशोधन एफ.सं. 8/2/2018-निदेशक (सीएसआर) दिनांक 11 अक्टूबर, 2024 के अनुसार, वर्ष 2024-25 के लिए सीएसआर का सामान्य विषय "स्वास्थ्य और पोषण" और पीएम इंटर्नशिप योजना" था।

कंपनी की सीएसआर योजनाओं के निर्माण, निगरानी और उनके क्रियान्वयन हेतु एक सीएसआर समिति का गठन किया गया है। समिति का मुख्य दायित्व बोर्ड को उसके कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्वों के निर्वहन में सहायता प्रदान करना है। समिति का गठन और कार्यक्षेत्र कंपनी अधिनियम, 2013 की आवश्यकताओं के अनुरूप हैं। सीएसआर समिति द्वारा समय-समय पर सीएसआर गतिविधियों की निगरानी की जाती है और वर्ष 2024-25 के दौरान की गई सीएसआर गतिविधियों पर एक वार्षिक रिपोर्ट **अनुबंध 2 और 3** के रूप में संलग्न है।

कंपनी ने वर्ष 2024-25 के दौरान अपने सीएसआर बजट के लिए ₹22.55 लाख आवंटित किए। अपनी सीएसआर पहल के हिस्से के रूप में, कंपनी ने 01 नंबर '6 बॉडी मॉर्चरी कैबिनेट' प्रदान करने के लिए "मुख्य चिकित्सा अधिकारी, नोएडा, गौतम बौद्ध नगर" के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। वडोदरा में "गुजरात यूनिवर्सिटी ऑफ ट्रांसप्लांटेशन साइंसेज" (GUTS) के साथ 01 नंबर 'वेसल सीलर जेनरेटर एंड प्रोब्स' प्रदान करने के लिए एक और समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, जो वर्ष 2024-25 के लिए सीएसआर गतिविधियों के लिए सामान्य विषय के साथ संरेखित है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के समापन के बाद, चल रही परियोजनाओं के खिलाफ अप्रयुक्त सीएसआर राशि ₹16.59 लाख कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 135 (6) के अनुसार अप्रयुक्त सीएसआर खाते में स्थानांतरित कर दी गई।

CORPORATE SOCIAL RESPONSIBILITY POLICY

It is ensured that the Corporate Social Responsibility (CSR) activities are carried out in accordance with Schedule-VII referred to under Section 135 of the Companies Act, 2013 and (Corporate Social Responsibility) Rules, 2014 read with various clarifications/ amendments issued by Ministry of Corporate Affairs & Department of Public Enterprises (DPE) Guidelines and amendments thereof. As per Circular No. DPE Circular No., F.No.8/2/2018-Dir (CSR) dtd. March 15, 2024 and subsequent amendment, F. No. 8/2/2018-Dir (CSR) dt. October 11, 2024, the CSR Common theme for the year 2024-25 was “Health and Nutrition” and PM Internship Scheme”.

A Committee on CSR has been constituted for formulating and monitoring the CSR Plans of the Company and their execution. Committee’s prime responsibility is to assist the Board in discharging its Corporate Social Responsibilities. Committee’s constitution and terms of reference meet with the requirements of the Companies Act, 2013. The CSR activities are monitored periodically by the CSR Committee and an annual report on CSR activities undertaken during the year 2024-25 is enclosed herewith as **Annexure 2 & 3.**

The company allocated ₹22.55 lakh for its CSR budget during the year 2024-25. As part of its CSR initiatives, the company signed a Memorandum of Understanding (MoU) with “Chief Medical Officer, Noida, Gautam Buddh Nagar to provide 01 No. ‘6 body mortuary cabinet’. Another MoU was signed with “Gujarat University of Transplantation Sciences” (GUTS) in Vadodara to provide 01 No. ‘Vessel Sealer Generator & Probs’, is aligning with the common theme for CSR activities for the year 2024-25. Following the closure of the financial year 2024-25, the Unspent CSR amount against ongoing projects amounting to ₹16.59 lakh was transferred to the Unspent CSR Account in accordance with Section 135(6) of the Companies Act, 2013.

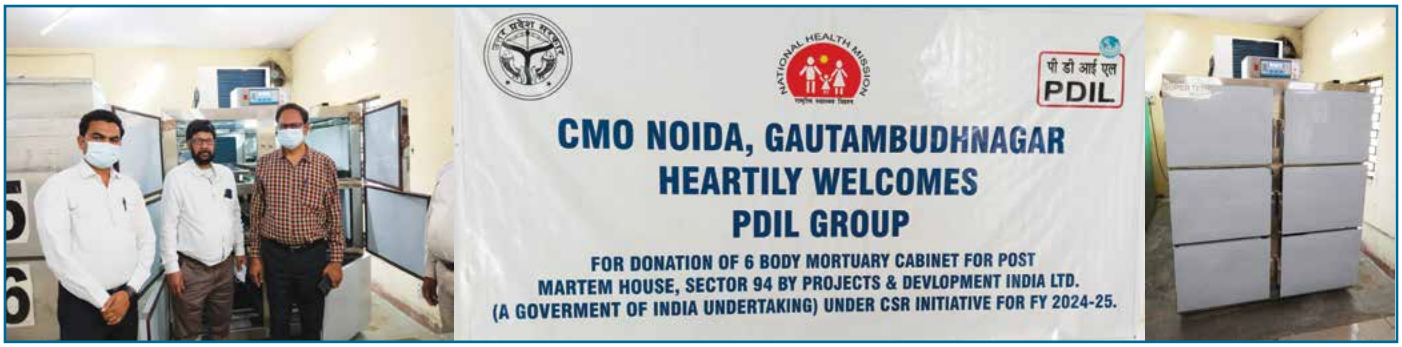

Mortuary cabinet handed over to CMO, Noida under CSR activity

संबंधित पक्ष लेनदेन

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान कोई भी महत्वपूर्ण संबंधित पक्ष लेनदेन नहीं हुआ है जिससे कंपनी के समग्र हित के साथ संभावित टकराव हो सकता हो। इसलिए, फॉर्म AOC-2 में प्रकटीकरण आवश्यक नहीं है।

कॉर्पोरेट प्रशासन

आपकी कंपनी, कंपनी द्वारा संचालित व्यावसायिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में कॉर्पोरेट प्रशासन के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है तथा पारदर्शिता, जवाबदेही और सत्यनिष्ठा पर जोर देती है।

डीपीई द्वारा दिनांक 14 मई, 2010 के कार्यालय ज्ञापन संख्या 18(8)/2005-जीएम के तहत जारी सीपीएसई के लिए कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर दिशानिर्देश 2010 के अनुसार कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर विस्तृत रिपोर्ट **अनुलग्नक 4** में दी गई है।डीपीई दिशानिर्देशों की शर्तों के अनुपालन की पुष्टि करने वाला प्रैक्टिस में कार्यरत कंपनी सचिव का प्रमाण पत्र इस रिपोर्ट के साथ **अनुलग्नक 5** के रूप में संलग्न है।

कॉर्पोरेट प्रशासन पर तिमाही और वार्षिक अनुपालन रिपोर्ट उर्वरक विभाग को भेजी जा रही हैं। वित्त वर्ष 2024-25 के लिए कॉर्पोरेट प्रशासन पर स्व-मूल्यांकन वार्षिक ग्रेडिंग रिपोर्ट के अनुसार, आपकी कंपनी ने वर्ष 2024-25 के लिए "उत्कृष्ट" ग्रेडिंग प्राप्त की है।

आचार संहिता

आपकी कंपनी ने निदेशक मंडल और वरिष्ठ प्रबंधन कर्मियों के लिए एक आचार संहिता तैयार की है। इसके अनुपालन की पुष्टि सभी संबंधितों से वार्षिक आधार पर प्राप्त की जाती है। आचार संहिता कंपनी की वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है।

सभी बोर्ड सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन कार्मिकों ने 31 मार्च, 2025 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए अनुपालन की पुष्टि की है। सीएमडी द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित एक घोषणा इस रिपोर्ट के साथ **अनुलग्नक 6** के रूप में संलग्न है।

वैधानिक लेखा परीक्षक

मेसर्स एसपीएसए एंड कंपनी, चार्टर्ड अकाउंटेंट्स, नई दिल्ली (फर्म पंजीकरण संख्या डीई 2724) को भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए आपकी कंपनी का सांविधिक लेखा परीक्षक नियुक्त किया गया है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के वित्तीय विवरणों पर सांविधिक लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट अलग से संलग्न है।

लेखा परीक्षक की योग्यता, आरक्षण या प्रतिकूल टिप्पणी या अस्वीकरण और व्याख्यात्मक विवरण:

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए कंपनी के वित्तीय विवरणों पर रिपोर्ट इस रिपोर्ट के साथ संलग्न है। वित्तीय विवरणों का हिस्सा बनने वाले लेखा-टिप्पणियाँ स्वतः

RELATED PARTY TRANSACTIONS

There are no materially significant related party transactions during the year under review which may have a potential conflict with the interest of the Company at large. Thus, disclosure in Form AOC-2 is not required.

CORPORATE GOVERNANCE

Your Company is committed to maintain the highest standards of corporate governance in all spheres of business activities carried out by the Company and continues to lay strong emphasis on transparency, accountability and integrity.

Detailed reports on Corporate Governance, as per the Guidelines on Corporate Governance for CPSEs 2010 issued by DPE vide OM No. 18(8)/2005-GM dated May 14, 2010 placed at **Annexure 4.** Certificate from Company Secretary in Practice confirming the compliance with the conditions of DPE Guidelines is attached to this Report as **Annexure 5**.

Quarterly and annual compliance reports on Corporate Governance are being forwarded to Department of Fertilizers. As per the Self-evaluation Annual Grading Report on Corporate Governance for FY 2024-25, your Company has achieved “Excellent” Grading for the year 2024-25.

CODE OF CONDUCT

Your Company has formulated a Code of Conduct for the Board of Directors and Senior Management Personnel. The affirmation of compliance of the same is obtained from all concerned on annual basis. Code of Conduct has been uploaded on the website of the Company.

All Board members and Senior Management Personnel have affirmed compliance for the financial year ended March 31, 2025. A declaration duly signed by CMD is annexed to this report as **Annexure 6.**

STATUTORY AUDITORS

M/s SPSA & Co., Chartered Accountants, New Delhi (Firm Registration No. DE 2724) have been appointed by the Comptroller and Auditor General of India (C&AG) as Statutory Auditor of your Company for the financial year 2024-25. The report of the Statutory Auditors on the Financial Statements for FY 2024-25 is attached separately.

AUDITOR’S QUALIFICATION, RESERVATION OR ADVERSE REMARK OR DISCLAIMER & EXPLANTATORY STATEMENT:

Report on the Financial Statements of the Company for FY 2024-25 is appended to this Report. The Notes to Accounts forming part of the financial statements are self-explanatory and need no

स्पष्ट हैं और उन्हें किसी और स्पष्टीकरण की आवश्यकता नहीं है। लेखापरीक्षा रिपोर्ट में कोई योग्यता, आपत्ति या प्रतिकूल टिप्पणी नहीं है।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की टिप्पणियाँ

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143(6) के तहत वित्त वर्ष 2024-25 के लिए कंपनी के वित्तीय विवरणों पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की टिप्पणियाँ **अनुबंध-7** में दी गई हैं।

लेखा परीक्षकों द्वारा धोखाधड़ी की रिपोर्टिंग

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, वैधानिक लेखा परीक्षकों ने कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143(12) के तहत कंपनी के अधिकारियों या कर्मचारियों द्वारा कंपनी के खिलाफ की गई धोखाधड़ी के किसी भी मामले की रिपोर्ट नहीं की है, जिसके लिए बोर्ड की रिपोर्ट में प्रकटीकरण की आवश्यकता होगी।

लागत लेखापरीक्षा

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 148 की उप-धारा (1) के तहत केंद्र सरकार द्वारा निर्दिष्ट लागत रिकॉर्ड का रखरखाव वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान कंपनी पर लागू नहीं है।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, आपकी कंपनी लागत लेखापरीक्षा के दायरे में नहीं आती है।

सचिवीय लेखा परीक्षा

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 204 के अंतर्गत कार्यरत कंपनी सचिव से सचिवीय लेखा परीक्षा रिपोर्ट प्राप्त करने की आवश्यकता कंपनी पर लागू नहीं होती है। हालाँकि, आपकी कंपनी ने कंपनी पर लागू सभी कानूनों का कड़ाई से पालन किया है।

कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 के तहत प्रकटीकरण:-

कंपनी का उद्देश्य महिला कर्मचारियों के लिए एक अनुकूल और सुरक्षित कार्य वातावरण प्रदान करना है। कंपनी ने कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम, निषेध और निवारण हेतु एक व्यापक नीति लागू की है, जिसके अंतर्गत कंपनी के सभी कर्मचारियों आते है और यह कंपनी की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध एवं निवारण) अधिनियम, 2013 के अंतर्गत यौन उत्पीड़न से संबंधित प्राप्त शिकायतों के निवारण हेतु आंतरिक शिकायत समिति का गठन किया गया है। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई।

एमएसएमई के लिए सार्वजनिक खरीद नीति

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा अधिसूचित सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिए सार्वजनिक खरीद

further explanation. There is no qualification or reservation or adverse remark in the Audit Report.

COMMENTS OF COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA

The comments of the Comptroller and Auditor General of India under Section 143(6) of the Companies Act, 2013 on the Financial Statements of the Company for the FY 2024-25 are placed at **Annexure – 7.**

REPORTING OF FRAUDS BY AUDITORS

During the financial year 2024-25, the statutory auditors have not reported any instance of fraud committed against the Company by its officers or employees under Section 143(12) of the Companies Act, 2013, that would require disclosure in the Board's Report..

COST AUDIT

Maintenance of cost records as specified by the Central Government under sub-section (1) of Section 148 of the Companies Act, 2013, is not applicable to the Company during Financial Year 2024-25.

During the year under review, your Company is not covered under the ambit of Cost Audit.

SECRETARIAL AUDIT

The requirement of obtaining a Secretarial Audit Report under Section 204 of the Companies Act, 2013 from the practicing Company secretary is not applicable to the Company. However, your Company has adhered to strict compliances of all laws applicable to the Company.

DISCLOSURE UNDER THE SEXUAL HARASSMENT OF WOMEN AT WORKPLACE (PREVENTION, PROHIBITION AND REDRESSAL) ACT, 2013:-

The Company aims to provide a congenial and safe working atmosphere for women employees. The Company has in place a comprehensive policy for Prevention, Prohibition and Redressal of Sexual Harassment at Workplace covering all the employees of the Company and the same is available at the website of Company.

The Internal Complainant Committee under Sexual Harassment of women at Workplace (Prevention, Prohibition & Redressal) Act, 2013 has been constituted to redress complaints received regarding sexual harassment. During the year under review, no complaint of Sexual Harassment of Women at Workplace was received.

PUBLIC PROCUREMENT POLICY FOR MSMES

Public Procurement Policy for Micro and Small Enterprises notified by the Govt. of India, under the Micro, Small and Medium

नीति 1 अप्रैल, 2012 से प्रभावी हुई और 9 नवंबर, 2018 को इसमें और संशोधन किया गया। इसके अनुसार, सभी केंद्रीय मंत्रालयों/विभागों/सीपीएसई द्वारा वस्तुओं और सेवाओं की कुल वार्षिक खरीद का 25% सूक्ष्म और लघु उद्यमों (एमएसई) से किया जाएगा। इस प्रतिशत में, कुल 4% खरीद अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के एमएसई उद्यमियों से और 3% महिला स्वामित्व वाले एमएसई से की जानी है।

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 की धारा 11 के अंतर्गत सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई मंत्रालय) द्वारा अधिसूचित सूक्ष्म और लघु उद्यम (एमएसई) आदेश, 2012 के लिए सार्वजनिक खरीद नीति और समयबद्ध तरीके से जीईएम/सीपीपी के माध्यम से संबंधित संशोधनों के अनुरूप पीडीआईएल द्वारा एमएसई से खरीद की जा रही है। पंजीकृत एमएसई को नीति के अनुसार निविदा शुल्क और बयाना राशि जमा करने से छूट दी गई है।

एमएसएमई मंत्रालय को दिए गए आवेदन पर पीडीआईएल को एमएसएमई मंत्रालय के पत्र संख्या 21(9)/2017-एमए भाग-I, दिनांक 6 जून, 2018 के अनुसार सार्वजनिक खरीद नीति (पीपीपी), आदेश 2012 के अंतर्गत उन वस्तुओं के लिए छूट प्रदान की गई है जो एमएसएमई की पहुँच से बाहर हैं। हालाँकि, पीडीआईएल एमएसई से खरीद का 25% लक्ष्य लगातार हासिल कर रहा है। वर्ष 2024-25 के दौरान, पीडीआईएल ने पीडीआईएल द्वारा की गई कुल वार्षिक खरीद में से एमएसई विक्रेता से 35%, एससी/एसटी एमएसई विक्रेता से 4% और महिला उद्यमियों से 7% खरीद हासिल की, जबकि आवश्यक लक्ष्य क्रमशः 25%, 4% और 3% था। एमएसएमई, एससी/एसटी और महिला उद्यमियों का डेटा मासिक आधार पर एमएसएमई संबंध पोर्टल पर अपलोड किया गया।

कंपनी एनबीएफसी, हाउसिंग कंपनियों आदि को नियंत्रित करने वाले संबंधित कानूनों द्वारा अनिवार्य रूप से उद्योग आधारित प्रकटीकरण।

आपकी कंपनी एक इंजीनियरिंग कंसल्टेंसी कंपनी है, सभी लागू उद्योग आधारित कानूनों का खुलासा किया गया है।

नियामकों या न्यायालयों या न्यायाधिकरणों द्वारा पारित महत्वपूर्ण आदेश जो भविष्य में कंपनी की चालू स्थिति और संचालन को प्रभावित करते हैं

विनियामकों या न्यायालयों या न्यायाधिकरणों द्वारा वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान कंपनी की चालू स्थिति और भविष्य में इसके संचालन को प्रभावित करने वाला कोई आदेश पारित नहीं किया गया है।

Enterprises Development Act, 2006 came into effect from April 1, 2012 and further amended on November 9, 2018 which stipulates that 25% of total annual procurement of goods and services shall be made by all Central Ministries/Departments /CPSEs from Micro & small Enterprises (MSEs). Within this percentage, a sub total of 4% procurement is to be made from SC/ST MSE Entrepreneurs and 3% from MSEs owned by women.

Procurement from MSEs is being done by PDIL in line with Public Procurement Policy for the Micro and Small Enterprises (MSEs) Order, 2012 notified by the Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises (Ministry of MSME) under section 11 of Micro, Small and Medium Enterprises Development Act, 2006 and related amendments through GeM/CPP in a timely manner. Registered MSEs are exempted from payment of tender fee and earnest money deposit as per policy.

PDIL on its application to the Ministry of MSME has been accorded exemption under Public Procurement Policy (PPP), Order 2012 for items which are beyond the reach of MSMEs vide letter no. 21(9)/2017-MA Pt-I Dated June 6, 2018 of the Ministry of MSME. However, PDIL has been continuously achieving 25% target of procurement from MSEs. During the year 2024-25, PDIL achieved 35% procurement from MSE Vendor out of the total annual procurement done by PDIL, 4 % from SC/ST MSE Vendor and 7% from women entrepreneurs against the required target of 25%, 4% and 3% respectively. The MSME, SC/ST and women entrepreneur data were uploaded in MSME SAMBANDH portal on monthly basis.

INDUSTRY BASED DISCLOSURES AS MANDATED BY THE RESPECTIVE LAWS GOVERNING THE COMPANY NBFC, HOUSING COMPANIES ETC.

Your Company being an Engineering Consultancy Company, all applicable industry based laws disclosures have been reported.

SIGNIFICANT MATERIAL ORDERS PASSED BY THE REGULATORS OR COURTS OR TRIBUNALS IMPACTING THE GOING CONCERN STATUS AND COMPANY'S OPERATIONS IN FUTURE

No order has been passed by the Regulators or Courts or Tribunals impacting the going concern status of the Company and its operations in future during the FY 2024- 25.

वर्ष के दौरान दिवाला और दिवालियापन संहिता, 2016 के अंतर्गत किए गए आवेदन या लंबित किसी कार्यवाही का विवरण तथा वित्तीय वर्ष के अंत में उनकी स्थिति

आपकी कंपनी के विरुद्ध दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता, 2016 के अंतर्गत कोई कार्यवाही प्रारंभ/लंबित नहीं है, जिसका कंपनी के व्यवसाय पर कोई भौतिक प्रभाव पड़ेगा।

सचिवीय मानकों का अनुपालन

कंपनी ने भारतीय कंपनी सचिव संस्थान द्वारा जारी निदेशक मंडल की बैठकों (एसएस-1) और आम बैठकों (एसएस-2) के संबंध में लागू सचिवीय मानकों का अनुपालन किया है।

अभिस्वीकृति

आपके निदेशकगण रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय, अन्य मंत्रालयों, भारतीय दूतावासों, राज्य सरकारों, बैंकों, सांविधिक लेखा परीक्षक, भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक, डीपीई से प्राप्त निरंतर सहयोग, मार्गदर्शन और समर्थन के लिए ईमानदारी से आभार व्यक्त करते हैं तथा कंपनी में विश्वास बनाए रखने के लिए उन सभी को धन्यवाद देते हैं।

आपके निदेशकगण सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र के सम्मानित ग्राहकों तथा उन विदेशी ग्राहकों के प्रति भी अपना आभार व्यक्त करना चाहते हैं, जिन्होंने मूल्यवान कार्य प्रदान करके उन्हें समर्थन एवं प्रोत्साहन प्रदान किया है।

बोर्ड पीडीआईएल के कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों की भागीदारी और योगदान को भी मान्यता देता है, जिनके निरंतर प्रयासों ने कंपनी के अच्छे प्रदर्शन का मार्ग प्रशस्त किया है।

निदेशक मंडल की ओर से

ह/-

(डॉ. यू. सरवणन)

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

डीआईएन: 07274628

स्थान: नोएडा

तारीख: 10.09.2025

DETAILS OF APPLICATION MADE OR ANY PROCEEDINGS PENDING UNDER THE INSOLVENCY AND BANKRUPTCY CODE, 2016 DURING THE YEAR ALONG WITH THEIR STATUS AS AT THE END OF THE FINANCIAL YEAR

There are no proceedings initiated/ pending against your company under the Insolvency and Bankruptcy Code, 2016 which will have material impact on the business of the company.

COMPLIANCE OF SECRETARIAL STANDARDS

The Company has complied with the applicable secretarial standards with respect to Meetings of Board of Directors (SS-1) and General Meetings (SS-2) issued by the Institute of Company Secretaries of India.

ACKNOWLEDGEMENT

Your Directors sincerely acknowledge the continued cooperation, guidance and support received from Ministry of Chemicals and Fertilizers, other Ministries, Indian Embassies, State Governments, Banks, Statutory Auditor, Comptroller and Auditor General of India, DPE and thank all of them for reposing faith in the Company.

Your Directors also wish to put on record their gratitude to esteemed clients from both the public and private sector and also the foreign clients who have provided support and encouragement by way of awarding valued assignments.

The Board also recognizes the participation and contribution of the employees of PDIL and their family members whose consistent efforts have paved the way for the good performance of the Company.

For and on behalf of Board of Directors

Sd/-

(Dr. U. Saravanan)

Chairman & Managing Director

DIN: 07274628

Place: Noida

Date: 10.09.2025

अनुबंध-1

प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण रिपोर्ट

1. उद्योग संरचना और विकास

यह संगठन, जिसे आज पीडीआईएल (प्रोजेक्ट्स एंड डेवलपमेंट इंडिया लिमिटेड) के नाम से जाना जाता है, 1951 में "फर्टिलाइजर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एफसीआई) की प्रौद्योगिकी शाखा" के रूप में स्थापित किया गया था, जिसका उद्देश्य देश में तकनीकी-आत्मनिर्भरता प्राप्त करना था। 1961 में, इसकी गतिविधियों का विस्तार किया गया और यह एफसीआई लिमिटेड का "योजना एवं विकास" (पी एंड डी) प्रभाग बन गया।

1978 में, एफसीआई का पुनर्गठन किया गया और पी एंड डी प्रभाग एक स्वतंत्र इकाई बन गया और 7 मार्च 1978 को इसे "द फर्टिलाइजर (योजना और विकास) इंडिया लिमिटेड" (एफपीडीआईएल) के रूप में शामिल किया गया।

8 दिसंबर 1981 को, उर्वरकों के अलावा अन्य क्षेत्रों में विविध गतिविधियों को दर्शाने के लिए, एफपीडीआईएल का नाम बदलकर "प्रोजेक्ट्स एंड डेवलपमेंट इंडिया लिमिटेड" (पीडीआईएल) कर दिया गया। पीडीआईएल को 11 नवंबर 2011 को मिनी रत्न का दर्जा प्राप्त हुआ।

पीडीआईएल को विभिन्न परियोजनाओं की अवधारणा से लेकर कमीशनिंग तक डिज़ाइन, इंजीनियरिंग और संबंधित परियोजना निष्पादन सेवाएँ प्रदान करने का सात दशकों से भी अधिक का अनुभव है। पीडीआईएल उर्वरक, तेल एवं गैस, रिफाइनरी, रसायन, अवसंरचना, ऑफसाइट और उपयोगिताओं आदि के क्षेत्रों में सेवाएँ प्रदान करता है।

2. ताकत और कमजोरियां

ताकत

- डिजाइन और विस्तृत इंजीनियरिंग क्षमता के साथ प्रीमियर कंसल्टेंसी
- एक आईएसओ 9001:2015, आईएसओ 45001:2018 प्रमाणित और अंतर्राष्ट्रीय मानक आईएसओ/आईईसी 17020:2012 टाइप "सी" निरीक्षण निकाय के रूप में।
- ग्रीनफील्ड/ब्राउनफील्ड उर्वरक/रासायनिक परियोजनाओं की स्थापना के लिए अवधारणा से लेकर कमीशनिंग तक एकल बिंदु जिम्मेदारी पर परामर्श सेवाएं प्रदान करने में व्यापक अनुभव
- विभिन्न विशिष्ट तकनीकी विषयों में सक्षम इंजीनियरों का बहु-विषयक और अत्यधिक अनुभवी समूह
- विशाल डेटाबेस और संदर्भ सामग्री
- मुख्य क्षमता क्षेत्र में बाजार मान्यता और तेल एवं गैस क्षेत्र में सफल विविधीकरण
- टॉपसो, केबीआर, एसएआईपीईएम, स्टैमिकार्बन, टोयो, कैसले आदि जैसे अमोनिया और यूरिया के प्रक्रिया लाइसेंसधारकों के साथ संबंध।

Annexure-1

Management Discussion & Analysis Report

1. Industry Structure & Development

The organization, as it is known today as PDIL (Projects & Development India Limited), was established in 1951 as "Technology Wing of Fertilizer Corporation of India Limited (FCI)", with an objective to achieve Technological - Self reliance in the country. In 1961, its activities were enlarged and it became "Planning & Development" (P&D) Division of FCI Ltd.

In 1978, FCI was restructured and P&D Division became an independent entity and was incorporated as "The Fertilizer (Planning & Development) India Limited" (FPDIL) on 7th March 1978.

On 8th December' 1981, FPDIL was rechristened as "Projects & Development India Limited" (PDIL) to reflect diversified activities in the areas beyond fertilizers. PDIL achieved Mini Ratna Status on 11th November' 2011.

PDIL has more than seven decades of experience in providing Design, Engineering and related project execution services from Concept to Commissioning of various Projects. PDIL provides services in the areas of Fertilizers, Oil & Gas and Refinery, Chemicals, Infrastructure, Offsites and Utilities, etc.

2. Strengths & Weaknesses

Strengths

- Premier Consultancy with Design & Detailed Engineering capability
- An ISO 9001:2015, ISO 45001:2018 Certified and International Standard ISO/IEC 17020:2012 as Type"C" Inspection Body.
- Vast experience in providing consultancy services for setting up of Greenfield / Brownfield Fertilizer / Chemical Projects from concept to commissioning on single point responsibility
- Multidisciplinary and highly experienced pool of capable engineers in various specialized technical disciplines
- Vast database and reference materials
- Market recognition in core competence area and successful diversification into Oil & Gas Sector
- Association with process licensors of Ammonia and Urea like Topsoe, KBR, SAIPEM, Stamicarbon, Toyo, Casale, etc.

- पर्याप्त नवीनतम अत्याधुनिक सॉफ्टवेयर की उपलब्धता।
- मान्यता प्राप्त तृतीय पक्ष निरीक्षण एजेंसी और एनडीटी सेवाओं में विशेषज्ञता
- सकारात्मक नेट वर्थ और ऋण मुक्त कंपनी

कमजोरियों

- तेल और गैस क्षेत्र के अलावा अन्य में सीमित विविधीकरण
- व्यवसाय के नए क्षेत्रों में मजबूती लाने में समय लगेगा
- सीमित जनशक्ति
- एलएसटीके परियोजनाओं के लिए अपर्याप्त क्रेडेंशियल और संगठनात्मक सेटअप
- बड़ी एलएसटीके परियोजनाओं को पूरा करने के लिए अपर्याप्त वित्तीय सुदृढता /सेट-अप

3. अवसर और खतरे

अवसर

- भारत में उर्वरक क्षेत्र में महत्वपूर्ण निवेश हो रहा है/होने की उम्मीद है, मुख्यतः ग्रीन हाइड्रोजन/ग्रीन और ब्लू अमोनिया/ग्रीन मेथनॉल/डीएपी/कोयला गैसीकरण
- विदेशों में उर्वरक क्षेत्र में निवेश
- गैर-प्रमुख क्षेत्रों जैसे 'कोयला से रसायन', तेल और गैस, रिफाइनरी और बुनियादी ढांचे में कई अवसर
- आपसी तालमेल बढ़ाने के लिए विक्रेताओं/ठेकेदारों के साथ गठजोड़
- पर्यावरण और पारिस्थितिकी के प्रति अधिक चिंता

खतरे

- परियोजना निष्पादन के एलएसटीके मोड के प्रति निवेशक की प्राथमिकता/रुझान
- उर्वरक क्षेत्र में बहुराष्ट्रीय कंपनियों/अन्य सार्वजनिक उपक्रमों/एमएसएमई का प्रवेश
- बड़े कॉर्पोरेट्स/मालिकों द्वारा इन-हाउस कंसल्टेंसी टीम स्थापित करने का चलन
- अन्य कंपनियों द्वारा अनुभवी कर्मचारियों को बेहतर वेतन पैकेज की पेशकश
- प्रतिस्पर्धा में वृद्धि
- चल रहे विनिवेश से उत्पन्न अनिश्चितता

- Have adequate latest state-of-the-art software
- Recognized Third Party Inspection agency and specialized in NDT Services
- Positive Net Worth and Debt free Company

Weaknesses

- Limited diversification in other than Oil & Gas Sector
- Will take time to consolidate the strength in new areas of business
- Limited Manpower
- Inadequate credential and organizational setup for LSTK projects
- Inadequate Financial strength / set-up to carry out large LSTK Projects

3. Opportunities & Threats

Opportunities

- Significant Investment is happening / is expected in the Fertilizer Sector in India mainly Green Hydrogen / Green & Blue Ammonia / Green Methanol / DAP/ Coal gasification
- Investment in Fertilizer Sector abroad
- Several Opportunities in non core areas like 'Coal to Chemicals', Oil & Gas, Refineries & Infrastructure
- Tie-ups with vendors / contractor for synergizing mutual strength
- Greater concern for environment and ecology

Threats

- Investor's preference / inclination towards LSTK mode of project execution
- Entry of MNCs / other PSUs/ MSMEs in the Fertilizer field
- Trend of setting in-house consultancy teams by Large Corporates / Owners
- Better pay packages offered for experienced manpower by other companies
- Increase in Competition
- Uncertainty stemming from ongoing disinvestment

4. चल रहे विनिवेश से उत्पन्न अनिश्चितता

पिछले पांच वर्षों में पीडीआईएल का वित्तीय प्रदर्शन निम्नानुसार है:

(लाखों रुपए में)

विवरण	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
कुल आय	12968	12208	10721.07	10659.34	10081.71
कर से पहले का लाभ	2625	1484	458.75	1438.41	728.55
कर के बाद लाभ	1907	1080	358.17	1061.56	458.85
प्रति शेयर आय (रु. में)	1103	624.84	207.05	613.67	265.25

5. व्यावसायिक दृष्टिकोण

पीडीआईएल का भविष्य काफी आशाजनक है। भारत सरकार (जीओआई) सीपीएसई की संयुक्त उद्यम कंपनी के माध्यम से नामरूप में एक नया अमोनिया-यूरिया संयंत्र स्थापित करने के लिए ब्रह्मपुत्र वैली फर्टिलाइजर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीवीएफसीएल) के वित्तीय पुनर्गठन के प्रस्ताव पर विचार कर रही है। मैटिक्स फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड और मद्रास फर्टिलाइजर्स लिमिटेड भी इसके विस्तार की योजना बना रहे हैं। अमोनिया-यूरिया परियोजनाओं में बेजोड़ ट्रैक रिकॉर्ड और अनुभव के साथ, पीडीआईएल अमोनिया-यूरिया परियोजनाओं के लिए अन्य इंजीनियरिंग और परियोजना प्रबंधन सलाहकारों पर महत्वपूर्ण बढ़त रखता है। 93 अमोनिया और 84 यूरिया परियोजनाओं के अनुभव का लाभ उठाते हुए, पीडीआईएल व्यवहार्यता अध्ययन रिपोर्ट तैयार करने और विभिन्न अमोनिया-यूरिया परियोजनाओं के लिए इंजीनियरिंग और परियोजना प्रबंधन परामर्श सेवाएं प्रदान करने हेतु कई परियोजनाओं के लिए चर्चा के उन्नत चरणों में है।

तालचेर फर्टिलाइजर्स लिमिटेड की तालचेर परियोजना का पुनरुद्धार प्रगति पर है। तालचेर संयंत्र में कोयला गैसीकरण संयंत्र, अमोनिया और यूरिया संयंत्र के साथ-साथ ऑफसाइट और उपयोगिताएँ भी शामिल हैं।

इन कार्यों के अलावा, पीडीआईएल आरसीएफ, एनएफएल, इफको आदि जैसे ग्राहकों के लिए ऊर्जा बचत परियोजनाओं/पुनर्निर्माण से संबंधित परामर्श कार्य कर रहा है। पीडीआईएल ओमिफ्को, जिफको आदि जैसे ग्राहकों से विदेशी कार्य प्राप्त करने की आशा कर रहा है।

पीडीआईएल तेल एवं गैस क्षेत्र में विभिन्न सुविधाओं जैसे पीओएल/एलपीजी टर्मिनल, एलपीजी बॉटलिंग प्लांट, पीओएल डिपो, माउंडेड बुलेट्स, टैंकेज आदि परियोजनाओं के साथ सफलतापूर्वक प्रवेश कर रहा है। आईओसीएल और एचपीसीएल द्वारा विकसित स्वदेशी प्रौद्योगिकी पर आधारित तेल एवं गैस/रिफाइनरी परियोजनाओं के लिए इंजीनियरिंग परामर्श सेवाएं प्रदान करने के हालिया अनुभव के साथ, पीडीआईएल को अब अन्य तेल एवं गैस/रिफाइनरी प्रमुखों द्वारा परियोजनाओं के लिए सक्रिय रूप से विचार किया जा रहा है।

इसके अलावा, स्वदेशी कोयला संसाधनों के उपयोग पर भारत सरकार के प्रोत्साहन ने भारत में कोयला/पेटकोक/लिग्नाइट आधारित रासायनिक संयंत्रों का मार्ग प्रशस्त किया है। पीडीआईएल, अमोनिया, मेथनॉल, अमोनियम नाइट्रेट डीएमई, इथेनॉल, सिंथेटिक प्राकृतिक गैस आदि के

4. Financial Performance

The financial performance of PDIL over the previous five years is as below:

(₹in Lakhs)

Particulars	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
Total Income	12968	12208	10721.07	10659.34	10081.71
Profit Before Tax	2625	1484	458.75	1438.41	728.55
Profit After Tax	1907	1080	358.17	1061.56	458.85
Earnings Per Share (in Rs)	1103	624.84	207.05	613.67	265.25

5. Business Outlook

The Future Outlook for PDIL is quite promising. Government of India (GOI) is considering a proposal of Financial Restructuring of Brahmaputra Valley Fertilizer Corporation Limited (BVFCL) for setting up of a new ammonia-urea plant at Namrup through Joint Venture Company of CPSEs. Matix Fertilisers and Chemicals Limited and Madras Fertilizers Limited are also planning its expansion. PDIL, with an unmatchable track record & experience in Ammonia-Urea Projects, enjoys an edge for other Engineering & Project Management Consultants for the Ammonia-Urea Projects. Leveraging the experience of 93 Ammonia and 84 urea projects, PDIL is under advanced stages of discussions for several Projects for preparation of Study Reports and providing Engineering & Project Management Consultancy Services for various Ammonia-Urea Projects.

Revival Talcher Project of Talcher Fertilizers Limited is under progress. Talcher plant comprises **Coal gasification plant**, Ammonia & Urea plant along with offsite & utilities.

Apart from these jobs, PDIL is undertaking Consultancy Assignments pertaining to Energy Saving Projects / Revamps for Clients such as RCF, NFL, IFFCO etc. PDIL is looking forward to receiving foreign assignments from clients like OMIFCO, JIFCO, etc.

PDIL is successfully making inroads in the Oil & Gas Sector with Projects covering varied facilities like POL / LPG Terminals, LPG Bottling Plants, POL Depots, Mounded Bullets, Tankages, etc. With recent experience in providing engineering consultancy services for Oil & Gas / Refinery Projects based on indigenous technology developed by IOCL and HPCL, PDIL is now being actively considered by other Oil & Gas / Refinery Majors for Projects.

Further, the impetus of GOI on utilization of indigenous coal resources has paved the way for Coal / Petcoke /Lignite based Chemical Plants in India. PDIL is working / has worked as a Consultant for various upcoming coal gasification based

उत्पादन के लिए मेसर्स कोल इंडिया लिमिटेड और उसकी सहायक कंपनियों, मेसर्स तालचर फर्टिलाइजर्स लिमिटेड, मेसर्स एनएलसी इंडिया लिमिटेड, मेसर्स आईओसीएल आदि की विभिन्न आगामी कोयला गैसीकरण आधारित परियोजनाओं के लिए सलाहकार के रूप में काम कर रहा है/कर चुका है, जिनमें से अधिकांश का भारत द्वारा भारी मात्रा में आयात किया जा रहा है। कोयला गैसीकरण परियोजनाओं के लिए एमओसी द्वारा वीजीएफ नीति को देखते हुए, कोयला गैसीकरण के लिए कई और परियोजनाओं की उम्मीद है। पीडीआईएल ऐसी परियोजनाओं के लिए पीएमसी सेवाओं की प्रतीक्षा कर रहा है।

6. जोखिम और चिंताएँ

छोटी कंसल्टेंसी फर्मों का तेजी से विकास, एलएसटीके मोड में परियोजनाओं के क्रियान्वयन का बढ़ता चलन, निविदा प्रक्रिया में एमएसएमई को प्राथमिकता, आंतरिक कंसल्टेंसी टीम के गठन का चलन, बोलियों की रिवर्स नीलामी आदि कंपनी के कुछ जोखिम और चिंताएँ हैं। ग्राहकों के बकाया की वसूली की अवधि लंबी है, जिसके परिणामस्वरूप बकाया राशि बहुत अधिक हो जाती है और कंपनी का नकदी प्रवाह प्रभावित होता है। साथ ही, चल रहे विनिवेश के कारण व्याप्त अनिश्चितता कंपनी के लिए एक बड़ी चिंता का विषय है। कंपनी के लिए नए अवसर पैदा करने और कंपनी में मौजूद समृद्ध प्रतिभाओं को बनाए रखने के लिए ज्ञान प्रबंधन को बढ़ावा देने के निरंतर प्रयासों ने कंपनी को शेयरधारकों/ग्राहकों के हितों की रक्षा करने में सक्षम बनाया है।.

7. आंतरिक नियंत्रण प्रणालियाँ और उनकी पर्याप्तता

प्रबंधन और आंतरिक लेखा परीक्षकों द्वारा आंतरिक नियंत्रणों का निरंतर मूल्यांकन किया जाता है। आंतरिक लेखापरीक्षा के निष्कर्षों की प्रबंधन द्वारा नियमित रूप से समीक्षा की जाती है और जहाँ भी आवश्यक हो, उचित लेखांकन, निगरानी मितव्ययिता और परिचालन दक्षता बनाए रखने के लिए सुधारात्मक कार्रवाई और नियंत्रण लागू किए जाते हैं।

8. परिचालन प्रदर्शन के संबंध में वित्तीय प्रदर्शन पर चर्चा

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान कंपनी की कुल आय ₹10,081.71 लाख है, जबकि पिछले वित्तीय वर्ष 2023-24 में यह ₹10,659.34 लाख थी। आलोच्य वर्ष के दौरान, आपकी कंपनी ने इंजीनियरिंग सेवा से ₹7286.75 लाख, निरीक्षण एवं एनडीटी से ₹1742.32 लाख और अन्य आय से ₹1052.64 लाख अर्जित किए।

9. मानव संसाधन, औद्योगिक संबंध के क्षेत्र में भौतिक विकास, जिसमें नियोजित लोगों की संख्या भी शामिल है

आपकी कंपनी का मानना है कि मानव संसाधन किसी भी कंपनी के लिए मुख्य परिसंपत्ति है, विशेष रूप से एक परामर्श संगठन के लिए, जिसमें कर्मचारी विकास के लिए प्रमुख लीवर के रूप में "ज्ञान" और "सीखना"

projects of M/s Coal India Ltd. & its subsidiaries, M/s Talcher Fertilizers Ltd., M/s NLC India Ltd., M/s IOCL etc for production of Ammonia, Methanol, Ammonium Nitrate DME, Ethanol, Synthetic Natural Gas etc. most of which are being imported in huge quantities by India. In view of VGF policy for coal gasification projects by MOC, many more projects for coal gasification are expected. PDIL is looking forward for PMC services for such projects.

6. Risk and Concerns

Mushrooming of small Consultancy Firms, increasing trend of project execution in LSTK Mode, preference to MSMEs in tendering, trend of setting up of in-house consultancy team, Reverse auction of bids etc. are some of the risks and concerns of the company. The recovery period of customer dues is long, resulting in huge amounts of outstanding and affecting the cash flow of the Company. Also, prevailing uncertainty due to ongoing disinvestment is a major concern for the Company. Persistent efforts being made to create new opportunities for the company and promoting knowledge management to sustain the rich talent pool in the company have enabled the company to protect the interests of the shareholders / customers.

7. Internal Control Systems and their Adequacy

Internal controls are continuously evaluated by the management and Internal Auditors. Findings from internal audits are reviewed regularly by the management and corrective actions & controls to maintain proper accounting, monitoring economy and efficiency of operations are put in place wherever necessary.

8. Discussion on Financial Performance with respect to Operational Performance

The total income of the Company during financial year 2024-25 is ₹10,081.71 Lakhs as against ₹10,659.34 Lakhs in previous financial year 2023-24. During the year under report, your Company achieved ₹7286.75 Lakhs from Engineering Service, ₹1742.32 Lakhs from Inspection and NDT and ₹1052.64 Lakhs as other income.

9. Material Developments in Human Resources, Industrial Relations Front, Including Number of People Employed

Your Company believes that Human Resources are the main assets for any Company especially for a consultancy organization which has “knowledge” and “learning” as the major levers for employee development. Your Company believes in holistic and meaningful employee engagement and the development of

होता है। आपकी कंपनी समग्र और सार्थक कर्मचारी जुड़ाव और अपने मानव संसाधनों के विकास में विश्वास करती है। अपने अस्तित्व के पिछले कई वर्षों में व्यक्तियों और कंपनी द्वारा अर्जित ज्ञान को संरक्षित करने के उद्देश्य से, पीडीआईएल अनुभवी जनशक्ति और युवा समूहों के बीच ज्ञान के आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करता है। लगातार बढ़ते चुनौतीपूर्ण परिदृश्य में, मानवीयता के साथ गुणवत्तापूर्ण सेवाओं का समय पर वितरण ही एकमात्र प्रमुख अंतर होगा। केंद्रित भर्ती, करियर पथ और शिक्षण एवं विकास के माध्यम से एकीकृत मानव संसाधन प्रथाओं ने कार्यबल की भविष्य की तैयारी में योगदान दिया है।

वर्ष के दौरान औद्योगिक संबंध सौहार्दपूर्ण रहे। कंपनी अपने कर्मचारियों को बाह्य प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए भेजती रही है और आंतरिक प्रशिक्षण विकास भी करती रही है। 31.03.2025 तक कंपनी में नियमित कर्मचारियों की कुल संख्या 274 है।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, कनिष्ठ एवं मध्यम स्तर पर सुदृढ़ जनशक्ति तथा संविदात्मक जनशक्ति की नियुक्ति के साथ, विभिन्न एचयूआरएल, टीएफएल एवं अन्य परियोजनाओं के लक्ष्य सफलतापूर्वक प्राप्त किए गए हैं।

10. चेतावनीपूर्ण कथन

इस प्रबंधन चर्चा एवं विश्लेषण रिपोर्ट में कंपनी के उद्देश्यों, अनुमानों और अपेक्षाओं का वर्णन करने वाले कथन, लागू कानूनों और विनियमों के अर्थ में 'भविष्यदर्शी कथन' हो सकते हैं। विभिन्न सरकारी नीतियों और आर्थिक स्थितियों के आधार पर, वास्तविक परिणाम व्यक्त या निहित परिणामों से काफी या भौतिक रूप से भिन्न हो सकते हैं।

its human resources. With a view to preserve the knowledge acquired by individuals and the Company over the last many years of its existence, PDIL encourages sharing of knowledge between experienced manpower and younger groups. In the ever increasing challenging scenario, timely delivery of quality services with human touch will be the only key differentiator. Integrated HR practices through focused recruitment, career path and learning and development contributed to the future readiness of the workforce.

During the year Industrial relations had been cordial. The Company has been sending its employees for external training programmes and also doing internal training development of its employees. Total number of regular employees in the Company as on 31.03.2025 is 274.

During the year under review, with the strengthened manpower at junior & middle levels and engagement of contractual manpower, deliverables of various HURL, TFL & other projects have been successfully achieved.

10. Cautionary Statement

Statements in this Management Discussion and Analysis Report describing the Company's objectives, projections and expectations may be 'forward looking statements' within the meaning of applicable laws and regulations. Depending on the various Government policies and economic conditions, actual results might differ substantially or materially from those expressed or implied.

अनुबंध-2

वर्ष 2024-25 के लिए सीएसआर गतिविधियों पर वार्षिक रिपोर्ट

1. कंपनी की सीएसआर नीति पर संक्षिप्त रूपरेखा:

कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) एक कंपनी की सामाजिक, नैतिक और पर्यावरणीय चिंताओं को दूर करने की प्रतिबद्धता है, जिसके तहत वह व्यवसाय और समाज दोनों के लिए लाभकारी तरीके से व्यवसाय संचालित करके स्थिरता पहलों के माध्यम से एक स्थायी समाज के विकास में योगदान देती है। इसलिए, सीएसआर सतत विकास के अभ्यास के साथ निकटता से जुड़ा हुआ है, सीएसआर परोपकारी गतिविधियों से आगे बढ़ता है और सामाजिक और व्यावसायिक लक्ष्यों के एकीकरण तक पहुंचता है। इन गतिविधियों को ऐसी गतिविधियों के रूप में देखा जाना चाहिए जो दीर्घकालिक रूप से एक स्थायी प्रतिस्पर्धात्मक लाभ हासिल करने में मदद करें।

पीडीआईएल पर्यावरणीय और सामाजिक मुद्दों से निपटने में परिहार, न्यूनीकरण और शमन के सिद्धांतों का पालन करते हुए एक स्थायी तरीके से अपना व्यवसाय संचालित करने के लिए प्रतिबद्ध है और इसमें ग्रामीण विकास, शिक्षा, कौशल विकास, स्वास्थ्य और राष्ट्रीय महत्व के अन्य क्षेत्रों और स्थायी पर्यावरणीय प्रथाओं के पालन के माध्यम से समुदायों के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए पहल शामिल हैं।

वित्त वर्ष 2024-25 के लिए कंपनी में सीएसआर गतिविधियां कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत वैधानिक प्रावधानों, केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रमों के लिए सार्वजनिक उद्यम विभाग द्वारा जारी दिशानिर्देशों और कंपनी की सीएसआर नीति के अनुरूप की गई।

Annexure -2

THE ANNUAL REPORT ON CSR ACTIVITIES FOR THE YEAR 2024-25

1. Brief outline on CSR Policy of the Company:

Corporate Social Responsibility (CSR) is a company's commitment to address social, ethical and environmental concerns in which it operates and contribute to develop a sustainable society through sustainability initiatives by conducting business in a manner that is beneficial to both, business and society. CSR is, therefore, closely linked with the practice of sustainable development, CSR extends beyond philanthropic activities and reaches out to the integration of social and business goals. These activities need to be seen as those which would, in the long term, help secure a sustainable competitive advantage.

PDIL is committed to conduct its business in a sustainable manner adhering to the principles of Avoidance, Minimization and Mitigation in dealing with environmental and social issues and include initiatives for Social & Economic Development of communities through rural development, education, skill development, health and other areas of national importance and adherence to sustainable environmental practices

The CSR activities in the Company for the FY 2024-25 were undertaken in line with the statutory provisions under the Companies Act, 2013, the guidelines issued by the Department of Public Enterprises for Central PSUs and the CSR Policy of the Company.

2. सीएसआर समिति की संरचना/ Composition of CSR Committee:

क्रम सं. Sl. No.	नाम Name	निदेशक पद का पदनाम/प्रकृति Designation/ Nature of Directorship	वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान भाग लेने के पात्र बैठकों की कुल संख्या Total number of meetings entitled to attend during FY 2024-25	उपस्थित बैठकों की संख्या Number of meetings attended
1.	डॉ. अनिल पटेल Dr. Anil Patel	अध्यक्ष एवं सदस्य, स्वतंत्र निदेशक Chairman & Member, Independent Director	5	5
2.	श्री मिलिंद पाटिल Shri Milind Patil	सदस्य, स्वतंत्र निदेशक Member, Independent Director	5	3
3.	लेफ्टिनेंट जनरल विश्वम्भर सिंह (22.12.2024 तक सदस्य) Lt. Gen Vishwambhar Singh (Member till 22.12.2024)	सदस्य, स्वतंत्र निदेशक Member, Independent Director	4	4

क्रम सं. Sl. No.	नाम Name	निदेशक पद का पदनाम/प्रकृति Designation/ Nature of Directorship	वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान भाग लेने के पात्र बैठकों की कुल संख्या Total number of meetings entitled to attend during FY 2024-25	उपस्थित बैठकों की संख्या Number of meetings attended
4.	श्री उज्जवल कुमार (सदस्य 18.02.2025 तक) Shri Ujjwal Kumar (Member till 18.02.2025)	सदस्य, निदेशक (वित्त) Member, Government Nominee Director	4	4
5.	Shri Hira Nand	Member, Director (Finance)	5	5

3. वेब-लिंक उपलब्ध कराएं जहां कंपनी की वेबसाइट पर सीएसआर समिति की संरचना, सीएसआर नीति और बोर्ड द्वारा अनुमोदित सीएसआर परियोजनाओं का खुलासा किया गया हो।

   http://www.pdilin.com/pdf/csr_sustainability_policy.pdf(सीएसआर नीति)

4. कंपनी (कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व नीति) नियम, 2014 के नियम 8 के उप-नियम (3) के अनुसरण में किए गए सीएसआर परियोजनाओं के प्रभाव मूल्यांकन का विवरण प्रदान करें, यदि लागू हो (रिपोर्ट संलग्न करें)

   इस वित्तीय वर्ष के लिए लागू नहीं। इसके अलावा, वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान की गई कोई भी सीएसआर गतिविधि ₹1 करोड़ या उससे अधिक की नहीं थी जिसके लिए प्रभाव मूल्यांकन की आवश्यकता हो।

5. कंपनी (कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व नीति) नियम, 2014 के नियम 7 के उप-नियम (3) के अनुसरण में सेट ऑफ के लिए उपलब्ध राशि का विवरण और वित्तीय वर्ष के लिए सेट ऑफ के लिए आवश्यक राशि, यदि कोई हो:

क्र. सं.	वित्तीय वर्ष	पिछले वित्तीय वर्षों से कटौती के लिए उपलब्ध राशि (रु. में)	वित्तीय वर्ष के लिए निर्धारित की जाने वाली राशि, यदि कोई हो (रु. में)
1	2021-22	शून्य	शून्य
2	2022-23	शून्य	शून्य
3	2023-24	शून्य	शून्य
	कुल	**शून्य**	**शून्य**

6. धारा 135(5) के अनुसार कंपनी का औसत शुद्ध लाभ — ₹ 1,127.32 लाख

7. (क) धारा 135(5) के अनुसार कंपनी के औसत शुद्ध लाभ का दो प्रतिशत — ₹ 22.55 लाख

(ख) पिछले वित्तीय वर्षों की सीएसआर परियोजनाओं या कार्यक्रमों या गतिविधियों से उत्पन्न अधिशेष। — शून्य

(ग) वित्तीय वर्ष के लिए निर्धारित की जाने वाली राशि, यदि कोई हो — शून्य

(घ) वित्तीय वर्ष के लिए कुल सीएसआर दायित्व (7ए+7बी-7सी)। — ₹ 22.55 लाख

3. Provide the web-link where composition of CSR committee, CSR Policy and CSR projects approved by the board are disclosed on the website of the company.

   http://www.pdilin.com/pdf/csr_sustainability_policy.pdf (CSR Policy)

4. Provide the details of Impact assessment of CSR projects carried out in pursuance of sub-rule (3) of rule 8 of the Companies (Corporate Social responsibility Policy) Rules, 2014, if applicable (attach the report)

   Not applicable for this financial year. Further, none of the CSR activities taken up during FY 2024-25 were ₹1 crore or above for which impact assessment is required.

5. Details of the amount available for set off in pursuance of sub-rule (3) of rule 7 of the Companies (Corporate Social responsibility Policy) Rules, 2014 and amount required for set off for the financial year, if any:

S. No.	Financial Year	Amount available for set-off from preceding financial years (in Rs.)	Amount required to be setoff for the financial year, if any (in Rs.)
1	2021-22	NIL	NIL
2	2022-23	NIL	NIL
3	2023-24	NIL	NIL
	TOTAL	**NIL**	**NIL**

6. Average net profit of the company as per section 135(5) — ₹ 1,127.32 Lakhs

7. (a) Two percent of average net profit of the company as per section 135(5) — ₹ 22.55 Lakhs

(b) Surplus arising out of the CSR projects or programmes or activities of the previous financial years. — Nil

(c) Amount required to be set off for the financial year, if any — Nil

(d) Total CSR obligation for the financial year (7a+7b-7c). — ₹ 22.55 Lakhs

8. (क) वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए व्यय की गई या अव्ययित सीएसआर राशि::

(a) CSR amount spent or unspent for the financial year 2024-25:

राशि (लाख रुपये में)/Amount (₹ in Lakh)

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए कुल व्यय राशि Total Amount Spent for the Financial Year 2024-25	धारा 135(6) के अनुसार अप्रयुक्त सीएसआर खाते में स्थानांतरित कुल राशि Total Amount transferred to Unspent CSR account as per Section 135(6)		धारा 135(5) के दूसरे प्रावधान के अनुसार अनुसूची VII के तहत निर्दिष्ट किसी भी निधि में स्थानांतरित राशि Amount transferred to any fund specified under Schedule VII as per second proviso to section 135(5)		
	राशि Amount	स्थानांतरण की तिथि Date of Transfer	निधि का नाम Name of Fund	राशि Amount	स्थानांतरण की तिथि Date of transfer
5.96	16.59*	30.04.2025	शून्य/Nil	शून्य/Nil	शून्य/Nil
Total/ कुल	16.59				

नोट:

** कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 135(6) के प्रावधान के अनुपालन में, वित्त वर्ष 2024-25 की चालू सीएसआर गतिविधियों से संबंधित अव्ययित रह गई ₹ 16.59 लाख की राशि को 30.04.2025 को अव्ययित सीएसआर खाते में स्थानांतरित कर दिया गया।*

Note

** In compliance with the provision of Section 135(6) of the Companies Act, 2013, an amount of ₹ 16.59 Lakh, that remained unspent relating to ongoing CSR activities of FY 2024-25, was transferred to Unspent CSR Account on 30.04.2025.*

(ख) वित्तीय वर्ष के लिए चल रही परियोजनाओं पर खर्च की गई सीएसआर राशि का विवरण :	विवरण **अनुलग्नक-3** में संलग्न है	(b) Details of CSR amount spent against ongoing projects for the financial year :	Details attached at **Annexure-3**
(ग) वित्तीय वर्ष के लिए चालू परियोजनाओं के अलावा अन्य पर खर्च की गई सीएसआर राशि का विवरण :	01 नंबर 6 बॉडी मोर्चरी कैबिनेट सीएमओ गौतमबुद्धनगर को ₹. 5.96 लाख	(c) Details of CSR amount spent against other than ongoing projects for the financial year :	01 No. 6 body mortuary cabinet donated to CMO Gautam Budh Nagar @ ₹. 5.96 Lakh
(घ) प्रशासनिक ओवरहेड्स में खर्च की गई राशि :	शून्य	(d) Amount spent in Administrative Overheads :	Nil
(ङ) प्रभाव आकलन पर व्यय की गई राशि, यदि लागू हो :	शून्य	(e) Amount spent on Impact Assessment, if applicable :	Nil
(च) वित्तीय वर्ष के लिए व्यय की गई कुल राशि (8बी+8सी+8डी+8ई) :	₹ 5.96	(f) Total amount spent for the Financial Year (8b+8c+8d+8e) :	₹ 5.96
(छ) सेट ऑफ के लिए अतिरिक्त राशि, यदि कोई हो :	शून्य	(g) Excess amount for set off, if any :	None

9. (a) Details of Unspent CSR amount for the preceding three financial years/ (क) पिछले तीन वित्तीय वर्षों के लिए अप्रयुक्त सीएसआर राशि का विवरण:

राशि (लाख रुपये में)/Amount (₹ in Lakh)

क्रम सं. Sl. No.	पिछला वित्तीय वर्ष Preceding Financial year	धारा 135(6) के अंतर्गत अव्ययित सीएसआर खाते में स्थानांतरित की गई राशि (रुपये में) Amount transferred to Unspent CSR Account under Section 135(6) (in Rs.)	धारा 135(6) के अंतर्गत शेष राशि अव्ययित सीएसआर खाते में (रुपये में) Balance Amount in Unspent CSR Account under section 135(6) (in Rs)	रिपोर्टिंग अवधि में खर्च की गई राशि (रुपये में) Amount Spent in the Reporting period (in Rs)	धारा 135(5) के दूसरे प्रावधान के अनुसार अनुसूची VII के अंतर्गत निर्दिष्ट निधि में हस्तांतरित राशि, यदि कोई हो Amount transferred to a Fund as specified under Schedule VII as per second proviso to Section 135(5), if any		शेष राशि जो अगले वित्तीय वर्षों में खर्च की जानी है (रु. में) Amount remaining to be spent in succeeding financial years (in Rs)	कमी, यदि कोई हो Deficiency, if any
					राशि Amount	स्थानांतरण की तिथि Date of transfer		
1	2021-22	74.82	शून्य/NIL	शून्य/NIL	40.65	23.09.2022	शून्य/NIL	लागू नहीं/N.A.
2.	2022-23	33.84	शून्य/NIL	शून्य/NIL	30.96	17.07.2023	शून्य/NIL	लागू नहीं/N.A.
3	2023-24	30.48	10.21	20.27	0.00	-	10.21	शून्य/NIL
	कुल/Total	**139.14**	**10.21**	**20.27**	**71.61**		**10.21**	शून्य/NIL

(ख) पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष(वर्षों) की चालू परियोजनाओं के लिए वित्तीय वर्ष में व्यय की गई सीएसआर राशि का ब्यौरा:

(b) Details of CSR amount spent in the financial year for **ongoing projects** of the preceding financial year(s):

राशि (लाख रुपये में)/Amount (₹ in Lakh)

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
क्रम सं. Sl. No.	प्रियोजना आईडी Project ID	परियोजना का नाम Name of the Project	वित्तीय वर्ष जिसमें परियोजना शुरू की गई थी Financial Year in which the project was commenced	परियोजना अवधि Project duration	परियोजना के लिए आवंटित कुल राशि Total amount allocated for the project	रिपोर्टिंग वित्तीय वर्ष में परियोजना पर खर्च की गई राशि Amount spent on the project in the reporting Financial Year	रिपोर्टिंग वित्तीय वर्ष के अंत में खर्च की गई संचयी राशि Cumulative amount spent at the end of reporting Financial Year	परियोजना की स्थिति - पूर्ण/ जारी Status of the project - Completed/ Ongoing
1	वित्तीय वर्ष-1 (31-03-2024) FY-1 (31-03-2024)	01 नं. रेफ्रिजरेटेड सेंट्रीफ्यूज (जीआईएमएस) नोएडा 01 No. Refrigerated Centrifuge (GIMS) Noida	2023-24	लागू नहीं N.A	19.82	19.82	19.82	पुरा होना Completed
2	वित्तीय वर्ष-1 (31-03-2024) FY-1 (31-03-2024)	"जीवन के लिए भोजन" परियोजना के लिए भोजन पकाने और परोसने के लिए आवश्यक उपकरण Equipment Required to cook & serve the food for the Project "Food for Life"	2023-24	लागू नहीं N.A	3.17	0.45	0.45	चल रहे Ongoing
3	वित्तीय वर्ष-1 (31-03-2024) FY-1 (31-03-2024)	पीएमकेयर्स फंड में दान Donation to PMCARES Fund	2023-24	लागू नहीं N.A	7.48	शून्य Nil	शून्य Nil	चल रहे Ongoing
कुल/Total					**30.48**	**20.27**	**20.27**	

10.	पूंजीगत परिसंपत्ति के सृजन या अधिग्रहण के मामले में, वित्तीय वर्ष में खर्च किए गए सीएसआर के माध्यम से निर्मित या अर्जित परिसंपत्ति से संबंधित विवरण प्रस्तुत करें (परिसंपत्ति-वार विवरण)	**शून्य**	10.	In case of creation or acquisition of capital asset, furnish the details relating to the asset so created or acquired through CSR spent in the financial year (asset-wise details)	**NIL**
	(क) पूंजीगत परिसंपत्ति(ओं) के सृजन या अधिग्रहण की तिथि।	**शून्य**		(a) Date of creation or acquisition of the capital asset(s).	**NIL**
	(ख) पूंजीगत परिसंपत्ति के सृजन या अधिग्रहण के लिए खर्च की गई सीएसआर राशि।	**शून्य**		(b) Amount of CSR spent for creation or acquisition of capital asset.	**NIL**
	(ग) उस इकाई या सार्वजनिक प्राधिकरण या लाभार्थी का विवरण जिसके नाम पर ऐसी पूंजीगत परिसंपत्ति पंजीकृत है, उनका पता आदि।	**शून्य**		(c) Details of the entity or public authority or beneficiary under whose name such capital asset is registered, their address etc.	**NIL**
	(घ) निर्मित या अर्जित पूंजीगत परिसंपत्ति(यों) का विवरण प्रदान करें (पूंजीगत परिसंपत्ति का पूरा पता और स्थान सहित)।	**शून्य**		(d) Provide details of the capital asset(s) created or acquired (including complete address and location of the capital asset).	**NIL**
11.	यदि कंपनी धारा 135(5) के अनुसार औसत शुद्ध लाभ का दो प्रतिशत खर्च करने में विफल रही है, तो कारण बताएं	लागू नहीं। हालाँकि, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 135(6) के अनुसार अप्रयुक्त खाते को खाते में स्थानांतरित कर दिया गया है।	11.	Specify the reason (s), if the company has failed to spend two per cent of the average net profit as per section 135(5)	Not Applicable. However, unspent account transferred to account in accordance to Section 135(6) of the Companies Act, 2013

ह/-
डॉ. यू. सरवणन
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
(डीआईएन: 07274628)

ह/-
हीरा नंद
निदेशक (वित्त)
(डीआईएन: 09476034)

स्थान: नोएडा
तारीख: 10.09.2025

Sd/-
Dr. U. Saravanan
Chairman & Managing Director
(DIN: 07274628)

Sd/-
Hira Nand
Director (Finance)
(DIN: 09476034)

Place: Noida
Date: 10.09.2025

अनुबंध 3/Annexure 3

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए चल रही परियोजनाओं पर खर्च की गई सीएसआर राशि का विवरण:
Details of CSR amount spent against ongoing projects for the financial year 2024-25:

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)		(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)	
क्रम सं. Sl. No.	परियोजना का नाम Name of the Project	अधिनियम की अनुसूची VII में गतिविधियों की सूची से आइटम Item from the list of activities in Schedule VII to the Act	स्थानीय क्षेत्र (हाँ/ नहीं) Local area (Yes/ No)	परियोजना का स्थान Location of the project		परियोजना अवधि Project duration	परियोजना के लिए आवंटित राशि (लाख रुपये में) Amount allocated for the project (₹ in Lakh)	चालू वित्तीय वर्ष में व्यय की गई राशि (लाख रुपये में) Amount spent in the current financial Year (₹ in Lakh)	धारा 135(6) के अनुसार परियोजना के लिए अप्रयुक्त सीएसआर खाते में हस्तांतरित राशि (लाख रुपये में) Amount transferred to Unspent CSR Account for the project as per Section 135(6) (₹ in Lakh)	कार्यान्वयन का तरीका - प्रत्यक्ष (हाँ/ नहीं) Mode of Implementation - Direct (Yes/No)	कार्यान्वयन का तरीका - कार्यान्वयन एजेंसी के माध्यम से Mode of Implementation - Through Implementing Agency	
				राज्य State	ज़िला District						नाम Name	सीएसआर पंजीकरण संख्या CSR Registration number
1.	गुजरात यूनिवर्सिटी ट्रांसप्लांटेशन साइंस, जीयूटीएस अहमदाबाद Gujarat University Transplantation Sciences (GUTs), Ahmedabad	स्वास्थ्य Health	हाँ Yes	गुजरात Gujarat	अहमदाबाद Ahmedabad	लागू नहीं N.A.	10.00	0.00	10.00	हाँ Yes	लागू नहीं N.A	लागू नहीं N.A
2.	पीएम केयर्स फंड में दान Donation to PM CARES Fund	पीएम केयर्स फंड PM CARES Fund	लागू नहीं N.A	लागू नहीं N.A	लागू नहीं N.A	लागू नहीं N.A	6.59	0.00	6.59	लागू नहीं N.A	लागू नहीं N.A	लागू नहीं N.A
	Total						**16.59**		**16.59**			

नोट्स: वर्ष के दौरान, वित्त वर्ष 2023-24 की चालू सीएसआर परियोजनाओं से ₹20.27 लाख का उपयोग किया गया। वित्त वर्ष 2023-24 के अव्ययित सीएसआर खाते में उपलब्ध शेष राशि ₹10.21 लाख (अर्थात ₹30.48 लाख-₹20.27 लाख) है।

Notes: In compliance with the provision of Section 135(6) of the Companies Act, 2013, an amount of Rs. 16.59 Lakhs, that remained unspent relating to ongoing CSR activities of FY 2024-25, was transferred to unspent CSR Account on 30.04.2025

अनुबंध- 4

कॉर्पोरेट प्रशासन पर रिपोर्ट

भारत सरकार के लोक उद्यम विभाग (डीपीई दिशानिर्देश) द्वारा जारी सीपीएसई के लिए कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर दिशानिर्देश 2010 के अनुसार, डीपीई के दिनांक 14 मई, 2010 के कार्यालय ज्ञापन संख्या 18(8)/2005-जीएम के अनुसार, प्रैक्टिसिंग कंपनी सचिव से अनुपालन प्रमाण पत्र के साथ कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर रिपोर्ट नीचे दी गई है:

1. कॉर्पोरेट प्रशासन पर कंपनी की धारणा

कॉर्पोरेट प्रशासन एक अवधारणा और प्रशासनिक ढाँचा है जो किसी व्यावसायिक इकाई के सर्वोत्तम हित में प्रबंधन हेतु बुनियादी दिशा-निर्देशों और दृष्टिकोणों को प्रस्तुत करता है। यह व्यवसाय के एक नए और रचनात्मक दृष्टिकोण को दर्शाता और निर्धारित करता है, जहाँ मूलभूत मूल्यों का एक समूह, बेहतर प्रबंधकीय नियंत्रण, मानवाधिकारों का समावेश, और व्यवसाय और समाज के बीच बेहतर समन्वय संभव हो सकता है। इसका संबंध सामाजिक और आर्थिक लक्ष्यों तथा व्यक्तिगत और सामुदायिक लक्ष्यों के बीच संतुलन बनाए रखने से है। यह अपने स्वयं के हित और जिस परिवेश में यह कार्यरत है, उसके विभिन्न घटकों के हित के बीच एक विवेकपूर्ण संतुलन बनाने के लिए एक सचेत, सुविचारित और सतत प्रणाली भी है। यह उस तरीके से संबंधित है जिससे कंपनियों को निदेशक मंडल द्वारा निर्देशित और नियंत्रित किया जाता है ताकि भविष्य के संगठन का निर्माण करने वाली कॉर्पोरेट रणनीति को उचित रूप से तैयार करके हितधारकों के हितों का सृजन और संवर्धन किया जा सके।

कॉर्पोरेट प्रशासन के संबंध में कंपनी का दर्शन पारदर्शिता, प्रकटीकरण और रिपोर्टिंग सुनिश्चित करना है जो कानूनों, विनियमों, दिशानिर्देशों के पूर्णतः अनुरूप हो तथा पूरे संगठन में नैतिक आचरण को बढ़ावा देना है।

आपकी कंपनी देश में कॉर्पोरेट प्रशासन के उच्चतम मानकों का पालन करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह कॉर्पोरेट प्रशासन संहिताओं का पूर्णतः अनुपालन करती है और बोर्ड स्वयं को विश्वास का संरक्षक मानता है तथा स्थायी एवं उत्तरदायित्वपूर्ण तरीके से धन सृजन हेतु हितधारकों के प्रति अपनी ज़िम्मेदारियों को स्वीकार करता है। आपकी कंपनी द्वारा इन आवश्यकताओं का अनुपालन निम्नलिखित अनुभाग में प्रस्तुत किया गया है।

2. निदेशक मंडल

आपकी कंपनी एक पेशेवर रूप से प्रबंधकीय कंपनी है जो निदेशक मंडल ('बोर्ड') के समग्र पर्यवेक्षण में कार्य करती है। निदेशकों का दायित्व प्रबंधन के लिए रणनीतिक उद्देश्य निर्धारित करना और यह सुनिश्चित करना है कि सुदृढ़ कॉर्पोरेट प्रशासन के सिद्धांतों का पालन और क्रियान्वयन करके सभी हितधारकों के दीर्घकालिक हितों की पूर्ति हो। कंपनी का निदेशक मंडल सुचारु कॉर्पोरेट प्रशासन सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

Annexure-4

Report on Corporate Governance

The report on Corporate Governance along with the Compliance Certificate from the Practicing Company Secretary, as per the Guidelines on Corporate Governance for CPSEs 2010 issued by the Department of Public Enterprises, Government of India (DPE Guidelines), vide DPE's OM No. 18(8)/2005-GM dated 14 May, 2010, is given below:

1. Company's Philosophy on Corporate Governance

Corporate Governance is a concept and administrative framework to introduce basic directions and viewpoints for managing a business unit with best interest. It shows and determines a new and creative vision of business, where a set of core values, better managerial control, compassing human rights, making better coordination between business and society may be possible. It is concerned with holding the balance between social and economic goals and between individual and communal goals. It is also a conscious, deliberate and sustained system to make a judicious balance between its own interest and the interest of various constituents in the environment in which it is operating. It deals with the manner in which companies are directed and controlled by the Board of Directors in order to create and enhance stakeholders' value by appropriately crafting the corporate strategy that creates tomorrow's organization.

The philosophy of the Company in relation to Corporate Governance is to ensure transparency, disclosures and reporting that conforms fully with laws, regulations, guidelines and to promote ethical conduct throughout the organization.

Your Company is committed to conforming to the highest standards of Corporate Governance in the country. It is fully complied with the Corporate Governance Codes and the Board considers itself as the custodian of trust and acknowledges its responsibilities towards stakeholders for wealth creation, sustainably and responsibly. Your Company's compliance with these requirements is presented in the following section.

2. Board of Directors

Your Company is a professionally managed Company functioning under the overall supervision of the Board of Directors ('Board'). The Directors are responsible to set strategic objectives for the management and to ensure that the long term interests of all stakeholders are served by adhering to and enforcing the principles of sound corporate governance. The Board of Directors of the Company plays a pivotal role in ensuring good Corporate Governance.

क) निदेशक मंडल की संरचना:

पीडीआईएल भारत सरकार के रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के अंतर्गत एक सरकारी कंपनी है। कंपनी के बोर्ड की संरचना कंपनी अधिनियम, 2013 (अधिनियम) और डीपीई दिशानिर्देशों के प्रावधानों द्वारा शासित होती है। एक सरकारी कंपनी होने के नाते और कंपनी के संघ के अनुच्छेदों के अनुसार, निदेशकों की नियुक्ति का अधिकार भारत के राष्ट्रपति के पास निहित है।

31 मार्च, 2025 तक, पीडीआईएल के बोर्ड में पाँच (5) निदेशक हैं, जिनमें से दो (2) कार्यात्मक निदेशक हैं, जिनमें अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) और निदेशक (वित्त) शामिल हैं; एक (1) सरकारी नामित निदेशक हैं और दो (2) अंशकालिक गैर-सरकारी (स्वतंत्र) निदेशक हैं। वर्तमान में, पूर्णकालिक अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) और निदेशक (वित्त) का पद रिक्त है। सीएमडी और निदेशक (वित्त) दोनों अतिरिक्त प्रभार में हैं।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, एक सरकारी नामित निदेशक और एक अंशकालिक गैर-सरकारी (स्वतंत्र) निदेशक की सेवानिवृत्ति हुई।

31.03.2025 तक निदेशकों द्वारा धारित अन्य निदेशक पद/समिति सदस्यों अर्थात लेखा परीक्षा समिति, हितधारक संबंध समिति और नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति की संख्या के संबंध में बोर्ड के सदस्यों का विवरण नीचे दिया गया है:

a) Composition of Board of Directors:

PDIL is a Government Company under the administrative control of the Ministry of Chemicals and Fertilizers, Government of India. The composition of the Board of the Company is governed by the provisions of the Companies Act, 2013 (the Act) and DPE Guidelines. Being a Government Company and as per the Articles of Association of the Company, the power to appoint Directors vest with the President of India.

As on March 31, 2025, the Board of PDIL has five (5) directors of which two (2) are functional Directors including Chairman & Managing Director (CMD) and Director (Finance); one (1) is Government Nominee Directors and two (2) are Part-time Non-official (Independent) Director. Presently, the post of full-time Chairman & Managing Director (CMD) and Director (Finance) are vacant. Both CMD and Director (Finance) are in additional charges.

During the Financial Year 2024-25, there is retirement of one Government Nominee Director and one part-time Non-official (Independent) Director.

Details of members of the Board regarding number of other directorship/ Committee Members viz., Audit Committee, Stakeholders Relationship Committee and Nomination & remuneration Committee, held by Directors as on 31.03.2025 are given below:

क्रम सं. Sl. No.	निदेशक का नाम Name of Director	पदनाम Designation	अन्य कंपनियों में धारित अन्य निदेशक-पदों की संख्या No. of other director-ship held in other Companies	अन्य कंपनियों में समिति सदस्यता की संख्या No. of Committee membership in other Companies	
				अध्यक्ष के रूप में As Chairman	सदस्य के रूप में As member
आधिकारिक निदेशक: Official Directors:					
1	डॉ. यू. सरवणन, (डीआईएन: 07274628) Dr. U. Sarvanan, (DIN : 07274628)	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक Chairman & Managing Director	3	शून्य Nil	2
2	श्री हीरा नन्द (डीआईएन: 09476034) Shri Hira Nand (DIN : 09476034)	निदेशक (वित्त) Director (Finance)	3	1	1
सरकार द्वारा नामित निदेशक: Government Nominee Director:					
3	सुश्री लाबोनी दास दत्ता (डीआईएन: 10776673) Ms Laboni Das Dutta (DIN: 10776673)	अंशकालिक निदेशक 14.09.2024 से प्रभावी Part Time Director w.e.f. 14.09.2024	शून्य Nil	शून्य Nil	शून्य Nil

क्रम सं. Sl. No.	निदेशक का नाम Name of Director	पदनाम Designation	अन्य कंपनियों में धारित अन्य निदेशक-पदों की संख्या No. of other director-ship held in other Companies	अन्य कंपनियों में समिति सदस्यता की संख्या No. of Committee membership in other Companies	
				अध्यक्ष के रूप में As Chairman	सदस्य के रूप में As member
गैर-सरकारी (स्वतंत्र) निदेशक: Non-Official (Independent) Director:					
4	डॉ. अनिल मीठालाल पटेल (डीआईएन: 07103448) Dr. Anil Mithalal Patel (DIN: 07103448)	अंशकालिक (स्वतंत्र) निदेशक Part Time (Independent) Director	शून्य Nil	शून्य Nil	शून्य Nil
5	श्री मिलिंद एस पाटिल (डीआईएन: 10217528) Shri Milind S Patil (DIN: 10217528)	अंशकालिक (स्वतंत्र) निदेशक Part-time (Independent) Director	शून्य Nil	शून्य Nil	शून्य Nil

नोट

1. अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) का पद 7 नवंबर, 2016 से रिक्त है। पीडीआईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के पद का अतिरिक्त प्रभार पहले ही डॉ. यू. सरवणन, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (डीआईएन: 07274628), एनएफएल को उर्वरक विभाग के आदेश संख्या 80/01/2014-एचआर-I दिनांक 13 अक्टूबर, 2023 के अनुसार सौंपा जा चुका है, जिसे 1 नवंबर, 2024 से एक वर्ष की अवधि के लिए आगे बढ़ा दिया गया है।
2. निदेशक (वित्त) का पद 18 दिसंबर, 2021 से रिक्त है। पीडीआईएल के निदेशक (वित्त) के पद का अतिरिक्त प्रभार पहले ही श्री हीरा नंद, निदेशक (वित्त), एनएफएल को उर्वरक विभाग के आदेश संख्या 80/03/2014-एचआर-पीएसयू(ई-28125) दिनांक 13.02.2024 के तहत सौंपा जा चुका है, जिसे 9 अगस्त, 2024 से एक वर्ष की अवधि के लिए आगे बढ़ा दिया गया है।
3. रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के उर्वरक विभाग की निदेशक डॉ. लाबोनी दास दत्ता को उर्वरक विभाग के आदेश संख्या 95/1/2019-एचआर-पीएसयू भाग-2 (ई-31042) दिनांक 12 जुलाई, 2024 के अनुसार श्री पदमसिंह प्रदीपसिंह पाटिल के स्थान पर सरकारी नामित निदेशक नियुक्त किया गया है। उन्हें 14.09.2024 से पीडीआईएल के बोर्ड में अंशकालिक सरकारी नामित निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है।
4. लेफ्टिनेंट जनरल विश्वम्भर सिंह, (डीआईएन: 09461326) उर्वरक विभाग के आदेश संख्या 78/2/2006-एचआर-पीएसयू (भाग) दिनांक 23 दिसंबर, 2021 के अनुसार अपनी नियुक्ति अवधि पूरी होने के बाद 22 दिसंबर, 2024 से पीडीआईएल के अंशकालिक गैर-आधिकारिक (स्वतंत्र) निदेशक के रूप में सेवानिवृत्त हुए।
5. श्री उज्ज्वल कुमार, (डीआईएन: 09340001) उर्वरक विभाग के आदेश संख्या 95/1/2019-एचआर-पीएसयू (भाग-2) (ई-31042) के अनुसार 18 फरवरी, 2025 से कंपनी के सरकारी नामित निदेशक के पद से सेवानिवृत्त हुए।

Note:

1. The post of Chairman & Managing Director (CMD) is vacant since November 7, 2016. The additional charge of the post of Chairman & Managing Director of PDIL has already assigned to Dr. U. Saravanan, Chairman & Managing Director (DIN: 07274628), NFL in terms of DoF Order No. 80/01/2014-HR-I dated October 13, 2023, which has further extended for a period of one year with effect from November 1, 2024.
2. The post of Director (Finance) is vacant since December 18, 2021. The additional charge of the post of Director (Finance) of PDIL has already assigned to Shri Hira Nand (DIN: 09476034) Director (Finance), NFL in term of DoF Order No. 80/03/2014-HR- PSU(e-28125) dt. 13.02.2024, which has further extended for a period of one year with effect from August 9, 2024.
3. Dr. Laboni Das Dutta (DIN: 10716673) Director, DoF, Ministry of Chemicals & Fertilizers appointed as Govt. Nominee Director vice Shri Padamsing Pradipsing Patil, in terms of DoF order no.95/1/2019-HR-PSU Part-2 (e-31042) dated July 12, 2024. She was appointed as part-time Government Nominee Director on the Board of PDIL w.e.f. 14.09.2024.
4. Lt Gen. Vishwambhar Singh, (DIN: 09461326) retired as part-time Non-official (Independent) Director of PDIL w.e.f. December 22, 2024, following the completion of his appointment period in terms of DoF Order no. 78/2/2006-HR-PSU (part.) dated December 23, 2021.
5. Shri Ujjwal Kumar, (DIN: 09340001) retired as Govt Nominee Director of the Company w.e.f. February 18, 2025 in terms of DoF Order no.95/1/2019-HR-PSU (Part-2) (e-31042).

ख) बोर्ड की बैठक और उपस्थिति

निदेशक मंडल नियमित अंतराल पर कंपनी के परिचालन एवं वित्तीय प्रदर्शन, ऑर्डर बुक की स्थिति की समीक्षा, व्यावसायिक विकास हेतु रणनीतियाँ तैयार करने, नियामक अनुपालन सुनिश्चित करने, वित्तीय परिणामों एवं बजटों को अनुमोदित करने तथा आंतरिक नीतियों एवं प्रणालियों के निर्माण/समीक्षा हेतु बैठकें करता है। वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान, निदेशक मंडल की पाँच बैठकें आयोजित की गईं।

वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान आयोजित बोर्ड बैठक में निदेशकों की उपस्थिति का विवरण नीचे दिया गया है:

बैठक की तिथि	बैठक का स्थान	बोर्ड की संख्या	उपस्थित निदेशकों की संख्या
18 जून, 2024	नोएडा	7	6
29 जुलाई, 2024	नोएडा	6	6
18 सितंबर, 2024	नोएडा	7	6
19 दिसंबर, 2024	श्रीनगर (जम्मू-कश्मीर)	7	7
27 मार्च, 2025	नोएडा	5	5

b) Meeting of Board and Attendance

The Board of Directors meets at regular intervals to review the Company's operational & financial performance, order book status, formulate strategies for business development, ensure regulatory compliance, approve financial results & budgets and formulate/ review internal policies and systems. During FY 2024-25, five meetings of the Board of Directors were held.

Details of attendance of the Directors at the Board Meeting held during FY 2024-25 are furnished below:

Date of Meeting	Place of Meeting	Board Strength	No. of Directors present
June 18, 2024	Noida	7	6
July 29, 2024	Noida	6	6
September 18,2024	Noida	7	6
December 19,2024	Srinagar (J&K)	7	7
March 27, 2025	Noida	5	5

नीचे दी गई तालिका वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान आयोजित बोर्ड बैठकों में बोर्ड सदस्यों की उपस्थिति और पिछली वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में उनकी उपस्थिति दर्शाती है:

The table below shows attendance of the Board members at the Board Meetings held during the FY 2024-25 and their attendance in the last Annual General Meeting (AGM):

क्रम सं. Sl. No.	निदेशकों का नाम Name of Directors	वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान भाग लेने के पात्र कुल बोर्ड बैठकें Total Board Meetings entitled to attend during FY 2024-25	उपस्थित बोर्ड बैठकों की संख्या No. of Board Meetings attended	30 सितंबर 2024 को आयोजित अंतिम वार्षिक आम बैठक में उपस्थिति Attendance at last AGM held on 30th September 2024
1	डॉ. यू. सरवणन Dr. U. Sarvanan	5	5	हाँ Yes
2	श्री हीरा नंद Shri Hira Nand	5	5	हाँ Yes
3	श्री उज्जवल कुमार 18.02.2025 तक Shri Ujjwal Kumar till 18.02.2025	4	4	हाँ Yes
4	श्री पदमसिंग प्रदीपसिंग पाटिल 12.07.2024 तक Shri Padamsing Pradipsing Patil till 12.07.2024	1	1	लागू नहीं N.A.
5	सुश्री लाबोनी दास दत्ता 14.09.2024 से Ms Laboni Das Dutta w.e.f. 14.09.2024	3	2	नहीं No
6	लेफ्टिनेंट जनरल विश्वम्भर सिंह 22.12.2024 तक Lt. Gen Vishwambhar Singh till 22.12.2024	4	4	हाँ Yes
7	डॉ. अनिल मीठालाल पटेल Dr. Anil Mithalal Patel	5	5	हाँ Yes
8	श्री मिलिंद एस पाटिल Shri Milind S Patil	5	3	हाँ Yes

ग) बोर्ड की समितियाँ

निदेशक मंडल ने कंपनी के दैनिक कार्यों के प्रबंधन में सहायता करने और निर्णय लेने की प्रक्रिया को सुचारू एवं कुशल बनाने के लिए विभिन्न समितियों का गठन किया है। बोर्ड समिति के कार्यक्षेत्र समय-समय पर बोर्ड द्वारा निर्धारित किए जाते हैं। बोर्ड ने निदेशक मंडल की निम्नलिखित अनिवार्य समितियों का गठन/पुनर्गठन किया है:

(i) लेखा परीक्षा समिति;

(ii) नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति और

(iii) कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व समिति

लेखा परीक्षा समिति:

लेखा परीक्षा समिति की संरचना, कोरम, भूमिका, संदर्भ की शर्तें, कार्यक्षेत्र आदि कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 177 और समय-समय पर संशोधित डीपीई कॉर्पोरेट गवर्नेंस दिशानिर्देश, 2010 के अनुसार हैं। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, लेखा परीक्षा समिति की पाँच (5) बैठकें हुईं, अर्थात् 18 जून 2024, 29 जुलाई 2024, 18 सितंबर 2024, 18 दिसंबर 2024 और 27 मार्च 2025 को। समिति की संरचना और समिति की बैठक में सदस्यों की उपस्थिति इस प्रकार है:

c) Committees of the Board

The Board of Directors has constituted various Committees to assist in the management of day to day affairs of the Company and to facilitate smooth and efficient flow of decision making process. The terms of reference of the Board Committee are determined by the Board from time to time. The Board has constituted/ reconstituted the following mandatory Committees of the Board of Directors:

(i) Audit Committee;

(ii) Nomination and Remuneration Committee and

(iii) Corporate Social Responsibility Committee

Audit Committee:

The composition, quorum, role, terms of reference, scope etc. of the Audit Committee are in accordance with Section 177 of the Companies Act, 2013 and DPE Corporate Governance Guidelines, 2010 as amended from time to time. During the year under review, the Audit Committee met five (5) times i.e. on June 18 2024, July 29, 2024, September 18, 2024, December 18, 2024 and March 27, 2025. The composition of the Committee and attendance of the members at the Committee meeting are as under:

क्रम सं. Sl. No.	निदेशक का नाम Name of the Director	श्रेणी/स्थिति Category/Status	बैठक की तारीख Meeting date					वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान भाग लेने के पात्र बैठकों की कुल संख्या Total number of meetings entitled to attend during FY 2024-25	उपस्थित बैठकों की संख्या Number of meetings attended
			18.06.2024	29..07.2024	18.09.2024	18.12.2024	27.03.2025		
1	लेफ्टिनेंट जनरल विश्वम्भर सिंह Lt. Gen Vishwambhar Singh	स्वतंत्र/अध्यक्ष 22.12.2024 तक Independent/ Chairman Upto 22.12.2024	√	√	√	√	-	4	4
2	एडवोकेट मिलिंद एस पाटिल Adv. Milind S Patil	स्वतंत्र/अध्यक्ष 27.03.2025 से प्रभावी Independent/ Chairman w.e.f. 27.03.2025	√	×	√	√	√	5	4
3	डॉ. अनिल एम पटेल Dr. Anil M Patel	स्वतंत्र/सदस्य Independent/ Member	√	√	√	√	√	5	5
4	श्री उज्ज्वल कुमार Shri Ujjwal Kumar	सरकारी नामित/सदस्य 18.02.2025 तक Government Nominee/ Member Upto 18.02.2025	√	√	√	√	-	4	4
5	श्री पदमसिंग प्रदीपसिंग पाटिल Shri Padamsing Pradipsing Patil	सरकारी नामित/सदस्य 12.07.2024 तक Government Nominee/ Member Upto 12.07.2024	√	-	-	-	-	1	1
6	सुश्री लाबोनी दास दत्ता Ms Laboni Das Dutta	सरकारी नामित/सदस्य 14.09.2024 से प्रभावी Government Nominee/ Member w.e.f. 14.09.2024	-	-	√	√	√	3	3

नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति

डीपीई दिशानिर्देशों के अनुसार, प्रत्येक केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम को वार्षिक बोनस/परिवर्तनीय वेतन पूल और अधिकारियों एवं गैर-संघीय पर्यवेक्षकों के बीच इसके वितरण की नीति तय करने के लिए एक स्वतंत्र निदेशक की अध्यक्षता में एक नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति का गठन करना आवश्यक है। बोर्ड ने एक नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति का गठन किया है। कंपनी, एक केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम होने के नाते, निदेशकों की नियुक्ति, कार्यकाल और पारिश्रमिक का निर्णय भारत सरकार के उर्वरक विभाग द्वारा किया जाता है। स्वतंत्र निदेशकों को कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत निर्धारित सीमा के भीतर बोर्ड/समिति की बैठकों में भाग लेने के लिए बैठक शुल्क का भुगतान किया जाता है। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति की संरचना उचित और लागू प्रावधानों के अनुरूप थी।

22.12.2024 को लेफ्टिनेंट जनरल विश्वम्भर सिंह, गैर-सरकारी (स्वतंत्र) निदेशक और 18.02.2025 को अंशकालिक सरकारी नामित निदेशक श्री उज्ज्वल कुमार का कार्यकाल पूरा होने के बाद, 27 मार्च, 2025 से नामांकन और पारिश्रमिक समिति का पुनर्गठन किया गया है।

31.03.2025 तक नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति के सदस्यों की संरचना निम्नानुसार है:

क्रम सं.	निदेशक का नाम	श्रेणी/स्थिति
1	एडवोकेट मिलिंद एस. पाटिल	स्वतंत्र/अध्यक्ष
2	डॉ. अनिल एम. पटेल	स्वतंत्र/सदस्य
3	सुश्री लाबोनी दास दत्ता	सरकारी नामित/सदस्य

वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति की कोई बैठक आयोजित नहीं की गई।

कॉर्पोरेट सामाजि क उत्तरदायित्व समिति :

बोर्ड स्तर पर निगमित सामाजिक एवं उत्तरदायित्व समिति (सीएसआर) का गठन पहली बार 20 मई, 2013 को किया गया था और उसके बाद समय-समय पर समिति का पुनर्गठन किया गया।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, सीएसआर समिति की पांच (5) बार बैठक हुई, अर्थात 18 जून, 2024, 29 जुलाई, 2024, 18 सितंबर, 2024, 18 दिसंबर, 2024 और 27 मार्च, 2025 को। समिति की बैठक में सदस्यों की संरचना और उपस्थिति निम्नानुसार है:

Nomination & Remuneration Committee

In terms of the DPE Guidelines, every Central Public Sector Enterprise is required to constitute a Nomination & Remuneration Committee headed by an Independent Director to decide the Annual Bonus/Variable Pay Pool and policy for its distribution across the executives and non-unionized supervisors. The Board has constituted a Nomination and Remuneration Committee. The Company, being a Central Public Sector Enterprise, the appointment, tenure and remuneration of Directors are decided by the Department of Fertilizers, Government of India. Independent Directors are paid sitting fees for attending the Board/ Committee Meetings within the ceiling fixed under the Companies Act, 2013. During the year under review, the composition of Nomination & Remuneration Committee was proper and in compliance with the applicable provisions

Following the completion of the tenure of Lt. Gen Vishwambhar Singh, Non-Official (Independent) Director as on 22.12.2024 & Shri Ujjwal Kumar, part time Govt. Nominee Director as on 18.02.2025, the Nomination & Remuneration Committee has been reconstituted w.e.f. March 27, 2025.

The composition of the members of the Nomination & Remuneration Committee as on 31.03.2025 are as under:

Sl. No.	Name of the Director	Category/Status
1	Adv. Milind S. Patil	Independent/ Chairman
2	Dr Anil M. Patel	Independent/ Member
3	Ms Laboni Das Dutta	Government Nominee/ Member

No meeting of Nomination and Remuneration Committee was held during the FY 2024-25.

CSR Committee:

Corporate Social & Responsibility Committee (CSR) Committee at Board Level was first constituted on May 20, 2013 and then the Committee has been reconstituted from time to time.

During the year under review, the CSR Committee met five (5) times i.e. on June 18, 2024, July 29, 2024 , September 18, 2024, December 18, 2024 & March 27, 2025. The composition and attendance of the members at the Committee meeting are as under:

क्रम सं. Sl. No.	निदेशक का नाम Name of the Director	श्रेणी/स्थिति Category/Status	बैठक की तारीख Meeting date					वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान भाग लेने के पात्र बैठकों की कुल संख्या Total number of meetings entitled to attend during FY 2024-25	उपस्थित बैठकों की संख्या Number of meetings attended
			18.06.2024	29..07.2024	18.09.2024	18.12.2024	27.03.2025		
1	डॉ. अनिल एम. पटेल Dr. Anil M Patel	स्वतंत्र/अध्यक्ष Independent/ Chairman	√	√	√	√	√	5	5
2	एडवोकेट मिलिंद एस. पाटिल Adv. Milind S Patil	स्वतंत्र/सदस्य Independent/ Member	×	√	×	√	√	5	3
3	लेफ्टिनेंट जनरल विश्वम्भर सिंह Lt. Gen Vishwambhar Singh	स्वतंत्र / सदस्य 22.12.2024 तक Independent /Member Upto 22.12.2024	√	√	√	√	-	4	4
4	श्री उज्ज्वल कुमार Shri Ujjwal Kumar	सरकारी नामित/सदस्य 18.02.2025 तक Government Nominee/ Member Upto 18.02.2025	√	√	√	√	-	4	4
5	हीरा नंद Hira Nand	निदेशक (वित्त)/सदस्य Director (Finance)/ Member	√	√	√	√	√	5	5

स्वतंत्र निदेशकों की बैठक:

27 मार्च, 2025 को स्वतंत्र निदेशकों की एक अलग बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में सभी स्वतंत्र निदेशकों ने भाग लिया। इस बैठक में, स्वतंत्र निदेशकों ने विस्तार से विचार-विमर्श किया और इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि कंपनी प्रबंधन और बोर्ड के बीच सूचना के प्रवाह की गुणवत्ता, मात्रा और समय-सीमा, बोर्ड द्वारा अपने कर्तव्यों का प्रभावी और उचित ढंग से निर्वहन करने के लिए पर्याप्त थी।

शेयरधारक/निवेशक शिकायत समिति

पीडीआईएल एक सरकारी कंपनी है और इसकी संपूर्ण शेयर पूंजी भारत के राष्ट्रपति और उनके द्वारा नामित व्यक्तियों के पास है। इसलिए, ऐसी किसी समिति के गठन की आवश्यकता नहीं है।

3. सामान्य नि काय की बैठक

क) वार्षिक सामान्य बैठक (एजीएम)

पिछले तीन वर्षों के दौरान आयोजित ऐसी बैठकों का विवरण निम्नानुसार है:

Meeting of Independent Directors:

A separate meeting of the Independent Director was held on 27th March, 2025. The meeting was attended by all Independent Directors. In this meeting, the Independent Directors deliberated in detail and came to the conclusion that the quality, quantity and timeline of the flow of the information between the Company management and the Board was adequate for the Board to effectively and reasonably perform their duties.

Share holders/Investors Grievance Committee

PDIL is a Government Company and the entire share capital is held by President of India and his nominees. Hence, no such committee is required to be constituted.

3. General Body Meeting

a) Annual General Meeting (AGM)

The details of such meetings held during the last three years as under:

क्रम सं. Sl. No.	वर्ष Year	स्थान Location	दिनांक एवं समय Date & Time	क्या कोई विशेष प्रस्ताव पारित हुआ Whether any Special resolution passed
1	2021-22	पीडीआईएल, नोएडा PDIL, Noida	31.12.2022 को स्थगित एजीएम और 06.03.2023 को स्थगित 31.12.2022 and adjourned AGM on 06.03.2023	नहीं No
2	2022-23	पीडीआईएल, नोएडा PDIL, Noida	28.12.2023 दोपहर 2.30 बजे 28.12.2023 at 2.30 P.M.	नहीं No
3	2023-24	पीडीआईएल, नोएडा PDIL, Noida	30.09.2024 अपराह्न 3.30 बजे 30.09.2024 at 3.30 P.M.	नहीं No

ख) असाधारण आम बैठक (ईजीएम)

पिछले वर्ष सदस्यों की कोई असाधारण आम बैठक आयोजित नहीं की गई थी

4. सहायक कंपनी

कंपनी की कोई सहायक कंपनी नहीं है।

5. प्रकटीकरण

क) संबंधित पक्ष लेनदेन का कोई मामला नहीं था, जिससे कंपनी के हितों के साथ संभावित टकराव हो सकता हो।

ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान सरकार द्वारा जारी किसी भी दिशा-निर्देश से संबंधित किसी भी मामले में कंपनी द्वारा गैर-अनुपालन का कोई मामला सामने नहीं आया है और किसी भी वैधानिक प्राधिकरण द्वारा कंपनी पर कोई जुर्माना/निषेध नहीं लगाया गया है।

ग) कंपनी ने सीपीएसई के लिए कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर डीपीई दिशानिर्देशों की सभी अनिवार्य आवश्यकताओं का अनुपालन किया है, सिवाय कुछ के, जिनका उल्लेख कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर अनुपालन रिपोर्ट में किया गया है।

घ) कंपनी के पास वैधानिक और प्रक्रियात्मक अनुपालन की निगरानी के लिए प्रणालियाँ मौजूद हैं। बोर्ड ने इसकी स्थिति की रिपोर्ट दी है ताकि कंपनी पर लागू सभी कानूनों का उचित अनुपालन सुनिश्चित किया जा सके।

ङ) कंपनी की सम्पूर्ण चुकता शेयर पूंजी भारत के राष्ट्रपति और उनके नामितियों के नाम पर रखी जाती है।

च) वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान लेखा पुस्तकों में कोई भी व्यय डेबिट नहीं किया गया जो व्यवसाय के प्रयोजनों के लिए नहीं है।

छ) कोई भी ऐसा व्यय नहीं किया गया जो कार्मिक प्रकृति का हो तथा निदेशक मंडल और शीर्ष प्रबंधन के लिए किया गया हो।

ज) 31 मार्च 2025 तक कंपनी का कोई भी निदेशक आपस में संबंधित नहीं है।

b) Extra Ordinary General Meeting (EGM)

No Extra-ordinary General Meeting of the Members was held during the last year

4. Subsidiary Company

The Company is not having any subsidiary Company.

5. Disclosures

a) There were no cases of related party transactions that may have potential conflict with the interest of the Company at large.

b) There have been no instances of non-compliance by the Company and no penalties/strictures imposed on the Company by any statutory authority in any matters related to any Guidelines issued by Government during the last three years.

c) The Company has complied with all the mandatory requirements of DPE Guidelines on Corporate Governance for CPSEs except some, which are mentioned in Compliance Report on Corporate Governance.

d) The Company has systems in place for monitoring statutory and procedural compliance. The Board has reported the status of the same so as to ensure proper compliance of all laws applicable to the Company.

e) The entire paid up share capital of the Company is held in the name of the President of India and his Nominees.

f) No Expenditures were debited in the Books of Accounts during the Financial Year 2024-25 which are not for the purposes of the Business.

g) No expenses had been incurred which are personnel in nature and incurred for the Board of Directors and the top Management.

h) None of the Directors of the Company are inter-se related as on March 31, 2025.

झ) किसी भी निदेशक ने कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 164 के तहत कोई अयोग्यता नहीं की है।

6. कॉर्पोरेट प्रशासन का अनुपालन

यह रिपोर्ट वर्ष 2024-2025 के लिए कॉर्पोरेट गवर्नेंस रिपोर्ट में प्रकट किए जाने वाले डेटा के संबंध में कानूनी आवश्यकताओं का विधिवत अनुपालन करती है।

कॉर्पोरेट प्रशासन की शर्तों के अनुपालन के संबंध में कार्यरत कंपनी सचिव से प्राप्त प्रमाण पत्र बोर्ड रिपोर्ट के अनुलग्नक 5 के रूप में दिया गया है।

7. संचार के साधन

पीडीआईएल की वर्ष 2024-25 की वार्षिक रिपोर्ट कंपनी की वेबसाइट www.pdilin.com पर उपलब्ध है।

पत्राचार के लिए पता:

कंपनी के पंजीकृत कार्यालय का पता है:
प्रोजेक्ट्स एंड डेवलपमेंट इंडिया लिमिटेड
पीडीआईएल भवन, ए-14, सेक्टर-1,
नोएडा, उत्तर प्रदेश -201301
संपर्क नंबर: 0120-2529842/43/47/51
ईमेल आईडी:Noida@pdilin.com
वेबसाइट:www.pdilin.com.

8. आचार संहिता

कंपनी ने बोर्ड के सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन के लिए एक आचार संहिता लागू की है और इसे कंपनी की वेबसाइट पर पोस्ट किया गया है। वर्ष 2024-25 के दौरान सभी बोर्ड सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन सदस्यों द्वारा आचार संहिता के अनुपालन की पुष्टि करते हुए अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित घोषणापत्र बोर्ड रिपोर्ट के **अनुलग्नक 6** में दिया गया है।

ह/-
(डॉ. यू. सरवणन)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
(डीआईएन: 07274628)

स्थान: नोएडा
दिनांक: 10.09.2025

i) None of the Directors have committed any disqualification as provided under Section 164 of the Companies Act, 2013

6. Compliance on Corporate Governance

This Report duly complies with the legal requirements in respect of data that should be disclosed in a corporate governance report for the year 2024-2025.

Certificate obtained from a Practicing Company Secretary regarding compliance of the conditions of Corporate Governance is placed as **Annexure 5** to the Board Report.

7. Means of communication

The Annual Report for the year 2024-25 of PDIL is available on the Company's website www.pdilin.com.

Address for Correspondence:

The address of registered office of the Company is:
Projects and Development India Limited
PDIL Bhawan, A-14, Sector-1,
Noida, Uttar Pradesh -201301
Contact no. : 0120-2529842/43/47/51
Email id: Noida@pdilin.com
Website: www.pdilin.com.

8. Code of Conduct

The Company has in place a Code of Conduct for Board Members and for Senior Management of the Company and posted on the website of the Company. The declaration signed by Chairman affirming receipt of compliance with the Code of Conduct from all the Board members and Members of Senior Management during the year 2024-25 is placed at **Annexure 6** to the Board Report

Sd/-
(Dr. U. Saravanan)
Chairman & Managing Director
(DIN: 07274628)

Place: Noida
Date: 10.09.2025

अनुबंध - 5

कॉर्पोरेट प्रशासन अनुपालन प्रमाणपत्र

सेवा में,
सदस्यगण
प्रोजेक्ट्स एंड डेवलपमेंट इंडिया लिमिटेड।
CIN: U74140UP1978GOI028629
पीडीआईएल भवन ए-14 सेक्टर-1 नोएडा यूपी- 201301.

हमने **31 मार्च, 2025** को समाप्त वर्ष के लिए **प्रोजेक्ट्स एंड डेवलपमेंट इंडिया लिमिटेड** ('कंपनी') द्वारा कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर दिशानिर्देशों के अनुपालन की जांच की है, जैसा कि **कॉर्पोरेट गवर्नेंस के लिए भारत सरकार के सार्वजनिक उद्यम विभाग, भारी उद्योग और सार्वजनिक उद्यम मंत्रालय** द्वारा जारी **अधिसूचना संख्या 18(8)/2005-जीएम दिनांक 14 मई, 2010** में निर्धारित किया गया है।

कॉर्पोरेट प्रशासन के दिशानिर्देशों का अनुपालन प्रबंधन की ज़िम्मेदारी है। हमारी जाँच कॉर्पोरेट प्रशासन की शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए कंपनी द्वारा अपनाई गई प्रक्रियाओं और उनके कार्यान्वयन तक सीमित थी। यह न तो कंपनी के वित्तीय विवरणों का ऑडिट है और न ही राय की जाँच।

हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार, हमें दिए गए स्पष्टीकरणों और निदेशकों एवं प्रबंधन द्वारा प्रस्तुत अभ्यावेदन के अनुसार, हम प्रमाणित करते हैं कि कंपनी ने केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों के लिए कॉर्पोरेट प्रशासन दिशानिर्देश, 2010 में निर्धारित और उल्लिखित कॉर्पोरेट प्रशासन की शर्तों का पालन किया है। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, एक सरकारी नामित निदेशक और एक अंशकालिक गैर-सरकारी (स्वतंत्र) निदेशक की सेवानिवृत्ति दर्ज की गई। वित्तीय वर्ष के अंत तक ये पद रिक्त रहे।

हम यह भी अवगत कराते हैं कि इस तरह का अनुपालन न तो कंपनी की भविष्य की व्यवहार्यता के बारे में आश्वासन है और न ही उस दक्षता और प्रभावशीलता के बारे में जिसके साथ प्रबंधन ने कंपनी के मामलों का संचालन किया है।

जे.के. दास एंड एसोसिएट्स, कंपनी सचिवों के लिए

ह/-
सीएस जे.के. दास
साझेदार
सी. पी. नं. 4250
सदस्यता संख्या FCS 7268
सहकर्मी समीक्षा प्रमाणपत्र संख्या 1748/2022
यूडीआईएन: F007268G000938737

दिनांक: 05/08/2025
स्थान: कोलकाता

Annexure - 5

CORPORATE GOVERNANCE COMPLIANCE CERTIFICATE

To,
TheMembers
Projects And Development India Limited.
CIN:U74140UP1978GOI028629
PDIL Bhawan A-14 Sector-1Noida UP-201301.

We have examined the compliance of guidelines on Corporate Governance by **Projects And Development India Limited** ('the Company') for the year ended on **31st March, 2025** as stipulated in **Notification No 18(8)/2005-GM dated 14th May, 2010** issued by **Ministry of Heavy Industry and Public Enterprises, Department of Public Enterprises, Government of India for Corporate Governance.**

The compliance of guidelines of Corporate Governance is the responsibility of the management. Our examination was limited to procedures and implementation thereof, adopted by the Company for ensuring the compliance of the conditions of Corporate Governance. It is neither an auditor examination of opinion on the financial statements of theCompany.

In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, and the representation made by the Directors and the Management, we certify that the Company has complied with the conditions of corporate Governance as stipulated and mentioned in Guidelines on Corporate Governance for Central Public Sector Enterprises 2010. During the year under review, the retirement of one Government Nominee Director and onepart-time Non-official (Independent) Director was recorded. The posts remained vacant as of end of the financial year.

We further state that such compliance is neither an assurance as to the future viability of the company nor the efficiency and effectiveness with which the management has conducted the affairs of the Company.

For J.K. Das & Associates,Company Secretaries

Sd/-
CS J.K. Das
Partner
C.P.No.4250
MembershipNo.FCS7268
Peer Review Certificate No.1748/2022
UDIN:F007268G000938737

Date :05/08/2025
Place:Kolkata

अनुबंध - 6

घोषणा

सीपीएसई के लिए कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर डीपीई दिशानिर्देशों के अनुसार, यह पुष्टि की जाती है कि सभी बोर्ड सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन कर्मियों ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए कंपनी की आचार संहिता के अनुपालन की पुष्टि की है।

ह/-
(डॉ. यू. सरवणन)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
डीआईएन: 07274628

स्थान: नोएडा
दिनांक: 30.04.2025

Annexure - 6

DECLARATION

As per DPE Guidelines on Corporate Governance for CPSEs, this is to confirm that all Board Members and Senior Management personnel have affirmed compliance with the Code of Conduct of the Company for the financial year 2024-25.

Sd/-
(Dr. U. Saravanan)
Chairman & Managing Director
DIN: 07274628

Place: Noida
Date: 30.04.2025

अनुबंध - 7

31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए प्रोजेक्ट्स एंड डेवलपमेंट इंडिया लिमिटेड के वित्तीय विवरणों पर कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143(6) (बी) के तहत भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की टिप्पणियाँ

कंपनी अधिनियम, 2013 (अधिनियम) के तहत निर्धारित वित्तीय रिपोर्टिंग ढांचे के अनुसार, 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए प्रोजेक्ट्स एंड डेवलपमेंट इंडिया लिमिटेड के वित्तीय विवरणों को तैयार करना कंपनी के प्रबंधन की ज़िम्मेदारी है। अधिनियम की धारा 139(5) के तहत भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा नियुक्त वैधानिक लेखा परीक्षक, अधिनियम की धारा 143(10) के तहत निर्धारित लेखापरीक्षा मानकों के अनुसार स्वतंत्र लेखापरीक्षा के आधार पर अधिनियम की धारा 143 के तहत वित्तीय विवरणों पर राय व्यक्त करने के लिए ज़िम्मेदार हैं। 19 जून 2025 की लेखापरीक्षा रिपोर्ट में उनके द्वारा ऐसा किए जाने का उल्लेख किया गया है।

मैंने, भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की ओर से, अधिनियम की धारा 143(6)(क) के अंतर्गत 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए प्रोजेक्ट्स एंड डेवलपमेंट इंडिया लिमिटेड के वित्तीय विवरणों का अनुपूरक लेखा-परीक्षण किया है। यह अनुपूरक लेखा-परीक्षण, सांविधिक लेखा परीक्षकों के कार्य-पत्रों तक पहुँच के बिना, स्वतंत्र रूप से किया गया है और मुख्यतः सांविधिक लेखा परीक्षकों और कंपनी के कार्मिकों से पूछताछ और कुछ लेखा अभिलेखों की चुनिंदा जाँच तक सीमित है।

मेरे अनुपूरक लेखापरीक्षा के आधार पर मेरे ज्ञान में कोई महत्वपूर्ण बात नहीं आई है, जिससे अधिनियम की धारा 143(6)(बी) के तहत वैधानिक लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट पर कोई टिप्पणी या अनुपूरक उत्पन्न हो।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की ओर से

ह/-

(तान्या सिंह)

प्रधान निदेशक, लेखापरीक्षा, केंद्रीय व्यय

(कृषि, खाद्य एवं जल संसाधन)

स्थान: नई दिल्ली

तारीख: 19.08.2025

Annexure - 7

COMMENTS OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA UNDER SECTION 143(6) (b) OF THE COMPANIES ACT, 2013 ON THE FINANCIAL STATEMENTS OF PROJECTS & DEVELOPMENT INDIA LIMITED FOR THE YEAR ENDED 31 MARCH 2025

The preparation of financial statements of Projects & Development India Limited for the year ended 31 March 2025 in accordance with the financial reporting framework prescribed under the Companies Act, 2013 (Act) is the responsibility of the management of the company. The statutory auditors appointed by the Comptroller and Auditor General of India under section 139(5) of the Act is responsible for expressing opinion on the financial statements under section 143 of the Act based on independent audit in accordance with the standards on auditing prescribed under section 143(10) of the Act. This is stated to have been done by them vide **Audit Report dated 19th June 2025.**

I, on behalf of the Comptroller and Auditor General of India, have conducted a supplementary audit of the financial statements of Projects & Development India Limited for the year ended 31 March, 2025 under section 143(6) (a) of the Act. This supplementary audit has been carried out independently without access to the working papers of the statutory auditors and is limited primarily to inquiries of the statutory auditors and company personnel and a selective examination of some of the accounting records.

On the basis of my supplementary audit nothing significant has come to my knowledge which would give rise to any comment upon or supplement to statutory auditors' report under section 143(6)(b) of the Act.

For and on the behalf of the Comptroller & Auditor General of India

Sd/-

(Tanya Singh)

Principal Director of Audit Central Expenditure

(Agriculture, Food & Water Resources)

Place: New Delhi

Date: 19 .08.2025

स्वतंत्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट

सेवा में,
प्रोजेक्ट्स एंड डेवलपमेंट इंडिया लिमिटेड के सदस्य
वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा पर रिपोर्ट

राय

हमने **प्रोजेक्ट्स एंड डेवलपमेंट इंडिया लिमिटेड सी.आई.एन. - U74140UP1978GOI028629 ("कंपनी")** के वित्तीय विवरणों का अंकेक्षण किया है, जिसमें 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष की तुलन पत्र, लाभ और हानि का विवरण और नकदी प्रवाह सहित वित्तीय विवरणों पर नोट्स, महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों का सारांश और अन्य व्याख्यात्मक जानकारी शामिल है।

हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, उपरोक्त वित्तीय विवरण अधिनियम द्वारा अपेक्षित तरीके से आवश्यक जानकारी देते हैं और आम तौर पर भारत में स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप 31 मार्च, 2025 को कंपनी के कार्यों की स्थिति, उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए इसका लाभ और नकदी प्रवाह पर एक सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण देते हैं।

राय का आधार

हमने कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143(10) के तहत निर्दिष्ट लेखापरीक्षा मानकों (एसए) के अनुसार अपना लेखापरीक्षण किया। उन मानकों के तहत हमारी ज़िम्मेदारियों को हमारी रिपोर्ट के वित्तीय विवरणों के लेखापरीक्षण के लिए लेखापरीक्षक की ज़िम्मेदारियों में आगे वर्णित किया गया है। हम भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संस्थान द्वारा जारी आचार संहिता के अनुसार कंपनी से स्वतंत्र हैं, साथ ही कंपनी अधिनियम, 2013 और उसके तहत नियमों के प्रावधानों के तहत वित्तीय विवरणों के हमारे लेखापरीक्षण के लिए प्रासंगिक नैतिक आवश्यकताओं के अनुसार हम कंपनी से स्वतंत्र हैं, और हमने इन आवश्यकताओं और आचार संहिता के अनुसार अपनी अन्य नैतिक ज़िम्मेदारियों को पूरा किया है। हमारा मानना है कि हमने जो अंकेक्षण साक्ष्य प्राप्त किए हैं, वे हमारी राय के लिए आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त हैं।

प्रमुख लेखापरीक्षा मामले

मुख्य लेखापरीक्षा मामले वे मामले हैं जो हमारे पेशेवर निर्णय में, वर्तमान अवधि के स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों की हमारी लेखापरीक्षा में सबसे महत्वपूर्ण थे। इन मामलों को समग्र रूप से स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के हमारे अंकेक्षण के संदर्भ में और उस पर हमारी राय बनाने के संदर्भ में संबोधित किया गया था, और हम इन मामलों पर एक अलग राय प्रदान नहीं करते हैं।

हमने नीचे वर्णित मामलों को हमारी रिपोर्ट में संप्रेषित किए जाने वाले प्रमुख अंकेक्षण मामलों के रूप में निर्धारित किया है।

INDEPENDENT AUDITOR'S REPORT

To,
The Members of
Projects and Development India Limited
Report on the Audit of the Financial Statements

Opinion

We have audited the accompanying financial statements of **Projects and Development India Limited having CIN U74140UP1978GOI028629 ("*the Company*")** which comprises the Balance Sheet as at March 31, 2025, the Statement of Profit and Loss and statement of cash flows for the year then ended, and notes to the financial statements, including a summary of significant accounting policies and other explanatory information.

In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the aforesaid financial statements give the information required by the Act in the manner so required and give a true and fair view in conformity with the accounting principles generally accepted in India, of the state of affairs of the Company as at March 31, 2025, Profit and its Cash Flows for the year ended on that date.

Basis for Opinion

We conducted our audit in accordance with the Standards on Auditing (SAs) specified under section 143(10) of the Companies Act, 2013. Our responsibilities under those Standards are further described in the Auditor's Responsibilities for the Audit of the Financial Statements section of our report. We are independent of the Company in accordance with the Code of Ethics issued by the Institute of Chartered Accountants of India together with the ethical requirements that are relevant to our audit of the financial statements under the provisions of the Companies Act, 2013 and the Rules thereunder, and we have fulfilled our other ethical responsibilities in accordance with these requirements and the Code of Ethics. We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our opinion.

Key Audit Matters

Key audit matters are those matters that, in our professional judgment, were of most significance in our audit of the financial statements of the current period. These matters were addressed in the context of our audit of the financial statements as a whole, and in forming our opinion thereon, and we do not provide a separate opinion on these matters.

We have determined the matters described below to be the key audit matters to be communicated in our report.

प्रमुख लेखापरीक्षा मामला Key Audit Matter	लेखापरीक्षक की प्रतिक्रिय ा Auditor's Response
इंजीनियरिंग और परामर्श अनुबंधों के पूरा होने के प्रतिशत पर राजस्व मान्यता: कंपनी अन्य बातों के साथ-साथ मुख्य रूप से डिजाइन इंजीनियरिंग और परियोजना प्रबंधन परामर्श सेवाओं में संलग्न है, जिसमें राजस्व की पहचान अनुबंध संबंधी शर्तों के अनुसार प्राप्त लक्ष्यों के आधार पर जारी किए गए चालान के अनुसार की जाती है। इसके अतिरिक्त, अर्जित आय की गणना संबंधित परियोजनाओं की भौतिक प्रगति के तकनीकी मूल्यांकन के अनुसार, महत्वपूर्ण लेखांकन नीति में दिए गए अपवादों को छोड़कर, पूर्णता के प्रतिशत के आधार पर की जाती है। प्रगतिशील अनुबंध के संबंध में राजस्व की पहचान के लिए लेखांकन नीति B 1.2 देखें। Revenue recognition on percentage of completion of Engineering and Consultancy Contracts: The Company inter alia engages primarily in Design Engineering and Project Management Consultancy Services wherein revenue is recognized as per invoices raised based on milestones achieved in accordance with contractual stipulations. In addition, income accrued is worked out on the basis of percentage of completion as per technical assessment of physical progress of the respective projects, with exceptions, provided in the significant accounting policy. Refer Accounting policy B 1.2 for revenue recognition in respect of contract in progress.	हमारी लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं में निम्नलिखित शामिल थे: हमने ग्राहकों के साथ इंजीनियरिंग और परामर्श अनुबंधों का एक नमूना चुना, जिसे पूरा होने के प्रतिशत की विधि का उपयोग करके मापा गया और निम्नलिखित कार्य किया: क. अनुबंध को पढ़ा और नियमों व शर्तों के आधार पर मूल्यांकन किया कि क्या पूर्णता प्रतिशत पद्धति का उपयोग करके समय के साथ राजस्व की पहचान करना उचित था, और अनुबंध को समय के साथ प्रबंधन की राजस्व की गणना में शामिल किया गया था। ख. महत्वपूर्ण भिन्नताओं की पहचान करने के लिए कंपनी द्वारा अब तक किए गए प्रयासों या लागतों के अनुमान के साथ हुई लागतों की तुलना करना तथा मूल्यांकन करना कि क्या अनुबंध को पूरा करने के लिए शेष लागतों या प्रयासों का अनुमान लगाने में उन भिन्नताओं पर उचित रूप से विचार किया गया है। ग. लक्ष्यों की डिलीवरी और ग्राहक स्वीकृति की स्थिति के साथ संगतता के लिए अनुमान का परीक्षण किया और लक्ष्यों को प्राप्त करने में संभावित देरी की पहचान करने के लिए ग्राहकों से हस्ताक्षर लिए, जिसके लिए शेष प्रदर्शन दायित्वों को पूरा करने के लिए अनुमानित लागत या प्रयासों में परिवर्तन की आवश्यकता होती है। घ. अन्य सूचना का मूल्यांकन किया जो निष्पादन दायित्व को पूरा करने की दिशा में प्रगति के अनुमानों का समर्थन या खंडन करती है। Our audit procedures included the following, among others: We selected a sample of Engineering & consultancy contracts with customers measured using the percentage-of-completion method and performed the following a. Read the contract and based on the terms and conditions evaluated whether recognizing revenue over time using percentage of completion method was appropriate, and the contract was included in management's calculation of revenue over time. b. Compared costs incurred with Company's estimate of efforts or costs incurred to date to identify significant variations and evaluate whether those variations have been considered appropriately in estimating the remaining costs or efforts to complete the contract. c. Tested the estimate for consistency with the status of delivery of milestones and customer acceptances and sign off from customers to identify possible delays in achieving milestones, which require changes in estimated costs or efforts to complete the remaining performance obligations d. Evaluated other information that supports or contradicts the estimates of the progress towards satisfying the performance obligation.

वित्तीय विवरण और उस पर लेखा परीक्षक की रिपोर्ट के अलावा अन्य जानकारी

अन्य जानकारी के लिए कंपनी का निदेशक मंडल ज़िम्मेदार है। अन्य जानकारी में बोर्ड की रिपोर्ट में शामिल जानकारी शामिल है, लेकिन इसमें वित्तीय विवरण और उस पर हमारे लेखा परीक्षक की रिपोर्ट शामिल नहीं है।

वित्तीय विवरणों पर हमारी राय में अन्य जानकारी शामिल नहीं है और हम इस पर किसी भी प्रकार का आश्वासन निष्कर्ष व्यक्त नहीं करते हैं।

वित्तीय विवरणों की हमारी लेखापरीक्षा के संबंध में, हमारी जिम्मेदारी है कि हम अन्य जानकारी को पढ़ें और ऐसा करते समय इस बात पर विचार

Information Other than the Financial Statements and Auditor's Report Thereon

The Company's Board of Directors is responsible for the other information. The other information comprises the information included in the Board's Report but does not include the financial statements and our auditor's report thereon.

Our opinion on the financial statements does not cover the other information and we do not express any form of assurance conclusion thereon.

In connection with our audit of the financial statements, our responsibility is to read the other information and, in doing so,

करें कि क्या अन्य जानकारी वित्तीय विवरणों या लेखापरीक्षा में प्राप्त हमारी जानकारी से भौतिक रूप से असंगत है या अन्यथा भौतिक रूप से गलत प्रतीत होती है।

यदि, इस लेखापरीक्षा रिपोर्ट की तिथि से पहले प्राप्त अन्य जानकारी पर हमारे द्वारा किए गए कार्य के आधार पर, हम इस निष्कर्ष पर पहुँचते हैं कि इस अन्य जानकारी में कोई महत्वपूर्ण त्रुटि है, तो हमें उस तथ्य की रिपोर्ट करना आवश्यक है। इस संबंध में हमें कुछ भी रिपोर्ट नहीं करना है।

वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन और शासन के प्रभारी व्यक्तियों की जिम्मेदारियाँ

कंपनी का निदेशक मंडल इन वित्तीय विवरणों की तैयारी के संबंध में कंपनी अधिनियम, 2013 ("अधिनियम") की धारा 134(5) में वर्णित मामलों के लिए जिम्मेदार है, जो अधिनियम की धारा 133 के तहत निर्धारित लेखांकन मानकों (एएस) सहित भारत में आम तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार कंपनी की वित्तीय स्थिति, वित्तीय प्रदर्शन और नकदी प्रवाह का सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं। इस जिम्मेदारी में कंपनी की परिसंपत्तियों की सुरक्षा और धोखाधड़ी और अन्य अनियमितताओं को रोकने और उनका पता लगाने के लिए अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार पर्याप्त लेखांकन रिकॉर्ड का रखरखाव भी शामिल है; लेखांकन नीतियों के उचित कार्यान्वयन और रखरखाव का चयन और अनुप्रयोग; उचित और विवेकपूर्ण निर्णय और अनुमान लगाना; तथा पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का डिजाइन, कार्यान्वयन और रखरखाव, जो लेखांकन अभिलेखों की सटीकता और पूर्णता सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी ढंग से कार्य कर रहे थे, वित्तीय विवरण की तैयारी और प्रस्तुति के लिए प्रासंगिक थे, जो एक सच्चा और निष्पक्ष दृष्टिकोण देते थे और धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण भौतिक गलत बयान से मुक्त थे।

वित्तीय विवरण तैयार करने में, प्रबंधन एक चालू संस्था के रूप में कंपनी को जारी रखने की क्षमता का आकलन करने, चालू संस्था से संबंधित मामलों का, जैसा लागू हो, खुलासा करने और लेखांकन के चालू चिंता के आधार का उपयोग करने के लिए जिम्मेदार है, जब तक कि प्रबंधन या तो कंपनी को समाप्त करने या संचालन करने या ऐसा करने के अलावा कोई यथार्थवादी विकल्प नहीं रखता है।

निदेशक मंडल कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया की देखरेख के लिए भी जिम्मेदार हैं।

वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा के लिए लेखापरीक्षक की जिम्मेदारियाँ

हमारा उद्देश्य इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करना है कि क्या समग्र रूप से वित्तीय विवरण भौतिक गलतबयानी से मुक्त हैं, चाहे वह धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो, और एक लेखा परीक्षक की रिपोर्ट जारी करना है जिसमें हमारी राय शामिल है। उचित आश्वासन एक उच्च स्तर का आश्वासन है, लेकिन यह गारंटी नहीं है कि एसएएस के अनुसार आयोजित अंकेक्षण हमेशा मौजूद होने पर एक महत्वपूर्ण गलतबयानी का पता लगाएगा। ग़लतबयानी धोखाधड़ी या त्रुटि से

consider whether the other information is materially inconsistent with the financial statements or our knowledge obtained in the audit or otherwise appears to be materially misstated.

If, based on the work we have performed on the other information that we obtained prior to the date of this auditor's report, we conclude that there is a material misstatement of this other information, we are required to report that fact. We have nothing to report in this regard.

Responsibilities of Management and Those Charged with Governance for the Financial Statements

The Company's Board of Directors is responsible for the matters stated in section 134(5) of the Companies Act, 2013 ("the Act") with respect to the preparation of these financial statements that give a true and fair view of the financial position, financial performance and cash flows of the Company in accordance with accounting principles generally accepted in India, including the Accounting Standards (AS) prescribed under section 133 of the Act. This responsibility also includes maintenance of adequate accounting records in accordance with the provisions of the Act for safeguarding of the assets of the Company and for preventing and detecting frauds and other irregularities; selection and application of appropriate implementation and maintenance of accounting policies; making judgments and estimates that are reasonable and prudent; and design, implementation and maintenance of adequate internal financial controls that were operating effectively for ensuring the accuracy and completeness of the accounting records, relevant to the preparation and presentation of the financial statement that give a true and fair view and are free from material misstatement, whether due to fraud or error.

In preparing the financial statements, management is responsible for assessing the Company's ability to continue as a going concern, disclosing, as applicable, matters related to going concern and using the going concern basis of accounting unless management either intends to liquidate the Company or to cease operations, or has no realistic alternative but to do so.

The Board of Directors are also responsible for overseeing the company's financial reporting process.

Auditor's Responsibilities for the Audit of Financial Statements

Our objective is to obtain reasonable assurance about whether the financial statements as a whole are free from material misstatement, whether due to fraud or error, and to issue an auditor's report that includes our opinion. Reasonable assurance is a high level of assurance, but is not a guarantee that an audit conducted in accordance with SAs will always detect a material misstatement when it exists. Misstatements can arise from fraud or error and are

उत्पन्न हो सकती है और उन्हें महत्वपूर्ण माना जाता है यदि, व्यक्तिगत रूप से या समग्र रूप से, उनसे इन वित्तीय विवरणों के आधार पर लिए गए उपयोगकर्ताओं के आर्थिक निर्णयों को प्रभावित करने की उचित उम्मीद की जा सकती है।

एसए के अनुसार लेखापरीक्षा के हिस्से के रूप में, हम पेशेवर निर्णय लेते हैं और पूरे लेखापरीक्षा के दौरान पेशेवर संदेह बनाए रखते हैं। हम:

- वित्तीय विवरणों में भौतिक गलत विवरण के जोखिमों की पहचान करना और उनका आकलन करना, चाहे वे धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हों, उन जोखिमों के प्रति उत्तरदायी लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं को डिजाइन करना और उनका पालन करना, तथा लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त करना जो हमारी राय के लिए आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त हों। धोखाधड़ी के परिणामस्वरूप किसी महत्वपूर्ण गलत बयान का पता न लगा पाने का जोखिम, त्रुटि के परिणामस्वरूप होने वाले गलत बयान की तुलना में अधिक होता है, क्योंकि धोखाधड़ी में मिलीभगत, जालसाजी, जानबूझकर चूक, गलत बयानी या आंतरिक नियंत्रण का उल्लंघन शामिल हो सकता है।
- लेखापरीक्षा से संबंधित आंतरिक नियंत्रण की समझ प्राप्त करें ताकि परिस्थितियों के अनुरूप लेखापरीक्षा प्रक्रियाएं तैयार की जा सकें। कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143(3)(i) के तहत, हम इस बारे में अपनी राय व्यक्त करने के लिए भी ज़िम्मेदार हैं कि क्या कंपनी के पास वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रण मौजूद हैं और ऐसे नियंत्रणों की परिचालन प्रभावशीलता क्या है।
- उपयोग की गई लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता और प्रबंधन द्वारा किए गए लेखांकन अनुमानों और संबंधित खुलासों की तर्कसंगतता का मूल्यांकन करते हैं।
- लेखांकन के प्रचलित आधार पर प्रबंधन के उपयोग की उपयुक्तता पर निष्कर्ष निकालते हैं और प्राप्त अंकेक्षण साक्ष्य के आधार पर, क्या घटनाओं या स्थितियों से संबंधित कोई भौतिक अनिश्चितता मौजूद है जो कंपनी के चालू मानकों को जारी रखने की क्षमता पर महत्वपूर्ण संदेह पैदा कर सकती है। यदि हम निष्कर्ष निकालते हैं कि कोई भौतिक अनिश्चितता मौजूद है, तो हमें अपने लेखापरीक्षक की रिपोर्ट में वित्तीय विवरणों में संबंधित प्रकटीकरणों पर ध्यान आकर्षित करना होगा या, यदि ऐसे प्रकटीकरण अपर्याप्त हैं, तो अपनी राय को संशोधित करना होगा। हमारे निष्कर्ष हमारे लेखापरीक्षक की रिपोर्ट की तारीख तक प्राप्त लेखापरीक्षा साक्ष्य पर आधारित हैं। हालाँकि, भविष्य की घटनाओं या स्थितियों के कारण कंपनी एक चालू संस्था के रूप में काम करना बंद कर सकती है।
- प्रकटीकरण सहित वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति, संरचना और सामग्री का मूल्यांकन करते है, और यह देखते है कि क्या वित्तीय विवरण अंतर्निहित लेनदेन और घटनाओं का इस तरह से प्रतिनिधित्व करते हैं जिससे निष्पक्ष प्रस्तुति प्राप्त हो सके।

भौतिकता वित्तीय विवरणों में गलत बयानों की वह मात्रा है, जो व्यक्तिगत रूप से या समग्र रूप से, यह संभावना बनाती है कि वित्तीय विवरणों के यथोचित जानकार उपयोगकर्ता के आर्थिक निर्णय प्रभावित हो सकते हैं। हम (i) अपने

considered material if, individually or in the aggregate, they could reasonably be expected to influence the economic decisions of users taken on the basis of these financial statements.

As part of an audit in accordance with SAs, we exercise professional judgment and maintain professional skepticism throughout the audit. We also:

- Identify and assess the risks of material misstatement of the financial statements, whether due to fraud or error, design and perform audit procedures responsive to those risks, and obtain audit evidence that is sufficient and appropriate to provide a basis for our opinion. The risk of not detecting a material misstatement resulting from fraud is higher than for one resulting from error, as fraud may involve collusion, forgery, intentional omissions, misrepresentations, or the override of internal control.
- Obtain an understanding of internal control relevant to the audit in order to design audit procedures that are appropriate in the circumstances. Under section 143(3)(i) of the Companies Act, 2013, we are also responsible for expressing our opinion on whether the company has internal financial controls with reference to Financial Statements in place and the operating effectiveness of such controls.
- Evaluate the appropriateness of accounting policies used and the reasonableness of accounting estimates and related disclosures made by management.
- Conclude on the appropriateness of management's use of the going concern basis of accounting and, based on the audit evidence obtained, whether a material uncertainty exists related to events or conditions that may cast significant doubt on the Company's ability to continue as a going concern. If we conclude that a material uncertainty exists, we are required to draw attention in our auditor's report to the related disclosures in the financial statements or, if such disclosures are inadequate, to modify our opinion. Our conclusions are based on the audit evidence obtained up to the date of our auditor's report. However, future events or conditions may cause the Company to cease to continue as a going concern.
- Evaluate the overall presentation, structure and content of the financial statements, including the disclosures, and whether the financial statements represent the underlying transactions and events in a manner that achieves fair presentation.

Materiality is the magnitude of misstatements in the financial statements that, individually or in aggregate, makes it probable that the economic decisions of a reasonably knowledgeable user of the

लेखापरीक्षा कार्य के दायरे की योजना बनाने और अपने कार्य के परिणामों का मूल्यांकन करने में मात्रात्मक भौतिकता और गुणात्मक कारकों पर विचार करते हैं; और (ii) वित्तीय विवरणों में पहचाने गए किसी भी गलत बयान के प्रभाव का मूल्यांकन करना।

हम अन्य मामलों के साथ-साथ, लेखापरीक्षा के नियोजित दायरे और समय तथा महत्वपूर्ण लेखापरीक्षा निष्कर्षों के बारे में, जिनमें लेखापरीक्षा के दौरान पहचानी गई आंतरिक नियंत्रण में कोई महत्वपूर्ण कमी भी शामिल है, शासन के लिए जिम्मेदार लोगों के साथ संवाद करते हैं।

हम उन लोगों को एक बयान भी प्रदान करते हैं जिन पर शासन का आरोप है कि हमने स्वतंत्रता के संबंध में प्रासंगिक नैतिक आवश्यकताओं का अनुपालन किया है, और उन सभी रिश्तों और अन्य मामलों के साथ संवाद करने के लिए जो उचित रूप से हमारी स्वतंत्रता पर असर डालने वाले हो सकते हैं, और जहां लागू हो, संबंधित सुरक्षा उपाय भी प्रदान करते हैं।

शासन के प्रभारी अधिकारियों के साथ संप्रेषित मामलों से, हम उन मामलों का निर्धारण करते हैं जो वर्तमान अवधि के वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा में सर्वाधिक महत्वपूर्ण थे और इसलिए प्रमुख लेखापरीक्षा मामले हैं। हम इन मामलों का वर्णन अपनी लेखापरीक्षा रिपोर्ट में तब तक करते हैं जब तक कि कानून या विनियमन मामले के बारे में सार्वजनिक प्रकटीकरण को नहीं रोकता है या जब, अत्यंत दुर्लभ परिस्थितियों में, हम यह निर्धारित करते हैं कि किसी मामले को हमारी रिपोर्ट में संप्रेषित नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि ऐसा करने के प्रतिकूल परिणाम ऐसे संचार के सार्वजनिक हित लाभों से अधिक होने की उम्मीद है।

अन्य कानूनी और नियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट

1. कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143 की उप-धारा (11) के अनुसार भारत की केंद्र सरकार द्वारा जारी कंपनी (लेखा परीक्षक की रिपोर्ट) आदेश, 2020 ("आदेश") की आवश्यकता के अनुसार, हम 'अनुलग्नक ए' में आदेश के पैराग्राफ 3 और 4 में निर्दिष्ट मामलों पर एक बयान देते हैं, जहां तक लागू हो।

2. कंपनी की पुस्तकों और अभिलेखों की ऐसी जाँच के आधार पर, जैसा कि हमने उचित समझा और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, हम अधिनियम की धारा 143(5) के अनुसार, भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक द्वारा जारी निर्देशों और उप-निर्देशों पर अपनी रिपोर्ट का "अनुलग्नक बी" संलग्न कर रहे हैं।

3. अधिनियम की धारा 143(3) के अनुसार, हम रिपोर्ट करते हैं कि:

   क) हमने वे सभी जानकारी और स्पष्टीकरण मांगे और प्राप्त किए हैं जो हमारी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार हमारे अंकेक्षण के प्रयोजनों के लिए आवश्यक थे।

   ख) हमारी राय में, जहां तक उन बहियों की हमारी जांच से पता चलता है, कंपनी द्वारा कानून द्वारा अपेक्षित उचित खाते की किताबें रखी गई हैं।

financial statements may be influenced. We consider quantitative materiality and qualitative factors in (i) planning the scope of our audit work and in evaluating the results of our work; and (ii) to evaluate the effect of any identified misstatements in the financial statements.

We communicate with those charged with governance regarding, among other matters, the planned scope and timing of the audit and significant audit findings, including any significant deficiencies in internal control that we identify during our audit.

We also provide those charged with governance with a statement that we have complied with relevant ethical requirements regarding independence, and to communicate with them all relationships and other matters that may reasonably be thought to bear on our independence, and where applicable, related safeguards.

From the matters communicated with those charged with governance, we determine those matters that were of most significance in the audit of the financial statements of the current period and are therefore the key audit matters. We describe these matters in our auditor's report unless law or regulation precludes public disclosure about the matter or when, in extremely rare circumstances, we determine that a matter should not be communicated in our report because the adverse consequences of doing so would reasonably be expected to outweigh the public interest benefits of such communication.

Report on Other Legal and Regulatory Requirements

1. As required by the Companies (Auditor's Report) Order, 2020 ("the Order"), issued by the Central Government of India in terms of sub-section (11) of section 143 of the Companies Act, 2013, we give in the 'Annexure A', a statement on the matters specified in paragraphs 3 and 4 of the Order, to the extent applicable.

2. On the basis of such checks of the books and records of the Company as we considered appropriate and according to the information and explanations given to us, we enclose "Annexure B" of our report, in terms of section 143(5) of the Act, on the directions and sub directions issued by the Comptroller and Auditor General of India.

3. As required by Section 143 (3) of the Act, we report that:

   a) We have sought and obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purposes of our audit.

   b) In our opinion, proper books of account as required by law have been kept by the Company so far as it appears from our examination of those books.

ग) इस रिपोर्ट में शामिल तुलन पत्र, लाभ और हानि का विवरण और नकदी प्रवाह विवरण खाते की किताबों के अनुरूप हैं।

घ) हमारी राय में, उपरोक्त वित्तीय विवरण कंपनी (खाता) नियम, 2014 के नियम 7 के साथ पढ़े गए अधिनियम की धारा 133 के तहत निर्दिष्ट लेखांकन मानकों (एएस) का अनुपालन करते हैं।

ङ) एक सरकारी कंपनी होने के नाते और अधिसूचना संख्या: जी.एस. आर. 463(ई) दिनांक 5 जून 2015 के अनुसार भारत सरकार के कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय द्वारा जारी; निदेशकों की अयोग्यता से संबंधित अधिनियम की धारा 164 (2) के प्रावधान कंपनी पर लागू नहीं होते हैं।

च) कंपनी के वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की पर्याप्तता और ऐसे नियंत्रणों की परिचालन प्रभावशीलता के संबंध में, 'अनुलग्नक ग' में हमारी अलग रिपोर्ट देखें।

छ) कंपनी (लेखा परीक्षा और लेखा परीक्षक) नियम, 2014 के नियम 11 के अनुसार लेखा परीक्षक की रिपोर्ट में शामिल किए जाने वाले अन्य मामलों के संबंध में, हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार और हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार:

i) कंपनी ने अपने वित्तीय विवरणों में अपनी वित्तीय स्थिति पर 31 मार्च 2025 तक लंबित मुकदमों के प्रभाव का खुलासा किया है

ii) कंपनी के पास डेरिवेटिव अनुबंधों सहित कोई दीर्घकालिक अनुबंध नहीं था जिसके लिए कोई महत्वपूर्ण अनुमानित हानि हो।

iii) ऐसी कोई राशि नहीं थी जिसे कंपनी द्वारा निवेशक शिक्षा और संरक्षण कोष में स्थानांतरित करने की आवश्यकता थी।

iv) (क) प्रबंधन ने दर्शाया है कि, अपने सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार, कंपनी द्वारा किसी को या इसमें कोई धनराशि उन्नत या उधार या निवेश नहीं की गई है (या तो उधार ली गई धनराशि या शेयर प्रीमियम या किसी अन्य स्रोत या प्रकार के फंड से) विदेशी संस्थाओं ("मध्यस्थ") सहित कोई भी अन्य व्यक्ति या इकाई, इस समझ के साथ, चाहे लिखित रूप में दर्ज की गई हो या अन्यथा, कि मध्यस्थ, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से, अन्य व्यक्तियों या संस्थाओं को उधार देगा या निवेश करेगा कंपनी द्वारा या उसकी ओर से ("अंतिम लाभार्थी") किसी भी तरीके से पहचान की गई या अंतिम लाभार्थियों की ओर से कोई गारंटी, सुरक्षा या ऐसी ही कोई चीज़ प्रदान की गई;

c) The Balance Sheet, the Statement of Profit and Loss and the Cash Flow Statement dealt with by this report are in agreement with the books of account.

d) In our opinion, the aforesaid financial statements comply with the Accounting Standards (AS) specified under Section 133 of the Act, read with Rule 7 of the Companies (Accounts) Rules, 2014.

e) Being a Government company and pursuant to the Notification No: G.S.R. 463(E) dated 5th June 2015 issued by Ministry of Corporate Affairs, Government of India; provisions of Section 164 (2) of the Act regarding disqualification of directors is not applicable to the company.

f) With respect to the adequacy of the internal financial controls with reference to financial statements of the Company and the operating effectiveness of such controls, refer to our separate report in 'Annexure C'.

g) With respect to the other matters to be included in the Auditor's Report in accordance with Rule 11 of the Companies (Audit and Auditors) Rules, 2014, in our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us:

i) The Company has disclosed the impact of pending litigations as at 31st March 2025 on its financial position in its financial statements.

ii) The Company did not have any long-term contracts including derivative contracts for which there were any material foreseeable losses.

iii) There were no amounts which were required to be transferred to the Investor Education and Protection Fund by the Company.

iv) (a) The management has represented that, to the best of its knowledge and belief, no funds have been advanced or loaned or invested (either from borrowed funds or share premium or any other sources or kind of funds) by the company to or in any other person(s) or entity(ies), including foreign entities ("Intermediaries"), with the understanding, whether recorded in writing or otherwise, that the intermediary shall, whether, directly or indirectly lend or invest in other persons or entities identified in any manner whatsoever by or on behalf of the company ("Ultimate Beneficiaries") or provide any guarantee, security or the like on behalf of the Ultimate Beneficiaries;

(ख) प्रबंधन ने यह दर्शाया है कि, उसके सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार, कंपनी द्वारा किसी भी व्यक्ति या संस्था (संस्थाओं) से, जिसमें विदेशी संस्थाएं ("वित्तपोषण पक्ष") शामिल हैं, कोई धनराशि प्राप्त नहीं की गई है, इस समझ के साथ, चाहे लिखित रूप में दर्ज हो या अन्यथा, कि कंपनी, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से, वित्त पोषण पक्ष ("अंतिम लाभार्थी") द्वारा या उसकी ओर से किसी भी तरह से पहचाने गए अन्य व्यक्तियों या संस्थाओं को उधार देगी या निवेश करेगी या अंतिम लाभार्थियों की ओर से कोई गारंटी, सुरक्षा या इस तरह की कोई सुविधा प्रदान करेगी; और

(ग) ऐसी लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं के आधार पर, जिन्हें परिस्थितियों में उचित और उपयुक्त माना गया है, हमारे संज्ञान में ऐसा कुछ भी नहीं आया है, जिससे हमें विश्वास हो कि नियम 11(ई) के उप-खंड (i) और (ii) के तहत प्रस्तुत अभ्यावेदन, जैसा कि ऊपर (ए) और (बी) के तहत प्रावधान किया गया है, में कोई भी भौतिक गलत बयान शामिल है।

v. वर्ष के दौरान, कंपनी ने वित्त वर्ष 2023-24 से संबंधित ₹318.50 लाख का लाभांश भुगतान किया है

vi. अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर का उपयोग करके खाते की किताबें बनाए रखने के लिए कंपनी (खाता) नियम, 2014 के नियम 3(1) का प्रावधान, जिसमें अंकेक्षण ट्रेल (एडिट लॉग) सुविधा को रिकॉर्ड करने की सुविधा है, 1 अप्रैल, 2023 से कंपनी पर लागू है। और तदनुसार, कंपनी लेखांकन सॉफ्टवेयर का उपयोग कर रही है जिसमें अंकेक्षण ट्रेल को रिकॉर्ड करने की सुविधा है।

हमारी जांच के आधार पर, जिसमें नमूना जांच भी शामिल थी, कंपनी ने अपने खातों के रखरखाव के लिए एक लेखांकन सॉफ्टवेयर का उपयोग किया है, जिसमें ऑडिट ट्रेल (संपादन लॉग) सुविधा रिकॉर्ड करने की सुविधा है और सॉफ्टवेयर में दर्ज सभी प्रासंगिक लेनदेन के लिए यह पूरे वर्ष संचालित होता रहा है। इसके अलावा, हमारे ऑडिट के दौरान हमें ऑडिट ट्रेल सुविधा के साथ छेड़छाड़ का कोई मामला नहीं मिला।

इसके अतिरिक्त, कंपनी द्वारा रिकॉर्ड रखरखाव हेतु वैधानिक आवश्यकताओं के अनुसार ऑडिट ट्रेल को संरक्षित रखा गया है।

(b) The management has represented, that, to the best of its knowledge and belief, no funds have been received by the company from any person(s) or entity(ies), including foreign entities ("Funding Parties"), with the understanding, whether recorded in writing or otherwise, that the company shall, whether, directly or indirectly, lend or invest in other persons or entities identified in any manner whatsoever by or on behalf of the Funding Party ("Ultimate Beneficiaries") or provide any guarantee, security or the like on behalf of the Ultimate Beneficiaries; and

(c) Based on such audit procedures that have been considered reasonable and appropriate in the circumstances, nothing has come to our notice that has caused us to believe that the representations under sub-clause (i) and (ii) of Rule 11(e), as provided under (a) and (b) above, contain any material mis-statement.

v. During the year, company has paid Dividend amounting to ₹318.50 Lakh pertaining to FY 2023-24.

vi. Proviso to Rule 3(1) of the Companies (Accounts) Rules, 2014 for maintaining books of account using accounting software which has a feature of recording audit trail (edit log) facility is applicable to the Company with effect from April 1, 2023, and accordingly, company is using accounting software which has a feature of recording audit trail.

Based on our examination which included test checks, the company has used an accounting software for maintaining its books of account which has a feature of recording audit trail (edit log) facility and the same has operated throughout the year for all relevant transactions recorded in the software. Further, during the course of our audit we did not come across any instance of audit trail feature being tampered with.

Additionally, the audit trail has been preserved by the company as per statutory requirements for record retention.

4. अधिनियम की धारा 197(16) के अंतर्गत लेखापरीक्षक की रिपोर्ट में शामिल किए जाने वाले मामले के संबंध में, हमारी राय में और हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरण के अनुसार, एक सरकारी कंपनी होने के नाते और भारत सरकार के कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना संख्या: जीएसआर 463(ई) दिनांक 5 जून 2015 के अनुसार; निदेशकों को पारिश्रमिक के संबंध में अधिनियम की धारा 197 के प्रावधान कंपनी पर लागू नहीं होते हैं।

एस पी एस ए एंड कंपनी के लिए
चार्टर्ड अकाउंटेंट
(फर्म का पंजीकरण संख्या: 019888N)

ह/-
सीए. संजय कुमार अग्रवाल
पार्टनर
(सदस्यता संख्या: 506604)
यूडीआईएन: 25506604BMMHPU5750

दिनांक: 19-06-2025
स्थान: नोएडा (उत्तरप्रदेश)

4. With respect to the matter to be included in the Auditor's Report under Section 197(16) of the Act, in our opinion and according to the information and explanations given to us, being a Government company and pursuant to the Notification No: G.S.R. 463(E) dated 5th June 2015 issued by Ministry of Corporate Affairs, Government of India; provisions of Section 197 of the Act regarding remuneration to directors is not applicable to the company.

For S P S A & Co.
Chartered Accountants
(Firm's Registration No.: 019888N)

Sd/-
CA. Sanjay Kumar Agrawal
Partner
(Membership No.: 506604)
UDIN: 25506604BMMHPU5750

Date: 19-06-2025
Place: Noida (Uttar Pradesh)

"अनुलग्नक क" स्वतंत्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट का

31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी के वित्तीय विवरणों पर प्रोजेक्ट्स एंड डेवलपमेंट इंडिया लिमिटेड की हमारी सम दिनांक की रिपोर्ट के "अन्य कानूनी और विनियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट" खंड के अंतर्गत पैराग्राफ 1 में संदर्भित।

हम इसकी रिपोर्ट करते हैं:

i. (क) (अ) कंपनी ने संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों के मात्रात्मक विवरण और स्थिति सहित संपूर्ण विवरण दर्शाते हुए उचित रिकॉर्ड बनाए रखे हैं।

(आ) कंपनी ने अमूर्त परिसंपत्तियों का पूरा विवरण दर्शाते हुए उचित रिकॉर्ड बनाए रखा है।

(ख) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार तथा कंपनी के अभिलेखों की हमारी जांच के आधार पर, कंपनी के पास अपनी संपत्ति, संयंत्र और उपकरण के भौतिक सत्यापन का एक नियमित कार्यक्रम है जिसके द्वारा सभी संपत्ति, संयंत्र और उपकरण का चरणबद्ध तरीके से सत्यापन किया जाता है। हमारी राय में, भौतिक सत्यापन की यह आवधिकता कंपनी के आकार और उसकी परिसंपत्तियों की प्रकृति को ध्यान में रखते हुए उचित है। इस प्रकार के सत्यापन में कोई भौतिक विसंगतियां नहीं पाई गईं।

(ग) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार तथा कंपनी के अभिलेखों की हमारी जांच के आधार पर, वित्तीय विवरणों में प्रकटित सभी अचल संपत्तियों (उन संपत्तियों को छोड़कर जहां कंपनी पट्टेदार है और पट्टा समझौते पट्टेदार के पक्ष में विधिवत निष्पादित हैं) के स्वामित्व विलेख कंपनी के नाम पर हैं।

(घ) हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरण के अनुसार तथा कंपनी के अभिलेखों की हमारी जांच के आधार पर, कंपनी ने वर्ष के दौरान अपनी संपत्ति, संयंत्र और उपकरण (उपयोग के अधिकार वाली परिसंपत्तियों सहित) या अमूर्त परिसंपत्तियों या दोनों का पुनर्मूल्यांकन नहीं किया है।

(ङ) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार तथा कंपनी के अभिलेखों की हमारी जांच के आधार पर, बेनामी लेनदेन (निषेध) अधिनियम, 1988 (2016 में संशोधित) और उसके तहत बनाए गए नियमों के तहत किसी भी बेनामी संपत्ति को रखने के लिए कंपनी के खिलाफ वर्ष के दौरान कोई कार्यवाही शुरू नहीं की गई है अथवा 31 मार्च, 2025 तक कोई कार्यवाही लंबित नहीं है।

ii. (क) प्रबंधन द्वारा वर्ष के दौरान वस्तुतालिका का भौतिक सत्यापन किया गया है। हमारी राय में, सत्यापन की आवृत्ति उचित है।

"Annexure A" to the Independent Auditor's Report

Referred to in paragraph 1 under "Report on Other Legal and Regulatory Requirements" section of our report of even date of Projects and Development India Limited on the financial statements of the company for the year ended March 31, 2025.

We report that:

i. (a) (A) The company has maintained proper records showing full particulars, including quantitative details and situation of Property, Plant and Equipment.

(B) The company has maintained proper records showing full particulars of intangible assets.

(b) According to the information and explanations given to us and on the basis of our examination of the records of the Company, the Company has a regular program of physical verification of its Property, Plant and Equipment by which all property, plant and equipment are verified in a phased manner. In our opinion, this periodicity of physical verification is reasonable having regard to the size of the Company and the nature of its assets. No material discrepancies were noticed on such verification.

(c) According to the information and explanations given to us and on the basis of our examination of the records of the Company, the title deeds of all the immovable properties (other than properties where the company is the lessee and the lease agreements are duly executed in favour of the lessee) disclosed in the financial statements are held in the name of the company.

(d) According to the information and explanations given to us and on the basis of our examination of the records of the Company, the Company has not revalued its Property, Plant and Equipment (including Right of Use assets) or intangible assets or both during the year.

(e) According to the information and explanations given to us and on the basis of our examination of the records of the Company, there are no proceedings initiated during the year or are pending against the company as at March 31st, 2025 for holding any benami property under the Benami Transactions (Prohibition) Act, 1988 (as amended in 2016) and rules made thereunder.

(ii) (a) The inventories were physically verified during the year by the management. In our opinion, the frequency of the verification is reasonable.

(ख) कंपनी ने किसी भी बैंक या वित्तीय संस्थान से कोई कार्यशील पूंजी सीमा का लाभ नहीं उठाया है। इसलिए आदेश के खंड (ii) (ख) की आवश्यकता कंपनी के मामले में लागू नहीं होती है।

iii. हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरण के अनुसार तथा कंपनी के अभिलेखों की हमारी जांच के आधार पर, कंपनी ने कंपनियों, फर्मों और सीमित देयता भागीदारी में कोई निवेश नहीं किया है। कंपनी ने वर्ष के दौरान कंपनियों, फर्मों, सीमित देयता साझेदारियों या किसी अन्य पक्ष को कोई गारंटी या सुरक्षा प्रदान नहीं की है, और न ही ऋण के रूप में कोई ऋण या अग्रिम राशि, सुरक्षित या असुरक्षित, प्रदान की है। इसलिए, खंड (iii) (ए), (बी), (सी), (डी), (ई) और (एफ) के अंतर्गत रिपोर्टिंग लागू नहीं होती है।

iv. हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी ने कोई ऋण नहीं दिया है, निवेश नहीं किया है या गारंटी या प्रतिभूतियां प्रदान नहीं की हैं जो कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 185 या 186 के प्रावधानों के अंतर्गत आती हैं। इसलिए, उक्त आदेश के खंड 3 (iv) के तहत रिपोर्टिंग लागू नहीं होती है।

v. कंपनी ने कोई जमा राशि या जमा मानी जाने वाली राशि स्वीकार नहीं की है। अतः उक्त आदेश के खंड 3(v) के अंतर्गत रिपोर्टिंग लागू नहीं होती।

vi. प्रबंधन द्वारा दी गई जानकारी एवं स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी अधिनियम की धारा 148 की उपधारा (1) के अंतर्गत केन्द्र सरकार द्वारा लागत अभिलेखों के रखरखाव को निर्दिष्ट नहीं किया गया है।

vii. (क) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार तथा कंपनी के अभिलेखों की हमारी जांच के आधार पर, माल और सेवा कर (जीएसटी), भविष्य निधि, आयकर, सीमा शुल्क, उपकर और अन्य वैधानिक बकाया सहित निर्विवाद वैधानिक बकाया के संबंध में खाता पुस्तकों में कटौती / अर्जित राशि को कंपनी द्वारा उचित प्राधिकारियों के पास नियमित रूप से जमा किया गया है। हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, 31 मार्च 2025 तक माल और सेवा कर (जीएसटी), भविष्य निधि, आयकर, सीमा शुल्क, उपकर और अन्य वैधानिक बकाया के संबंध में देय कोई भी अविवादित राशि, उनके देय होने की तारीख से छह महीने से अधिक की अवधि के लिए बकाया नहीं थी।

(b) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, माल और सेवा कर ('जीएसटी'), भविष्य निधि, आयकर, बिक्री कर, संपत्ति कर, सेवा कर, सीमा शुल्क, मूल्य वर्धित कर, उपकर और अन्य भौतिक वैधानिक बकाया के संबंध में देय विवादित राशियाँ, जो उपयुक्त

(b) The company has not availed any working capital limit from any bank or financial institution. Therefore, requirement of clause (ii) (b) of the order are not applicable in the case of the company.

iii. According to the information and explanations given to us and on the basis of our examination of the records of the Company, the company has not made any investments in companies, firms and Limited Liability Partnerships. The company has not provided any guarantee or security, and granted any loans or advances in the nature of loans, secured or unsecured, to the companies, firms, limited liability partnerships or any other parties during the year. Hence, reporting under clause (iii) (a), (b), (c), (d), (e) and (f) is not applicable.

iv. According to the information and explanation given to us, the Company has not granted any loans, made investments or provided guarantees or securities that are covered under the provisions of sections 185 or 186 of the Companies Act, 2013. Hence, reporting under clause 3(iv) of the said order is not applicable.

v. The company has not accepted any deposits or amounts which are deemed to be deposits. Hence, reporting under clause 3(v) of the said order is not applicable.

vi. As per information & explanations given by the management, maintenance of cost records has not been specified by Central Government under sub-section (1) of Section 148 of Companies Act.

(vii) (a) According to the information and explanations given to us and on the basis of our examination of the records of the Company, amounts deducted / accrued in the books of account in respect of undisputed statutory dues including Goods and Services Tax ('GST'), Provident fund, Income-Tax, Duty of Customs, cess and other statutory dues have been regularly deposited by the Company with the appropriate authorities. According to the information and explanations given to us, no undisputed amounts payable in respect of Goods and Services Tax ('GST'), Provident fund, Income-Tax, Duty of Customs, Cess and other statutory dues were in arrears as at 31st March 2025 for a period of more than six months from the date they became payable.

(b) According to the information and explanations given to us, the disputed amounts payable in respect of Goods and Services Tax ('GST'), Provident Fund, Income Tax, Sales Tax, Wealth Tax, Service Tax, Duty of Customs, Value Added Tax, Cess and other material statutory dues, that

प्राधिकारियों के समक्ष लंबित मामलों के कारण जमा नहीं की गई हैं, निम्नानुसार हैं:

have not been deposited on account of matters pending before the appropriate authorities are as under:

अधिनियम का नाम Name of the Statute	देय राशि की प्रकृति Nature of dues	सम्मिलित राशि (लाख रूपये में) Amount involved (Rs. In Lakhs)	अवधि Period	फोरम जहां विवाद लंबित है Forum where dispute is pending
बिक्री कर अधिनियम Sales Tax Act	बिक्री कर Sales Tax	416.11	1991-92 to 1998-99	सहायक आयुक्त, वाणिज्य कर, धनबाद Assistant Commissioner of Commercial tax Dhanbad
सीजीएसटी अधिनियम 2017 CGST Act 2017	जीएसटी GST	39.88	2017-18	आयुक्त कार्यालय, सीजीएसटी अपील, नोएडा (उत्तर प्रदेश) Office of the Commissioner, CGST Appeals, Noida (U.P.)

viii. प्रबंधन द्वारा दी गई सूचना और स्पष्टीकरण के अनुसार तथा कंपनी के अभिलेखों की हमारी जांच के आधार पर, कंपनी ने वर्ष के दौरान आयकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत कर निर्धारण में, खाता बहियों में आय के रूप में पहले से दर्ज न किए गए किसी भी लेनदेन को आय के रूप में समर्पित या प्रकट नहीं किया है।

(ix) (क)प्रबंधन द्वारा दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार तथा कंपनी के अभिलेखों की हमारी जांच के आधार पर, कंपनी ने किसी भी ऋणदाता को ऋण या अन्य उधारी के पुनर्भुगतान या उस पर ब्याज के भुगतान में चूक नहीं की है। तदनुसार, आदेश का खंड 3(ix)(क) कंपनी पर लागू नहीं होता।

(ख) प्रबंधन द्वारा दी गई सूचना और स्पष्टीकरण के अनुसार तथा कंपनी के अभिलेखों की हमारी जांच के आधार पर, कंपनी को किसी भी बैंक या वित्तीय संस्थान या सरकार या सरकारी प्राधिकरण द्वारा जानबूझकर ऋण न चुकाने वाला घोषित नहीं किया गया है।

(ग) प्रबंधन द्वारा हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी ने वर्ष के दौरान सावधि ऋण के माध्यम से कोई धन नहीं जुटाया है, इसलिए इस उप-खंड के तहत रिपोर्टिंग लागू नहीं है।

(घ) हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरण के अनुसार तथा कंपनी के वित्तीय विवरणों की समग्र जांच के आधार पर हम रिपोर्ट करते हैं कि कंपनी द्वारा अल्पकालिक आधार पर जुटाई गई किसी भी धनराशि का उपयोग दीर्घकालिक प्रयोजनों के लिए नहीं किया गया है।

(ङ) हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरण के अनुसार तथा कंपनी के वित्तीय विवरणों की समग्र जांच के आधार पर हम रिपोर्ट करते हैं कि कंपनी ने कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत परिभाषित अपनी सहायक कंपनी के दायित्वों को पूरा करने के लिए किसी भी संस्था या व्यक्ति से कोई धनराशि नहीं ली है।

(च) हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरण तथा हमारे द्वारा निष्पादित प्रक्रियाओं के अनुसार, हम रिपोर्ट करते हैं कि कंपनी ने वर्ष के दौरान कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत परिभाषित अपनी सहायक

viii. According to the information and explanations given to us and on the basis of our examination of the records of the Company, the Company has not surrendered or disclosed any transactions, previously unrecorded as income in the books of account, in the tax assessments under the Income Tax Act, 1961 as income during the year.

(ix) (a) According to the information and explanations given to us and on the basis of our examination of the records of the Company, company has not defaulted in repayment of loans or other borrowings or in the payment of interest thereon to any lender. Accordingly, clause 3(ix)(a) of the Order is not applicable to the company.

(b) According to the information and explanations given to us and on the basis of our examination of the records of the Company, the Company has not been declared a wilful defaulter by any bank or financial institution or government or government authority.

(c) According to the information and explanations given to us by the management, the Company has not raised any funds by way of term loans during the year hence reporting under this sub-clause not applicable.

(d) According to the information and explanations given to us and on an overall examination of the financial statements of the company, we report that no funds raised on short-term basis have been used for long term purposes by the company.

(e) According to the information and explanations given to us and on an overall examination of the financial statements of the company, we report that the company has not taken any funds from any entity or person on account of or to meet the obligations of its subsidiary as defined under the Companies Act, 2013.

(f) According to the information and explanations given to us and procedures performed by us, we report that the company has not raised loans during the year on the

कंपनियों, संयुक्त उद्यम या सहयोगी कंपनी में रखी गई प्रतिभूतियों के गिरवी पर ऋण नहीं जुटाया है।

x. (क) कंपनी ने वर्ष के दौरान प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश या आगे सार्वजनिक पेशकश (ऋण उपकरणों सहित) के माध्यम से कोई धन नहीं जुटाया है।

(ख) कंपनी ने वर्ष के दौरान शेयरों या परिवर्तनीय डिबेंचर (पूर्णतः, आंशिक रूप से या वैकल्पिक रूप से परिवर्तनीय) का कोई अधिमान्य आबंटन या निजी प्लेसमेंट नहीं किया है।

xi. (क) प्रबंधन द्वारा दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, वर्ष के दौरान कंपनी द्वारा कोई धोखाधड़ी या कंपनी पर कोई धोखाधड़ी नहीं देखी गई या रिपोर्ट नहीं की गई;

(ख) कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143 की उप-धारा (12) के तहत कोई रिपोर्ट कंपनी (लेखा परीक्षा और लेखा परीक्षक) नियम, 2014 के नियम 13 के तहत निर्धारित फॉर्म एडीटी -4 में केंद्र सरकार के साथ दायर नहीं की गई है;

(ग) प्रबंधन द्वारा दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी को कोई व्हिसल-ब्लोअर शिकायत प्राप्त नहीं हुई थी।

xii. कंपनी निधि कंपनी नहीं है और इसलिए, उक्त आदेश के खंड 3(xii) के तहत रिपोर्टिंग लागू नहीं होती है।

xiii. हमारी राय में और हमें दी गई जानकारी व स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी द्वारा वर्ष के दौरान कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 177 और 188 के अंतर्गत संबंधित पक्षों के साथ कोई लेनदेन नहीं किया गया है। इसलिए, खंड 3(xiii) कंपनी पर लागू नहीं होता है।

xiv. (क) हमारी राय में और हमारी जांच के आधार पर, कंपनी के नोएडा और वडोदरा इकाइयों में पर्याप्त आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली है जो इसके व्यवसाय के आकार और प्रकृति के अनुरूप है।

(ख) आंतरिक लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट हमें उपलब्ध करा दी गई है और लेखा परीक्षा के दौरान हमने उन पर विचार भी किया।

xv. हमारी राय में तथा हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरण के अनुसार, वर्ष के दौरान कंपनी ने अपने निदेशकों या उनसे जुड़े व्यक्तियों के साथ कोई गैर-नकद लेनदेन नहीं किया है।

xvi. (क) कंपनी को भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की धारा 45-आईए के तहत पंजीकृत होना आवश्यक नहीं है।

(ख) हमारी राय में और हमारी जांच के आधार पर, कंपनी ने भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 के अनुसार भारतीय रिजर्व बैंक से वैध पंजीकरण प्रमाणपत्र (सीओआर) के बिना कोई गैर-बैंकिंग वित्तीय या आवास वित्त गतिविधियां संचालित नहीं की हैं।

(ग) हमारी राय में और हमारी जांच के आधार पर, कंपनी एक कोर इन्वेस्टमेंट कंपनी (सीआईसी) नहीं है जैसा कि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा बनाए गए नियमों में परिभाषित किया गया है।

pledge of securities held in its subsidiaries, joint venture or associate company as defined under Companies Act, 2013.

x. (a) The company has not raised any money by way of initial public offer or further public offer (including debt instruments) during the year:

(b) The company has not made any preferential allotment or private placement of shares or convertible debentures (fully or partly or optionally convertible) during the year.

xi. (a) According to the information and explanations given by the management, no fraud by the company or any fraud on the company has been noticed or reported during the year;

(b) No report under sub-section (12) of section 143 of the Companies Act, 2013, has been filed in form ADT-4 as prescribed under rule 13 of Companies (Audit and Auditors) Rules, 2014 with the Central Government;

(c) According to the information and explanations given by the management, no whistler-blower complaints had been received by the company.

xii. The company is not a Nidhi Company and hence, reporting under clause 3(xii) of the said order is not applicable.

xiii. In our opinion and according to the information and explanations given to us, no transaction with the related parties covered the Section 177 and 188 of the Companies ACT, 2013 has been done by the company during the year. Therefore, clause 3(xiii) is not applicable on the company.

xiv. (a) In our opinion and based on our examination, the company has an adequate internal audit system at its Noida & Vadodara units which is commensurate with the size and nature of its business.

(b) The reports of the internal auditors have been made available to us and were also considered by us during the audit.

xv. In our opinion and according to the information and explanations given to us, during the year the company has not entered into any non-cash transactions with its directors or persons connected with him.

xvi. (a) The company is not required to be registered under section 45-IA of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934).

(b) In our Opinion and based on our examination, the Company has not conducted any Non-Banking Financial or Housing Finance activities without a valid Certificate of Registration (CoR) from the Reserve Bank of India as per the Reserve Bank of India Act, 1934,

(c) In our Opinion and based on our examination, the Company is not a Core Investment Company (CIC) as defined in the regulations made by the Reserve Bank of India.

(घ) प्रबंधन द्वारा दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, समूह के पास समूह के हिस्से के रूप में कोई सीआईसी नहीं है।

xvii. कंपनी को वित्तीय वर्ष के दौरान तथा तत्काल पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष में कोई नकद हानि नहीं हुई है।

xviii. वर्ष के दौरान वैधानिक लेखापरीक्षकों के इस्तीफे का कोई मामला सामने नहीं आया है।

xix. प्रबंधन से प्राप्त जानकारी और निष्पादित लेखा परीक्षा प्रक्रियाओं के आधार पर और वित्तीय अनुपात, वित्तीय परिसंपत्तियों की प्राप्ति और वित्तीय देनदारियों के भुगतान की आयु और अपेक्षित तिथियों, वित्तीय विवरणों के साथ दी गई अन्य जानकारी और निदेशक मंडल और प्रबंधन योजनाओं के बारे में हमारे ज्ञान और मान्यताओं का समर्थन करने वाले साक्ष्य की हमारी जांच के आधार पर, हमारे ध्यान में ऐसा कुछ नहीं आया है, जिससे हमें विश्वास हो कि लेखा परीक्षा रिपोर्ट की तिथि तक कोई भी भौतिक अनिश्चितता मौजूद है, जो यह दर्शाती है कि कंपनी बैलेंस शीट की तिथि से एक वर्ष की अवधि के भीतर देय होने पर बैलेंस शीट की तिथि पर मौजूद अपनी देनदारियों को पूरा करने में सक्षम नहीं है। हालांकि, हम कहते हैं कि यह कंपनी की भविष्य की व्यवहार्यता के बारे में कोई आश्वासन नहीं है। हम आगे कहते हैं कि हमारी रिपोर्टिंग लेखा परीक्षा रिपोर्ट की तिथि तक के तथ्यों पर आधारित है और हम न तो कोई गारंटी देते हैं और न ही कोई आश्वासन देते हैं

xx. (क) चल रही परियोजनाओं के अलावा अन्य कोई राशि खर्च नहीं की गई है, जिसे कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची VII में निर्दिष्ट फंड में स्थानांतरित किया जाना आवश्यक है।

(ख) चल रही परियोजनाओं के संबंध में, कंपनी ने 16.59 लाख रुपये की अव्ययित राशि उक्त अधिनियम की धारा 135(6) के अनुपालन में वित्तीय वर्ष के अंत से तीस दिनों की अवधि के भीतर, एक विशेष खाते में हस्तांतरित की है।

xxi. कंपनी को समेकित वित्तीय विवरण तैयार करने की आवश्यकता नहीं है और इसलिए खंड 3(xxi) के तहत रिपोर्टिंग लागू नहीं है।

वास्ते **एस पी एस ए एंड कंपनी**
चार्टर्ड अकाउंटेंट
(फर्म का पंजीकरण संख्या: 019888N)

ह/-
सीए संजय कुमार अग्रवाल
पार्टनर
(सदस्यता संख्या: 506604)
यूडीआईएन: 25506604BMMHPU5750

दिनांक: 19-06-2025
स्थान: नोएडा (उत्तर प्रदेश)

(d) According to the information and explanations given by the management, the Group does not have any CIC as a part of the group.

xvii. The company has not incurred any cash losses during the financial year and in the immediately preceding financial year.

xviii. There has been no case of resignation of the statutory auditors of the company during the year.

xix. On the basis of information obtained from the management and audit procedures performed and on the basis of financial ratios, ageing and expected dates of realization of financial assets and payment of financial liabilities, other information accompanying the financial statements and our knowledge of the Board of Directors and Management Plans and based on our examination of the evidence supporting the assumptions, nothing has come to our attention, which causes us to believe that any material uncertainty exists as on the date of the audit report indicating that company is not capable of meeting its liabilities existing at the date of balance sheet as and when they fall due within a period of one year from the balance sheet date. We, however, state that this is not an assurance as to the future viability of the company. We further state that our reporting is based on the facts up to the date of audit report and we neither give any guarantee nor any assurance that all liabilities falling due within a period of one year from the balance sheet date, will get discharged by the company as and when they fall due.

(xx) (a) There is no amount remaining unspent in respect of other than ongoing projects which are required to be transferred to a Fund specified in Schedule VII to the Companies Act, 2013.

(b) In respect of ongoing projects, the company has transferred unspent amount of Rs. 16.59 Lakhs to a special account, within a period of thirty days from the end of the financial year in compliance with section 135(6) of the said Act.

(xxi) The company is not required to prepare a consolidated financial statement and hence reporting under clause 3(xxi) is not applicable.

For **S P S A & Co.**
Chartered Accountants
(Firm's Registration No.: 019888N)

Sd/-
CA. Sanjay Kumar Agrawal
Partner
(Membership No.: 506604)
UDIN: 25506604BMMHPU5750

Date: 19-06-2025
Place: Noida (Uttar Pradesh)

स्वतंत्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट का "अनुलग्नक ख"

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143(5) के अंतर्गत भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा जारी निर्देशों पर आज की हमारी स्वतंत्र लेखा परीक्षक रिपोर्ट के "अन्य कानूनी और विनियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट" खंड के अंतर्गत पैराग्राफ 2 में संदर्भित अनुलग्नक

"Annexure B" to the Independent Auditor's Report

The Annexure referred to in paragraph 2 under "Report on Other Legal and Regulatory Requirements" section of Our Independent Auditor Report of even date on "Directions issued by the Comptroller & Auditor General of India under section 143(5) of the Companies Act, 2013

क्र. सं. S. No.	निर्देश Directions	निर्देशों पर की गई कार्रवाई पर लेखापरीक्षक का उत्तर Auditor's reply on the action taken on the directions
1.	क्या कंपनी के पास आईटी प्रणाली के माध्यम से सभी लेखांकन लेनदेन को संसाधित करने की व्यवस्था है? यदि हां, तो आईटी प्रणाली के बाहर लेखांकन लेनदेन के प्रसंस्करण के वित्तीय निहितार्थों के साथ-साथ खातों की अखंडता पर प्रभाव, यदि कोई हो, बताया जा सकता है। Whether the company has system in place to process all the accounting transactions through IT system? If yes, the implications of processing of accounting transactions outside IT system on the integrity of the accounts along with the financial implications, if any, may be stated.	कंपनी के खातों की पुस्तकों के आधार पर और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, सभी लेनदेन एसएपी-आईटी सिस्टम में संसाधित किए जा रहे हैं और आईटी सिस्टम के बाहर लेखांकन लेनदेन का कोई प्रसंस्करण नहीं किया गया है। On the basis of the Books of accounts of the Company and according to information and explanations given to us, all the transactions are being processed in SAP-IT systems and no processing of accounting transactions outside IT system has been done.
2.	क्या कंपनी के ऋण चुकाने में असमर्थता के कारण किसी ऋणदाता द्वारा मौजूदा ऋण का कोई पुनर्गठन किया गया है या ऋण/ऋण/ब्याज आदि को माफ/बट्टे खाते में डालने का कोई मामला है? यदि हाँ, तो वित्तीय प्रभाव बताया जा सकता है। क्या ऐसे मामलों का ठीक से हिसाब-किताब किया जाता है? (यदि ऋणदाता सरकारी कंपनी है, तो यह निर्देश ऋणदाता कंपनी के वैधानिक लेखा परीक्षक के लिए भी लागू होता है) Whether there is any restructuring of an existing loan or cases of waiver/write off of debts/loans/interest etc. made by a lender to the company due to the company's inability to repay the loan? If yes, the financial impact may be stated. Whether such cases are properly accounted for? (In case, lender is Government company, then this direction is also applicable for statutory auditor of lender company).	हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार और रिकॉर्ड की हमारी जांच के आधार पर कंपनी ने किसी भी मौजूदा ऋण का पुनर्गठन नहीं किया है या ऋणदाता द्वारा उसे चुकाने में असमर्थता कंपनी को दिए गए किसी भी ऋण/ऋण/ब्याज आदि को माफ/बट्टे खाते में नहीं डाला है। According to the information and explanations given to us and based on our examination of the records the company has not restructured any existing loan or waiver/write off of any debts/ loans/interest etc. madeby the lender to the company due to the company's inability to repay the same.

3.	क्या केंद्र/राज्य सरकार या इसकी एजेंसियों से विशिष्ट योजनाओं के लिए प्राप्त/प्राप्य धनराशि (अनुदान/सब्सिडी आदि) का इसके नियम और शर्तों के अनुसार उचित हिसाब/उपयोग किया गया था? विचलन के मामलों की सूची बनाए Whether funds (grants/subsidy etc.) received/receivable for specific schemes from Central/State Government or its agencies were properly accounted for/utilized as per its term and conditions? List the cases of deviation.	कंपनी के खाते की पुस्तकों और रिकॉर्ड के आधार पर और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी ने अपने नियमों और शर्तों के अनुसार केंद्रीय/राज्य एजेंसियों से विशिष्ट योजनाओं के लिए प्राप्त/प्राप्य सभी निधियों का उचित हिसाब/उपयोग किया है। कंपनी ने वर्ष के दौरान न तो कोई सरकारी अनुदान प्राप्त किया और न ही उसका उपयोग किया। On the basis of Books of account and records of the Company and according to information and explanations given to us, the Company has properly accounted for/utilized all funds received / receivable for specific schemes from Central/State agencies as per its terms and conditions. Company has neither received nor utilized any government grant during the year.

एस पी एस ए एंड कंपनी के लिए
चार्टर्ड अकाउंटेंट
(फर्म का पंजीकरण संख्या: 019888N)

For **S P S A & Co.**
Chartered Accountants
(Firm's Registration No.: 019888N)

ह/-
सीए संजय कुमार अग्रवाल
पार्टनर
(सदस्यता संख्या: 506604)
यूडीआईएन: 25506604BMMHPU5750

Sd/-
CA. Sanjay Kumar Agrawal
Partner
(Membership No.: 506604)
UDIN: 25506604BMMHPU5750

दिनांक: 19-06-2025
स्थान: नोएडा (उत्तर प्रदेश)

Date: 19-06-2025
Place: Noida (Uttar Pradesh)

स्वतंत्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट का "अनुलग्नक ग"

कंपनी अधिनियम, 2013 ("अधिनियम") की धारा 143 की उप-धारा 3 के खंड (i) के अंतर्गत आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर रिपोर्ट

हमने उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी के वित्तीय विवरणों के हमारे लेखापरीक्षा के साथ 31 मार्च, 2025 तक ***प्रोजेक्ट्स एंड डेवलपमेंट इंडिया लिमिटेड ("कंपनी")*** की वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण का लेखापरीक्षा किया है।

आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के लिए प्रबंधन की जिम्मेदारी

कंपनी का प्रबंधन संस्थान द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के अंकेक्षण पर मार्गदर्शन नोट में बताए गए आंतरिक नियंत्रण के आवश्यक घटकों पर विचार करते हुए कंपनी भारत के चार्टर्ड अकाउंटेंट संस्थान के द्वारा स्थापित वित्तीय रिपोर्टिंग मानदंडों पर आंतरिक नियंत्रण के आधार पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थापित करने और बनाए रखने के लिए जिम्मेदार है।. इन जिम्मेदारियों में पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का डिज़ाइन, कार्यान्वयन और रखरखाव शामिल है जो कंपनी की नीतियों का पालन, इसकी परिसंपत्तियों की सुरक्षा, धोखाधड़ी और त्रुटियों की रोकथाम और पता लगाने, लेखा अभिलेखों की सटीकता और पूर्णता, और कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत आवश्यक विश्वसनीय वित्तीय जानकारी की समय पर तैयारी सहित अपने व्यवसाय के व्यवस्थित और कुशल संचालन को सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी ढंग से काम कर रहे थे।

लेखापरीक्षकों की जिम्मेदारी

हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपनी लेखापरीक्षा के आधार पर वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों पर एक राय व्यक्त करें। हमने अपनी लेखापरीक्षा वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखापरीक्षा पर मार्गदर्शन नोट ("मार्गदर्शन नोट") और आईसीएआई द्वारा जारी लेखापरीक्षा के मानकों के अनुसार की और कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143(10) के तहत निर्धारित मानी गई, आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखापरीक्षा के लिए लागू सीमा तक, दोनों आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखापरीक्षा के लिए लागू हैं और दोनों को भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान द्वारा जारी किया गया है। उन मानकों और मार्गदर्शन नोट के लिए आवश्यक है कि हम नैतिक आवश्यकताओं का अनुपालन करें और उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए अंकेक्षण की योजना बनाएं और निष्पादित करें कि क्या वित्तीय रिपोर्टिंग पर पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थापित और बनाए रखा गया था और क्या ऐसे नियंत्रण सभी भौतिक मामलों में प्रभावी ढंग से संचालित होते हैं।

हमारे लेखापरीक्षा में वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता और उनकी परिचालन प्रभावशीलता के बारे में अंकेक्षण साक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रक्रियाएं निष्पादित करना शामिल है। वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की हमारी अंकेक्षण में वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक

"Annexure C" to the Independent Auditor's Report

Report on the Internal Financial Controls under Clause (i) of Sub-section 3 of Section 143 of the Companies Act, 2013("the Act")

We have audited the internal financial controls over financial reporting of ***Projects & Development India Limited ("The Company")*** as of March 31, 2025 in conjunction with our audit of the financial statements of the Company for the year ended on that date.

Management's Responsibility for Internal Financial Controls

The Company's management is responsible for establishing and maintaining internal financial controls based on the internal control over financial reporting criteria established by the Company considering the essential components of internal control stated in the Guidance Note on Audit of Internal Financial Controls over Financial Reporting issued by the Institute of Chartered Accountants of India. These responsibilities include the design, implementation and maintenance of adequate internal financial controls that were operating effectively for ensuring the orderly and efficient conduct of its business, including adherence to company's policies, the safeguarding of its assets, the prevention and detection of frauds and errors, the accuracy and completeness of the accounting records, and the timely preparation of reliable financial information, as required under the Companies Act, 2013.

Auditors' Responsibility

Our responsibility is to express an opinion on the Company's internal financial controls over financial reporting based on our audit. We conducted our audit in accordance with the Guidance Note on Audit of Internal Financial Controls Over Financial Reporting (the "Guidance Note") and the Standards on Auditing, issued by ICAI and deemed to be prescribed under section 143(10) of the Companies Act, 2013, to the extent applicable to an audit of internal financial controls, both applicable to an audit of Internal Financial Controls and, both issued by the Institute of Chartered Accountants of India. Those Standards and the Guidance Note require that we comply with ethical requirements and plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether adequate internal financial controls over financial reporting was established and maintained and if such controls operated effectively in all material respects.

Our audit involves performing procedures to obtain audit evidence about the adequacy of the internal financial controls system over financial reporting and their operating effectiveness. Our audit of internal financial controls over financial reporting included

वित्तीय नियंत्रणों की समझ प्राप्त करना, जोखिम का आकलन करना कि कोई भौतिक कमज़ोरी मौजूद है, और मूल्यांकन किए गए जोखिम के आधार पर आंतरिक नियंत्रण के डिज़ाइन और परिचालन प्रभावशीलता का परीक्षण और मूल्यांकन करना शामिल है। चुनी गई प्रक्रियाएं लेखापरीक्षक के निर्णय पर निर्भर करती हैं, जिसमें वित्तीय विवरणों के भौतिक गलत विवरण के जोखिमों का आकलन शामिल है, चाहे वह धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो।

हमारा मानना है कि हमने जो लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त किए हैं, वे वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी की आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली पर हमारी लेखापरीक्षा राय के लिए आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त हैं।

वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण का अर्थ

वित्तीय रिपोर्टिंग पर किसी कंपनी का आंतरिक वित्तीय नियंत्रण आम तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार वित्तीय रिपोर्टिंग की विश्वसनीयता और बाहरी उद्देश्यों के लिए वित्तीय विवरण तैयार करने के संबंध में उचित आश्वासन प्रदान करने के लिए डिज़ाइन की गई एक प्रक्रिया है। वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण में वे नीतियां और प्रक्रियाएं शामिल हैं:

1. रिकॉर्ड के रखरखाव से संबंधित, जो उचित विवरण में, कंपनी की संपत्तियों के लेनदेन और स्वभाव को सटीक और निष्पक्ष रूप से दर्शाता है;
2. उचित आश्वासन प्रदान करना कि आम तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार वित्तीय विवरण तैयार करने की अनुमति देने के लिए लेनदेन को आवश्यक रूप से दर्ज किया जाता है, और कंपनी की प्राप्तियां और व्यय केवल कंपनी के प्रबंधन और निदेशकों के प्राधिकरण के अनुसार किए जा रहे हैं; और
3. कंपनी की परिसंपत्तियों के अनधिकृत अधिग्रहण, उपयोग या निपटान की रोकथाम या समय पर पता लगाने के संबंध में उचित आश्वासन प्रदान करें, जिसका वित्तीय विवरणों पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ सकता है।

वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की अंतर्निहित सीमाएँ

वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की अंतर्निहित सीमाओं के कारण, जिसमें मिलीभगत या अनुचित प्रबंधन द्वारा नियंत्रणों को ओवरराइड करने की संभावना भी शामिल है, त्रुटि या धोखाधड़ी के कारण महत्वपूर्ण गलतबयानी हो सकती है और उसका पता नहीं लगाया जा सकता है। इसके अलावा, भविष्य की अवधि के लिए वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के किसी भी मूल्यांकन के अनुमान इस जोखिम के अधीन हैं कि वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थितियों में बदलाव के कारण अपर्याप्त हो सकता है, या नीतियों या प्रक्रियाओं के अनुपालन की डिग्री के कारण अपर्याप्त हो सकता है।

obtaining an understanding of internal financial controls over financial reporting, assessing the risk that a material weakness exists, and testing and evaluating the design and operating effectiveness of internal control based on the assessed risk. The procedures selected depend on the auditor's judgement, including the assessment of the risks of material misstatement of the financial statements, whether due to fraud or error.

We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our audit opinion on the Company's internal financial controls system over financial reporting.

Meaning of Internal Financial Controls Over Financial Reporting

A company's internal financial control over financial reporting is a process designed to provide reasonable assurance regarding the reliability of financial reporting and the preparation of financial statements for external purposes in accordance with generally accepted accounting principles. A company's internal financial control over financial reporting includes those policies and procedures that:

1. pertain to the maintenance of records that, in reasonable detail, accurately and fairly reflect the transactions and dispositions of the assets of the company;
2. provide reasonable assurance that transactions are recorded as necessary to permit preparation of financial statements in accordance with generally accepted accounting principles, and that receipts and expenditures of the company are being made only in accordance with authorizations of management and directors of the company; and
3. provide reasonable assurance regarding prevention or timely detection of unauthorized acquisition, use, or disposition of the company's assets that could have a material effect on the financial statements.

Inherent Limitations of Internal Financial Controls Over Financial Reporting

Because of the inherent limitations of internal financial controls over financial reporting, including the possibility of collusion or improper management override of controls, material misstatements due to error or fraud may occur and not be detected. Also, projections of any evaluation of the internal financial controls over financial reporting to future periods are subject to the risk that the internal financial control over financial reporting may become inadequate because of changes in conditions, or that the degree of compliance with the policies or procedures may deteriorate.

राय

हमारी राय में, कंपनी के पास सभी भौतिक मामलों में वित्तीय रिपोर्टिंग पर पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली है और वित्तीय रिपोर्टिंग पर ऐसे आंतरिक वित्तीय नियंत्रण 31 मार्च 2025 तक प्रभावी ढंग से काम कर रहे थे, जो कि कंपनी द्वारा स्थापित वित्तीय रिपोर्टिंग मानदंडों पर आंतरिक नियंत्रण के आधार पर भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संस्थान द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के ऑडिट पर मार्गदर्शन नोट में वर्णित आंतरिक नियंत्रण के आवश्यक घटकों पर विचार करते हुए किया गया था।

एस पी एस ए एंड कंपनी के लिए
चार्टर्ड अकाउंटेंट
(फर्म का पंजीकरण संख्या: 019888N)

ह/-
संजय कुमार अग्रवाल
पार्टनर
(सदस्यता संख्या: 506604)
यूडीआईएन: 25506604BMMHPU5750

दिनांक: 19-06-2025
स्थान: नोएडा (उत्तर प्रदेश)

Opinion

In our opinion, the Company has, in all material respects, an adequate internal financial controls system over financial reporting and such internal financial controls over financial reporting were operating effectively as at 31st March 2025, based on the internal control over financial reporting criteria established by the Company considering the essential components of internal control stated in the Guidance Note on Audit of Internal Financial Controls Over Financial Reporting issued by the Institute of Chartered Accountants of India.

For **S P S A & Co.**
Chartered Accountants
(Firm's Registration No.: 019888N)

Sd/-
Sanjay Kumar Agrawal
Partner
(Membership No.: 506604)
UDIN: 25506604BMMHPU5750

Date: 19-06-2025
Place: Noida (Uttar Pradesh)

प्रदर्शन पर एक नज़र/PERFORMANCE AT A GLANCE

वित्तीय मुख्य विशेषताएं / Financial Highlights :-

₹ in Crore

विवरण / Particulars	2024-25	2023-24	2022-23	2021-22	2020-21	2019-20	2018-19	2017-18	2016-17	2015-16	2014-15
परिचालन से राजस्व (शुद्ध) / Revenue from Operation (Net)	90.29	97.66	98.60	115.04	121.09	133.01	116.50	68.20	45.95	63.63	46.18
अन्य आय / Other Income	10.53	8.93	8.61	7.04	8.59	9.15	15.00	9.66	11.79	8.43	11.37
कुल आय / Total Income	100.82	106.59	107.21	122.08	129.68	142.16	131.50	77.86	57.74	72.06	57.55
मूल्यह्रास/क्षति, ब्याज और कर से पहले की कमाई (पीबीडीआइटी) / Earning before depreciation/Impairment, Interest and Tax (PBDIT)	8.89	16.42	6.85	17.06	28.64	48.63	39.54	2.60	(7.76)	(3.62)	(6.90)
दिलचस्पी / Interest	0		-	-	-	-	-	-	-	-	-
मूल्यह्रास/हानि / Depreciation/Impairment	1.60	2.04	2.26	2.22	2.39	2.78	2.32	1.99	2.19	2.78	3.58
Profit Before tax / कर से पहले का लाभ	7.29	14.38	4.59	14.84	26.25	45.85	37.22	0.61	(9.95)	(6.40)	(10.48)
कर के बाद लाभ / Profit after Tax	4.59	10.62	3.58	10.81	19.07	31.83	30.36	2.69	(10.58)	(8.92)	(5.86)
सकल अचल संपत्ति / Gross Fixed Assets	55.02	55.8	53.86	51.36	50.99	50.16	47.71	69.55	68.91	69.09	68.39
शुद्ध अचल संपत्तियाँ / Net Fixed Assets	13.09	14.62	14.71	14.02	15.81	16.65	16.25	14.99	16.29	17.28	19.06
चालू और गैर-चालू संपत्तियां, ऋण और अग्रिम / Current & Non Current Assets, Loans and Advances	211.62	208.52	200.09	236.04	227.29	205.69	173.11	134.99	120.41	135.50	136.71
वर्तमान एवं गैर-वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान / Current & Non-Current Liabilities and Provisions	57.41	56.14	53.82	88.21	91.36	71.96	71.65	44.96	32.29	38.12	32.48
कार्यशील पूंजी / Working Capital	160.44	150.64	144.52	122.21	135.93	133.73	101.46	90.03	88.12	97.38	104.23
निवल मूल्य/ Networth	176.18	174.78	167.74	167.40	157.54	154.950	123.12	110.39	107.70	118.28	129.42
व्यवसाय के लिए आवश्यक मूलधन / Capital Employed /	176.18	174.78	174.51	172.95	151.72	150.390	118.59	105.02	104.41	114.67	123.28
उत्पादन (उत्प्रेरक) (एमटी)* / Production (Catalyst) (MT)*	0	-	-	-	-	-	138	97	4	127	82
बिक्री (उत्प्रेरक) (एमटी)*/ Sale (Catalyst) (MT)*	0	-	-	-	-	-	159	96	10	118	61
लाभांश/ Dividend	7.05	3.19	3.58	3.24	7.88	9.55	11.80	-	-	1.85	-

Key Indicators / महत्वपूर्ण संकेतक

विवरण / Particulars	2024-25	2023-24	2022-23	2021-22	2020-21	2019-20	2018-19	2017-18	2016-17	2015-16	2014-15
चालू और गैर चालू परिसंपत्तियों का कुल शुद्ध परिसंपत्तियों से अनुपात (%)/ Current & Non Current Assets to Net Total Assets (%)							145.97	128.53	115.32	118.17	110.89
वर्तमान अनुपात / Current Ratio	5.35:1	5.21:1	5.15:1	2.79:1	2.49:1	2.86:1	2.42:1	3.00:1	3.73:1	3.55:1	4.21:1
अम्ल परीक्षण अनुपात / Acid Test Ratio					2.38:1	2.38:1	2.38:1	2.87:1	3.62:1	3.45:1	4.02:1
नियोजित पूंजी पर रिटर्न (%) / Return on Capital Employed (%)	4.14	8.23	2.73	8.58	12.57	21.16	25.60	2.56	-	-	-
लाभांश (%) / Return on Equity (%)	26.53	61.37	20.71	62.48	110.23	183.99	175.49	15.55	-	-	-
प्रति शेयर आय (ईपीएस) (रु.) / Earning Per Share (EPS) (Rs.)	265.25	613.67	207.05	624.84	1,103	1,840	1,755	155	-	-	-
पीबीडीआईटी/टर्नओवर (%) / PBDIT/Turnover (%)	8.82	15.40	6.39	13.97	22.09	34.21	30.07	3.34	-	-	-
नेटवर्थ पर रिटर्न (%) / Return on Networth (%)	4.14	8.23	2.73	6.46	12.10	20.54	24.66	2.44	-	-	-
व्यवसाय के लिए आवश्यक मूलधन / Capital Employed							118.59	105.02			123.28
कर्मचारी (संख्या) / Employee (Nos)											393

* The Catalyst Plant was handed over to FCIL on 30.04.2019 in compliance of DoF's Order (Ref Note No.35)

* उत्प्रेरक संयंत्र को 30.04.2019 को एफसीआईएल को डीओएफ के आदेश (संदर्भ नोट संख्या 35) के अनुपालन में सौंप दिया गया।

प्रोजेक्ट्स एंड डेवलपमेंट इंडिया लिमिटेड
31 मार्च, 2025 तक तुलन पत्र

PROJECTS & DEVELOPMENT INDIA LIMITED
Balance Sheet as at 31st March 2025

(₹ लाख में) (₹ In Lakhs)

विवरण		Particulars		नोट संख्या Note No.	वर्तमान रिपोर्टिंग अवधि 31/03/2025 के अंत तक के आंकड़े Figures as at the end of Current Reporting Period 31.03.2025	पिछली रिपोर्टिंग अवधि 31/03/2024 के अंत तक के आंकड़े Figures as at the end of Previous Reporting Period 31.03.2024
I.	**इक्विटी और देयताएं**	**I.**	**EQUITY AND LIABILITIES**			
1	**अंशधारी निधि**	**1**	**Shareholders' funds**			
(ए)	शेयर पूंजी	(a)	Share Capital	2	1,729.85	1,729.85
(बी)	आरक्षित और अधिशेष	(b)	Reserves and Surplus	3	15,888.44	15,748.09
2	**आवेदन राशि लंबित आवंटन साझा करें**	**2**	**Share Application Money Pending Allotment**		-	-
3	**गैर वर्तमान देनदारियां**	**3**	**Non-current Liabilities**			
(ए)	दीर्घकालिक उधार	(a)	Long Term Borrowings	4	-	-
(बी)	आस्थगित कर देनदारियाँ (निवल)	(b)	Deferred Tax Liabilities (Net)	5	-	-
(सी)	अन्य दीर्घकालिक देनदारियाँ	(c)	Other Long Term Liabilities	6	67.06	114.07
(डी)	दीर्घकालिक प्रावधान	(d)	Long Term Provisions	7	1,986.18	1,925.59
4	**वर्तमान देनदारियां**	**4**	**Current Liabilities**			
(ए)	लघु अवधि की उधारी	(a)	Short Term Borrowings	8	-	-
(बी)	व्यापार देनदारियां;-	(b)	Trade Payables;-	9		
	(i) सूक्ष्म एवं लघु उद्यम		(i) MICRO and Small Enterprises		94.07	122.72
	(ii) सूक्ष्म और लघु उद्यमों के अलावा		(ii) Other than MICRO and Small Enterprises		478.56	423.57
(सी)	अन्य वर्तमान देनदारियां	(c)	Other Current Liabilities	10	2,322.61	1,932.55
(डी)	अल्पावधि प्रावधान	(d)	Short Term Provisions	11	792.63	1,095.44
	कुल		**TOTAL**		**23,359.40**	**23,091.88**
II.	**परिसंपत्तियां**	**II.**	**ASSETS**			
1	**गैर तात्कालिक परिसंपत्तियां**	**1**	**Non-current Assets**			
(ए)	परिसंपत्तियां, संयंत्र और उपकरण और अमूर्त परिसंपत्तियां	(a)	Property, Plant and Equipment and Intangible Assets			
(i)	सम्पत्ति, संयत्र तथा उपकरण	(i)	Property, Plant and Equipment	12	1,289.97	1,434.35
(ii)	अमूर्त संपत्ति	(ii)	Intangible Assets	12	18.81	27.48
(iii)	पूंजीगत कार्य - प्रगति पर	(iii)	Capital Work-in-Progress	12A	-	-
(iv)	विकासाधीन अमूर्त संपत्ति	(iv)	Intangible assets under development	12B	-	-
(बी)	गैर-चालू निवेश	(b)	Non-current Investments	13	-	-
(सी)	आस्थगित कर परिसंपत्तियां (शुद्ध)	(c)	Deferred Tax Assets (net)	5	888.96	777.26
(डी)	दीर्घकालिक ऋण और अग्रिम	(d)	Long Term Loans and Advances	14	-	-
(इ)	अन्य गैर - वर्तमान परिसंपत्तियां	(e)	Other non-current Assets	15	1,430.21	2,214.23
2	**वर्तमान परिसंपत्तियां**	**2**	**Current Assets**			
(ए)	वर्तमान निवेश	(a)	Current Investments	16	-	-
(बी)	वस्तुसूची	(b)	Inventories	17	12.51	12.51
(सी)	व्यापार प्राप्तियां	(c)	Trade Receivables	18	8,098.27	8,664.68
(डी)	नकद और नकद समकक्ष और अन्य बैंक शेष	(d)	Cash & Cash equivalents and Other Bank Balances	19	10,656.34	9,127.73
(इ)	अल्पावधि ऋण और अग्रिम	(e)	Short Term Loans and Advances	20	121.38	153.82
(एफ)	अन्य वर्तमान परिसंपत्तियां	(f)	Other Current Assets	21	842.95	679.82
	कुल		**TOTAL**		**23,359.40**	**23,091.88**
	महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां		Significant Accounting Policies	**1 to 53**		
	संलग्न नोट इन वित्तीय विवरणों का एक अभिन्न अंग हैं		The accompanying notes are an integral part of these financial statements			

निदेशक मंडल के वास्ते

ह/-
अर्पिता बसु रॉय
कंपनी सचिव
M. No.: A28972

ह/-
हीरा नंद
निदेशक (वित्त)
DIN: 09476034

ह/-
डॉ. यू. सरवणन
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
DIN: 07274628

For and on behalf of the Board of Directors

sd/-
Arpita Basu Roy
Company Secretary
M. No.: A28972

sd/-
Hira Nand
Director (Finance)
DIN: 09476034

sd/-
Dr. U. Saravanan
Chairman & Managing Director
DIN: 07274628

हमारी रिपोर्ट की अवधि में सम दिनांक संलग्न है
एसपीएसए और कंपनी के लिए
चार्टर्ड अकाउंटेंट
फर्म पंजीकरण संख्या: 019888N
ह/-
संजय कुमार अग्रवाल
पार्टनर
M. No.: 506604
यूडीआईएन संख्या: 25506604BMMHPU5750

स्थान: नोएडा
तिथि: 19.06.2025

In term of our report of even date attached
For SPSA & CO
Chartered Accountants
Firm Regn No.: 019888N
sd/-
Sanjay Kumar Agrawal
Partner
M.No.: 506604
UDIN NO: 25506604BMMHPU5750

Place: Noida
Date: 19.06.2025

प्रोजेक्ट्स एंड डेवलपमेंट इंडिया लिमिटेड

31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए लाभ और हानि का विवरण

PROJECTS & DEVELOPMENT INDIA LIMITED

Statement of Profit and Loss for the year ended 31st March, 2025

(₹ लाख में) (₹ In Lakhs)

	विवरण		Particulars	नोट संख्या Note No.	वर्तमान रिपोर्टिंग अवधि 31.03.2025 के अंत तक के आंकड़े Figures as at the end of Current Reporting Period 31.03.2025	पिछली रिपोर्टिंग अवधि 31.03.2024 के अंत तक के आंकड़े Figures as at the end of Previous Reporting Period 31.03.2024
I.	परिचालन से राजस्व (शुद्ध)	I.	Revenue from operations (Net)	22	9,029.07	9,766.34
II.	अन्य आय	II.	Other Income	23	1,052.64	893.00
III.	**कुल आय (I + II)**	**III.**	**Total Income (I + II)**		**10,081.71**	**10,659.34**
IV.	**खर्च:**	**IV.**	**Expenses:**			
	उपभोग की गई सामग्री की लागत		Cost of Materials Consumed	24	-	-
	स्टॉक-इन-ट्रेड की खरीद		Purchases of Stock-in-Trade	25	-	-
	तैयार माल, कार्य-प्रगति और स्टॉक-इन-ट्रेड की सूची में परिवर्तन		Changes in Inventories of Finished Goods, Work-In-Progress and Stock-In-Trade	26	-	-
	कर्मचारी लाभ व्यय		Employee Benefits Expense	27	6,837.20	6,644.90
	वित्तीय लागत		Finance Cost	28	-	-
	मूल्यह्रास और परिशोधन व्यय		Depreciation and Amortization Expense	29	159.63	204.56
	हानि क्षति		Impairment Loss		-	-
	अन्य व्यय		Other Expenses	30	2,170.64	2,371.47
V.	**कुल व्यय**	**V.**	**Total Expenses**		**9,167.47**	**9,220.93**
VI.	**विशेष और असाधारण वस्तुओं और कर से पहले लाभ (III-V)**	**VI.**	**Profit before Exceptional and Extraordinary Items and Tax (III-V)**		**914.24**	**1,438.41**
VII.	असाधारण वस्तुएँ (नोट संख्या 45 देखें)	VII.	Exceptional Items (Refer Note No. 45)		(185.69)	-
VIII.	**असाधारण वस्तुओं और कर से पहले लाभ (VI - VII)**	**VIII.**	**Profit before Extraordinary Items and Tax (VI - VII)**		**728.55**	**1,438.41**
IX.	असाधारण वस्तुएँ	IX.	Extraordinary Items		-	-
X.	**कर पूर्व लाभ (VIII-IX)**	**X.**	**Profit before Tax (VIII- IX)**		**728.55**	**1,438.41**
XI.	कर व्यय:	XI.	Tax Expenses:			
	(1) वर्तमान कर		(1) Current tax		305.95	477.32
	(2) पूर्व वर्षों का कर		(2) Earlier Years tax		75.46	-
	(3) आस्थगित कर		(3) Deferred tax		(111.71)	(100.47)
XII	**वर्ष के लिए लाभ (हानि)**	**XII**	**Profit (Loss) for the Year**		**458.85**	**1,061.56**
XIII	**प्रति इक्विटी शेयर आय:(₹1000 के सममूल्य पर)**	**XIII**	**Earning per Equity Share:(At Par Value of ₹1000)**	31		
	(1) बेसिक (₹ में)		(1) Basic (in ₹)		265.25	613.67
	(2) पतला (₹ में)		(2) Diluted (in ₹)		265.25	613.67

निदेशक मंडल के वास्ते

ह/-
अर्पिता बसु रॉय
कंपनी सचिव
M. No.: A28972

ह/-
हीरा नंद
निदेशक (वित्त)
DIN: 09476034

ह/-
डॉ. यू. सरवणन
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
DIN: 07274628

For and on behalf of the Board of Directors

sd/-
Arpita Basu Roy
Company Secretary
M. No.: A28972

sd/-
Hira Nand
Director (Finance)
DIN: 09476034

sd/-
Dr. U. Saravanan
Chairman & Managing Director
DIN: 07274628

हमारी रिपोर्ट की अवधि में सम दिनांक संलग्न है
एसपीएसए और कंपनी के लिए
चार्टर्ड अकाउंटेंट
फर्म पंजीकरण संख्या: 019888N
ह/-
संजय कुमार अग्रवाल
पार्टनर
M. No.: 506604
यूडीआईएन संख्या: 25506604BMMHPU5750

In term of our report of even date attached
For SPSA & CO
Chartered Accountants
Firm Regn No.: 019888N
sd/-
Sanjay Kumar Agrawal
Partner
M.No.: 506604
UDIN NO: 25506604BMMHPU5750

स्थान: नोएडा
तिथि: 19.06.2025

Place: Noida
Date: 19.06.2025

प्रोजेक्ट्स एंड डेवलपमेंट इंडिया लिमिटेड
31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए नकदी प्रवाह विवरण

PROJECTS & DEVELOPMENT INDIA LIMITED
Cash Flow Statement for the year ended 31st March 2025

(₹ लाख में) (₹ In Lakhs)

विवरण	Particulars	31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए For the year ended 31st March, 2025	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए For the year ended 31st March, 2024
ए. प्रचालन गतिविधियों से नकद प्रवाह	**A. CASH FLOW FROM OPERATING ACTIVITIES**		
करों और असाधारण वस्तुओं से पहले शुद्ध लाभ	**Net Profit before Taxes and Extraordinary items**	**728.55**	**1438.41**
इनके लिए समायोजन:	Adjustments for :		
मूल्यह्रास एवं परिशोधन (हानि सहित)	Depreciation & Amortisation (incl impairment)	159.63	204.56
ब्याज आय	Interest Income	(817.28)	(703.52)
संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की बिक्री पर लाभ	Profit on sale of Property, Plant & Equipment	0.00	(0.01)
संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की बिक्री पर नुकसान	Loss on Sale of Property, Plant & Equipment	3.67	0.00
संदिग्ध ऋणों और अग्रिमों के लिए प्रावधान (वापस लिखे गए अतिरिक्त प्रमाण का योग)	Provision for Doubtful Debts & Advances (net off excess prov.written back)	251.53	180.59
कार्यशील पूंजी समायोजन से पहले परिचालन लाभ	**Operating profit before working capital adjustments**	**326.10**	**1120.03**
अन्य दीर्घकालिक देयताओं और दीर्घकालिक प्रावधान में वृद्धि(+)/कमी(-)	Increase(+)/Decrease(-) in Other long term Liabilities and Long term Provision	13.58	135.73
अन्य वर्तमान देनदारियों और अल्पकालिक प्रावधान में वृद्धि(+)/कमी(-)	Increase(+)/Decrease(-) in Other Current Liabilities and Short term Provision	87.25	220.53
व्यापार देय में वृद्धि(+)/कमी(-)	Increase(+)/Decrease(-) in Trade Payables	26.34	(125.03)
व्यापार प्राप्य में वृद्धि(+)/कमी(-)	Increase(+)/Decrease(-) in Trade Receivable	314.88	(1006.69)
इन्वेंटरी में वृद्धि(+)/कमी(-)	Increase(+)/Decrease(-) in Inventory	0.00	0.00
अल्पावधि ऋण और अग्रिमों में वृद्धि(+)/कमी(-)	Increase(+)/Decrease(-) in Short term Loans & Advances	32.44	(23.39)
अन्य गैर चालू परिसंपत्तियों में वृद्धि(+)/कमी(-)	Increase(+)/Decrease(-) in Other Non Current Asset	784.02	(136.00)
अन्य चालू परिसंपत्ति में वृद्धि(+)/कमी(-)	Increase(+)/Decrease(-) in Other Current Asset	(75.94)	30.26
आयकर	Income Tax	(381.41)	(477.32)
परिचालन गतिविधियों से शुद्ध नकदी प्रवाह (ए)	**Net Cash Flow from Operating Activities(A)**	**1127.26**	**(261.88)**
बी. निवेश गतिविधियों से नकदी प्रवाह	**B. CASH FLOW FROM INVESTING ACTIVITIES**		
संपत्ति संयंत्र और उपकरण और अमूर्त संपत्तियों की खरीद	Purchase of Property plant and equipement and intangible assets	(10.38)	(195.33)
कैपिटल कार्य - प्रगति पर	Capital Work-in-Progress	-	-
संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की बिक्री	Sale of Property, Plant & Equipment	0.14	0.07
ब्याज आय	Interest Income	730.09	595.17
निवेश गतिविधियों से शुद्ध नकदी प्रवाह (बी)	**Net Cash flow from Investing Activities(B)**	**719.85**	**399.91**
सी. वित्तीय गतिविधियों से नकदी प्रवाह:	**C. CASH FLOW FROM FINANCING ACTIVITIES :**		
लाभांश का भुगतान	Payment of Dividend	(318.50)	(358.00)
वित्तीय गतिविधियों में प्रयुक्त शुद्ध नकदी (सी)	**Net cash used in Financing Activities(C)**	**(318.50)**	**(358.00)**
नकदी और नकदी समकक्ष में शुद्ध वृद्धि/(कमी) (ए + बी + सी)	**NET INCREASE /(DECREASE) IN CASH AND CASH EQUIVALENTS (A + B + C)**	**1528.61**	**(219.97)**
वर्ष की शुरुआत में नकद और नकद समकक्ष	Cash & Cash equivalents at the beginning of the year	**9127.73**	**9347.70**
नकदी और नकदी समकक्षों में शुद्ध वृद्धि/(कमी)।	NET INCREASE/(DECREASE) IN CASH AND CASH EQUIVALENTS	**1528.61**	**(219.97)**
वर्ष के अंत में नकद एवं नकद समतुल्य (नोट क्रमांक 19 देखें)	Cash & Cash equivalents at the end of the year (See Note No.19)	**10656.34**	**9127.73**

नोट नंबर 1 नकद और नकद समतुल्य में हाथ में नकदी और चालू खातों में बैंकों के पास शेष और जमा खाते में बैंकों के पास शेष शामिल हैं। नकदी प्रवाह विवरण में शामिल नकदी और नकदी समकक्षों में निम्नलिखित बैलेंस शीट राशियाँ शामिल होती हैं।	**NOTE No.1 Cash and cash equivalents consist of cash in hand and balances with banks in Current Accounts and Balances with banks in Deposits Account. Cash and cash equivalents included in the cash flow statement comprise the following Balance Sheet amounts.**	**For the year ended 31st March, 2025**	**For the year ended 31st March, 2024**
हाथ में नकदी और चालू खातों में बैंकों के पास शेष (संदर्भ नोट संख्या: 19)	Cash in hand and balances with banks in Current Accounts (Ref Note No.: 19)	523.24	235.26
जमा खाते में बैंकों के पास शेष (संदर्भ नोट संख्या: 19)	Balances with banks in Deposits account (Ref Note No.: 19)	10133.10	8892.47
वर्ष के अंत में नकद एवं नकद समतुल्य	**Cash & Cash equivalents at the end of the year**	**10656.34**	**9127.73**

वर्ष के अंत में नकदी और नकदी समतुल्य में शामिल हैं (i) बैंकों के पास जमा ₹ 2786.34 लाख (पिछले वर्ष ₹ 2673.01 लाख) जो कि बीजी/ओडी के खिलाफ गिरवी रखे जाने के कारण कंपनी को स्वतंत्र रूप से वापस नहीं किया जा सकता है और (ii) डीओएफ से प्राप्त राशि ₹ 354.11 लाख (पिछले वर्ष ₹ 25 लाख) जो कि कंपनी के व्यवसाय के उपयोग के लिए स्वतंत्र रूप से उपलब्ध नहीं है।

Cash & Cash equivalents at the end of the year include (i) deposit with banks ₹ 2786.34 lakhs (Previous Year ₹ 2673.01 lakhs) which are not freely remissible to the company because of pledged against BG/OD and (ii) amount ₹ 354.11 lakhs "(previous year ₹ 25 lakhs) received from DOF, which is not for freely available for use of company business.

उपरोक्त नकदी प्रवाह विवरण भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान द्वारा जारी किए गए नकदी प्रवाह विवरण पर लेखांकन मानक "एएस-3" में निर्धारित अप्रत्यक्ष विधि के तहत तैयार किया गया है।

The above Cash Flow Statement has been prepared under the Indirect Method as set out in the Accounting Standard "AS-3" on ''Cash Flow Statements" issued by The Institute of Chartered Accountants of India.

निदेशक मंडल के वास्ते

ह/-
अर्पिता बसु रॉय
कंपनी सचिव
M. No.: A28972

ह/-
हीरा नंद
निदेशक (वित्त)
DIN: 09476034

ह/-
डॉ. यू. सरवणन
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
DIN: 07274628

For and on behalf of the Board of Directors

sd/-
Arpita Basu Roy
Company Secretary
M. No.: A28972

sd/-
Hira Nand
Director (Finance)
DIN: 09476034

sd/-
Dr. U. Saravanan
Chairman & Managing Director
DIN: 07274628

हमारी रिपोर्ट की अवधि में सम दिनांक संलग्न है
एसपीएसए और कंपनी के लिए
चार्टर्ड अकाउंटेंट
फर्म पंजीकरण संख्या: 019888N
ह/-
संजय कुमार अग्रवाल
पार्टनर
M. No.: 506604
यूडीआईएन संख्या: 25506604BMMHPU5750

In term of our report of even date attached
For SPSA & CO
Chartered Accountants
Firm Regn No.: 019888N
sd/-
Sanjay Kumar Agrawal
Partner
M.No.: 506604
UDIN NO: 25506604BMMHPU5750

स्थान: नोएडा
तिथि: 19.06.2025

Place: Noida
Date: 19.06.2025

31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए वित्तीय विवरणों पर टिप्पणियाँ

1. महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां

क. सामान्य

1.1 वित्तीय विवरण भारत में आम तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार ऐतिहासिक लागत परम्परा के तहत और कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 133 के तहत निर्दिष्ट लेखांकन मानकों के अनुपालन में, नियम 7 के साथ पठित, चालू चिंता के आधार पर तैयार किए गए हैं। कंपनी (लेखा) नियम, 2014 और कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रासंगिक प्रावधान।

1.2 वर्तमान बनाम गैर-वर्तमान वर्गीकरण

कंपनी वर्तमान/गैर-वर्तमान वर्गीकरण के आधार पर परिसंपत्तियों और देनदारियों को बैलेंस शीट में प्रस्तुत करती है।

किसी परिसंपत्ति को चालू तब माना जाता है जब वह:

1) सामान्य परिचालन चक्र में प्राप्त होने की उम्मीद है या बेचने या उपभोग करने का इरादा है।

2) मुख्य रूप से व्यापार के उद्देश्य से आयोजित, या

3) रिपोर्टिंग अवधि के बाद बारह महीनों के भीतर साकार होने की उम्मीद है, या

4) नकद या नकद समतुल्य, जब तक कि रिपोर्टिंग अवधि के बाद कम से कम बारह महीने के लिए किसी दायित्व का निपटान करने के लिए विनिमय या उपयोग करने पर प्रतिबंध न हो।

अन्य सभी परिसंपत्तियों को गैर-चालू के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

किसी देनदारी को तब चालू माना जाता है जब:

क) इसके सामान्य परिचालन चक्र में निपटान होने की उम्मीद है।

ख) यह मुख्य रूप से व्यापार के उद्देश्य से आयोजित किया जाता है।

ग) इसका निपटान रिपोर्टिंग अवधि के बाद बारह महीनों के भीतर किया जाना है, या

घ) रिपोर्टिंग अवधि के बाद कम से कम बारह महीने के लिए देनदारी के निपटान को स्थगित करने का कोई बिना शर्त अधिकार नहीं है

अन्य सभी देनदारियों को गैर-वर्तमान के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

1.3 परिचालन चक्र: - सेवाओं की प्रकृति और प्रसंस्करण के लिए परिसंपत्तियों के अधिग्रहण और नकद और नकद समकक्षों में उनकी वसूली के बीच के समय के आधार पर, कंपनी का परिचालन चक्र बारह

Notes to Financial Statements for the year ended 31st March, 2025

1. SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES

A. General

1.1 The financial statements have been prepared on a going concern basis under the historical cost convention in accordance with the generally accepted accounting principles in India and in compliance with the Accounting Standards specified under Section 133 of the Companies Act 2013, read with Rule 7 of the Companies (Accounts) Rules, 2014 and the relevant provisions of the Companies Act, 2013.

1.2 Current versus non-current classification

The Company presents assets and liabilities in the balance sheet based on current/ non-current classification.

An asset is treated as current when it is:

1) Expected to be realized or intended to be sold or consumed in normal operating cycle.

2) Held primarily for the purpose of trading, or

3) Expected to be realized within twelve months after the reporting period, or

4) Cash or cash equivalent unless restricted from being exchanged or used to settle a liability for at least twelve months after the reporting period.

All other assets are classified as non-current.

A liability is current when:

(a) It is expected to be settled in normal operating cycle.

(b) It is held primarily for the purpose of trading.

(c) It is due to be settled within twelve months after the reporting period, or

(d) There is no unconditional right to defer the settlement of the liability for at least twelve months after the reporting period

All other liabilities are classified as non-current.

1.3 Operating cycle: - Based on the nature of services and the time between the acquisition of assets for processing and their realization in cash and cash equivalents, the Operating Cycle of the Company is less than twelve months. The Company has considered its Operating Cycle as twelve months for the

महीने से कम है। कंपनी ने परिसंपत्तियों और देनदारियों के चालू/गैर-चालू वर्गीकरण के उद्देश्य से अपने परिचालन चक्र को बारह महीने माना है।

ख. लाभ और हानि का विवरण

1. अनुबंधों से आय को निम्नानुसार मान्यता दी गई है:

1.1 पूर्ण किए गए और सौंपे गए अनुबंध:

जहां भी आवश्यक हो, सभी ज्ञात/गारंटी देनदारियों को प्रदान करने के बाद प्रदान की गई अनुबंध और अतिरिक्त सेवाओं, यदि कोई हो, का पूरा मूल्य और पिछले लेखांकन वर्ष तक ली गई आय से कम किया गया।

1.2 प्रगति पर अनुबंध:

1.2.1 कंपनी द्वारा निष्पादित:

क. डिज़ाइन इंजीनियरिंग और परियोजना प्रबंधन परामर्श सेवाएँ

अनुबंध के अनुसार आकस्मिकताओं, वारंटी आदि सहित अधिकतम देनदारियों को ध्यान में रखते हुए, अनुबंध के अनुसार एक वर्ष से अधिक की निर्धारित पूर्णता अवधि वाली परियोजना की भौतिक प्रगति के तकनीकी मूल्यांकन के अनुसार प्रतिशत पूर्णता के आधार पर अर्जित आय की गणना की जाती है, उन मामलों को छोड़कर जहां प्रगति नहीं है 15% से कम, जिसे अनुबंध कार्य-प्रगति के रूप में लागत पर लिया जाता है। निर्माण पर्यवेक्षण से आय की गणना संचय के आधार पर की जाती है।

ख. आद्योपांत परियोजनाएँ

i) परामर्श शुल्क को 1.2.1(क) के अनुसार मान्यता दी जाती है, ऐसे मामलों में जहां ऐसी फीस अनुबंध में एक अलग आइटम के रूप में निर्धारित की गई है।

ii) अन्य मामलों में, मामलों को छोड़कर, अनुबंध के अनुसार आकस्मिकता, वारंटी आदि सहित अधिकतम देनदारियों को ध्यान में रखते हुए, अनुबंध की अनुमानित कुल लागत के लिए किए गए कार्य पर खर्च की गई लागत के अनुपात में निर्धारित प्रतिशत पूर्णता के आधार पर आय की पहचान की जाती है। जहां प्रगति 25% से कम है, जिसे लागत पर अनुबंध कार्य-प्रगति के रूप में लिया जाता है।

1.2.2 उप-ठेकेदारों द्वारा निष्पादित:

उपार्जित आय की गणना उप-ठेकेदारों द्वारा किए गए कार्य की प्रगति के आधार पर की जाती है तथा अनुबंध से उत्पन्न होने वाली देयताओं, जिसमें आकस्मिक व्यय, वारंटी आदि शामिल हैं, की अनुमानित राशि पर विचार करने के बाद स्वामी/ठेकेदार द्वारा स्वीकार की जाती है।

purpose of current /non-current classification of assets and liabilities.

B. Statement of Profit and Loss

1. Income from Contracts is recognized as under:

1.1 Contracts completed and handed over:

Full value of contract and additional services, if any, rendered, after providing for all known / guaranteed liabilities, wherever required and reduced by income taken upto previous accounting year.

1.2 Contracts in progress:

1.2.1 Executed by Company:

a. Design Engineering and Project Management Consultancy Services

Income accrued calculated on the basis of percentage completion as per technical assessment of physical progress of the project having contract scheduled completion period of more than one year, after taking into account maximum liabilities including contingencies, warranties etc as per contract except in cases where progress is less than 15%, which is taken at cost as contract work-in-progress. Income from construction supervision is calculated on accrual basis.

b. Turnkey Projects

i) Consultancy fee is recognized as per 1.2.1(a), in cases where such fee is stipulated as a separate item in the contract.

ii) In other cases, income is recognized on the basis of percentage completion as determined in the ratio of cost incurred on work performed to estimated total cost of contract, after taking into account maximum liabilities including contingency , warranties etc as per contract except in cases where progress is less than 25%, which is taken at cost as contract work-in-progress.

1.2.2 Executed by Sub-contractors:

Income accrued is calculated on the progress of the job achieved by the sub-contractors and accepted by the owner / contractor after considering estimated amount of liabilities arising out of the contract, including contingencies, warranties, etc.

2. सेवाओं की बिक्री

2.1 अन्य सेवाओं से होने वाली आय को संविदात्मक शर्तों के अनुसार प्राप्त लक्ष्यों के आधार पर बनाए गए चालान के अनुसार पहचाना जाता है।

2.2 अनुबंधों के विरुद्ध परिसमाप्त क्षति सहित दावों का लेखा स्वीकृति के आधार पर किया जाता है।

3. संशयास्पद ऋणों के लिए छूट

पांच वर्ष या उससे अधिक अवधि के लिए बकाया व्यापार प्राप्य पूरी तरह से प्रदान किए जाते हैं। अन्य व्यक्तिगत योग्यता के आधार पर प्रदान किए जाते हैं।.

4. प्रावधान/देनदारियाँ

पिछले वर्षों में की गई देनदारियां/प्रावधान, लेकिन पांच वर्षों में दावा न किए जाने पर योग्यता के आधार पर वापस लिखा जाता है।

5. अवमूल्यन/परिशोधन

5.1 संपत्ति, संयंत्र और उपकरण पर मूल्यह्रास सीधी रेखा पद्धति पर या तो किसी समिति द्वारा मूल्यांकन की गई संपत्ति के उपयोगी जीवन के आधार पर या कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची II में निर्दिष्ट उपयोगी जीवन के अनुसार, जो भी कम हो, के आधार पर लगाया जाता है।

5.2 वर्ष के दौरान पूंजीकृत/निपटान/त्याग की गई संपत्ति, संयंत्र और उपकरण पर मूल्यह्रास ऐसे जोड़/निपटान/त्याग की तारीख के अनुपात में लिया जाता है। निपटान के लिए रखी गई/सक्रिय उपयोग मे नहीं लायी जाने वाली परिसंपत्तियों पर कोई मूल्यह्रास प्रदान नहीं किया जाता है।

5.3 अमूर्त संपत्ति (सॉफ्टवेयर एप्लिकेशन) का परिशोधन उनके उपयोगी जीवन पर सीधी रेखा पद्धति से किया जाता है। एएमसी के बिना तीन साल का उपयोगी जीवन और सॉफ्टवेयर अनुप्रयोगों के एएमसी के साथ पांच साल का उपयोगी जीवन।

5.4 पट्टे वाली भूमि पर प्रीमियम का भुगतान पट्टे की अवधि के दौरान किया जाता है।

6. प्रीपेड व्यय

प्रत्येक मामले में ₹ 5000/- तक का प्रीपेड व्यय चालू वर्ष के राजस्व खाते में वसूला जाता है।

7. पूर्व अवधि की आय/व्यय

प्रत्येक मामले में पिछली अवधि से संबंधित आय और व्यय ₹ 20,000/- तक चालू वर्ष के खाते में शामिल किए जाते हैं।

8. आय/व्यय का लेखा नकद आधार पर किया गया

8.1 बीमा एवं अन्य दावे।

8.2 स्क्रैप की बिक्री।

2. Sale of services

2.1 Income from other services is recognized as per invoices raised based on the milestones achieved in accordance with the contractual stipulations.

2.2 Claims inclusive of Liquidated Damages against contracts are accounted for on acceptance basis.

3. Allowance for Doubtful Debts

Trade Receivables, outstanding for a period of five years and above are fully provided. Others are provided on individual merit basis.

4. Provisions/ Liabilities

Liabilities / provisions made in previous years but remaining unclaimed over five years are written back on merit basis.

5. Depreciation/Amortization

5.1 Depreciation on Property, Plant & Equipment is charged on Straight Line Method either on the basis of useful life of the assets evaluated by a committee or as per useful life specified in schedule II to the Companies Act, 2013, whichever is lower.

5.2 Depreciation on Property, Plant & Equipment capitalized/ disposed off / discarded during the year is charged proportionate to the date of such addition / disposal / discarding. No depreciation is provided on assets held for disposal/retired from active use.

5.3 Intangible assets (Software Applications) are amortized over their useful life on straight line method. Useful life of three years without AMC and five years with AMC of software applications.

5.4 Premium on Lease hold land is amortized over the period of lease.

6. Pre paid Expenses

Prepaid expenditure incurred upto ₹ 5000/- in each case is charged to the current year's revenue account.

7. Prior Period Income / Expenditure

Income and Expenditure pertaining to earlier period upto ₹ 20,000/- in each case is included in the current year's account.

8. Income / Expenditure accounted for on cash basis

8.1 Insurance & Other Claims.

8.2 Sale of Scrap.

8.3 अतिदेय देनदारों/लेनदारों पर ब्याज, करों और कर रिफंड के भुगतान में देरी।

8.4 नोटिस भुगतान

8.5 विक्रेता पंजीकरण

9. विदेशी मुद्रा लेन-देन

विदेशी मुद्रा में लेन-देन लेनदेन के समय प्रचलित विनिमय दर पर दर्ज किए जाते हैं। सभी मौद्रिक परिसंपत्तियों और देनदारियों को वर्ष के अंत में प्रचलित विनिमय दरों पर परिवर्तित किया जाता है और यदि कोई अंतर होता है, तो उसे लाभ और हानि के विवरण में मान्यता दी जाती है।

10. निवेश

दीर्घकालिक निवेश लागत पर बताए गए हैं और ऐसे मूल्य में किसी भी कमी के लिए प्रावधान किया गया है, जो प्रकृति में अस्थायी नहीं है।

ग. वस्तुसूची का मूल्यांकन

1. कच्चा माल - कम लागत या शुद्ध वसूली योग्य मूल्य पर। लागत भारित औसत के आधार पर निर्धारित की जाती है।

2. भण्डार एवं पुर्जे

2.1 स्टोर और स्पेयर का मूल्य भारित औसत आधार पर गणना की गई लागत पर लगाया गया है। ऐसे भंडार और स्पेयर्स जो धीमे/न चलने वाले हैं, उनका मूल्यांकन तकनीकी मूल्यांकन/अनुमानित प्राप्ति योग्य मूल्य के आधार पर लागत या शुद्ध प्राप्ति योग्य मूल्य में से जो भी कम हो, उस पर किया जाता है, सिवाय अनुपयोगी, क्षतिग्रस्त और अप्रचलित भंडार और स्पेयर्स के, जिनके लिए 100% प्रावधान किए गए हैं।

2.2 यदि वस्तु का अपेक्षित उपयोगी जीवन बारह महीने तक है तो स्टोर और स्पेयर को इन्वेंट्री के रूप में मान्यता दी जाती है। यदि वस्तु का अपेक्षित उपयोगी जीवन बारह महीने से अधिक है और यह संभव है कि वस्तु से जुड़े भविष्य के आर्थिक लाभ कंपनी को नहीं मिलेंगे, तो उसे इन्वेंटरी के रूप में भी मान्यता दी जाती है।

3. अनुबंध कार्य प्रगति पर - लागत पर।

4. तैयार माल:

उत्पाद द्वारा - शुद्ध वसूली योग्य मूल्य पर।

घ. संपत्ति, संयंत्र और उपकरण

1. कंपनी द्वारा खरीदी/निर्मित संपत्ति, संयंत्र और उपकरण को ऐतिहासिक लागत घटाकर संचित मूल्यह्रास बताया गया है।

2. कंपनी द्वारा तकनीकी/वित्तीय मूल्यांकन के आधार पर परिसंपत्तियों के मूल्य में कमी के कारण गैर-सक्रिय संपत्ति,

8.3 Interest on overdue debtors/creditors, delay in payment of taxes and tax refunds.

8.4 Notice Pay

8.5 Vendor Registration

9. Foreign currency Transactions

Transactions in foreign currency are recorded at the exchange rate prevailing at the time of transaction. All monetary assets & liabilities are translated at the exchange rates prevailing at the year end and the differences, if any, are recognized in the Statement of Profit and Loss.

10. Investments

Long Term investments are stated at cost and provision is made for any diminution in such value, which is not temporary in nature.

C. Valuation Of Inventories

1. Raw Materials – at lower of cost or net realizable value. Cost is determined on weighted average basis.

2. Stores & Spares

2.1 Stores & Spares valued at cost calculated on weighted average basis. Item of stores and spares which are slow / non-moving are valued at lower of cost or net realizable value based on technical assessment / estimated realizable value except unserviceable, damaged and obsolete stores and spares for which 100% provisions are made.

2.2 Stores and spares are recognized as Inventory if expected useful life of the item is up to twelve months. In case expected useful life of the item is more than twelve months and it is probable that future economic benefits associated with the item will not flow to the company, the same are also recognized as Inventory.

3. Contract work-in-progress – at cost.

4. Finished Goods :

By Product – at net realizable value.

D. Property, Plant & Equipment

1. Property, Plant & Equipment purchased / constructed by the company is stated at historical cost less accumulated depreciation.

2. Additional depreciation on non active Property, Plant & Equipment is provided due to erosion in the value

संयंत्र एवं उपकरण पर अतिरिक्त मूल्यह्रास प्रदान किया जाता है, जिससे पुस्तकों में प्रत्येक परिसंपत्ति के लिए ₹1/- का अवशिष्ट मूल्य रह जाता है।

3. सरकारी निधियों/अनुदानों से अर्जित संपत्ति, संयंत्र और उपकरण और कंपनी का योगदान, यदि कोई हो, को ₹1/- प्रति परिसंपत्ति के नाममात्र मूल्य पर अनुदान के अंतर्गत बताया गया है।

4. स्टोर और स्पेयर्स को संपत्ति और उपकरण के रूप में तब मान्यता दी जाती है, यदि यह संभव है कि मद से जुडे भविष्य के आर्थिक लाभ कंपनी को मिल जाए और मद का अपेक्षित उपयोगी जीवन एक साल से अधिक का हैं ।

5. पूंजीगत कार्य प्रगति पर है और अमूर्त परिसंपत्ति विकासाधीन है - लागत पर।

6. संपत्ति का क्षतिग्रस्त होना

किसी परिसंपत्ति को तब क्षतिग्रस्त माना जाता है जब परिसंपत्ति की वहन लागत उसके वसूली योग्य मूल्य से अधिक हो जाती है। क्षतिग्रस्त होने पर हानि उस वर्ष के लाभ और हानि विवरण में दर्ज की जाती है जिसमें परिसंपत्ति को क्षतिग्रस्त के रूप में पहचाना जाता है। यदि वसूली योग्य राशि के अनुमान में कोई बदलाव हुआ है तो पूर्व लेखांकन अवधि में चिन्हित हानि को उलट दिया जाता है।

च. सरकारी अनुदान

1. कर्मचारियों के लिए स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति पृथक्करण योजना के कारण प्राप्त अनुदान को संबंधित व्यय से काट लिया जाता है।

2. राजस्व खाते पर प्राप्त अनुदान को उपयोग की सीमा तक अन्य आय में शामिल किया जाता है।

3. पूंजी खाते पर प्राप्त अनुदान को प्राप्त अनुदान की सीमा तक अर्जित संपत्ति, संयंत्र और उपकरण और अमूर्त परिसंपत्तियों से घटा दिया जाता है।

छ. ऋण लागत

किसी योग्य परिसंपत्ति के अधिग्रहण या निर्माण से सीधे जुड़ी उधार लेने की लागत को उस परिसंपत्ति की लागत के हिस्से के रूप में पूंजीकृत किया जाता है। अन्य उधार लेने की लागतों को राजस्व में शामिल किया जाता है।

ज. कर्मचारियों को लाभ

(क) भविष्य निधि/कर्मचारी परिवार पेंशन योजना के तहत कंपनी का योगदान संचय के आधार पर दर्ज किया जाता है।

of the assets based on technical / financial evaluation by the company leaving a residual value of ₹1/- for each asset in the books.

3. Property, Plant & Equipment acquired out of Govt. funds/grants and company's contribution, if any, are stated net of grants at a nominal value of ₹ 1/- per asset.

4. Stores and spares are recognized as Property, Plant and Equipment if it is probable that future economic benefits associated with the item will flow to the company and expected useful life of the item is more than twelve months.

5. Capital work-in-progress and Intangible Asset under development – at cost.

6. Impairment of Assets

An Asset is treated as impaired when the carrying cost of asset exceeds its recoverable value. An impairment loss is charged to statement of profit and loss in the year in which an asset is identified as impaired. The impairment loss recognised in prior accounting period is reversed if there has been a change in the estimate of recoverable amount.

E. Government Grants

1. Grant received on account of voluntary retirement separation Scheme for employees are deducted from the related expenditure.

2. Grant received on revenue account are included in other income to the extent of utilization.

3. Grants received on capital account are reduced from the Property, Plant & Equipment and Intangible Assets acquired to the extent of Grant received.

F. Borrowing Cost

Borrowing cost directly attributable to the acquisition or construction of a qualifying asset is capitalized as part of the cost of that asset. Other borrowing costs are charged to revenue.

G. Employees Benefit

a) Company's contribution under Provident Fund / Employees Families Pension Scheme is accounted for on accrual basis.

(ख) ग्रेच्युटी, एक परिभाषित लाभ योजना, जो कर्मचारियों को देय है, एक अलग ट्रस्ट द्वारा प्रशासित की जाती है, जिसने एलआईसी के साथ ग्रुप ग्रेच्युटी पॉलिसी ली है। एलआईसी पॉलिसी पर जोखिम प्रीमियम और एक्चुरियल मूल्यांकन द्वारा प्राप्त व्यय को लाभ और हानि विवरण में दर्ज किया जाता है।

(ग) अर्जित अवकाश और चिकित्सा अवकाश का लाभ खातों में बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर प्रदान किया जाता है।

झ. आयकर

(क) चालू वर्ष के आयकर का प्रावधान आयकर अधिनियम 1961 के अनुसार किया गया है।

(ख) वर्ष के लिए बही लाभ और कर योग्य लाभ के बीच "समय अंतर" के परिणामस्वरूप आस्थगित कर को उन कर दरों और कानूनों का उपयोग करने के लिए जिम्मेदार ठहराया जाता है जो बैलेंस शीट की तारीख के अनुसार अधिनियमित या पर्याप्त रूप से अधिनियमित किए गए हैं। आस्थगित कर परिसंपत्तियों को मान्यता दी जाती है और इस सीमा तक आगे बढ़ाया जाता है कि यह निश्चित हो कि भविष्य में परिसंपत्तियों को समायोजित किया जाएगा।

ञ. प्रावधान और आकस्मिक देनदारियाँ

प्रावधान को तब मान्यता दी जाती है जब किसी पिछली घटना के परिणामस्वरूप वर्तमान दायित्व होता है और यह संभावना है कि दायित्व को निपटाने के लिए आर्थिक लाभ वाले संसाधनों के बहिर्वाह की आवश्यकता होगी और दायित्व की राशि का एक विश्वसनीय अनुमान लगाया जा सकता है। एक आकस्मिक दायित्व को इसके लिए मान्यता दी गई है:

1) एक वर्तमान दायित्व जो पिछली घटनाओं से उत्पन्न होता है, लेकिन एक प्रावधान के रूप में मान्यता प्राप्त नहीं है क्योंकि या तो संभावना है कि दायित्व को निपटाने के लिए आर्थिक लाभ वाले संसाधनों के बहिर्वाह की आवश्यकता होगी, यह दूरस्थ है या दायित्व की राशि का एक विश्वसनीय अनुमान नहीं लगाया जा सकता है।

2) एक संभावित दायित्व जो पिछली घटनाओं से उत्पन्न होता है और जिसके अस्तित्व की पुष्टि केवल एक या अधिक अनिश्चित भविष्य की घटनाओं के घटित होने या न होने से होती है जो पूरी तरह से कंपनी के नियंत्रण में नहीं हैं।

ट. प्रति शेयर आय

प्रति शेयर मूल आय की गणना वर्ष के दौरान बकाया इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या से इक्विटी शेयरधारकों के लिए देय वर्ष के शुद्ध लाभ को विभाजित करके की जाती है।

b) Gratuity, a defined benefit plan, payable to employees is administered by a separate trust, which has taken a Group Gratuity Policy with LIC. The risk premium on the LIC policy and the expenses as arrived by the Actuarial valuation are charged to Statement of Profit & Loss.

c) Earned Leave and Medical Leave benefits are provided in the accounts on the basis of actuarial valuation.

H. Income Tax

a) Provision for Current Year Income Tax is made in accordance with the Income tax Act 1961.

b) Deferred Tax resulting from "timing difference" between book profit and taxable profit for the year is accounted for using the tax rates and laws that have been enacted or substantially enacted as on the Balance Sheet date. The deferred tax assets are recognized and carried forward to the extent that there is a virtual certainty that the assets will be adjusted in future.

I. Provisions & Contingent Liabilities

A provision is recognized when there is a present obligation as a result of a past event and it is probable that an outflow of resources embodying economic benefits will be required to settle the obligation and a reliable estimate can be made of the amount of obligation. A contingent liability is recognized for:

1) A present obligation that arises from past events but is not recognized as a provision because either the possibility that an outflow of resources embodying economic benefits will be required to settle the obligation is remote or a reliable estimate of the amount of the obligation cannot be made.

2) A possible obligation that arises from past events and the existence of which will be confirmed only by the occurrence or non-occurrence of one or more uncertain future events not wholly within the control of the company.

J. Earning Per Share

Basic earnings per share are calculated by dividing the net profit for the year attributable to equity shareholders by the weighted average number of equity shares outstanding during the year.

प्रोजेक्ट्स एंड डेवलपमेंट इंडिया लिमिटेड
31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए वित्तीय विवरणों पर नोट्स
2. शेयर पूंजी

PROJECTS & DEVELOPMENT INDIA LIMITED
Notes to Financial Statements for the year ended 31st March, 2025
2. Share Capital

(₹ लाख में) (₹ In Lakhs)

विवरण	PARTICULARS	31 मार्च, 2025 तक As at 31st March, 2025	31 मार्च, 2024 तक As at 31st March, 2024
अधिकृत	**AUTHORISED**		
प्रत्येक ₹1,000/- मूल्य के 470000 इक्विटी शेयर	470000 Equity Shares of ₹1,000/- each	4,700.00	4,700.00
130000 7% गैर-संचयी प्रतिदेय	130000 7% Non-Cumulative Redeemable		
प्रत्येक ₹ 1000/- के वरीयता शेयर	Preference Shares of ₹ 1000/- each	1,300.00	1,300.00
निर्मन, अभिकृत और प्रदत्त	**ISSUED, SUBSCRIBED & PAID UP**		
172985 इक्विटी शेयर [पिछले वर्ष	172985 Equity Shares [Previous year	1,729.85	1,729.85
172985 इक्विटी शेयर (जिनमें से 42485)	172985 Equity Shares(out of which 42485		
शेयरों को पूर्ण भुगतान के रूप में आवंटित किया गया था	shares were alloted as fully paid up for		
नकद के अलावा अन्य प्रतिफल)] ₹ 1000/-प्रत्येक	consideration other than cash)] of ₹ 1000/-each		
कुल	**TOTAL**	**1,729.85**	**1,729.85**

2.1 शेयर पूंजी का खुलासा
ए. रिपोर्टिंग अवधि के आरंभ और अंत में बकाया शेयरों का मिलान

2.1 Disclosure of Share capital
a. Reconciliation of the shares outstanding at the beginning and at the end of the reporting period

विवरण	Particulars	2024-25		2023-24	
		शेयरों की संख्या No of Shares	(₹ लाख में) (₹in Lakhs)	शेयरों की संख्या No of Shares	(₹ लाख में) (₹in Lakhs)
इक्विटी शेयर	**Equity Shares**				
वर्ष की शुरुआत में	At the beginning of the year	172,985	1,729.85	172,985	1,729.85
वर्ष के दौरान जारी किया गया	Issued during the year	-	-	-	-
वर्ष के दौरान वापस खरीदा गया	Bought back during the year	-	-	-	-
वर्ष के अंत में बकाया	Outstanding at the end of the year	172,985	1,729.85	172,985	1,729.85

बी इक्विटी शेयरों से जुड़ी शर्तें/अधिकार

कंपनी के पास केवल एक ही प्रकार के इक्विटी शेयर हैं जिनका सममूल्य ₹1000/- है। प्रत्येक इक्विटी शेयरधारक को प्रति शेयर एक वोट का अधिकार है। कंपनी भारतीय रुपये में लाभांश घोषित और भुगतान करती है। कंपनी के निदेशक मंडल ने 31.03.2024 को समाप्त वर्ष के लिए ₹318.50 लाख का लाभांश घोषित किया है। इसे 30.09.2024 को आयोजित वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में शेयरधारकों द्वारा अनुमोदित किया गया और 17.10.2024 को भारत सरकार को भुगतान कर दिया गया।

b Terms/rights attached to equity shares

Company has only one class of equity shares having a par value of ₹ 1000/-. Each holder of equity share is entitled to one vote per share. The company declares and pays dividend in Indian rupees. The Board of Directors of the Company has declared Dividend of ₹ 318.50 Lakhs for the year ended 31.03.2024. The same was approved by the shareholders in AGM held on 30.09.2024 and was paid to Govt. of India on 17.10.2024.

सी. कंपनी में 5% से अधिक शेयर रखने वाले शेयरधारकों का विवरण

c. Details of shareholders holding more than 5% shares in the company

विवरण	Particulars	31.03.2025 तक As at 31.03.2025		31.03.2024 तक As at 31.03.2024	
		धारित शेयरों की संख्या No of Shares Held	% धारित % Holding	धारित शेयरों की संख्या No of Shares Held	% धारित % Holding
इक्विटी शेयर	**Equity Shares**				
भारत के राष्ट्रपति	President of India	172,976	99.99%	172,976	99.99%
कुल	**Total**	**172,976**	**99.99%**	**172,976**	**99.99%**

डी. कंपनी ने अनुबंध के अनुसार नकदी में भुगतान प्राप्त किए बिना किसी भी पूर्ण भुगतान वाले शेयरों को आवंटित नहीं किया है, न ही बोनस शेयरों के माध्यम से किसी भी पूर्ण भुगतान वाले शेयरों को आवंटित किया है और न ही तुलन पत्रक की तिथि से पहले तुरंत पांच साल की अवधि के दौरान शेयरों के किसी भी वर्ग को वापस खरीदा है।

d. The Company has not allotted any fully paid up shares pursuant to contract(s) without payment being received in cash nor has allotted any fully paid up shares by way of bonus shares nor has bought back any class of shares during the period of five years immediately preceding the Balance Sheet date.

ई. प्रमोटरों की शेयरधारिता

e. Shareholding of Promoters

वर्ष के अंत में प्रमोटरों द्वारा रखे गए शेयर (2024-25) Shares held by promoters at the end of the year (2024-25)				वर्ष के दौरान % परिवर्तन
प्रमोटर का नाम	Promoter name	शेयरों की संख्या No of Shares Held	कुल शेयरों का % %of total shares	
भारत के राष्ट्रपति	President of India	1,72,976	99.99%	-
कुल	**Total**	**1,72,976**	**99.99%**	-

प्रमोटरों की शेयरधारिता

Shareholding of Promoters

वर्ष (2023-24) के अंत में प्रमोटरों द्वारा रखे गए शेयर Shares held by promoters at the end of the year (2023-24)				वर्ष के दौरान % परिवर्तन
प्रमोटर का नाम	Promoter name	शेयरों की संख्या No of Shares Held	कुल शेयरों का % %of total shares	
भारत के राष्ट्रपति	President of India	172,976	99.99%	-
कुल	**Total**	**172,976**	**99.99%**	-

3. आरक्षित और अधिशेष

3. Reserves and Surplus

(₹ लाख में) (₹ In Lakhs)

विवरण		PARTICULARS		31 मार्च, 2025 तक As at 31st March, 2025	31 मार्च, 2024 तक As at 31st March, 2024
(i)	**सामान्य रिजर्व**	**(i)**	General Reserve		
	प्रारंभिक जमा		Opening balance	913.30	913.30
	जोड़ना, लाभ एवं हानि विवरण से स्थानांतरित		Add. Transfered from Statement of Profit & Loss	-	-
	घटा, वर्ष के दौरान उपयोग किया गया		Less. Utilized during the Year	-	-
	समापन शेष (नोट 3.1 देखें)		**Closing Balance(Refer Note 3.1)**	**913.30**	**913.30**
(ii)	**लाभ एवं हानि खाते का विवरण**	**(ii)**	**Statement of Profit & Loss Account**		
	प्रारंभिक जमा		Opening balance	14,834.79	14,131.23
	जोड़ना, लाभ एवं हानि विवरण से स्थानांतरित		Add. Transfered from Statement of Profit & Loss	458.85	1,061.56
	घटा: विनियोग		**Less: Appropriation**		
	जनरल रिजर्व में स्थानांतरित		Transfered to General Reserve	-	-
	लाभांश [नोट संख्या 2.1(बी) देखें]		Dividend [refer Note No. 2.1(b)]	318.50	358.00
	समापन शेष		**Closing Balance**	**14,975.14**	**14,834.79**
	कुल (i)+(ii)+(iii)		**TOTAL (i)+(ii)+(iii)**	**15,888.44**	**15,748.09**

3.1 भारत सरकार द्वारा दिनांक 7 मई, 2003 के पत्र संख्या 19027/2/99-एफसीए-II द्वारा अनुमोदित कंपनी के पुनरुद्धार पैकेज के अनुसार, भारत सरकार ने स्वीकृत पुनरुद्धार योजना के कार्यान्वयन के लिए ₹ 13651 लाख रुपये की गैर-योजना निधि बढ़ा दी है। ₹ 394 लाख रुपये (पिछले वर्ष ₹ 394 लाख रुपये) की अप्रयुक्त निधि को भविष्य में उपयोग के लिए सामान्य रिजर्व में रखा गया है।

3.1 As per the Revival package of the company approved by the Govt. of india vide letter No. 19027/2/99-FCA-II dated 7th May, 2003, the GOI has extended non-plan funds of ₹ 13651 lakhs towards implementation of the sanctioned Revival Scheme. The unutilized funds of ₹ 394 lakhs (previous year ₹ 394 lakhs) have been kept in General Reserve for utilization in future.

4. दीर्घकालिक उधार

4. Long-term Borrowings

(₹ लाख में) (₹ In Lakhs)

विवरण	PARTICULARS	31 मार्च, 2025 तक As at 31st March, 2025	31 मार्च, 2024 तक As at 31st March, 2024
दीर्घकालिक उधार	Long-term Borrowings	-	-
कुल	**TOTAL**	**-**	**-**

5. आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ/देयताएँ (शुद्ध)

5. Deferred Tax Assets/Liabilities (Net)

(₹ लाख में) (₹ In Lakhs)

विवरण	PARTICULARS	31 मार्च, 2025 तक As at 31st March, 2025	31 मार्च, 2024 तक As at 31st March, 2024
आस्थगित कर परिसंपत्तियां	Deferred Tax Assets	1,021.41	918.09
आस्थगित टैक्स देयता	Deferred tax Liablities	132.45	140.83
आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ/(देनदारियाँ)(शुद्ध)	Defferred Tax Assets/(Liabilities)(Net)	888.96	777.26
कुल	**TOTAL**	**888.96**	**777.26**

5.1 आस्थगित कर परिसंपत्तियों/देनदारियों के प्रमुख घटक

5.1 Major Components of Deferred Tax Assets/ Liabilities

(₹ लाख में) (₹ In Lakhs)

	विवरण		Particulars	31 मार्च, 2025 तक As at 31st March, 2025	31 मार्च, 2024 तक As at 31st March, 2024
ए.	**आस्थगित कर दायित्व घटक**	**A.**	**Deferred Tax Liability Component**		
	कंपनी अधिनियम, 2013 और आयकर अधिनियम, 1961 के अनुसार डब्ल्यू.डी.वी का अंतर		Diff. of W.D.V as per Companies Act, 2013 & Income Tax Act, 1961	526.26	559.58
	कुल आस्थगित दायित्व घटक		Total Deferred Liability Component	526.26	559.58
	प्रचलित दर पर कुल आस्थगित कर देयता घटक (ए)		**Total Deferred Tax Liability Component at Prevailing Rate (A)**	**132.45**	**140.83**
बी.	**आस्थगित कर परिसंपत्ति घटक**	**B.**	**Deferred Tax Assets Component**		
	अस्वीकृति:		Disallowance:		
	-आईटी अधिनियम, 1961 की धारा 43 बी के अनुसार		-As Per Sec 43 B of I.T Act,1961	2510.77	2339.99
	अन्य		-Others	1547.60	1307.85
	कुल आस्थगित कर परिसंपत्ति घटक		Total Deferred Tax Assets Component	4058.36	3647.84
	प्रचलित दर पर कुल आस्थगित कर परिसंपत्ति घटक (बी)		**Total Deferred Tax Assets Component at Prevailing Rate (B)**	1021.41	918.09
	शुद्ध आस्थगित कर (संपत्ति)/देयता घटक (ए-बी)		Net Deferred Tax (Assets)/Liability Component (A-B)	(888.97)	(777.26)
	घटाएँ: 01/04/2024 को प्रारंभिक शेष		Less : Opening Balance as on 01/04/2024	(777.26)	(676.79)
	प्रावधान अपेक्षित/(वापस लिखा हुआ)		**Provision Required/(written Back)**	**(111.71)**	**(100.47)**

6. अन्य दीर्घकालिक देनदारियाँ

6. Other Long Term Liabilities

(₹ लाख में) (₹ In Lakhs)

विवरण	PARTICULARS	31 मार्च, 2025 तक As at 31st March, 2025	31 मार्च, 2024 तक As at 31st March, 2024
देय व्यापार	**Trade Payable**	-	-
अन्य	**Others**		
आपूर्तिकर्ता/ठेकेदार/अन्य-सुरक्षा जमा	Suppliers/Contractors/Others-Security Deposit	67.06	114.07
कुल	**TOTAL**	**67.06**	**114.07**

7. दीर्घकालिक प्रावधान

7. Long Term Provisions

(₹ लाख में) (₹ In Lakhs)

विवरण	PARTICULARS	31 मार्च, 2025 तक As at 31st March, 2025	31 मार्च, 2024 तक As at 31st March, 2024
कर्मचारी लाभ	**Employee Benefits**		
अर्जित अवकाश का प्रावधान	Provision for Earned Leave	1,316.40	1,256.10
चिकित्सा अवकाश का प्रावधान	Provision for Medical Leave	669.78	669.49
कुल	**TOTAL**	**1,986.18**	**1,925.59**

8. अल्पावधि उधार

8. Short-term Borrowings

(₹ लाख में) (₹ In Lakhs)

विवरण	PARTICULARS	31 मार्च, 2025 तक As at 31st March, 2025	31 मार्च, 2024 तक As at 31st March, 2024
अल्पावधि उधार	Short-term Borrowings	-	-
कुल	**TOTAL**	-	-

9. व्यापार देनदारियां

9. Trade Payables

(₹ लाख में) (₹ In Lakhs)

ब्यौरा	PARTICULARS	31 मार्च, 2025 तक As at 31st March, 2025	31 मार्च, 2024 तक As at 31st March, 2024
सूक्ष्म एवं लघु उद्यम	MICRO and Small Enterprises	94.07	122.72
सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों के अलावा	Other than MICRO and Small Enterprises	478.56	423.57
कुल	**Total**	**572.63**	**546.29**

31 मार्च, 2025 तक As at 31st March, 2025	बिल न किया गया/ बकाया नहीं Unbilled/ Not due	Outstanding for following periods from due date of payment				कुल Total
		एक वर्ष से कम Less than 1 year	1-2 वर्ष 1-2 years	2-3 वर्ष 2-3 years	3 वर्ष से अधिक More than 3 years	
(i) MSME/ एमएसएमई	71.39	22.68	-	-	-	94.07
(ii) Others/ अन्य	177.04	191.43	-	-	110.09	478.56
(iii) Disputed dues – MSME/ विवादित बकाया – एमएसएमई	-	-	-	-	-	-
(iv) Disputed dues – Others/ विवादित बकाया राशि – अन्य	-	-	-	-	-	-
Total/ कुल	**248.43**	**214.11**	**-**	**-**	**110.09**	**572.63**

(₹ लाख में) (₹ In Lakhs)

31 मार्च, 2024 तक As at 31st March, 2024	बिल न किया गया/ बकाया नहीं Unbilled/ Not due	Outstanding for following periods from due date of payment				कुल Total
		एक वर्ष से कम Less than 1 year	1-2 वर्ष 1-2 years	2-3 वर्ष 2-3 years	3 वर्ष से अधिक More than 3 years	
(i) MSME/ एमएसएमई	116.44	6.28	-	-	-	122.72
(ii) Others/ अन्य	300.39	13.09	-	-	110.09	423.57
(iii) Disputed dues – MSME/ विवादित बकाया – एमएसएमई	-	-	-	-	-	-
(iv) Disputed dues – Others/ विवादित बकाया राशि – अन्य	-	-	-	-	-	-
Total/ कुल	**416.83**	**19.37**	**-**	**-**	**110.09**	**546.29**

9.1 कंपनी को कोई ज्ञापन (जैसा कि आपूर्तिकर्ताओं द्वारा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम 2006 के तहत अधिसूचित प्राधिकारी के साथ दाखिल किया जाना आवश्यक है) प्राप्त नहीं हुआ है, जिसमें सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम के रूप में उनकी स्थिति का दावा किया गया हो, परिणामस्वरूप ऐसी कोई संस्था नहीं है, जिस पर कंपनी का बकाया हो, जो 31 मार्च, 2025 तक 45 दिनों से अधिक समय से बकाया हो।

9.2 सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 ("अधिनियम") के अंतर्गत प्रकट की जाने वाली आवश्यक जानकारी का निर्धारण, कंपनी द्वारा ऐसे पक्षों की पहचान की गई सीमा तक, उनके पास उपलब्ध जानकारी और अभिलेखों के आधार पर किया गया है। अधिनियम की धारा 22 के अंतर्गत आवश्यक प्रकटीकरण निम्नानुसार है। विलंबित भुगतान पर देय ब्याज के संबंध में प्रकटीकरण केवल संबंधित आपूर्तिकर्ताओं से ज्ञापन दाखिल करने के संबंध में सूचना प्राप्त होने के बाद किए गए भुगतानों के संबंध में निर्धारित किया गया है।

9.1 The company has not received any memorandum (as required to be filed by the suppliers with the notified authority under MICRO, Small and Medium Enterprises Development Act 2006) claiming their status as MICRO, Small and Medium Enterprises, consequently there are no such entities to whom the company owes dues, which are outstanding for more than 45 days as on 31st March, 2025.

9.2 The information as required to be disclosed under The Micro, Small and Medium Enterprises Development Act, 2006 ("the Act") has been determined to the extent such parties have been identified by the company, on the basis of information and records available with them. Disclosure as required under section 22 of the Act, is as under. Disclosure in respect of interest due on delayed payment has been determined only in respect of payments made after the receipt of information, with regards to filing of memorandum, from the respective suppliers.

(₹ लाख में) (₹ In Lakhs)

क्रमांक	विवरण	S.No.	Particulars	31 मार्च, 2025 तक 31st March, 2025	31 मार्च, 2024 तक 31st March, 2024
(i)	वर्ष के अंत तक मूल राशि का भुगतान नहीं किया गया	(i)	Principal amount remaining unpaid as at end of the year	94.07	122.72
(ii)	ऊपर देय ब्याज	(ii)	Interest due on above	-	-
1	(i) एवं (ii) का योग	1	Total of (i) & (ii)	94.07	122.72
2	सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 के तहत भुगतान की गई ब्याज की राशि, लेखांकन वर्ष के दौरान नियत दिन के बाद आपूर्तिकर्ता को किए गए भुगतान की राशि के साथ	2	Amount of interest paid under the Micro, Small and Medium Enterprises Development Act, 2006, along with the amount of the payment made to the supplier beyond the appointed day during accounting year	-	-
3	भुगतान करने में देरी की अवधि के लिए देय और देय ब्याज की राशि (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 के तहत निर्दिष्ट ब्याज को जोड़े बिना भुगतान की गई मूल राशि)	3	Amount of interest due and payable for the period of delay in making payment (Principal amount paid without adding the interest specified under the Micro, Small and Medium Enterprises Development Act, 2006)	-	-
4	लेखांकन वर्ष के अंत में अर्जित ब्याज और अप्रदत्त शेष की राशि	4	Amount of interest accrued and remaining unpaid at the end of accounting year	-	-
5	सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 की धारा 23 के तहत कटौती योग्य व्यय के रूप में अस्वीकृति के प्रयोजन के लिए, अतिरिक्त ब्याज की राशि शेष है और अगले वर्ष में भी देय है, ऐसी तारीख तक जब ऊपर दिए गए ब्याज का भुगतान वास्तव में छोटे उद्यम को किया जाता है।	5	The amount of further interest remaining due and payable even in the succeeding years, until such date when the interest dues above are actually paid to the small enterprise, for the purpose of disallowance as a deductible expenditure under section 23 of the Micro, Small and Medium Enterprises Development Act, 2006	-	-

10. अन्य वर्तमान देनदारियां

10. Other Current Liabilities

(₹ लाख में) (₹ In Lakhs)

विवरण	PARTICULARS	31 मार्च, 2025 तक As at 31st March, 2025	31 मार्च, 2024 तक As at 31st March, 2024
पूंजीगत व्यय के लिए ऋणदाता	Creditors for Capital Expenditure	-	-
वेतन & मजदूरी	Salaries & Wages	100.46	138.54
प्रदर्शन से संबंधित भुगतान	Performance Related Pay	444.51	444.51
भारत सरकार अनुदान (संदर्भ नोट संख्या 44)	GOI Grant (Ref Note No. 44)	35.00	35.00
ग्राहकों से अग्रिम रकम लेना (संदर्भ नोट संख्या 10.2)	Advances from Customers (Ref Note No. 10.2)	860.81	491.37
अग्रिम आय प्राप्त हुई	Income received in advance	123.08	197.18
आपूर्तिकर्ता/ठेकेदार/अन्य-ईएमडी/जमा	Suppliers/Contractors/Others-EMD/Deposit	-	5.90
अन्य देय (नोट 10.1 देखें) (रोकी गई टैक्स और अन्य देय सहित)	Other Payables(Refer Note 10.1) (including withholding tax & other payables)	758.75	620.05
कुल	**TOTAL**	**2,322.61**	**1,932.55**

10.1 अन्य चालू देयताओं में अन्य देय-आस्थगित सेवा कर शीर्षक के अंतर्गत ₹ 20.23 लाख (पिछले वर्ष ₹ 20.23 लाख) शामिल हैं, जो देय नहीं हैं क्योंकि यह 01.04.2011 से पहले की अवधि से संबंधित है, जब ग्राहक से प्राप्त राशि पर सेवा कर देय था।

10.2 अन्य चालू देनदारियों में डीओएफ से प्राप्त "ग्राहकों से अग्रिम" शीर्षक के अंतर्गत ₹ 354.11 लाख (पिछले वर्ष ₹ 25 लाख) शामिल हैं, जिसके द्वारा" जैविक उर्वरकों को बढ़ावा देने (अनुसंधान एवं विकास)" की केंद्रीय क्षेत्र योजना के लिए पीडीआईएल को "केंद्रीय नोडल एजेंसी" के रूप में नामित किया गया है।

10.1 Other Current Liablities includes ₹20.23 lakhs (Previous Year ₹20.23 Lakhs) under the head Other Payables-Deferred Service Tax which is not due as it pertains to period prior to 01.04.2011 when service tax was payable on receipt from customer.

10.2 Other Current Liabilities includes ₹354.11 lakhs (Previous year ₹ 25 lakhs) under the head "Advances from Customers" received from DOF being nominated PDIL as "Central Nodal Agency" for the Central Sector Scheme of "Promotion of Organic Fertilizers (Research & Development)".

11. अल्पावधि प्रावधान

11. Short Term Provisions

(₹ लाख में) (₹ In Lakhs)

विवरण	PARTICULARS	31 मार्च, 2025 तक As at 31st March, 2025	31 मार्च, 2024 तक As at 31st March, 2024
कर्मचारी लाभ	**Employee Benefits**		
ग्रेच्युटी का प्रावधान	Provision for Gratuity	138.84	129.64
चिकित्सा अवकाश का प्रावधान	Provision for Medical Leave	101.81	66.85
अर्जित अवकाश का प्रावधान	Provision for Earned Leave	154.36	112.91
सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा के लिए प्रावधान	Provision for Post Retirement Medical	91.67	67.09
अन्य	**Others**		
इक्विटी शेयरों पर लाभांश	**Dividend on Equity Shares**		
सरकार को लाभांश	Dividend to Govt.	-	-
लाभांश वितरण कर	Dividend Distribution Tax	-	-
आयकर प्रावधान	Income Tax Provision	305.95	718.95
कुल	**TOTAL**	**792.63**	**1,095.44**

12: 31 मार्च 2025 तक संपत्ति, संयंत्र और उपकरण और अमूर्त संपत्ति

PROPERTY, PLANT & EQUIPMENT AND INTANGIBLE ASSETS AS AT 31ST MARCH 2025

(₹ लाख में) (₹ In Lakhs)

विवरण DESCRIPTION	सकल ब्लॉक					मूल्यह्रास / DEPRECIATION						नेट ब्लॉक / NET BLOCK	
	इस दिनांक तक AS ON 01-04-2024	वर्ष के दौरान अतिरिक्त ADDITION DURING THE YEAR	बिक्री/ समायोजन SALES/ ADJUSTMENT	स्थानांतरण इन/आउट TRANSFER IN/ OUT	कुल इस दिनांक तक TOTAL AS ON 31-03-2025	इस दिनांक तक AS ON 01-04-2024	वर्ष के दौरान प्रदान किया गया PROVIDED DURING THE YEAR	बिक्री/ समायोजन SALES/ ADJUSTMENT	हानि क्षति IMPAIRMENT LOSS	स्थानांतरण इन/आउट TRANSFER IN/ OUT	कुल इस दिनांक तक TOTAL AS ON 31-03-2025	इस दिनांक तक AS AT 31-03-2025	इस दिनांक तक AS AT 31-03-2024
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(11)	(10)	(11)	(12)	(13)
मूर्त संपत्ति/ TANGIBLE ASSETS													
भूमि/ LAND													
a) फ्री होल्ड (वडोदरा)/ FREE HOLD (VADODARA)	192.51				192.51							192.51	192.51
b) लीज होल्ड (नोएडा)/ LEASE HOLD (NOIDA)	105.72				105.72	42.15	1.17				43.32	62.40	63.57
इमारतें/ BUILDINGS	836.52				836.52	325.09	11.93				337.02	499.50	511.43
सड़क, पुल और पुलिया/ ROAD, BRIDGES & CULVERTS	22.03				22.03	17.76	0.21				17.97	4.06	4.27
संयंत्र उपकरण/ PLANT & EQUIPMENT	597.53		(0.24)		597.29	263.79	26.68	(0.19)			290.28	307.01	333.74
कार्यालय उपकरण/ OFFICE EQUIPMENT	126.40	9.49	(25.38)		110.51	100.19	6.93	(24.11)			83.01	27.50	26.21
जल सीवरेज एवं जल निकासी/ WATER SEWERAGE & DRAINAGE	16.46		(3.59)		12.87	13.45	0.40	(3.41)			10.44	2.43	3.01
विविध. उपकरण/ MISC. EQUIPMENTS	2,155.66	0.89	(56.46)		2,100.09	1,885.72	100.02	(54.43)			1,931.31	168.78	269.94
फ़र्नीचर और फ़िक्स्चर/ FURNITURE & FIXTURES	324.27		(2.43)		321.84	295.09	3.62	(2.16)			296.55	25.29	29.18
वाहन/ VEHICLES	9.33		-		9.33	8.84		-			8.84	0.49	0.49
कुल मूर्त संपत्ति/ TOTAL TANGIBLE ASSETS	**4,386.43**	**10.38**	**(88.10)**	**-**	**4,308.71**	**2,952.08**	**150.96**	**(84.30)**			**3,018.74**	**1,289.97**	**1,434.35**
अमूर्त संपत्ति/ INTANGIBLE ASSETS													
कंप्यूटर सॉफ्टवेयर/ COMPUTER SOFTWARE	1,193.75				1,193.75	1,166.27	8.67				1,174.94	18.81	27.48
कुल अमूर्त संपत्ति/ TOTAL INTANGIBLE ASSETS	**1,193.75**				**1,193.75**	**1,166.27**	**8.67**				**1,174.94**	**18.81**	**27.48**
कुल/ TOTAL	**5,580.18**	**10.38**	**(88.10)**		**5,502.46**	**4,118.35**	**159.63**	**(84.30)**			**4,193.68**	**1,308.78**	**1,461.83**
पिछला वर्ष/ PREVIOUS YEAR	**5,385.94**	**195.33**	**(1.09)**	**-**	**5,580.18**	**3,914.84**	**204.56**	**(1.05)**	**-**	**-**	**4,118.35**	**1,461.83**	**1,471.10**

टिप्पणियाँ/ Notes :

1: नोएडा की लीज होल्ड भूमि का नब्बे वर्षों की अवधि में परिशोधन किया गया है।

Lease hold Land of NOIDA is Amortized over period of Ninety years .

12ए. पूंजीगत कार्य - प्रगति पर

12A. Capital Work-in-Progress

(₹ लाख में) (₹ In Lakhs)

सीडब्ल्यूआईपी	CWIP	2024-25 की अवधि के लिए सीडब्ल्यूआईपी में राशि Amount in CWIP for a period of 2024-25				कुल Total
		एक वर्ष से कम Less than 1 year	1-2 वर्ष 1-2 years	2-3 वर्ष 2-3 years	3 वर्ष से अधिक More than 3 years	
परियोजनाएं, जो प्रगति पर हैं	Projects in progress					
परियोजनाएं अस्थायी रूप से निलंबित	Projects temporarily suspended					

पूंजीगत कार्य - प्रगति पर
Capital work in progress

(₹ लाख में) (₹ In Lakhs)

सीडब्ल्यूआईपी	CWIP	2023-24 की अवधि के लिए सीडब्ल्यूआईपी में राशि Amount in CWIP for the period 2023-24				कुल Total
		एक वर्ष से कम Less than 1 year	1-2 वर्ष 1-2 years	2-3 वर्ष 2-3 years	3 वर्ष से अधिक More than 3 years	
परियोजनाएं, जो प्रगति पर हैं	Projects in progress					
परियोजनाएं अस्थायी रूप से निलंबित	Projects temporarily suspended					

(₹ लाख में) (₹ In Lakhs)

सीडब्ल्यूआईपी	CWIP	2024-25 में पूरा किया जाना है To be completed in 2024-25				कुल Total
		एक वर्ष से कम Less than 1 year	1-2 वर्ष 1-2 years	2-3 वर्ष 2-3 years	3 वर्ष से अधिक More than 3 years	
परियोजनाएँ 1	Projects 1					
परियोजनाएँ 2	Projects 2					

सीडब्ल्यूआईपी	CWIP	2023-24 में पूरा किया जाना है To be completed in 2023-24				कुल
		एक वर्ष से कम Less than 1 year	1-2 वर्ष 1-2 years	2-3 वर्ष 2-3 years	3 वर्ष से अधिक More than 3 years	
परियोजनाएँ 1	Projects 1					
परियोजनाएँ 2	Projects 2					

12बी. विकासाधीन अमूर्त संपत्तियां

12B. Intangible Assets Under Development

(₹ लाख में) (₹ In Lakhs)

विकासाधीन अमूर्त संपत्तियाँ	Intangible assets under development	2024-25 की अवधि के लिए अमूर्त संपत्ति में राशि Amount in intangible assets for the period 2024-25				कुल Total
		एक वर्ष से कम Less than 1 year	1-2 वर्ष 1-2 years	2-3 वर्ष 2-3 years	3 वर्ष से अधिक More than 3 years	
प्रगति पर परियोजनाएँ	Projects in progress					
परियोजनाएं अस्थायी रूप से निलंबित	Projects temporarily suspended					

(₹ लाख में) (₹ In Lakhs)

विकासाधीन अमूर्त संपत्तियाँ	Intangible assets under development	2023-24 की अवधि के लिए अमूर्त संपत्ति में राशि Amount in intangible assets for the period 2023-24				कुल Total
		एक वर्ष से कम Less than 1 year	1-2 वर्ष 1-2 years	2-3 वर्ष 2-3 years	3 वर्ष से अधिक More than 3 years	
प्रगति पर परियोजनाएँ	Projects in progress					
परियोजनाएं अस्थायी रूप से निलंबित	Projects temporarily suspended					

(₹ लाख में) (₹ In Lakhs)

विकासाधीन अमूर्त संपत्तियाँ	Intangible assets under development	2024-25 में पूरा किया जाना है To be completed in 2024-25				कुल Total
		एक वर्ष से कम Less than 1 year	1-2 वर्ष 1-2 years	2-3 वर्ष 2-3 years	3 वर्ष से अधिक More than 3 years	
परियोजनाएं 1	Projects 1					
परियोजनाएं 2	Projects 2					

(₹ लाख में) (₹ In Lakhs)

विकासाधीन अमूर्त संपत्तियाँ	Intangible assets under development	2023-24 में पूरा किया जाना है To be completed in 2023-24				कुल Total
		एक वर्ष से कम Less than 1 year	1-2 वर्ष 1-2 years	2-3 वर्ष 2-3 years	3 वर्ष से अधिक More than 3 years	
परियोजनाएं 1	Projects 1					
परियोजनाएं 2	Projects 2					

13. गैर-वर्तमान निवेश

13. Non-current Investments

(₹ लाख में) (₹ In Lakhs)

विवरण	PARTICULARS	31 मार्च, 2025 तक As at 31st March, 2025	31 मार्च, 2024 तक As at 31st March, 2024
निवेश (गैर-व्यापार, उद्धृत नहीं किया गया और मूल्यांकित)। लागत) ₹ 10/- प्रत्येक के 50000 शेयर मेसर्स राउरकेला नाइट्रेट लिमिटेड, भुवनेश्वर	Investment (Non-Trade unquoted & valued at cost) 50000 shares of ₹ 10/- each in M/s Rourkela Nitrate Ltd., Bhubaneshwar	5.00	5.00
घटा: मूल्य में कटौती के लिए भत्ता	Less: Allowance for Dimunition in value	5.00	5.00
कुल	**TOTAL**	-	-

13.1 निवेश के लिए प्रकटीकरण

13.1 Disclosure for Investements

(₹ लाख में) (₹ In Lakhs)

विवरण	PARTICULARS	31 मार्च, 2025 तक As at 31st March, 2025	31 मार्च, 2024 तक As at 31st March, 2024
उद्धृत निवेश की कुल राशि	Aggregate amount of quoted investments	-	-
उद्धृत निवेश का बाजार मूल्य	Market value of quoted investments	-	-
उद्धृत न किए गए निवेशों की कुल राशि	Aggregate amount of unquoted investments	5.00	5.00
निवेश के मूल्य में कमी के लिए कुल भत्ता	Aggregate Allowance for diminution in value of investments	5.00	5.00

14. दीर्घकालिक ऋण और अग्रिम

14. Long Term Loans and Advances

(₹ लाख में) (₹ In Lakhs)

विवरण	PARTICULARS	31 मार्च, 2025 तक As at 31st March, 2025	31 मार्च, 2024 तक As at 31st March, 2024
सुरक्षित, अच्छा माना जाता है	Secured , Considered Good	-	-
असुरक्षित, अच्छा माना जाता है	Unsecured, considered good	-	-
संदिग्ध	Doubtful	-	-
कुल	Total	-	-
घटा: अशोध्य और संदिग्ध ऋणों के लिए भत्ता	Less : Allowance for bad and doubtful debts	-	-
निदेशकों द्वारा देय ऋण और अग्रिम	Loans and advances due by directors	-	-
कुल	**TOTAL**	-	-

15. अन्य गैर - वर्तमान परिसंपत्ति

15. Other Non-current Assets

(₹ लाख में) (₹ In Lakhs)

विवरण	PARTICULARS	31 मार्च, 2025 तक As at 31st March, 2025	31 मार्च, 2024 तक As at 31st March, 2024
अन्य	**Others**		
टीडीएस प्राप्य/प्राप्त खाता	TDS receivable/received account	1,381.09	2,169.69
दूसरों के पास अग्रिम/जमा	Advances/Deposits with Others		
अच्छा माना जाता है	Considered Good	49.12	44.54
संदिग्ध माना जाता है	Considered Doubtful	50.18	61.96
		99.30	106.50
घटा: संदिग्ध अग्रिम/जमा के लिए भत्ता	Less: Allowance for Doubtful Advances/ Deposit	50.18	61.96
		49.12	44.54
कुल	**Total**	**1,430.21**	**2,214.23**

16. वर्तमान निवेश

16. Current Investments

(₹ लाख में) (₹ In Lakhs)

विवरण	PARTICULARS	31 मार्च, 2025 तक As at 31st March, 2025	31 मार्च, 2024 तक As at 31st March, 2024
वर्तमान निवेश	Current Investments	-	-
कुल	**TOTAL**	-	-

17. वस्तुसूची

17. Inventories

(₹ लाख में) (₹ In Lakhs)

विवरण	PARTICULARS	31 मार्च, 2025 तक As at 31st March, 2025	31 मार्च, 2024 तक As at 31st March, 2024
भंडार, पुर्जे, रसायन और पैकिंग सामग्री	**Stores, Spares, Chemicals & Packing Materials**		
पैकिंग के लिए सामग्री	Packing Material	6.25	6.25
रसायन एवं स्पेयर पार्ट्स का भंडार	Stores Chemicals & Spare Parts	231.90	231.90
दुकानों का निरीक्षण किया जा रहा है	Stores under Inspection	-	
		238.15	238.15
कच्चा माल	Raw material	44.47	44.47
तैयार माल	Finished goods	204.41	204.41
अर्द्ध - निर्मित सामान	Semi-finished goods	13.90	13.90
अन्य परियोजनाओं से अधिशेष	Surplus from other projects	303.51	303.51
कुल	**TOTAL**	**541.66**	**541.66**
घटा: इन्वेंटरी पर हानि के लिए भत्ता	Less: Allowance for loss on Inventories	529.15	529.15
कुल	**TOTAL**	**12.51**	**12.51**

17.1 इन्वेंटरी में स्टोर और स्पेयर्स, पैकिंग सामग्री, निरीक्षणाधीन स्टोर्स, तैयार माल, अर्ध-तैयार माल, अन्य परियोजनाओं से अधिशेष और कच्चे माल का गैर-चलता/धीमी गति से चलने वाला स्टॉक शामिल है, जिसका कुल मूल्य ₹ 541.66 लाख (पिछले वर्ष ₹ 541.66 लाख) है। तकनीकी मूल्यांकन/अनुमानित वसूली योग्य मूल्य के आधार पर लेखों में कुल ₹ 529.15 लाख (पिछले वर्ष ₹ 529.15 लाख) की अनुमानित हानि का प्रावधान किया गया है।

17.1 Inventories include non-moving / slow moving stocks of stores and spares, Packing Material, Stores under inspection, finished goods, semi-finished goods, Surplus from other projects and raw materials aggregating to ₹ 541.66 lakhs (previous year ₹ 541.66 lakhs). Provision for estimated loss aggregating to ₹ 529.15 lakhs (previous year ₹ 529.15 lakhs) has been made in the accounts based on technical assessment / estimated realizable value.

18. व्यापार प्राप्तियां

18. Trade Receivables

(₹ लाख में) (₹ In Lakhs)

विवरण	PARTICULARS	31 मार्च, 2025 तक As at 31st March, 2025	31 मार्च, 2024 तक As at 31st March, 2024
सुरक्षित, अच्छा माना जाता है	Secured, considered good	-	-
असुरक्षित, अच्छा माना जाता है	Unsecured, considered good	8,098.27	8,664.68
संदिग्ध	Doubtful	1,480.84	1,229.31
कुल	**Total**	**9,579.11**	**9,893.99**
घटा: खराब और संदिग्ध ऋणों के लिए भत्ता	Less : Allowance for bad and doubtful debts	1,480.84	1,229.31
कुल	**Total**	**8,098.27**	**8,664.68**

18.1 अच्छे माने जाने वाले असुरक्षित व्यापार प्राप्य में ₹ 3548.45 लाख (पिछले वर्ष ₹ 3381.70 लाख) का बिल रहित राजस्व शामिल है, जो वित्तीय विवरणों के नोट संख्या 1 के खंड बी के पैरा 1.2.1 (ए) के अनुसार निर्धारित / गणना की गई है।

18.1 Unsecured Trade Receivables considered good includes unbilled Revenue of ₹ 3548.45 Lakhs (Previous Year ₹ 3381.70 Lakhs) determined / calculated as per para 1.2.1(a) of clause B of Note No.1 of Financial Statements.

18.2 व्यापार प्राप्य की अवधि

18.2 Ageing of Trade Receivable

(₹ लाख में) (₹ In Lakhs)

31 मार्च 2025 तक	As at 31st March 2025	जिनका बिल नहीं हुआ Unbilled	देय नहीं Not Due	6 महीने से कम Less than 6 months	6 महीने-1 साल 6 months-1 years	1-2 वर्ष 1-2 years	2-3 वर्ष 2-3 Years	3 वर्ष से अधिक More than 3Years	कुल Total
(i) अविवादित व्यापार प्राप्य - अच्छा माना जाता है	(i)Undisputed Trade Receivables-Considered Good	3,548.45	2,137.42	820.23	127.49	833.21	374.52	256.95	**8,098.27**
(ii) अविवादित व्यापार प्राप्य - संदिग्ध माना जाता है	(ii)Undisputed Trade Receivables-Considered Doubtful	-	-	-	0.56	19.58	52.81	1,407.89	**1,480.84**
(iii) विवादित व्यापार प्राप्य - अच्छा माना जाता है	(iii) Disputed Trade Receivables-Considered Good	-	-	-	-	-	-	-	**-**
(iv) विवादित व्यापार प्राप्य - संदिग्ध माना जाता है	(iv) Disputed Trade Receivables-Considered Doubtful	-	-	-	-	-	-	-	**-**
कुल	**Total**	**3,548.45**	**2,137.42**	**820.23**	**128.05**	**852.79**	**427.33**	**1,664.84**	**9,579.11**
घटा: अशोध्य और संदिग्ध ऋणों के लिए भत्ता	Less : Allowance for bad and doubtful debts	-	-	-	0.56	19.58	52.81	1,407.89	**1,480.84**
कुल	**Total**	**3,548.45**	**2,137.42**	**820.23**	**127.49**	**833.21**	**374.52**	**256.95**	**8,098.27**

31 मार्च 2024 तक	As at 31st March 2024	जिनका बिल नहीं हुआ Unbilled	देय नहीं Not Due	6 महीने से कम Less than 6 months	6 महीने-1 साल 6 months-1 years	1-2 वर्ष 1-2 years	2-3 वर्ष 2-3 Years	3 वर्ष से अधिक More than 3Years	कुल Total
(i) अविवादित व्यापार प्राप्य - अच्छा माना जाता है	(i)Undisputed Trade Receivables-Considered Good	3,381.70	1,896.83	1,033.23	711.39	1,270.95	114.55	256.03	**8,664.68**
(ii) अविवादित व्यापार प्राप्य - संदिग्ध माना जाता है	(ii)Undisputed Trade Receivables-Considered Doubtful	-	-	-	-	20.99	5.97	1,202.35	**1,229.31**
(iii) विवादित व्यापार प्राप्य - अच्छा माना जाता है	(iii) Disputed Trade Receivables-Considered Good	-	-	-	-	-	-	-	-
(iv) अविवादित व्यापार प्राप्य - संदिग्ध माना जाता है	(iv) Disputed Trade Receivables-Considered Doubtful	-	-	-	-	-	-	-	-
कुल	**Total**	**3,381.70**	**1,896.83**	**1,033.23**	**711.39**	**1,291.94**	**120.52**	**1,458.38**	**9,893.99**
घटा: अशोध्य और संदिग्ध ऋणों के लिए भत्ता	Less : Allowance for bad and doubtful debts	-	-	-	-	20.99	5.97	1,202.35	**1,229.31**
कुल	**Total**	**3,381.70**	**1,896.83**	**1,033.23**	**711.39**	**1,270.95**	**114.55**	**256.03**	**8,664.68**

19. नकद और नकद समकक्ष और अन्य बैंक शेष

19. Cash & Cash equivalents and Other Bank Balances

19.A. नकद और नकद समकक्ष

19.A Cash & Cash equivalents

(₹ लाख में) (₹ In Lakhs)

विवरण	PARTICULARS	31 मार्च, 2025 तक As at 31st March, 2025	31 मार्च, 2024 तक As at 31st March, 2024
नकद और नकद के समकक्ष	**Cash and Cash equivalents**		
हाथ में नकदी	Cash in Hand	-	-
चालू खाते में	In Current Account	523.24	235.26
सावधि जमा खाते में (3 महीने से कम परिपक्वता) - गिरवी न रखा गया	In Fixed Deposit Account (Less than 3 month maturity)-Unpledged	301.00	-
सावधि जमा खाते में (3 महीने से कम परिपक्वता) - गिरवी रखी गई	In Fixed Deposit Account (Less than 3 month maturity)-Pledged	-	-
कुल	**TOTAL**	**824.24**	**235.26**

19B अन्य बैंक शेष

19.B Other Bank Balances

(₹ लाख में) (₹ In Lakhs)

विवरण	PARTICULARS	31 मार्च, 2025 तक As at 31st March, 2025	31 मार्च, 2024 तक As at 31st March, 2024
अन्य बैंक शेष	**Other Bank Balances**		
सावधि जमा खाते में (3 महीने से अधिक लेकिन एक वर्ष की परिपक्वता तक) - गिरवी न रखा हुआ	In Fixed Deposit Account (More than 3 month but upto one year maturity)-Unpledged	7,045.76	6,219.46
सावधि जमा खाते में (3 महीने से अधिक लेकिन एक वर्ष की परिपक्वता तक) - गिरवी रखी गई	In Fixed Deposit Account (More than 3 month but upto one year maturity)-Pledged	2,786.34	2,673.01
कुल	**TOTAL**	**9,832.10**	**8,892.47**
कुल (19ए + 19बी)	**GRAND TOTAL (19A + 19B)**	**10,656.34**	**9,127.73**

19.2 नकदी और नकदी समतुल्य में एक्सिस बैंक में "पीडीआईएल सीएनए बचत बैंक खाता" के नाम से चालू खाते में ₹ 354.11 लाख रुपये (पिछले वर्ष ₹ 25 लाख रुपये) शामिल हैं, जो कि उर्वरक विभाग से केंद्रीय क्षेत्र की जैविक उर्वरक संवर्धन योजना (अनुसंधान एवं विकास) के लिए प्राप्त हुए थे, जिसका भुगतान उर्वरक विभाग द्वारा प्रमाणीकरण के आधार पर चयनित उप-एजेंसियों को किया जाना था। पीडीआईएल उक्त योजना के तहत लाभार्थी नहीं है।

19.1 Cash and Cash equivalents included ₹ 354.11 Lakhs (Previous Year ₹ 25 Lakhs) in the current account in the name of "PDIL CNA Saving Bank Account" with Axis Bank received from DOF towards Central Sector Scheme of Promotion of Organic Fertilizers(Research & Development) for payment to selected sub-agencies on basis of certification by DOF.PDIL is not beneficiary under the said scheme.

20. अल्पावधि ऋण और अग्रिम

20. Short Term Loans and Advances

(₹ लाख में) (₹ In Lakhs)

विवरण	PARTICULARS	31 मार्च, 2025 तक As at 31st March, 2025	31 मार्च, 2024 तक As at 31st March, 2024
अग्रिम:-	**Advances:-**		
नकद या वस्तु के रूप में या मूल्य के आधार पर वसूली योग्य	Recoverable in cash or kind or for value		
प्राप्त किया जाना है (असुरक्षित):	to be received (Unsecured):		
अच्छा माना जाता है	Considered Good	120.96	153.40
संदिग्ध माना जाता है	Considered Doubtful	3.06	3.06
		124.02	156.46
घटा: संदिग्ध अग्रिमों के लिए भत्ता	Less: Allowance for Doubtful Advances	3.06	3.06
		120.96	153.40
जमा:	**Deposits:**		
अच्छा माना जाता है	Considered Good	0.42	0.42
संदिग्ध माना जाता है	Considered Doubtful	-	-
		0.42	0.42
घटा: संदिग्ध जमा के लिए भत्ता	Less: Allowance for Doubtful Deposits	-	-
		0.42	0.42
अन्य	**Others**	-	-
कुल	**TOTAL**	**121.38**	**153.82**

21. अन्य चालू परिसंपत्तियां

21. Other Current Assets

(₹ लाख में) (₹ In Lakhs)

विवरण	PARTICULARS	31 मार्च, 2025 तक As at 31st March, 2025	31 मार्च, 2024 तक As at 31st March, 2024
अन्य	**Others**		
ब्याज अर्जित हुआ लेकिन तारीख पर देय नहीं	Interest accrued but not due on date	483.51	396.32
पूर्व भुगतान खर्चे	Prepaid Expenses	303.81	226.93
सुरक्षा जमा राशि	Security Deposit	20.63	21.57
भारत सरकार अनुदान प्राप्य (संदर्भ नोट संख्या 45)	**GOI Grant Receivable (Ref Note No. 44)**	43.53	43.53
अन्य प्राप्य	**Other Receivables**		
असुरक्षित	**Unsecured**		
अच्छा माना जाता है	Considered Good	-	-
संदिग्ध माना जाता है	Considered Doubtful	-	-
		851.48	688.35
घटा:- संदिग्ध ऋणों के लिए भत्ता	Less:- Allowance for doubtful debts	8.53	8.53
		842.95	679.82
कुल	**TOTAL**	**842.95**	**679.82**

22. संचालन से राजस्व

22. Revenue from Operations

(₹ लाख में) (₹ In Lakhs)

विवरण	PARTICULARS	2024-25	2023-24
अभियांत्रिकी सेवा	**Engineering Services**	7,286.75	6,736.92
निरीक्षण सेवाएँ	**Inspection Services**	1,742.32	3,029.42
कुल	**TOTAL**	**9,029.07**	**9,766.34**

23. अन्य आय

23. Other Income

(₹ लाख में) (₹ In Lakhs)

विवरण	PARTICULARS	2024-25	2023-24
एफडीआर पर ब्याज	Interest on FDR		
(i) एफडीआर पर ब्याज	(i) Interest on FDRs	751.21	663.61
(ii) आयकर रिफंड पर ब्याज	(ii) Interest on Income Tax Refund	66.07	39.91
किराया	Rent	9.62	9.62
विविध आय	Miscellaneous Income	102.89	121.92
विदेशी मुद्रा परिवर्तन पर लाभ	Gain on Foreign Exchange Variation	-	-
संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों की बिक्री पर लाभ	Profit on Sale of Property, Plant & Equipments	-	0.01
निपटान के लिए रखी गई संपत्तियों पर लाभ	Profit on Assets held for disposal	-	-
अतिरिक्त प्रावधान/क्रेडिट शेष/देनदारियाँ आदि वापस लिखा गया	Excess provision/credit balances/ liabilities etc. written back	122.85	57.93
कुल	**TOTAL**	**1,052.64**	**893.00**

24. उपभोग की गई सामग्री की लागत

24. Cost of Materials Consumed

(₹ लाख में) (₹ In Lakhs)

विवरण	PARTICULARS	2024-25	2023-24
कच्चा माल	**Raw Material**		
आरंभिक स्टॉक	Opening Stock	44.47	44.47
खरीद	Purchases	-	-
		44.47	44.47
अंतिम भंडार	Closing Stock	44.47	44.47
कच्चे माल की खपत	Raw Material Consumed	-	-
पैकिंग के लिए सामग्री	**Packing Material**		
आरंभिक स्टॉक	Opening Stock	6.26	6.26
खरीद	Purchases	-	-
		6.26	6.26
अंतिम भंडार	Closing Stock	6.26	6.26
पैकिंग सामग्री की खपत	Packing Material Consumed	-	-
कुल	**TOTAL**	**-**	**-**

25. स्टॉक-इन-ट्रेड की खरीद

25. Purchases of Stock-in-Trade

(₹ लाख में) (₹ In Lakhs)

	विवरण		PARTICULARS	2024-25	2023-24
	स्टॉक-इन-ट्रेड की खरीद		Purchases of Stock-in-Trade	-	-
	कुल		**TOTAL**	-	-

26. तैयार माल, कार्य-प्रगति और स्टॉक-इन-ट्रेड की सूची में परिवर्तन

26. Changes in Inventories of Finished Goods, Work-In-Progress and Stock-In-Trade

(₹ लाख में) (₹ In Lakhs)

	विवरण		PARTICULARS	2024-25	2023-24
	अंतिम भंडार		**Closing Stock**		
	तैयार माल		Finished Goods	204.41	204.41
	अर्द्ध - निर्मित माल		Semi Finished Goods	40.73	40.73
				245.14	245.14
	आरंभिक स्टॉक		**Opening Stock**		
	तैयार माल		Finished Goods	204.41	204.41
	अर्द्ध - निर्मित सामान		Semi Finished Goods	40.73	40.73
				245.14	245.14
	कुल		**TOTAL**	**-**	**-**

27. कर्मचारी लाभ व्यय

27. Employee Benefits Expense

(₹ लाख में) (₹ In Lakhs)

	विवरण		PARTICULARS	2024-25	2023-24
1	**मजदूरी एवं वेतन**	**1**	**Salary & Wages**		
ए)	वेतन, मज़दूरी और अन्य लाभ	**a)**	Salaries ,Wages & Other Benefits	5,478.20	5,301.97
बी)	नकदीकरण छुट्टी	**b)**	Leave Encashment	434.09	419.41
सी)	चिकित्सा छुट्टी	**c)**	Medical Leave	62.22	66.10
2	**भविष्य निधि और अन्य निधियों में योगदान**	**2**	**Contribution to Provident Fund & Other Funds**		
ए)	भविष्य निधि	**a)**	Provident Fund	484.90	480.17
बी)	ईएसआई	**b)**	ESI	-	-
सी)	उपादान	**c)**	Gratuity	141.89	137.79
3	**श्रमिक एवं कर्मचारी कल्याण व्यय**	**3**	**Workmen & Staff Welfare Expenses**		
ए)	कर्मचारी कल्याण व्यय	**a)**	Employee welfare expenditure	193.65	208.26
बी)	टाउनशिप व्यय	**b)**	Township Expenses	17.67	18.24
सी)	सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा	**c)**	Post Retirement Medical	24.58	12.96
				6,837.20	**6,644.90**
					-
	कुल		**TOTAL**	**6,837.20**	**6,644.90**

28. वित्तीय लागत

28. Finance Cost

(₹ लाख में) (₹ In Lakhs)

	विवरण		PARTICULARS	2024-25	2023-24
	वित्तीय लागत		Finance Cost	-	-
	कुल		**TOTAL**	-	-

29. मूल्यह्रास और परिशोधन व्यय

29. Depreciation and Amortisation Expenses

(₹ लाख में) (₹ In Lakhs)

	विवरण		PARTICULARS	2024-25	2023-24
	संपत्ति, संयंत्रों और उपकरणों पर मूल्यह्रास		Depreciation on Property, Plants & Equipments	150.96	191.87
	अमूर्त संपत्तियों पर मूल्यह्रास		Depreciation on Intangible Assets	8.67	12.69
	कुल		**TOTAL**	**159.63**	**204.56**

30. अन्य व्यय

30. Other Expenses

(₹ लाख में) (₹ In Lakhs)

विवरण	PARTICULARS	2024-25	2023-24
रसायन, भंडार और पुर्जे	**Chemicals, Stores & Spares**		
प्रारंभिक	Opening	231.90	231.90
खरीद	Purchase	-	-
घटाएँ: अंतिम स्टॉक	Less: Closing Stock	231.90	231.90
उपभोग किए गए रसायन, भंडार और पुर्जे	Chemicals, Stores & Spares Consumed	-	-
माल ढुलाई और हैंडलिंग	Freight & Handling	-	-
सेवाओं का किराया	Hiring of services	133.24	286.69
किराया	Rent	43.13	39.45
दरें और कर	Rates & Taxes	14.91	8.25
मशीनरी की मरम्मत	Repair to Machinery	16.93	16.38
भवन की मरम्मत	Repairs to Building	11.52	4.47
अन्य की मरम्मत	Repairs to Other	115.19	100.14
बीमा	Insurance	1.56	4.29
विज्ञापन	Advertisment	0.80	0.65
डाक, तार और टिकट	Postage Telegram and Stamps	1.93	2.26
स्टेशनरी और ड्राइंग मुद्रण कार्यालय व्यय	Printing Stationary& Drawing Office Expenses	38.56	23.13
बैंक शुल्क	Bank Charges	9.01	18.25
वाहनों और अन्य उपकरणों का किराया	Hire Charges Of Vehicles & Other Equipment	116.35	115.42
यात्रा और परिवहन	Travelling & Conveyance	157.44	209.24
सुरक्षा व्यय	Security Expenses	88.69	94.60
बिजली, ईंधन, पानी और बिजली	Power,Fuel,Water & Electricity	162.03	159.43
टेलीफोन और ईमेल व्यय	Telephone & e-Mail Expenses	50.92	61.97
जीवनयापन व्यय	Living Expenses	106.31	93.40
पत्रिकाओं और पत्रिकाओं के लिए सदस्यता	Subscription For Journal & Periodicals	0.72	0.95
हल्के वाहनों का परिचालन व्यय अन्य	Running Expenses Of Light Vehicles Other	1.49	1.87
संदिग्ध ऋणों और अग्रिमों के लिए प्रावधान	Provision for Doubtful Debts & Advances	255.98	194.19
भंडार, कच्चे माल और तैयार स्टॉक की कमी पर प्रावधान/हानि	Provision/Loss On Shortage Of Stores, Raw Material & Finished Stock	-	-
प्रशिक्षण लागत	Training Cost	3.81	11.16
सॉफ्टवेयर व्यय	Software Expenses	418.15	501.77
कानूनी एवं व्यावसायिक व्यय	Legal & Professional Expenses	1.74	4.35
वैधानिक लेखा परीक्षा एवं अन्य शुल्क (नोट संख्या 30.1)	Statutory Audit & Other Fees (Note no. 30.1)	4.72	3.72
वैधानिक लेखा परीक्षा व्यय (नोट संख्या 30.1)	Statutory Audit Expenses (Note no. 30.1)	1.50	1.50
यात्रा व्यय निदेशक	Travelling Expenses Director	5.43	7.19
निदेशक मंडल का बैठक शुल्क	Sitting Fee of Board of Directors	3.70	2.20
बेची/छोड़ी गई संपत्तियों पर हानि	Loss On Assets Sold/Discarded	3.67	-
सीएसआर व्यय (नोट संख्या 43)	CSR Expenses (Note no. 43)	22.55	30.48
स्वच्छता व्यय	Sanitation Expenses	152.51	139.97
व्यवसाय विकास व्यय	Business Development Expenses	26.49	1.71
आंतरिक लेखा परीक्षा शुल्क एवं व्यय	Internal Audit Fees & Expenses	1.19	1.19
बट्टे खाते में डाले गए अशोध्य ऋण	Bad Debts Written off	0.44	-
पूर्व अवधि व्यय (आय का निवल)	Prior Period Expenses(Net of Income)	11.63	28.06
विदेशी मुद्रा परिवर्तन पर हानि	Loss on Foreign Exchange Variation	5.89	12.43
विविध व्यय	Miscellaneous Expenses	180.51	190.71
कुल	**TOTAL**	**2,170.64**	**2,371.47**

30.1 वैधानिक लेखापरीक्षक का पारिश्रमिक

30.1 Statutory Auditor's Remuneration

(₹ लाख में) (₹ In Lakhs)

विवरण	PARTICULARS	2024-25	2023-24
लेखापरीक्षा शुल्क	Audit Fees	4.00	3.00
कर लेखापरीक्षा शुल्क	Tax Audit Fees	0.72	0.72
प्रावधानों सहित यात्रा और जेब से खर्च	Travelling and Out of pocket Expenses including provisions	1.50	1.50
कुल	**TOTAL**	**6.22**	**5.22**

31. प्रति शेयर आय

"प्रति शेयर आय" से संबंधित लेखांकन मानक-20 के अनुसार प्रति शेयर मूल आय की सूचना दी गई है, जिसकी गणना इस अवधि के लिए बकाया शेयरों की भारित औसत संख्या द्वारा कर के बाद शुद्ध लाभ को विभाजित करके की गई है: -

31. Earning per Share

Basic Earning Per Share has been reported as per Accounting Standard-20 relating to "Earning per Share" , which has been computed by dividing net profit after tax by the weighted average number of shares outstanding for the period as under:-

(₹ लाख में) (₹ In Lakhs)

विवरण	PARTICULARS	31.03.2025	31.03.2024
इक्विटी शेयरधारक के कारण वर्ष के लिए शुद्ध लाभ-(₹लाख में)	Net profit for the year attributable to equity shareholder-(₹ in Lakhs)	458.85	1061.56
शेयरों की संख्या	No. of Shares	172,985	172,985
प्रति शेयर नाममात्र मूल्य (₹)	Nominal Value per share (₹)	1,000	1,000
प्रति शेयर आय	Earning per share		
बुनियादी (₹)-	Basic (₹)-	265.25	613.67
तरलीक्रीत (₹)-	Diluted (₹)-	265.25	613.67

आकस्मिक देनदारियाँ और अन्य प्रतिबद्धताएँ

32 आकस्मिक देनदारियाँ

[₹ लाख में]

		तक 31.03.2025	तक 31.03.2024
क)	कंपनी के विरुद्ध दावों को ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया।	85.91	85.91
ख)	तीसरे पक्ष की ओर से कंपनी द्वारा दी गई गारंटी	–	–
ग)	कानूनी/श्रम मामले लंबित/विवादित	रकम निश्चित नहीं है.	

घ) वित्तीय वर्ष के दौरान, कंपनी को जीएसटी विभाग से दिनांक 04.02.2025 को डीआरसी-07 द्वारा अपने नोएडा स्थित कार्यालय के लिए वित्तीय वर्ष 2017-18 से संबंधित एक आदेश प्राप्त हुआ। आदेश के अनुसार, विभाग ने उसी ₹19.94 लाख पर ₹19.94 लाख का जुर्माना और कर राशि पर लागू ब्याज की कर मांग की है।

इसके जवाब में पीडीआईएल ने 23.04.2025 को ₹1.99 लाख की पूर्व-जमा राशि के साथ समय सीमा के भीतर अपीलीय प्राधिकारी के समक्ष अपील दायर की।

33. अन्य प्रतिबद्धताएँ

33.1 पूंजी खाते पर निष्पादित किए जाने के लिए शेष और प्रावधानित नहीं किए गए अनुबंधों का अनुमानित मूल्य `शून्य लाख (अग्रिमों का शुद्ध) [पिछले वर्ष `शून्य लाख (अग्रिमों का शुद्ध)] और राजस्व खाते पर निष्पादित किए जाने के लिए शेष और प्रावधानित नहीं किए गए अनुबंधों का अनुमानित मूल्य `1024.04 लाख (अग्रिमों का शुद्ध) [पिछले वर्ष `1102.55 लाख (अग्रिमों का शुद्ध)]

33.2 स्रोत पर काटे गए आयकर, बिक्री कर, माल एवं सेवा कर और अन्य वैधानिक बकाया के विलंबित भुगतान पर देय दंडात्मक ब्याज की मात्रा निर्धारित नहीं की जा सकती है, यदि आवश्यक हो तो प्रावधान उस वर्ष में किया जाएगा जब संबंधित प्राधिकारी द्वारा मूल्यांकन/मांग की जाएगी।

33.3 2016-17 तक बिक्री कर का निर्धारण पूरा हो चुका है। हालांकि बिक्री कर अधिकारियों ने जमा किए गए करों और कुछ वर्षों में कथित तौर पर सी/आईएक्स फॉर्म जमा न करने पर विचार किए बिना सिंदरी डिवीजन में अतिरिक्त सीएसटी और बीएसटी के लिए वर्ष 1991-92 से 1998-99 के लिए ₹ 416.11 लाख (पिछले वर्ष ₹ 416.11 लाख) की मांग की थी। कंपनी ने उक्त आदेशों के खिलाफ अपील दायर की है और मांगों के खिलाफ स्थगन भी प्राप्त किया है। हालांकि, बिक्री कर अधिकारियों द्वारा अपील के निपटान के लिए, वर्ष 2004-05 में गुम हुए बिक्री कर फॉर्म के लिए ₹ 27.70 लाख की राशि प्रदान की है।

34. उर्वरक विभाग (डीओएफ) ने 27 दिसंबर 2016 को अपने पत्र संख्या 19021/05/2016-एफसीए के माध्यम से वित्त मंत्रालय के दीपम के

Contingent liabilities and Other Commitments

32. Contingent liabilities

[₹ in lakhs]

		As at 31.03.2025	As at 31.03.2024
a)	Claims against the company not acknowledged as debt.	85.91	85.91
b)	Guarantees given by the Company on behalf of Third Party	–	–
c)	Legal/Labour cases pending / disputed	Amount not ascertainable	

d) During the financial year company has received an order from GST department dated 04.02.2025 pertaining to F.Y.2017 -18 for its Noida Location by DRC -07. As per order the department has raised a tax demand of ₹ 19.94/- lakhs penalty on the same ₹19.94 lakhs and applicable interest on tax amount.

In response to this PDIL has filed an appeal to appellate authority on 23.04.2025 within time line along with pre-deposit amount of ₹1.99 lakhs.

33. Other Commitments

33.1 Estimated value of contracts remaining to be executed on capital account and not provided for aggregates to ₹ Nil lakhs (Net of advances) [previous year ₹ NIL lakhs (Net of advances)] and contracts remaining to be executed on revenue account and not Provided for aggregates to ₹ 1024.04 Lakhs(Net of Advances) [previous years ₹1102.55 lakhs (Net of advances)]

33.2 Penal interest payable on delayed payments of Income Tax deducted at source, Sales Tax, Goods & Service Tax and other statutory dues, cannot be quantified, provision if required, will be made in the year when assessed/demanded by relevant authority.

33.3 Assessment of Sales Tax has been completed up to 2016-17. However the Sales Tax Authorities had raised demands for the year 1991-92 to 1998-99 of ₹416.11 lakhs (previous year ₹416.11 lakhs) towards additional CST and BST at Sindri Division, without considering the taxes deposited and for alleged non-submission of C/IX forms in some of the years. The Company has filed appeals against the said orders and also obtained a stay against the demands. However, pending disposal of the appeals by Sales Tax authorities, an amount of ₹ 27.70 lakhs towards missing Sales Tax forms has been provided in year 2004-05.

34. Department of Fertilizers (DOF) vide letter no. 19021/05/2016-FCA dated 27th December 2016 enclosing

11 नवंबर 2016 के कार्यालय ज्ञापन एफ.सं. 3/21/2016-दीपम-बी को संलग्न करते हुए भारत सरकार द्वारा पीडीआईएल के रणनीतिक विनिवेश के लिए 'सैद्धांतिक' मंजूरी की सूचना दी। लेनदेन सलाहकार (टीए), कानूनी सलाहकार (एलए) और संपत्ति मूल्यांकनकर्ता को दीपम/डीओएफ, भारत सरकार द्वारा नियुक्त किया गया था।

वित्त मंत्रालय ने दिनांक 8 मार्च 2019 के पत्र संख्या 19024/01/2019-पीएसयू के माध्यम से, जिसके साथ वित्त मंत्रालय का कार्यालय ज्ञापन संख्या 3/22/2016-दीपम-II-बी खंड V दिनांक 27 फ़रवरी 2019 संलग्न है, सूचित किया कि पूर्व में प्रस्तुत वित्तीय बोली को अस्वीकार कर दिया गया है और वित्त मंत्रालय को दो चरणों वाली नीलामी प्रक्रिया के माध्यम से पहचाने गए रणनीतिक खरीदार को पीडीआईएल में भारत सरकार की 100% हिस्सेदारी के विनिवेश की प्रक्रिया शुरू करने के लिए अधिकृत किया गया है। रणनीतिक विनिवेश प्रक्रिया के लिए पीआईएम 14 दिसंबर, 2021 को जारी किया गया था। ईओआई जमा करने की अंतिम तिथि 31 जनवरी, 2022 थी जिसे बाद में 28 फ़रवरी, 2022 तक बढ़ा दिया गया था। यह प्रक्रियाधीन है।

35. उर्वरक विभाग (डीओएफ) के दिनांक 14 जुलाई 2017 के पत्र संख्या 19021/05/2016-एफसीए (भाग खंड-3) के अनुसरण में, जिसके साथ दिनांक 13 जुलाई 2017 का डी.ओ. पत्र संख्या 19021/05/2016-एफसीए (भाग) (खंड III) संलग्न है, जिसके तहत डीओएफ ने पीडीआईएल के रणनीतिक विनिवेश की प्रक्रिया से कैटेलिस्ट प्लांट के साथ सिंदरी भूमि को अलग करने का निर्णय लिया था। तदनुसार, पीडीआईएल और फर्टिलाइजर कॉर्पोरेशन इंडिया लिमिटेड (एफसीआईएल) ने 6 सितंबर 2017 को समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके अनुसार पीडीआईएल एमओयू पर हस्ताक्षर करने की तिथि से 180 दिनों के भीतर परिसंपत्तियों को ले जाने/निपटाने के लिए स्वतंत्र है और एफसीआईएल छूटी हुई परिसंपत्तियों के लिए कोई प्रतिफल देने के लिए उत्तरदायी नहीं होगा। डीओएफ के पत्र संख्या 18055/10/2017-एफसीए-(भाग-II) दिनांक 8 मार्च 2018 के तहत इस अवधि को तीन महीने यानी 06.06.2018 तक बढ़ा दिया गया है। पीडीआईएल के पत्र सं. पीडीआईएल/सीएमडी/55 दिनांक 30 मई 2018 के माध्यम से दिनांक 31.8.2018 तक और विस्तार मांगा गया और इसकी अनुमति डीओएफ द्वारा पत्र संख्या 18055/10/2017-एफसीए-भाग- II दिनांक 19 जून 2018 के माध्यम से दी गई थी। सिंदरी में स्थित इमारतें एफसीआईएल के नाम पर पंजीकृत भूमि पर हैं और भूमि का मूल्य 'शून्य' माना गया।

उक्त समझौता ज्ञापन के अनुपालन में, सिंदरी इकाई की सकल मूल्य ₹ 2639.96 लाख और शुद्ध मूल्य ₹ 151.10 लाख वाली अचल संपत्तियां बिना किसी प्रतिफल के 30.04.2019 को एफसीआईएल को सौंप दी गई हैं। लेखा मानक - 4 'बैलेंस शीट तिथि के बाद होने वाली आकस्मिकताएं और घटनाएं' के अनुरूप, लेनदेन को वित्तीय वर्ष 2018-19 में दर्ज किया गया है। वर्ष 2018-19 में ₹ 151.10 लाख के शुद्ध मूल्य को 'अन्य व्यय' शीर्षक के तहत व्यय के रूप में मान्यता दी गई है।

therewith O.M. F.No. 3/21/2016-DIPAM-B dated 11th November 2016 of DIPAM, Ministry of Finance informed 'in principle' approval for Strategic Disinvestment of PDIL by Government of India. Transaction Advisor (TA), Legal Advisor (LA) and Assets Valuer were appointed by DIPAM/DOF, Government of India.

DOF vide letter, F No. 19024/01/2019-PSU dated 8th March 2019, enclosing therewith Ministry of Finance Office Memorandum F No. 3/22/2016-DIPAM-II-B Vol. V dated 27th February 2019, informed that Financial bid submitted earlier has been rejected and authorized DOF to initiate the process for disinvestment of 100% shareholding of Government of India in PDIL to strategic buyer identified through a two stage auction process. PIM for the process of Strategic disinvestment was issued on December 14,2021.The last date for submitting EOI was January 31, 2022 which was later extended till February 28,2022.The same is under process.

35. In pursuant to the Department of Fertilizers (DOF) letter No. 19021/05/2016-FCA(pt. Vol-3) dated 14th July 2017 enclosing therewith D.O. letter No. 19021/05/2016-FCA(Part) (Vol.III) dated 13th July 2017 whereby it was decided by DOF to hive off Sindri Land along with Catalyst Plant from the process of strategic disinvestment of PDIL. Accordingly, PDIL and Fertilizer Corporation India Limited (FCIL) has signed Memorandum of Understanding (MOU) dated 6th September 2017 wherein PDIL is free to carry/dispose off assets within 180 days from the date of signing MOU and FCIL shall not be liable to provide any consideration for the left out assets. This period has been extended by three months i.e. till 06.06.2018 vide DOF letter No. 18055/10/2017-FCA-(Part-II) dated 8th March 2018. Further extension has been sought till 31.08.2018 vide PDIL letter no. PDIL/CMD/55 dated 30th May 2018 and the same was allowed by DOF vide letter No. 18055/10/2017-FCA-Part-II dated 19th June 2018. Buildings located at Sindri are on land registered in the name of FCIL and the land value was taken as 'NIL'.

In compliance of the said MoU, the fixed assets of Sindri unit having Gross Value ₹ 2639.96 Lakhs and Net Value ₹ 151.10 Lakhs has been handed over to FCIL on 30.04.2019, without consideration. In line with Accounting Standard - 4 'Contingencies and Events Occurring after the Balance Sheet Date", the transaction has been recorded in the Financial Year 2018-19. The Net Value of ₹ 151.10 Lakhs has been recognized as expenditure under the head 'Other Expenses' in the year 2018-19.

36. लेखांकन मानक (एएस)-29 "प्रावधान, आकस्मिक देयताएं और आकस्मिक संपत्ति" में बताए गए मार्गदर्शक सिद्धांतों के अनुसार प्रावधानों की आवश्यकता वाली कोई वर्तमान बाध्यता नहीं है।

37. एएस-7 के अनुसार जानकारी: डिजाइन इंजीनियरिंग और परियोजना प्रबंधन परामर्श सेवाओं के अनुबंधों के संबंध में निर्माण अनुबंधों के लिए लेखांकन:

[₹ लाख में]

		31.03.2025	31.03.2024
क.	अनुबंध राजस्व को अवधि में राजस्व के रूप में मान्यता दी गई	3783.89	3389.41
ख.	प्रगतिरत अनुबंधों के संबंध में:		
	i) अनुबंध लागत और मान्यता प्राप्त लाभ (मान्यता प्राप्त हानि घटा कर)	27395.29	24117.88
	ii) प्राप्त अग्रिम	-	-
	iii) प्रतिधारण	-	-
	iv) ग्राहकों से बकाया सकल राशि	3504.60	3355.91
	v) ग्राहकों को देय कुल राशि	123.08	197.18

ग. वित्तीय विवरणों के नोट्स (नोट्स-1) के खंड बी के पैरा (1) के अनुसार प्रगति में अनुबंधों की अवधि और पूर्णता के चरण में अनुबंध राजस्व मान्यता निर्धारित करने की विधि।

38. कर्मचारी लाभ

38.1 एएस-15 'कर्मचारी लाभ' के अनुसार लेखांकन मानक में परिभाषित कर्मचारी लाभ का प्रकटीकरण नीचे दिया गया है।

क) परिभाषित योगदान योजना

परिभाषित योगदान योजना में योगदान, जिसे वर्ष के लिए व्यय के रूप में मान्यता दी गई है, इस प्रकार हैं:

विवरण	31.03.2025 (₹ लाख में)	31.03.2024 (₹ लाख में)
भविष्य निधि में नियोक्ता का योगदान	448.51	441.17
पेंशन योजना में नियोक्ता का योगदान	36.39	39.00
सेवानिवृत्ति में नियोक्ता का योगदान		-
ईएसआई में नियोक्ता का योगदान		-

ख) परिभाषित लाभ योजना

कर्मचारियों की ग्रेच्युटी फंड योजना एक परिभाषित लाभ योजना है। दायित्व का वर्तमान मूल्य प्रोजेक्टेड यूनिट क्रेडिट विधि का उपयोग करके एक्चुरियल मूल्यांकन के आधार पर निर्धारित किया जाता है, जो सेवा की प्रत्येक अवधि को कर्मचारी लाभ पात्रता की अतिरिक्त इकाई के रूप में पहचानता है और अंतिम दायित्व का निर्माण करने के लिए प्रत्येक इकाई को अलग से मापता है। छुट्टी नकदीकरण के लिए दायित्व को ग्रेच्युटी के समान तरीके से मान्यता दी जाती है।

36. There are no present obligations requiring provisions in accordance with the guiding principles as enunciated in Accounting Standards (AS)-29 “Provisions, Contingent Liabilities and Contingent Assets”.

37. Information pursuant to AS-7: accounting for Construction contracts in respect of contracts for Design Engineering and Project Management Consultancy Services:

[₹ in lakhs]

		31.03.2025	31.03.2024
A.	Contract revenue recognized as revenue in the period.	3783.89	3389.41
B.	In respect of contracts in progress:		
	i) Contract costs incurred and recognized profits (less recognized losses)	27395.29	24117.88
	ii) Advances Received	-	-
	iii) Retentions	-	-
	iv) Gross amount due from customers	3504.60	3355.91
	v) Gross amount due to customers	123.08	197.18

C. The method to determine the contract revenue recognition in the period & stage of completion of contracts in progress as per Para (1) of clause B of Notes to Financial Statements (Notes-1).

38. Employee Benefits

38.1 As per AS-15 ‘Employee Benefits’ the disclosure of Employee Benefit as defined in Accounting Standard are given below.

a) Defined Contribution Plan

Contributions to Defined Contribution Plan, recognized as expense for the year are as under:

Description	31.03.2025 (₹ in Lakhs)	31.03.2024 (₹ in Lakhs)
Employer’s contribution to Provident Fund	448.51	441.17
Employer’s contribution to Pension Scheme	36.39	39.00
Employer’s contribution to Superannuation		
Employer’s contribution to ESI		

b) Defined Benefit Plan

The employees’ gratuity fund scheme is a Defined Benefit Plan. The present value of obligation is determined based on actuarial valuation using the Projected Unit Credit Method, which recognizes each period of service as giving rise to additional unit of employee benefit entitlement and measures each unit separately to build up the final obligation. The obligation for leave encashment is recognized in the same manner as gratuity.

1. परिभाषित लाभ दायित्व (डीबीओ) के प्रारंभिक और समापन शेष का समाधान

Reconciliation of opening and closing balances of Defined Benefit Obligation (DBO)

विवरण Particulars	ग्रेच्युटी (वित्तपोषित) (₹ लाख में) Gratuity (Funded) (₹ in Lakhs)		अर्जित अवकाश (बिना वित्तपोषित Earned Leave (Unfunded) (₹ in Lakhs)		आधा वेतन अवकाश (बिना वित्तपोषित) Half Pay Leave (Unfunded) (₹ in Lakhs)	
	2024-25	2023-24	2024-25	2023-24	2024-25	2023-24
वर्ष की शुरुआत में परिभाषित लाभ दायित्व Defined Benefit Obligation at the beginning of the year	2030.02	2024.72	1369.01	1267.06	736.34	702.92
अधिग्रहण समायोजन Acquisition adjustment	-	-	-	-	-	-
ब्याज लागत Interest Cost	146.78	149.42	98.98	93.50	53.24	51.87
पिछली सेवा लागत Past Service Cost		-		-		-
वर्तमान सेवा लागत Current Service Cost	96.37	94.20	90.90	86.49	41.28	40.63
लाभ का भुगतान किया गया Benefits Paid	(249.84)	(253.05)	(332.34)	(317.45)	(26.97)	(32.67)
बीमांकिक (लाभ)/हानि Actuarial (gain)/loss	31.29	14.73	244.21	239.41	(32.30)	(26.41)
निपटान लागत Settlement cost	-	-	-		-	
वर्ष के अंत में डी.बी.ओ. DBO at the end of the year	2054.62	2030.02	1470.76	1369.01	771.59	736.34

2. योजना परिसंपत्तियों के उचित मूल्य के प्रारंभिक और समापन शेष का समाधान

Reconciliation of opening and closing balances of Fair Value of Plan Assets

विवरण Particulars	ग्रेच्युटी (वित्तपोषित) (₹ लाख में) Gratuity (Funded) (₹ in Lakhs)	
	2024-25	2023-24
वर्ष के आरंभ में योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य Fair value of plan assets as at the beginning of the year	1925.81	1931.99
अपेक्षित रिटर्न Expected Return	139.24	142.58
बीमांकिक लाभ/(हानि) Actuarial gain/(loss)	(3.64)	(13.87)
नियोक्ता द्वारा योगदान पिछले वर्ष का निधि समायोजन Contribution by Employer Earlier Year's Fund Adjustment	129.64	118.15
लाभ का भुगतान किया गया Benefits Paid	(249.84)	(253.05)
फंड प्रबंधन शुल्क (एफएमसी) Fund Management Charges (FMC)	(6.06)	(8.56)
निपटान लागत Settlement cost	-	-
वर्ष के अंत में योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य Fair value of plan assets as at the end of the year	1941.20	1925.81
योजना परिसंपत्तियों पर वास्तविक रिटर्न Actual return on plan assets	135.59	128.71

3. बैलेंस शीट में मान्यता प्राप्त राशि का मिलान

Reconciliation of amount recognized in Balance Sheet

विवरण Particulars	ग्रेच्युटी (वित्तपोषित) (₹ लाख में) Gratuity (Funded) (₹ in Lakhs)		अर्जित अवकाश (वित्तपोषित नहीं) (₹ लाख में) Earned Leave (Unfunded) (₹ in Lakhs)		अर्ध वेतन अवकाश (वित्तपोषित नहीं) (₹ लाख में) Half Pay Leave (Unfunded) (₹ in Lakhs)	
	2024-25	2023-24	2024-25	2023-24	2024-25	2023-24
योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य Fair Value of Plan Assets	1941.20	1925.81	-	-	-	-
दायित्व का वर्तमान मूल्य Present value of obligation	2054.62	2030.02	1470.76	1369.01	771.59	736.34
बैलेंस शीट में शुद्ध संपत्ति/(देयता) को मान्यता दी गई है Net asset / (liability) recognized in the Balance Sheet	(113.42)	(104.21)	(1470.76)	(1369.01)	(771.59)	(736.34)

4. लाभ और हानि के विवरण में अवधि के दौरान व्यय को मान्यता दी गई।

Expense Recognized during the period in Statement of Profit & Loss.

विवरण Particulars	ग्रेच्युटी (वित्तपोषित) (₹लाख में) Gratuity (Funded) (₹ in Lakhs)		अर्जित अवकाश (बिना वित्तपोषित) (₹लाख में) Earned Leave (Unfunded) (₹ in Lakhs)		आधा वेतन अवकाश (बिना वित्तपोषित) (₹ लाख में) Half Pay Leave (Unfunded) (₹ in Lakhs)	
	2024-25	2023-24	2024-25	2023-24	2024-25	2023-24
ब्याज लागत Interest Cost	146.77	149.42	98.98	93.51	53.24	51.88
वर्तमान सेवा लागत Current Service Cost	96.38	94.20	90.90	86.49	41.28	40.63
पिछली सेवा लागत Past Service Cost		-		-		-
योजनागत संपत्ति पर संभावित लाभ Expected return on plan assets	(139.24)	(142.58)	-	-	-	-
अवधि के दौरान शुद्ध बीमांकिक (लाभ)/हानि की पहचान की गई Net Actuarial (gain)/ loss recognized during the period	34.93	28.60	244.21	239.41	(32.30)	(26.41)
लाभ और हानि के विवरण में व्यय को मान्यता दी गई Expenses recognized in the statement of Profit & Loss	138.84	129.64	434.09	419.41	62.22	66.10

5. Actual Return on Plan Assets

5. योजना परिसंपत्तियों पर वास्तविक रिटर्न

विवरण Particulars	ग्रेच्युटी (वित्तपोषित) (₹ लाख में) Gratuity (Funded) (₹ in Lakhs)	
	2024-25	2023-24
योजनागत संपत्ति पर संभावित लाभ Expected Return on Plan Assets	139.24	142.58
बीमांकिक (लाभ)/हानि Actuarial (gain)/ loss	3.64	13.87
योजना परिसंपत्तियों पर वास्तविक रिटर्न Actual return on plan assets	135.59	128.71

6. Principal Actuarial Assumptions
प्रमुख बीमांकिक मान्यताएँ

विवरण Particulars मृत्यु तालिका (एलआईसी) Mortality Table (LIC)	ग्रेच्युटी (वित्तपोषित) Gratuity (Funded) (आईएएलएम) 2012-14 (IALM)2012-14	अर्जित अवकाश (बिना वित्तपोषित) Earned Leave (Unfunded) (आईएएलएम) 2012-14 (IALM)2012-14	आधा वेतन अवकाश (बिना वित्तपोषित) Half Pay Leave (Unfunded) (आईएएलएम)2012-14 (IALM)2012-14
छूट दर Discounting Rate	6.93%	6.93%	6.93%
भविष्य में वेतन वृद्धि Future Salary Increase	6.00%	6.00%	6.00%
योजना परिसंपत्तियों पर वापसी की अपेक्षित दर Expected rate of return on plan assets	6.93%	-	-
सेवानिवृत्ति की उम्र Retirement Age	60 वर्ष 60 years	60 वर्ष 60 years	60 वर्ष 60 years
निकासी दरें **Withdrawal Rates**			
30 वर्ष तक Upto 30 years	3%	3%	3%
31 से 44 वर्ष तक From 31 to 44 years	2%	2%	2%
44 वर्ष से ऊपर Above 44 years	1%	1%	1%

बीमांकिक मूल्यांकन में वेतन में वृद्धि की दर के अनुमान में मुद्रास्फीति, वरिष्ठता, पदोन्नति और रोजगार बाजार में आपूर्ति और मांग सहित अन्य प्रासंगिक कारकों को ध्यान में रखा जाता है। बीमांकिक उपरोक्त जानकारी को प्रमाणित करता है।

ग) सेवानिवृत्तोत्तर चिकित्सा लाभ योजना को निदेशक मंडल और उर्वरक विभाग, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अनुमोदित किया गया है। तदनुसार, योजना के अनुसार, चालू वर्ष में कुल ₹24.58 लाख (पिछले वर्ष ₹12.96 लाख) की राशि प्रदान की गई है, जो 2023-24 के कर पूर्व लाभ का 1% है और स्कीम के अनुसार निधि पर केवल ब्याज दिया गया है।

39. संबंधित पक्ष के खुलासे:-

कंपनी भारत सरकार के रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में है और लेखांकन मानक (एएस)-18 के पैरा 9 के तहत राज्य नियंत्रित उद्यमों के अंतर्गत है।

The estimates of rate of escalation in salary considered in actuarial valuation, takes into account inflation, seniority, promotion and other relevant factors including supply and demand in the employment market. The actuary certifies the above information.

c) The Post Retirement Medical Benefits Scheme was approved by the Board of Directors and Department of Fertilizers, Ministry of Chemicals and Fertilizers, Govt. of India. Accordingly, total amount of ₹ 24.58 lakhs (Previous Year ₹ 12.96 lakhs) being 1% of PBT of 2023-24 and interest on corpus have only been provided in the Current Year as per the scheme.

39. Related Party Disclosures:-

Company is under administrative control of Ministry of Chemicals & Fertilizers, Government of India and within the meaning of state controlled enterprises of para 9 of Accounting Standards (AS)-18.

क. संबंधित पक्षों और संबंधों की सूची

A. List of Related Parties & Relationships

क)	उद्यम जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से एक या अधिक मध्यस्थों के माध्यम से रिपोर्टिंग उद्यम को नियंत्रित करते हैं या नियंत्रित होते हैं या उसके साथ सामान्य नियंत्रण में हैं (इसमें होल्डिंग कंपनियां, सहायक कंपनियां और साथी सहायक कंपनियां शामिल हैं)।	कोई नहीं
a)	Enterprises that directly or indirectly through one or more intermediaries, control or are controlled by or are under common control with the reporting enterprise (this includes holding companies, subsidiaries and fellow subsidiaries).	None
ख)	सहयोगी और संयुक्त उद्यम	कोई नहीं
b)	Associates and joint ventures	None
ग	प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से, रिपोर्टिंग उद्यम की वोटिंग शक्ति में रुचि रखने वाले व्यक्ति जो उन्हें उद्यम पर नियंत्रण या महत्वपूर्ण प्रभाव प्रदान करते हैं, और	
c)	ऐसे किसी भी व्यक्ति के रिश्तेदार।	कोई नहीं
	Individuals owning directly or indirectly, an interest in the voting power of the reporting enterprise that gives them control or significant influence over the enterprise, and relatives of any such individual.	None
घ)	प्रमुख प्रबंधन कार्मिक और उनके रिश्तेदार	
d)	Key Management Personnel and their relatives	
	(i) डॉ. यू. सरवणन, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड तथा पीडीआईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त प्रभार 01.11.2023 से अब तक Dr. U. Saravanan, Chairman & Managing Director, National Fertilizers Limited and Additional Charge of Chairman & Managing Director , PDIL w.e.f. 01.11.2023 till date	
	(ii) श्री हीरा नंद, निदेशक (वित्त), नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड और निदेशक (वित्त), पीडीआईएल का अतिरिक्त प्रभार। 09.02.2024 से अब तक Shri Hira Nand, Director (Finance), National Fertilizers Limited and Additional Charge of Director (Finance), PDIL w.e.f. 09.02.2024 till date	
	(iii) सुश्री अर्पिता बासु राय , कंपनी सचिव दिनांक 06.10.2022 से अब तक। Ms. Arpita Basu Roy, Company Secretary w.e.f. 06.10.2022 till date.	
ङ)	उद्यम जिन पर (ग) या (घ) में वर्णित कोई भी व्यक्ति महत्वपूर्ण प्रभाव डालने में सक्षम है।	कोई नहीं
e)	Enterprises over which any person described in (c) or (d) is able to exercise significant influence.	None

(₹ लाख में) (₹ in Lakhs)

ख व्यवसाय के सामान्य क्रम में संबंधित पक्षों के साथ निम्नलिखित लेनदेन किए गए/बकाया गए

B. The following transactions were carried out / outstanding with related parties in the ordinary course of business

1	उपर्युक्त (क), (ख) एवं (ग) में निर्दिष्ट पक्षों के साथ। With parties referred to in (a), (b) and (c) above.	शून्य NIL
2	उपर्युक्त (घ) में उल्लिखित पक्षों के साथ। With parties referred to in (d) above.	शून्य NIL

40. **खंड रिपोर्टिंग**

लेखांकन मानकों (एएस-17) "सेगमेंट रिपोर्टिंग" के अनुरूप कंपनी के संचालन में केवल एक खंड अर्थात कंसल्टेंसी और इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट शामिल हैं।

41. उर्वरक विभाग के निर्णायानुसार पीडीआईएल और एफसीआईएल के बीच हस्ताक्षरित 6 सितम्बर 2017 के समझौता ज्ञापन के अनुपालन में बिना किसी विचार के पीडीआईएल, सिंदरी में क्वार्टर दिनांक 28.02.2019 को एफसीआईएल, सिंदरी को सौंप दिए गए थे।.

42. **आयकर आकलन**

आकलन वर्ष 2023-24 तक आयकर आकलन पूरा हो चुका है। कर निर्धारण वर्ष 2017-18 तक पूर्ण रिफंड प्राप्त हो चुका है। कर निर्धारण वर्ष 2018-19, 2019-20 और 2023-24 के लिए आंशिक रिफंड प्राप्त हो चुका है। इस मामले पर आयकर प्राधिकरण के साथ अनुवर्ती कार्रवाई की जा रही है।

40. **Segment Reporting**

In line with Accounting Standards (AS-17) "Segment Reporting" the company operations comprise of only one segment viz Consultancy & Engineering Projects.

41. The quarters at PDIL, Sindri were handed over to FCIL, Sindri on 28.02.2019 without any consideration in compliance of Memorandum of Understanding (MOU) dated 6th September 2017 signed between PDIL and FCIL as decided by DoF.

42. **Income Tax Assessments**

Income Tax Assessments have been completed upto Assessment Year 2023-24. Full Refund has been received upto Assessment Year 2017-18. Part Refunds have been received for the Assessment Year 2018-19, 2019-20 and 2023-24. The matter is being followed up with Income Tax Authority.

आयकर रिफंड का वर्षवार विवरण इस प्रकार है:
Year-wise details of Income Tax Refunds are as under

(₹ लाख में/₹ in Lakhs)

वर्ष AY	आईटीआर के अनुसार रिफंड Refund as per ITR	रिफंड प्राप्त हुआ Refund Received	अस्वीकृतियों/मांगों के लिए समायोजन Adjustment for disallowances / demands	रिफंड मिलना है Refund to be received	टिप्पणी/Remarks
2018-19	658.79	381.01	-	277.78	आयकर विभाग द्वारा धारा 43बी के तहत बेमेल और धारा 43बी के अतिरिक्त धारा 36 के तहत दोहरी कटौती के कारण अस्वीकृत कर दिया गया है। पीडीआईएल ने आयकर प्राधिकरण के समक्ष उपस्थित होने के लिए एक कर सलाहकार नियुक्त किया है। कर कानूनों के अनुसार अनुमत सीमा के भीतर सुधार दाखिल किए गए हैं, लेकिन आयकर विभाग ने सुधार के हमारे अनुरोधों को अस्वीकार कर दिया है। पीडीआईएल और कर सलाहकार, दोनों ने विभिन्न प्रस्तुतियाँ/दावे/संचार आदि के माध्यम से कई प्रयास किए हैं। अब, केंद्रीय आयकर आयुक्त (अपील) के समक्ष अपील दायर की जा रही है। Disallowed by Income Tax Department on account of mismatch u/s 43B and double deduction u/s 36 in addition to section 43B. PDIL appointed a Tax Consultant to appear before Income Tax Authority. Rectifications have been filed within permissible limit as per tax laws but Income Tax department has rejected our requests for rectification. Both PDIL and tax consultant have put-up many efforts by various Submissions/Graviences/Communications etc. Now, Appeal before CIT (Appeals) is being filed.

वर्ष AY	आईटीआर के अनुसार रिफंड Refund as per ITR	रिफंड प्राप्त हुआ Refund Received	अस्वीकृतियों/मांगों के लिए समायोजन Adjustment for disallowances / demands	रिफंड मिलना है Refund to be received	टिप्पणी/Remarks
2019-20	293.48	19.42	9.68	264.38	पीडीआईएल द्वारा लाभांश वितरण कर (डीडीटी) हमारे चालान क्रमांक 36328 दिनांक 07/10/2019 के माध्यम से आईडीबीआई बैंक लिमिटेड के माध्यम से नियत तिथि के भीतर जमा कर दिया गया है। हालाँकि, आयकर विभाग द्वारा धारा 143(1) के तहत मूल्यांकन आदेश के समय डीडीटी के लिए पहले से जमा की गई राशि पर विचार किए बिना डीडीटी की राशि काट ली गई है। पीडीआईएल ने आयकर प्राधिकरण के समक्ष उपस्थित होने के लिए एक कर सलाहकार नियुक्त किया है। कर कानूनों के अनुसार स्वीकार्य सीमा के भीतर सुधार दाखिल किए गए हैं, लेकिन आयकर विभाग ने सुधार के हमारे अनुरोध को अस्वीकार कर दिया है। पीडीआईएल और कंपनी के सलाहकार दोनों ने विभिन्न प्रस्तुतियाँ/आग्रह/संचार आदि के माध्यम से कई प्रयास किए हैं। अब, सीआईटी (अपील) के समक्ष अपील दायर की जा रही है। Dividend Distribution Tax (DDT) has been deposited by PDIL within due date vide our Challan Serial No.36328 dated 07/10/2019 through IDBI Bank Limited. However, amount of DDT has been deducted by Income Tax Department at the time of assessment order u/s 143(1) without considering amount already deposited towards DDT. PDIL appointed a Tax Consultant to appear before Income Tax Authority. Rectifications have been filed within permissible limit as per tax laws but Income Tax department has rejected our requests for rectification. Both PDIL and consultant of the Company have put-up many efforts by various Submissions/ Graviences/Communications etc. Now, Appeal before CIT (Appeals) is being filed
2023-24	815.63	740.18	75.45	शून्य Nil	वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान 740.18 लाख रुपये का आंशिक रिफंड प्राप्त हुआ। इसमें सुधार दाखिल करने की आवश्यकता नहीं थी क्योंकि रिफंड को कर कानूनों के अनुसार समायोजित कर दिया गया है और चालू वर्ष में पिछले वर्षों के खर्चों पर प्रभारित कर दिया गया है। Part Refund of ₹ 740.18 Lakhs received during the year Financial Year 2024-25. Rectification wasn't required be filed as the Refund has been adjusted as per Tax Laws and charged to Earlier Years Expenses in the Current Year.

43. सीएसआर व्यय
CSR Expenditure

(₹ लाख में/ ₹ in Lakhs)

क./A.	विवरण/Particulars	2024-25	2023-24
	Gross amount required to be spent by the company	22.55	30.48

B. वर्ष 2024-25 के दौरान व्यय की गई राशि:

Amount spent during the year 2024-25 on:

(₹ लाख में/ ₹ in Lakhs)

विवरण Particulars	नकद भुगतान किया Paid in cash	नकद भुगतान कि या जाना है Yet to be paid in cash	कुल Total
(i) किसी संपत्ति का निर्माण/अधिग्रहण (i) Construction / acquisition of any asset	0.00	0.00	0.00
(ii) उपरोक्त (i) के अलावा अन्य उद्देश्यों पर (ii) On purposes other than (i) above	26.23	26.80	53.03

वर्ष 2023-24 के दौरान व्यय की गई राशि::

Amount spent during the year 2023-24 on:

(₹ लाख में/ ₹ in Lakhs)

विवरण Particulars	नकद भुगतान किया Paid in cash	नकद भुगतान कि या जाना है Yet to be paid in cash	कुल Total
(i) किसी संपत्ति का निर्माण/अधिग्रहण (i) Construction / acquisition of any asset	0.00	0.00	0.00
(ii) उपरोक्त (i) के अलावा अन्य उद्देश्यों पर (ii) On purposes other than (i) above	00.00	30.48	30.48

C. वर्ष के दौरान व्यय और अव्ययित का संचलन

Movement of spent and Unspent during the year

(₹ लाख में/ ₹ in Lakhs)

विवरण Particulars	2024-25	2023-24
अव्ययित/(अतिरिक्त) राशि प्रारंभ Opening unspent/(excess) amount	30.48	33.84
वर्ष के दौरान अतिरिक्त व्यय किया जाना है Addition to be spent during the year	22.55	30.48
वर्ष के दौरान खर्च किया गया Spent during the year	26.23	33.84
अव्ययित/(अतिरिक्त) राशि को समाप्त करना Closing Unspent/(Excess) Amount	26.80	30.48

D . उपरोक्त कमी का कारण (अव्ययित राशि)

Reason for above shortfalls (Unspent Amount)

कंपनी ने डीपीई के कार्यालय ज्ञापन संख्या एफ. संख्या 8/2/2018-निदेशक (सीएसआर) दिनांक 15 मार्च 2024 के अनुसार सामान्य विषय "स्वास्थ्य और पोषण" के अंतर्गत दो अलग-अलग संस्थानों, सीएमओ, नोएडा, गौतमबुद्ध नगर और गुजरात यूनिवर्सिटी ऑफ ट्रांसप्लांट साइंसेज (जीयूटीएस), अहमदाबाद के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करके सीएसआर परियोजनाएं शुरू की हैं। पहली परियोजना यानी सीएमओ, गौतमबुद्ध नगर वाली परियोजना पूरी हो चुकी है जबकि दूसरी परियोजना प्रगति पर है।

The Company have undertaken CSR Projects, by signing MoU with two different Institutions, CMO, Noida, Gautam Budh Nagar & Gujarat University of Transplant Sciences (GUTS), Ahmedabad, under the common theme "Health & Nutrition" as per DPE O.M No.F. No.8/2/2018-Dir(CSR) dtd.15th Mar.' 2024. The former project i.e the project with CMO, Gautam Budh Nagar has been completed where as the latter one is in progress.

E. कंपनी द्वारा की गई सीएसआर गतिविधियों की प्रकृति।

The nature of CSR activities undertaken by the Company.

कंपनी द्वारा की गई सीएसआर गतिविधियाँ 2024-25 के लिए डीपीई द्वारा प्रसारित सामान्य विषय के अनुसार स्वास्थ्य और पोषण के क्षेत्र में हैं और अनुसूची-VII में अनुमत पीएमकेयर्स फंड में दान करने के लिए हैं।

The CSR activities undertaken by the Company is in the field of Health & Nutrition in accordance with the common theme circulated by DPE for 2024-25 and to donate to PMCARES Fund as allowed in Schedule-VII.

F. सीएसआर के संबंध में संबंधित पार्टी लेनदेन का व्यय विवरण:

शून्य

Expenditure Details of Related Party Transaction in relation to CSR :

NIL

G. कंपनी अधिनियम की धारा 135(5) के अनुसार, चल रही परियोजनाओं के अलावा अन्य के संबंध में कमी की राशि (अर्थात् अव्ययित राशि), अधिनियम की अनुसूची VII में निर्दिष्ट निधि में स्थानांतरित की गई;

शून्य

The shortfall amount (i.e. unspent amount), in respect of other than ongoing projects, transferred to a Fund specified in Schedule VII to the Act, as per section 135(5) of the Companies Act;

NIL

H. कंपनी अधिनियम की धारा 135(6) के अनुसार किसी चालू परियोजना के तहत कमी की राशि (अर्थात् अव्ययित राशि) को विशेष खाते में स्थानांतरित कर दिया जाता है।

The shortfall amount (i.e. unspent amount), pursuant to any ongoing project, transferred to special account as per section 135(6) of the Companies Act.

31.3.2025 तक, एक चालू परियोजना के अनुसार ₹16.59 लाख की कमी राशि (अर्थात अव्ययित राशि) को 30.04.2025 को एक्सिस बैंक सेक्टर-16 नोएडा में खोले गए खाता संख्या: 925020019655361 के माध्यम से एक अलग बैंक खाते, जिसका नाम "प्रोजेक्ट्स एंड डेवलपमेंट इंडिया लिमिटेड-अव्ययित सीएसआर खाता वित्त वर्ष 2024-25" है, में स्थानांतरित कर दिया गया।

The shortfall amount (i.e. unspent amount) of ₹16.59 lakh, pursuant to an ongoing project, as on 31.3.2025, was transferred to a separate Bank account namely "PROJECTS & DEVELOPMENT INDIA LTD-UNSPENT CSR ACCOUNT FY 2024-25" vide A/C No: 925020019655361 opened at AXIS BANK SECTOR-16 NOIDA on 30.04.2025.

44. सरकारी अनुदान
Government Grants

सरकारी अनुदान का विवरण इस प्रकार है [पिछले वर्ष का आंकड़ा ( )]

The detail of Government Grants are as under [previous Year's Figure in ( )]

(₹ in Lakhs/ ₹ लाख में)

क्रम सं. Sl No	परियोजना का नाम Name of Project	प्रारंभिक जमा Opening Balance	वर्ष के दौरान सरकार द्वारा जारी अनुदान Grant released by Govt. during the year	वर्ष के दौरान उपयोग / वापस किया गया अनुदान Grant utilized/ refund during the year	जमा शेष Closing Balance	टिप्पणियाँ Notes
1	ताजा खर्च किए गए उत्प्रेरक की तैयारी के लिए कच्चे माल के रूप में खर्च किए गए एचटी उत्प्रेरक का उपयोग Use of Spent HT Catalyst as Raw Material for preparation of fresh spent catalyst	28.08 (28.08)	शून्य (शून्य) Nil (Nil)	शून्य (शून्य) Nil (Nil)	28.08 (28.08)	10 (अन्य वर्तमान देनदारियाँ) 10 (Other Current Liabilities)
2	एलटी शिफ्ट रूपांतरण उत्प्रेरक की सुरक्षा के लिए क्लोरीन गार्ड उत्प्रेरक। Chlorine Guard Catalyst for Protection of LT Shift Conversion Catalyst.	6.92 (6.92)	शून्य (शून्य) Nil (Nil)	शून्य (शून्य) Nil (Nil)	6.92 (6.92)	10 (अन्य वर्तमान देनदारियाँ) 10(Other Current Liabilities)
3	सल्फ्यूरिक एसिड उत्पादन के लिए सीज़ियम डोप्ड कम तापमान सल्फर डाइऑक्साइड ऑक्सीकरण उत्प्रेरक का विकास Development of Cesium Doped Low Temperature Sulphur Dioxide Oxidation Catalyst for Sulphuric acid production	-43.53 (-43.53)	Nil (Nil)	Nil (Nil)	-43.53# (-43.53)#	21(अन्य वर्तमान देनदारियाँ) 21(Other Current Assets)
	कुल TOTAL	**-8.53 (-8.53)**	**Nil (Nil)**	**Nil (Nil)**	**-8.53 (-8.53)**	

भारत सरकार ने पत्र सं. क्रमांक 15061/1/2014-एफपी दिनांक 26.08.2014 के माध्यम से ₹ 69.96 लाख रुपये का अनुदान स्वीकृत किया है।

Govt. of India has sanctioned grant of ₹ 69.96 lakhs vide letter No.15061/1/2014-FP dated 26.08.2014.

45. असाधारण वस्तुएँ

कर्मचारियों को मिलने वाले भविष्य निधि लाभ का प्रबंधन छूट प्राप्त भविष्य निधि ट्रस्ट, अर्थात् 'ट्रस्टीज प्रोजेक्ट्स एंड डेवलपमेंट इंडिया लिमिटेड, कर्मचारी भविष्य निधि, सिंदरी' के माध्यम से किया जाता है। ईपीएफ योजना, 1952 के पैरा 27एए के अंतर्गत परिशिष्ट-ए के बिंदु संख्या 28 के अनुसार छूट की शर्तों और नियमों के अनुसार, कंपनी ने रिलायंस कैपिटल की प्रतिभूतियों में ₹ 185.69 लाख (पिछले वर्ष ₹ शून्य लाख) की हानि की भरपाई कर ली है

46. कंपनी की ओर से बैंक द्वारा विभिन्न दायित्वों के लिए जारी बैंक गारंटी, जिसकी राशि 31.03.2025 तक ₹ 1374.41 लाख (पिछले वर्ष ₹ 1496.42 लाख) बकाया है।

47. मेसर्स हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड को विभिन्न दायित्वों के लिए दी गई कॉर्पोरेट गारंटी, जिसकी राशि 31.03.2025 तक ₹ 728.12 लाख (पिछले वर्ष ₹ 728.12 लाख) बकाया थी।

45. Exceptional Items

The Employees benefit of PF is administered through the exempted PF Trust, namely 'Trustees Projects & Development India Limited, Employees Provident Fund, Sindri'. In accordance with the terms & conditions of exemption as specified in EPF Scheme, 1952 vide Point No.28 to the Appendix-A under Para 27AA of the said scheme, the Company has made good the loss in the securities of Reliance Capital amounting to ₹ 185.69 lakhs (Previous Year ₹ Nil lakhs).

46. Bank Guarantees issued by bank on behalf of the company for various obligations amounting to ₹ 1374.41 lakhs (Previous Year ₹ 1496.42 lakhs) outstanding as on 31.03.2025.

47. Corporate Guarantees given to M/s Hindustan Urvarak & Rasayan Limited for various obligations amounting to ₹ 728.12 lakhs (Previous Year ₹ 728.12 lakhs) outstanding as on 31.03.2025.

48. महत्वपूर्ण अनुपात

48. Significant Ratios

क्रमांक Sr. No.	विवरण Particulars	न्यूमैरेटर Numerator	डिनॉमीनैटर Denominator	₹ लाखों में ₹ in lakhs 2024-25	2023-24	% विचरण % variance	भिन्नता के कारण Reasons for variance
(ए) (a)	वर्तमान अनुपात (समय) Current Ratio (Times)						
		वर्तमान संपत्ति Current Assets		19731.45	18638.56		
			वर्तमान देनदारियां Current Liabilities	3687.87	3574.28		
	वर्तमान अनुपात Current ratio			5.35	5.21	2.60%	
(बी) (b)	ऋण इक्विटी अनुपात Debt Equity Ratio	कंपनी पर कोई दीर्घकालिक ऋण नहीं है और इसलिए ये अनुपात लागू नहीं हैं The Company does not have any long term debts and hence these ratios are not applicable					
(सी) (c)	कर्ज सेवा कवरेज अनुपात Debt Service Coverage Ratio						
(डी) (d)	इक्विटी पर रिटर्न (आरओई) (%) Return on Equity (ROE) (%)						
		करों के बाद शुद्ध लाभ Net Profits after taxes		458.85	1061.56		पीएटी में कमी के कारण Due to decrease in PAT
			प्रारंभिक शेयर पूंजी Opening Share Capital	1729.85	1729.85		
			समापन शेयर पूंजी Closing Share Capital	1729.85	1729.85		
			औसत शेयरधारक इक्विटी Average shareholder Equity	1729.85	1729.85		
	इक्विटी में रिटर्न Returns on Equity			26.53%	61.37%	-56.78%	
(ई) (e)	इन्वेंटरी टर्नओवर अनुपात Inventory Turnover Ratio	कंपनी के पास कोई विनिर्माण इकाई नहीं है और इसलिए यह अनुपात लागू नहीं है The Company does not have any Manufacturing Unit and hence this ratio is not applicable					
(एफ़) (f)	व्यापार प्राप्य टर्नओवर अनुपात (समय) Trade Receivables Turnover Ratio (Times)						
		शुद्ध ऋण बिक्री Net Credit Sales		9029.07	9766.34		
			आरंभिक व्यापार प्राप्य Opening Trade Receivable	8664.68	7824.66		
			समापन व्यापार प्राप्य Closing Trade Receivable	8098.27	8664.68		
			औसत प्राप्य खाते Average Accounts Receivable	8381.48	7831.63		
	व्यापार प्राप्य टर्नओवर अनुपात Trade Receivables Turnover Ratio			1.08	1.25	-14%	
(जी) (g)	व्यापार देय टर्नओवर अनुपात (समय) Trade Payables Turnover Ratio (Times)						
		शुद्ध ऋण खरीद Net Credit Purchases		1763.12	2025.75		

क्रमांक Sr. No.	विवरण Particulars	न्यूमैरेटर Numerator	डिनॉमीनैटर Denominator	₹ लाखों में ₹ in lakhs 2024-25	2023-24	% विचरण % variance	भिन्नता के कारण Reasons for variance
			आरंभिक व्यापार देय Opening Trade Payables	546.29	959.62		
			समापन व्यापार देय Closing Trade Payables	572.63	546.29		
			औसत व्यापार देय Average Trade Payables	**559.46**	**752.96**		
	व्यापार देय टर्नओवर अनुपात Trade Payables Turnover Ratio			**3.15**	**2.69**	**17%**	
(एच) (h)	**शुद्ध पूंजी टर्नओवर अनुपात (टाइम्स) Net capital Turnover Ratio (Times)**						
		कुल बिक्री Net Sales		**9029.07**	**9766.34**		बिक्री में कमी के कारण Due to decrease in sales
			आरंभिक कार्यशील पूंजी Opening Working Capital	15064.28	12221.16		
			समापन कार्यशील पूंजी Closing Working Capital	16043.58	15064.28		
			औसत कार्यशील पूंजी Average Working Capital	**15553.93**	**13642.72**		
	शुद्ध पूंजी टर्नओवर अनुपात Net capital Turnover Ratio			**0.58**	**0.74**	**-21%**	
(आई) (i)	**शुद्ध लाभ अनुपात (%) Net Profit Ratio (%)**						
		शुद्ध लाभ Net Profit	**शुद्ध बिक्री Net Sales**	**458.85** **9029.07**	**1061.56** **9766.34**		पीएटी में कमी के कारण Due to decrease in PAT
	शुद्ध लाभ अनुपात Net Profit Ratio			**5.08%**	**10.87%**	**-53.25%**	
(जे) (j)	**नियोजित पूंजी पर रिटर्न (%) Return on Capital Employed (%)**						
		ब्याज और करों से पहले कमाई Earning before interest & Tax		**728.55**	**1438.41**		पीएटी में कमी के कारण Due to decrease in PAT
			व्यवसाय के लिए आवश्यक मूलधन Capital Employed	**17618.29**	**17477.94**		
	नियोजित पूंजी पर रिटर्न Return on Capital Employed			**4.14%**	**8.23%**	**-49.75%**	
(के) (k)	**निवेश पर रिटर्न Return on investment**	**कंपनी के पास कोई सूचीबद्ध निवेश नहीं है और इसलिए यह अनुपात लागू नहीं है The Company does not have any Listed Investment and hence this ratio is not applicable**					

49. अतिरिक्त जानकारी

49. Additional information

स्टॉक :

STOCKS :

	विवरण		Particulars	समापन स्टॉक 31.03.2025 तक Closing Stock as on 31.03.2025		समापन स्टॉक 31.03.2024 तक Closing Stock as on 31.03.2024	
				मात्रा एम.टी. Qty M.T.	मूल्य (₹ लाख में) Value (₹ Lakhs)	मात्रा एम.टी. Qty M.T.	मूल्य (₹ लाख में) Value ₹ /Lakhs
1	एच.टी. उत्प्रेरक	1	H.T. CATALYST				
(ए)	एच. टी. को कन्व. उत्प्रेरक	(a)	H. T. Co. Conv. Catalyst	29.000	80.37	29.000	80.37
(बी)	वैनेडियम पेंटोक्साइड कैट.	(b)	Vanadium Pentoxide Cat.	5.932	10.27	5.932	10.27
2	निकल उत्प्रेरक	2	NICKEL CATALYST				
ए.	रिफॉर्मेशन उत्प्रेरक	a.	Reformation Catalyst	25.990	58.50	25.990	58.50
बी.	मीथेनेशन उत्प्रेरक	b.	Methanation Catalyst	4.658	19.57	4.658	19.57
सी.	एल्यूमिना बॉल्स/सक्रिय	c.	Alumina Balls/Active	3.293	2.89	3.293	2.89
	एल्यूमिना*		Aluamina*				
3	एल. टी. उत्प्रेरक	3	L. T. CATALYST				
ए.	एल. टी. कंपनी कन्व. उत्प्रेरक	a.	L. T. Co. Conv. Catalyst	6.995	25.13	6.995	25.13
बी.	डीहाइड्रोजनीकरण उत्प्रेरक	b.	Dehydrogenation Catalyst	3.000	5.00	3.000	5.00
सी.	जिंकॉक्साइड उत्प्रेरक	c.	Zincoxide Catalyst	2.000	2.51	2.000	2.51
डी.	थर्मोबॉन्ड	d.	Thermobond		-		-
ई.	सोडियम नाइट्रेट	e.	Sodium Nitrate	-	-	-	-
4	NOX उत्प्रेरक	4	NOX Catalyst	0.100	0.17	0.100	0.17
5	आयरन ऑक्साइड	5	Iron Oxide	-	-	-	-
6	कार्यशाला उपकरण	6	Workshop Equipments				
	कुल		**Total**	**80.968**	**204.41**	**80.968**	**204.41**
	जोड़ें: उत्पाद शुल्क		Add: Excise Duty				
				80.968	204.41	80.968	204.41

50. Other additinal Information

50.अतिरिक्त जानकारी

	विवरण		Particulars	चालू वर्ष 2024-25 Current year 2024-25		पिछला वर्ष 2023-24 Previous year 2023-24	
				₹/लाख ₹ /Lakhs		₹/लाख ₹ /Lakhs	
(ए)	सी.आई.एफ. आयात का मूल्य	(a)	C.I.F. Value of Imports	शून्य/NIL		शून्य/NIL	
	(एमएफजी)		(mfg)				
(बी)	विदेशी मुद्रा में व्यय :	(b)	Expenditure in foreign currency :				
	i) विदेशी दौरे		i) Foreign Tours	9.70		6.51	
	i) रहने का खर्च		ii) Living Expenses	-		-	
	iii) तकनीकी ज्ञान शुल्क		iii) Technical Know fee	113.91		100.24	
	iv) अन्य		iv) Others	16.80		11.47	
(सी)	रॉयल्टी, जानकारी, पेशेवर और परामर्श सेवाओं आदि के लिए विदेशी मुद्रा में कमाई।	(c)	Earnings in Foreign Exchange for Royalty, know-how, professional and consultancy services etc.	525.24		392.47	
(डी)	कच्चे माल, स्पेयर पार्ट्स घटकों और उपभोग किए गए भंडार का मूल्य और कुल का प्रतिशत:	(d)	Value of Raw Materials, Spare parts components and stores consumed and percentage of the total :				

	विवरण		Particulars	चालू वर्ष 2024-25 Current Year 2024-25 अमाउंट प्रतिशत ₹/लाख Amount Percentage ₹ /Lakhs		पिछला वर्ष 2023-24 Previous Year 2023-24 अमाउंट प्रतिशत ₹/लाख Amount Percentage ₹ /Lakhs	
	i) कच्चा माल		i) Raw Materials				
	आयातित		Imported	-	-	-	-
	स्वदेशी		Indigenous	-	-	-	-
	ii) स्टोर, स्पेयर पार्ट्स		ii) Stores, Spare parts				
	आयातित		Imported	-	-	-	-
	स्वदेशी		Indigenous	-	-	-	-

51. पूर्णकालिक निदेशकों का पारिश्रमिक:

51. Remuneration of Whole time Directors :

	विवरण		Particulars	चालू वर्ष 2024-25 Current year 2024-25 ₹/लाख ₹/ Lakhs	पिछला वर्ष 2023-24 Previous year 2023-24 ₹/लाख ₹/ Lakhs
1	वेतन	1	Salaries	-	-
2	भविष्य निधि अंशदान	2	Provident Fund Contribution	-	-
3	अन्य	3	Others	-	-
				_	-
	कुल		**Total**	**-**	**-**
				=	=

"उपरोक्त राशि में वेतन और भत्ते, भविष्य निधि में योगदान आदि और नकदीकरण योग्य छुट्टियों के लिए वास्तविक भुगतान शामिल हैं।

पूर्णकालिक निदेशकों के पारिश्रमिक में ग्रेच्युटी और नकदीकरण योग्य अवकाश के लिए किए गए प्रावधान शामिल नहीं हैं क्योंकि वे समग्र रूप से कंपनी के लिए बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर प्रदान किए गए थे।

इसके अलावा, कार्यात्मक निदेशकों को नियुक्ति पत्र के नियमों और शर्तों के अनुसार प्रति माह राशि की कटौती पर प्रति वर्ष 12000 किलोमीटर तक निजी उद्देश्य के लिए कंपनी की कार का उपयोग करने की भी अनुमति है।"

"The above amount includes salaries & allowances, contribution to provident fund etc. and actual payments towards encashable leaves.

The remunaration of Whole time Directors doesn't include the provision made for Gratuity and encashable leaves as they provided on Actuarial Valuation basis for the Company as a whole.

In addition, Functional Directors are also allowed to use the Company's Car for Private purpose upto 12000 Kms per annum on deduction of amount per month as per terms & conditions of appointment letter."

52 पिछले वर्ष के आँकड़ों को वर्तमान वर्ष के आँकड़ों के साथ तुलनीय बनाने के लिए, जहाँ भी आवश्यक हो, पुनर्समूहित और पुनर्व्यवस्थित किया गया है।

53 बैलेंस शीट के वित्तीय विवरण 1-52 के नोट्स और लाभ और हानि के विवरण खातों का एक अभिन्न अंग हैं। कोष्ठक में दिए गए आंकड़े () अन्यथा निर्दिष्ट नकारात्मक राशि दर्शाते हैं।

52 The figures of previous year have been regrouped & re-arranged, wherever necesssary to make them comparable with current year figures.

53 Notes to Financial Statement 1-52 of Balance Sheet and Statements of Profit and Loss form an integral part of Accounts. Figures in brackets () indicate negative amount otherwise specified.

निदेशक मंडल के वास्ते

ह/-
अर्पिता बसु रॉय
कंपनी सचिव
M. No.: A28972

ह/-
हीरा नंद
निदेशक (वित्त)
DIN: 09476034

ह/-
डॉ. यू. सरवणन
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
DIN: 07274628

हमारी रिपोर्ट की अवधि में सम दिनांक संलग्न है
एसपीएसए और कंपनी के लिए
चार्टर्ड अकाउंटेंट
फर्म पंजीकरण संख्या: 019888N
ह/-
संजय कुमार अग्रवाल
पार्टनर
M. No.: 506604

स्थान: नोएडा
तिथि: 19.06.2025

For and on behalf of the Board of Directors

sd/-
Arpita Basu Roy
Company Secretary
M. No.: A28972

sd/-
Hira Nand
Director (Finance)
DIN: 09476034

sd/-
Dr. U. Saravanan
Chairman & Managing Director
DIN: 07274628

In term of our report of even date attached
For SPSA & CO
Chartered Accountants
Firm Regn No.: 019888N
sd/-
Sanjay Kumar Agrawal
Partner
M.No.: 506604

Place: Noida
Date: 19.06.2025

Note

Poster & Banner

Rajbhasha Inspection by officials of DoF

Gaurav Diwas Campaign of 2024

Constitution Day

Swachata Pakhwara at Noida

Board meeting of PDIL at Srinagar, J&K

Diwali celebration

FAI Annual Seminar 2024

TB Mukt Bhatart Abiyan

Tree Plantation

Vishwakarma Puja

Women's Day

Yoga Day

CONTACT US

Corporate, Engineering, Centre

NOIDA
Projects & Development India Ltd.
A-14, Sector-1, Noida -201301
Tel: +91-120-2529 84/43/47/51/53/54
Fax: +91-120-2529801/2529 891
email: bd@pdilin.com

Engineering Centre (Western Region)

VADODARA
Projects & Development India Ltd.
Samta, Subhanpura, Vadodara -390 023
Tel: +91-265-2388 413/18/18/20/21
Fax: +91-265-2388 398/399
email: baroda@pdilin.com

INSPECTION OFFICES

HYDERABAD
Projects & Development India Ltd.
Qr. 544-C/IV, BHEL Township,
Ramachandrapuram,
HYDERABAD-502 032
Tel.: +91-40-2318 2873/2302 1365
e-mail: pdilhyd@yahoo.com

MUMBAI
Projects & Development India
Ldt. Ashish Champers, 5th Floor,
R.C. Marg, Mahul Road, Chembur
MUMBAI-400 074
Tel.: +91-22-25534052/25534041
Fax: +91-22-2554 0031
e-mail: mumbai@pdilin.com
pdilmumbai@mtnl.net.in

KOLKATA
Projects & Development India Ltd.
4th Floor, 4/2, Karaya Road,
67, Shakespeare Sarani,
Kolkata – 700 017
Tel.: +91-33-2280 1321/2282 0893
Fax: +91-33-22873274
e-mail: kolkata@pdilin.com

CHENNAI
Projects & Development India Ltd.
Rabiya Building, First Floor, 238,
Royapetta High Road, Mylapore,
CHENNAI-600 004
Tel.: +91-44-2499 2374/2499 0433
e-mail: chennai@pdilin.com

Visit us at www.pdilin.com